१५
२८

अथ

95
28

2277

ग्रन्थनामः-	"सारसंग्रहः" Sara Sangraha	
कर्तृनामः-	?	
विषयः-	वैद्यशास्त्रम्	(हिन्दीभाषात्मकम्)

2277

(४०)

९५
२८

अथ

"सारसङ्ग्रहः"

हिन्दी भाषा (ब्रज)

आयुर्वेदशास्त्रम्

95
28

८८२८

सारसं० ॥श्रीरामायनमः॥ अथसारसंग्रहलिख्यंतेग्रंथांतरात् तत्रनाडीपरीक्षा हाथकेअंगुष्टाकेमूलमैनसदेषैतौतेजीवकौदुखसुषजानै आ
१ दिमैपित्तमध्यमैकफ अंतमैवाइ वातपित्तकफतीनभेदहै जोवातकेकोपहोइतोनाडीसर्पकीगोचकीचालहोतहै पित्तकेकोपतेनाडी कु
लिंगकाकमैंडकीइनकीचालहोतहै श्लेष्माकेकोपतेनाडीहंसपरेवाकीचालहोतहै लवातीतरकीचालहोइतोसंनिपातजानिये कवहूंस
र्पकीगतिहोइ कवहूंमैंडकीगतिहोइतोवातपित्तजानिये सर्पकीअरहंसकीचालहोइतोवातश्लेष्माजानिये कदाचितमंदनाडीचलेअरुकदा
दो चितउतावलीचलेतौदोषकौकोपजानियेअसाध्यहै पवनकौस्थानछूटजातहैतवअैसीनाडीहोतहैस्थिरस्थिरचलैतोअसाध्य अत्यंतसी
तलअरुवहुतशीतलनाडीहोइतोअसाध्य ज्वरकेकोपमैनाडीउष्नअरुउतावलीहोतहै कामतेक्रोधतेनाडीउतावलीचलतहै चिंतामैनाडीक्षीण २
होतहै भयमैंक्षीणहोतहै मंदाग्निधातुक्षीणतेनाडीमंदहोतहै रक्तविकारमैनाडीउष्नहोतहै गरुवाईकीनाडीगरईहोतहै अजीर्णमैअ
तिविकारमै अग्निदीप्तिहोइतोनाडीलघुहलकीचलतहै तथावेगवतीहोइ सुषीहोइतोनाडीअस्थिरहोइतथावलवानहोइ क्षुधाकीनाडी
चलतहोतहै तृप्तिमैनाडीस्थिरहोतहै तुरतहीस्नानकरेतै तुरतभोजनतै तेललगाएतै पानीमभिंजाएतै क्षुधावंतहोइ तृषावंतहोइ सोइके
उठेहोइ इतनेकीनाडीहालनदेषैअरुजोनाडीदेषैतोभेदनमिलै॥ इतिनाडीपरीक्षा॥ अथकालज्ञानात् ॥ साध्यासाध्यलक्षण॥ तत्रस्वरलक्षण
श्लेष्मातेस्वरहीनहोतहै पित्ततेसुकुटहोतहै मध्यस्वरवाततेहोतहै॥ अथगतिलक्षण॥ पित्तकीगतिउतावलीहै वातकीगतिमंदहै कफकीगतिस्थि
रहै अथस्पर्शलक्षण पित्तकोरोगीउष्नहोतहै वातकोरोगीशीतलहोतहै कफकोरोगीजैसोभीजौहोइतौसोहोतहै अथसाध्यलक्षण जाकी
दृष्टिसौम्यहोइ वातसुनैअरुकहै अरुरोगशांतिहोइसोसाध्यजानिये जोकेहाथपाउउष्नहोइदाहनहोइजीभकोमलहोइसोसाध्य जाकौनी रा०
इआवैसौम्यहोइसरीरहलकोहोइइंद्रीप्रसन्नहोइसोसाध्य पसीनानहोइनाककीराहस्वासाआवै कंठमैकफनहोइसोसाध्य चैतन्यहोइरोग १

धस्वादजानैकंठसाफहोइसोसाध्य औषदसोप्रीतिवैदसोप्रीतिस्त्रीसोप्रीतिसोसाध्य अथअसाध्यलक्षण वातपित्तकेघरजाइपित्तकफकेघर
जाइकफकंठमैहोइतोअसाध्य रात्रिकेदाहहोइदिनकेशीतहोइ कफकंठमैहोइताकीमृत्युहोइ अन्य स्वरहीनहोइगुदाभ्रष्टहोइकासस्वासहो
इहिचकीशोषकुक्षिपीडाहोइसोअसाध्य अन्य हृदयशीतलहोइनाकशीतलहोइ हाथपाउसीतलहोइ सिरतातोहोइसोअसाध्य अन्य
जाकेपाउशीतलहोइनाभिशीतलहोइसिरतपैसोअसाध्य जाकीस्वासअग्निसीहोइअथवाशीतलहोइ अरुमहादाहहोइसोअसाध्य अन्य
अंगकंपगतिभंगगंधस्वादनजानैसोअसाध्य अन्य जाकेसिरमैपसीनाआवैमुषसेस्वासाछोडैजेहकीनाडीअत्यंतवहैसोअसाध्य अन्य
जाकीजीभकारीहोइमुखअसुरणहोइअैसेलक्षणहोइसोअसाध्य अन्य जाकीनाभिमैपीडाहोइ वातकरिकेआहारवधरहेआहारह
दयविषैरहैताकीएकवर्षमैमृत्युहोइ अन्य सोभाप्रज्ञापरहितहोइकछूशक्तिनहोइक्रोधमैवचनकहैसोछैमहीनामैमरै॥ अन्य वर्णहीन
होइकामहीनहोइस्वरहीनहोइसोतीनमहीनामैमरै अन्य असक्तपांडुवर्णहोइस्वासवहुतहोइनित्यनित्यवलहानिहोतजाइसोएकमहीना
नामैमरतहै इतिअसाध्यलक्षण अथत्रिदोष मार्गशीर्षपोषमाघअषाढश्रावनभादौ वातकोराजहोतहै असनकार्तिकवैसाषजेठपित्तको
राजहोतहै फागुनचैतकफकोराजहोतहै अथज्वराणांलक्षणमाह तत्रवातज्वरलक्षण पसीनानआवै संताप सर्वअंगगाहिरहै कंपवेग
मुखमधुरसूषीषांसी नींदनआवै प्रलाप शिरपीडा देहपीडा हृदयमैपीडा सूलआध्मानतृस्नाआंषैलाल मूत्रलालरोमहर्ष सात
दिनतरुणज्वरहैऔषदनकरै उपरांतऔषदकरै इतिवातज्वर अथपित्तज्वरलक्षण तीक्ष्णवेगअतीसारकंठनाकमुखओठपकै
पसीनाआवैवछर्दिहोइनींदनआवैदाहमूर्छाप्रलापआषेपीरीमूत्रपीरोभ्रमपित्तज्वरदसदिनलौतरुणरहतहैपाछैऔषदकरै पित्तवालेकौ

सार सं० लंघनन करावै अथ कफज्वरलक्षण नींद अधिक मुख मधुर गरिष्टता रोमहर्ष कास स्वास पसेक वमन अरुचि आलस तातें पररछ्या होइ तंद्रा मूत्र से
२ त आवै सेत मल सेत छर्दि कंठ मंदाग्नि शीतता कफ के ज्वर कौ बारह दिन औषद न करै इति कफज्वर अथ वातपित्तज्वरलक्षण मूर्छा दाह नि
द्रानाश शिरपीडा तृस्ना जंभुहाई आवै संधिपीडा अरुचि रोमहर्ष कंठशोष छर्दि स्वास वातपित्तज्वर कौ पांच दिन औषद न करै इति वातपित्तज्व
र अथ पित्तश्लेष्मज्वरलक्षण तंद्रा मोह कास तृस्ना मुख कडूवो होइ अरुचि सीत भेद दाह होइ अरु कंठ लगै पित्तकफ के ज्वर कौ सात दिन औष
द न दीजै ॥अथ वातकफज्वरलक्षण॥ अंग निश्चल संधपीडा कास प्रतिस्याय शिरपीडा वेग मध्यम होइ अत्यंत निद्रा पसीना न आवे ज्वर हो
र सात दिन औषद न दीजे ॥इति वातकफज्वर॥ अथ संनिपातज्वरलक्षण॥ छन मैं जाडो लगै छन मैं दाह होइ शिरपीडा नेत्र लाल भ्रमि रिंखा संध्यपी ६८
विकरालता रकर्णपीडा मुख कंठ कंटक तंद्रा मोह प्रलाप कास स्वास अरुचि जीभ खरखरी जेर समान होइ अंग शिथल कफ रक्त मुख तें गिरे कंठ मैं सी
कुर से लगै दांत पिरार अोट कोरे होइ नाक मुख कंठ पकि जाइ मुख तें गंध होइ निद्रा नास तृस्ना हृदय मैं पीडा पसीना थोरो मूत्र कुछ मूत्र रोध हा
कोरे ६ थ कंप मूड पटके कंठ घरघराय देह मैं दरद रोम लाल होइ कान पके जाडो लगै सब दिन सोवै सब राति जगै अरु रात दिन नीद न आवे हसे गावे नाचे अ
नेक लक्षण संनिपातज्वर के होइ तो असाध्य थोरे लक्षण होइ तो साध्य ॥इति संनिपातज्वर ॥अथ त्रयोदश संनिपात के लक्षण॥ संधिग
अंतक रुग्दाह चित्तभ्रम शीतांग तंद्रिक कंठकुब्ज कर्णिक भुग्ननेत्र रक्तष्ठीवी प्रलापक जिह्वक अभिन्यास १३ संधिग जात दिन रहत है
अंतक दश दिन रुग्दाह बीस दिन रहत है चित्तभ्रम दिन ११ सीतांगी दिन १५ तंद्रिक दिन पचीस कंठकुब्ज दिन १३ कर्णिक तीन महिना भुग्ननेत्र दि
न ८ रक्तष्ठीवी दिन १० प्रलापक दिन १४ जिह्वक दिन १६ अभिन्यास दिन १५ ॥अथ संधिग॥ सूल शोफ जठर विष गरिष्टता अंग शिथिल संधि विषे पी रा० २
डा बल हानि वातकफ कोप निद्रा शिरसूल ॥इति लक्षण॥ तत्र पउपचार वारसुरही हरर गुरिच कटसैरया मोथा सतावर सोठि देवदारु

कुटकी कचूर रूसो चितउर दसमूल दोऊ बलारे दोऊ कटाई गुरुखरु सौना पाउर वेल कुम्हेर रैरनी ए दसमूल कहावे सब की जर लेइ मात्रास
म लेइ अष्टावसेष क्वाथ करि देइ संधिग संनिपात दूरि होइ अन्य वारसुरही देवदारु कचूर विधारो सोठ गुरिच त्रिफला सतावर मात्रा सम अष्टा
वशेष काथ करि गुग्गुल संयुक्त देइ संधिग संनिपात दूरि होइ अथ अंतक दाह होइ कंप अत्यंत उत्सन्न अंग मूड कंपै कास हिचकी स्वास मोह अं
तक असाध्य अथ रुग्दाह प्रलाप परिताप भ्रम कंप मंदाग्नि कंठ ग्रह तृष्णा गलस्वास कास सूल व्याकुलता तृस्ना तस्य चिकित्सा हरर पित्तपापरो क
टुकी देवदारु किरवारो दाख मोथा मात्रा सम अष्टावसेष क्वाथ करि देइ महाज्वर रुग्दाह संनिपात दूरि होइ अथ चित्तभ्रम भ्रम मद परिताप
मोह विकल नेत्र विकल हसे गावे नाचे प्रलाप स्वास बहुत इतने सर्व लक्षण होइ तो असाध्य थोरे होइ तो चिकित्सा करे ब्राह्मी वच सातउर त्रि
फला कुटकी वरियारी किरवारो चिरायतो नीम की छाल मोथा जेठ्या दाख दशमूल सम लेइ अष्टावसेष क्वाथ करि देइ चित्तभ्रम संनिपा
त जाइ रुग्दाह जाइ अथ सीतांग सरीर सीतल कंप हिचकी अंग शिथिल स्वर क्षीन कास छर्दि पसीना आवे सीतांगी असाध्य अथ
तंद्रिक तंद्रिक के लक्षण तंद्रा ज्वर वेग तृष्णा जीभ खरखरी स्वास अतीसार वमन होइ दाह कर्णपीडा तस्योपचार भारंगी गुरिच मोथा
कटाई हरर पुहकरमूल सोठ मात्रा सम क्वाथ करि देइ दिन ७ तंद्रिक संनिपात जाइ अथ कंठकुब्ज शिरपीडा दाह हनुग्रह संताप मूर्छा
गलरोध पाक पीडा वात प्रलाप होइ ताकी चिकित्सा काकरासिंगी चितउर हरर रूसो कचूर चिरायतो भारंगी हरद कटाई पुहकर
मूल मोथा कुरो इंद्रजौ कुटकी मरिच सम लेइ काथ करि देइ दाह भ्रम तृस्ना अरुचि स्वास आध्मान गलग्रह मंदाग्नि कास आध्मान गलग्रह मं
दाग्नि कास सर्व जाइ कंठकुब्ज संनिपात दूरि होइ अथ कर्णिक कंठ ग्रह शरीर पीडा संताप कास स्वास पसीना सूल सोफ बहुत कर्ण
मूल होइ ताकी चिकित्सा वारसुरही असगंध मोथा कटाई भारंगी वच पुहकरमूल कुटकी मात्रा सम क्वाथ करि क काकरासिंगी

हररसंयुक्तदेरकर्णकसंनिपातजाइ अरुकर्णमूलजैहेतिनकौलेयलगावै अजुगौचैलगावै हरदरुगवाकीविजी सैधोनोन देवदा
रकूठ दारुहरद रहोरनकीजर आकके दूधसैलेयकरैकर्णमूलजाइ अथभुग्ननेत्र ज्वरमोहस्वासनेत्रभुग्नभ्रमकंपप्रलाप तस्योपचा
रहारुहरद परवरकेपान मोथा कटाई कुटकी हरदनीम त्रिफला समलेरकाथकरिभुग्ननेत्रसंनिपातदूरिहोइ अथरक्तष्ठीवी तृष्णामोहस्वास
सूलभ्रमवमनहोइमद आध्मानसंज्ञानासरक्तश्रावदाहहिचकीअतीसार तस्योपचार मोथा पदमाष पित्तपापरो चंदन जौदे वारो सतावर चंमेलीके
पान नीमकीछालि मात्रासमकाथकरिमधुकेजोगसेदेइमुखतेरक्तगिरतेहोइसोदूरिहोइ रक्तष्ठीवीसंनिपातजाइ इक्फनीमेवाटिदेरमाकेफूलकोरसएक
त्रकरिनाकुदेइमुखरक्तश्रांतिहोइ अन्य त्रिफला हव एकत्रपानीमेवाटिनासुदेइमुखरक्तदूरिहोइ रतिरक्तष्ठीवीसंनिपात अथप्रलापक कंप प्रला
प अंगतातोहोइ दाहज्वरअधिकवेगहोइसंज्ञानासअंगविकल तस्योपचार मोथा वारो दशमूल सोठ पित्तपापरो चंदन धवाकीछालि रूसो मात्रासम
लेरकाथकरिदेइप्रलापकसंनिपातदूरिहोइ अथजिह्वक स्वासकासपरितापविह्वलजीभमेकंठमेकांटेसेफारोहोइमूकतावधिरतावलकीसयहोइ तस्यो
पचार वच कटाई जवासो वारसुरही गुरिच मोथा सोठ कुटकी काकराश्रृंगी पुहकरमूल ब्रह्मी भारंगी चिरायतो रूसो कचूर समलेरअष्टावसेषकाथकरि
देइजिह्वकसंनिपातदूरिहोइ अथअभिन्यास नीदवहुत स्वासमलकोकोप सरीरअचेतविकलहोइ अभिन्यासअसाध्य अन्यउपचार कुटकीपित्तपाप
रो पुहकरमूल गुरिच त्रायमान कटाई वारसुरही चिरायतो कचूर सोठ हरर भारंगी जवासो समलेरअष्टावसेषकाथकरिदेइत्रिदोषतन्द्राभ्रमस्वासदाह
अरुचिगलरोधकाससर्वदूरिहोइ अथान्य भारंगी वारसुरही परवरकेपान देवदार हरद सोठमरिच पीपर रूसो रहोरन ब्रह्मी चिरायतो नीमवारो कटु
दारु कीवच पाडर सोनौ हरद वडीकटाई गुरिच निसोत हरडा पुहकरमूल त्रायमान मोथा जवासो कुरो त्रिफला कचूर मात्रासमलेरकाथकरिदेइकासगलरो
गस्वासहिचकीअंगसंधिसूलआध्मानसर्वसंनिपातदूरिहोइ अथान्य आककीजर सोठ मरिच पीपरि चित्राउर चर्व देवदार सुहंजनो चिरायतो घम राम ३

रा अतीस वारसुरही जवासो कुटकी निर्गुंडी वच [illegible]नी मात्रासमकाथकरिदेइसर्वसंनिपातदूरिहोइसीतस्वाससूतिकावातरोगजाइ अन्य लहसन पीपरि
मरिच वच सैनाकेवीजा सैधो गोमूत्रसैपीसिकैनेत्रअंजनकरैसर्वसंनिपातजाइ इतित्रयो दशविधिसंनिपात अथक्षयीरोगकेलक्षण अतिकफतै अति
संभोगतेउषितदुर्वलसरीरहोइकासस्वासकीमहापीडाहोइमुखतेरक्तउगलेमंदाग्निजुरक्षयानेत्रसयेतवचनविस्वरसोक्षयीरोगकहावे अथरक्तपित्त तीक्ष
ण कडुयारोषटाई इनरसनतैपित्तजरतहैसोपित्तरक्तकोजरावतहैतवगुदाकीराहमुखकीराहनाककीराहरक्तवारवारगिरतहैताोसोरक्तपित्तकहतहै अथका
सषांसी प्राणवायुहृदयमेंहैसोकोपकरिकैकंठमेउदानवायुमैमिलिजातहैकंठनाभिहृदयकोषेचततैतवकासअधिकहोतहै अथगुल्म हृदयकेनाभिकेवी
चगाठिपरिजाइपीडाहोइरक्तदोषतेपाचप्रकारहोतहैसोगुल्मकहावे अथगलगंड मासमेसोथकंठमैभटासौलटकैछोटोहोइ अथवावडोहोइसोगलगंड
कहावे अथगंडमाला वेरसेआवरेसेगाठेवहुतहोइकंठमैकांषमेकटिमेसोगंडमालाकहावे अथश्लीपद कफसैमेदतेसोथहोइपाउमैहाथमेका
नमेआषमेसोसवश्लीपदकहावे अथभगंदर गुदाकेअरुआंडकेवीचमेफोरापरैअरुपकिकैफूटिजाइपीडाहोइसोभगंदरकहावे अथउपदंसफिरंग हा
थकेलगे दांतकेलगे नषकेलगे जोनिदोषते अरुविनधोये पाचप्रकारफिरंगलिंगमेहोतहै अथप्रदर अतिअसवारीतेअतिमैथुनतेअतिराहचलेते
स्त्रीकीभगतेरक्तप्रवाहहोइसोप्रदरकहावे अथनेत्रपरीक्षा तत्रवातनेत्रपरीक्षा धूम्रवरन रूक्ष कंडूपीडहोइपटलफूलेहोइसोवातजानिये अथपित्तनेत्र
रक्तवरनते परीक्षा पीतवरनेनीलवरनतिमिरहोइनेत्रदाहहोइसोपित्त अथकफनेत्रपरीक्षा स्वेतवरनहोइ पुजाइसोकफ अथवातपित्तनेत्रपरीक्षा रक्तनीलवरन
रूक्षधूम्रवरनहोइसोवातपित्त अथकफवातनेत्र विह्वल कमलकेआकार रूक्ष धूम्रवरनसोवातकफ अथकफपित्त पीतवरनरक्तवरनविह्वलकमलवत
सोकफपित्त अथत्रिदोषनेत्रपरीक्षा अतिश्रावहोइ आषकेकोयेलालविरूपस्यामवरनतंद्राभहारूक्षअरुणसो त्रिदोषइ कटकचितेरहेपलकनलगैरु
द्रभयानकहोइसोअसाध्यगतिहीनगडेजाइस्यामवरनहोइसोअसाध्य अतिरौद्रभयानकलालरूक्षवाइकोकोपवहेसंनिपातकेनेत्रअसाध्यनदेषेनसुनैनवो

हरड संयुक्त देइ करणांक संनिपात जाइ अरु करणमूल जे हैं तिनकौ लेप लगावै अरु गौ चैल गावै हरड रगवाकी विजी सेंधोनोन देवदा
र कूठ दारु हरद रहोरनकी जर आक के दूध सै लेप करै करणमूल जाइ अथ भग्ननेत्र ज्वर मोह स्वास नेत्र भग्न भ्रम कंप प्रलाप तस्योपचा
र दारु हरद परवर के पान मोथा कटाई कुटकी हरद नीम त्रिफला समले काथ करि भग्ननेत्र संनिपात दूरि होइ अथ रक्तष्ठीवी तृष्णा मोह स्वास
सूल भ्रम वमन होइ मद आध्मान संज्ञानास रक्तश्राव दाह हिचकी अतीसार तस्योपचार मोथा पद्माष पित्तपापरो चंदन जौठे वारो सतावर चमेली के
पान नीम की छालि मात्रा सम काथ करि मधु के जोग सै देइ मुख तें रक्त गिरत होइ सो दूरि होइ रक्तष्ठीवी संनिपात जाइ इक पानी मैं वाटि देइ माक फूलकौ रस एक
त्र करि नाक दे मुख रक्त गंतिहोइ अन्य त्रिफला इव एकत्र पानी मैं वाटि नास देइ मुख रक्त दूरि होइ रक्तष्ठीवी संनिपात अथ प्रलापक कंप प्रला
प अंगताप होइ दाह ज्वर अधिक वेग होइ संज्ञानास अंग विकल तस्योपचार मोथा वारो दशमूल सोठ पित्तपापरो चंदन धवा की छालि रूसो मात्रा सम
लेर काथ करि देइ प्रलापक संनिपात दूरि होइ अथ जिह्वक स्वास कास परिताप विह्वल जीभ मैं कंठ मैं कांटे से फोरा होइ मूकता वधिरता वलकी क्षय होइ तस्यो
पचार वच कटाई जवासो वारसुरही गुरिच मोथा सोठ कुटकी काकराश्रृंगी पुहकरमूल ब्रह्मी भारंगी चिरायतो रूसो कचूर समलेर अष्टावसेष काथ करि
देइ जिह्वक संनिपात दूरि होइ अथ अभिन्यास नीद बहुत स्वास मल कौ कोप सरीर अचेत विकल होइ अभिन्यास असाध्य अन्य उपचार कुटकी पित्तपाप
रो पुहकरमूल गुरिच त्रायमान कटाई वारसुरही चिरायतो कचूर सोठ हरड भारंगी जवासो समलेर अष्टावसेष काथ करि देइ त्रिदोष तृष्णा भ्रम स्वास दाह
अरुचि गलरोध कास सर्व दूरि होइ अथान्य भारंगी वारसुरही परवर के पान देवदार हरद सोठ मरिच पीपर रूसो रहोरन ब्रह्मी चिरायतो नीम वारो कटु
दारु की वच पाडर सोनों हरद वडी कटाई गुरिच निसोत त्रवा पुहकरमूल त्रायमान मोथा जवासो कुरो त्रिफला कचूर मात्रा सम लेर काथ करि देइ रकास गलरो
ग स्वास हिचकी अंग संधि सूल आध्मान सर्व संनिपात दूरि होइ अथान्य आक की जर सोठ मरिच पीपरि चित्ताउर चव देवदार सुहजनो चिरायतो घम

रा अतीस वारसुरही जवासो कुटकी निर्गुंडी वच दूर [illegible] नी मात्रा सम काथ करि देइ सर्व संनिपात दूरि होइ सीत स्वास सूतिका वात रोग जाइ अन्य लहसन पीपरि
मरिच वच सैंजना के वीजा सेंधो गोमूत्र सै पीसि कै नेत्र अंजन करै सर्व संनिपात जाइ इति त्रयो दशविधि संनिपात अथ क्षयी रोग के लक्षण अतिकफ तें अति
संभोग तें दुषित दुर्वल सरीर होइ कास स्वास की महा पीडा होइ मुष तें रक्त उगलै मंदाग्नि जुरत्र षाने त्रसपेत वचन विस्वर सो क्षयी रोग कहावै अथ रक्तपित्त तीक्ष्ण
रण कटु षारो षटाई इन रसन तें पित्त जरत हैं सो पित्त रक्त कौ जरावत है तव गुदा की राह मुख की राह नाक की राह रक्त वार वार गिरत है ता सो रक्तपित्त कहत है अथ का
स षांसी प्राणवायु हृदय मैं है सो कोप करि कै कंठ मैं उदान वायु मैं मिलि जात है कंठ नाभि हृदय कौ षैचत है तव कास अधिक होत है अथ गुल्म हृदय के नाभि के वी
च गांठि परि जाइ पीडा होइ रक्त दोष तें या च प्रकार होत है सो गुल्म कहावै अथ गलगंड मास सोथ कंठ मैं भटा सौ लटकै छोटो होइ अथ वाव डो होइ सो गलगंड
कहावै अथ गंडमाला वेर से आवरे से गांठे वहुत होइ कंठ मैं कांष मैं कटि मैं सो गंडमाला कहावै अथ श्लीपद कफ सै मेदा तें सोथ होइ पाउ मैं हाथ मैं का
न मैं आंष मैं सो सव श्लीपद कहावै अथ भगंदर गुदा के अरु आंड के वीच मैं फोरा परै अरु पकि कै फटि जाइ पीडा होइ सो भगंदर कहावै अथ उपदंस फिरंग हा
थ के लगे दांत के लगे नष के लगे जो निदोष तें अरु विन धोये पाच प्रकार फिरंग लिंग मैं होत है अथ प्रदर अति असवारी तें अति मैथुन तें अति राह चलै तें
स्त्री की भग तें रक्त प्रवाह होइ सो प्रदर कहावै अथ नेत्र परीक्षा तत्र वात नेत्र परीक्षा धूम्रवरन रूस कंडू पीड होइ पटल फूले होइ सो वात जानियै अथ पित्त नेत्र
रक्तवरनतें परीक्षा पीतवरन नीलवरन तिमिर होइ नेत्र दाह होइ सो पित्त अथ कफ नेत्र परीक्षा स्वेतवरन होइ षुजाइ सो कफ अथ वात पित्त नेत्र परीक्षा रक्त नीलवरन
रूस धूम्रवरन होइ सो वात पित्त अथ कफ वात नेत्र विह्वल कमल के आकार रूस धूम्रवरन सो वात कफ अथ कफ पित्त पीतवरन रक्तवरन विह्वल कमलवत
सो कफ पित्त अथ त्रिदोष नेत्र परीक्षा अति श्राव होइ आंष के कोये लाल विरूप स्याम वरन तंद्रा महारूक्ष अरुणता सो त्रिदोष इक कंटक चिने रहै पलक न लगै रु
द्र भयानक होइ सो असाध्य गति हीन गडे जाइ स्यामवरन होइ सो असाध्य अति रौद्र भयानक लाल रूषवार कौ कोप वढै संनिपात के नेत्र असाध्य न देषै नसु नैन वो

सारसं० ४ लै सीतलउश्न सरीरसो असाध्य इतिनेत्रपरीक्षा अथ काथ प्रकरण सारंगधरात् अथ गुरिचादि पाचन गुरिच धना नीमकी छाल पदमाष रक्तचंदन मात्रा
समलेइ सब ओषद १ पानी टका सोरह भर १६ लेइ अष्टावसेष काथ करि दीजे सर्वज्वर जाइ सर्व काथ कौ प्रमान ओषद १ पानी १६ टका भर रहै तब षानि कै
देइ अथ सालिपर्ण्यादि वातज्वरे सरिवन स्यामस वाइसुरही गुरिच कारी गुरीसर मात्रा सम काथ करि देइ वातज्वर जाइ अथ कास्मर्यादि वातज्वरे
कुम्हेर कारी गुरीसर दाष त्रैयमान गुरिच हरर समलेइ अष्टावसेष काथ करि देइ गुडके जोगसे वातज्वर जाइ अथ कट्फलादि पित्तज्वरे कांफर इंद्रजौ पाठ ३४
कडुकी मोथा मात्रासम अष्टावसेष काथ करि देइ दश ए दिन पित्तज्वर जाइ अथ पर्पटादि पित्तज्वरे पित्तपापरौ रूसौ कडुकी चिराइतौ जवासौ प्रियंगु समले
इ अष्टावसेष काथ करि षाडके जोगसे देइ प्यास दाह पित्तज्वर जाइ अथ द्राक्षादि पित्तज्वरे दाष हरर मोथा कडुकी किरवारौ पित्तपापरौ मात्रा समलेइ अ
ष्टावसेष काथ करि देइ पित्तज्वर प्यास मूर्छा दाह पित्त रक्त जाइ अथ बीजपूरादि पाचन श्लेष्मज्वरे विजौरे की जर सोफ हरर सोठ पीपरामूल मात्रा सम काथ करि
जवाषारके जोगसे देइ खारहे दिन कफज्वर जाइ अथ भूनिंबादि कफज्वरे चिराइतौ नीमकी छालि पीपरि कचूर सोठि सतावरि गुरिच कटाई मात्रा समलेइ का
थ करि देइ कफज्वर जाइ अथ पटोलादि कफज्वरे परवरके पान त्रिफला कडुकी कचूर रूसौ गुरिच हरर मात्रासम अष्टावसेष काथ करि मधुके जोगसे देइ
कफज्वर जाइ अथ पंचभद्र वातपित्तज्वरे पित्तपापरौ मोथा गुरिच सोठि चिराइतौ मात्रासम अष्टावसेष काथ करि देइ वातपित्तज्वर जाइ अथ क्षुद्रादि त्रि
आ षज्वरे कटाई सोठ गुरिच पोहकरमूल मोसम अष्टावसेष काथ करि देइ कफवात त्रिदोष कास स्वास अरुचि पाजरकी पीर पर अथ आरग्वधादि किरवारौ
पीपरामूल मोथा कडुकी हरर समलेइ अष्टावसेष काथ करि देइ कफवातज्वर भ्रम सूल आध्मान ऊपर अथ अमृताष्टक पित्तश्लेष्मज्वरे गुरिच नीमकी छाल
कडुकी मोथा इंद्रजव सोठ परवरके पान चंदन मात्रा समलेइ अष्टावसेष काथ करि पीपरिके जोगसे देइ पित्तश्लेष्मज्वर छर्दि अरुचि हल्लास दाह तृष्णा जाइ
अथ कंटकार्यादि पाचन सर्वज्वरे दोऊ कटाई की जर सोठि धना देवदारु समलेइ अष्टावसेष काथ करि देइ सर्वज्वर ऊपर अथ दशमूल पाचन सरिवन पिठवन रा० ४

दोऊ कटाई गुरूषरू बेलकी जर इरनी सोना कुम्हेर पाडर मात्रा समलेइ अष्टावसेष काथ करि देइ पीपरके अनुपानसे वातश्लेष्मसंनिपा
तज्वर परसूत स्वास कास सीतता भ्रम पसीना हिचकी छर्दि हृदय कंठ पाजर सिरकी पीर तंद्रा सर्व ऊपर अथ अभयादि संनिपाते हरर मोथा धना
रक्तचंदन पदमाष रूसौ इंद्रजौ उरई गुरचै किरवारौ पाठ सोठि कडुकी समलेइ अष्टावसेष काथ करि पीपरिके अनूपानसे देइ त्रिदोषज्वर पिया
स दाह कास प्रलाप स्वास तंद्रा मंदाग्नि पेटकौ फूलवो छर्दि सोष अरुचि सर्व ऊपर अथ पिप्पल्यादि संनिपाते पीपरि पीपरामूल चव्य चित्तउर सोठि व
च धना अतीस जीरे पाठ कुरैरे कुका चिराइतौ मूर्वा सरसो मरिच कटाई पुहकरमूल भारंगी विडंग काकडाश्रृंगी आककी जर वडी कटाई गजपीपरि
जवासौ अजवाइन अजमोद सोनाकी जर मात्रासम अष्टावसेष काथ करि हीग घोरि पिआवे वात श्लेष्मज्वर वात सीत कफ सर्वज्वर तेरा संनिपात जाइ
अथ दशांग संनिपाते चिराइतौ कडुकी मोथा धना इंद्रजौ सोठि दशमूल देवदारु गजपीपरि समलेइ अष्टावसेष काथ करि देइ पाजरकी पीर संनि
पातज्वर कास स्वास छर्दि हिचकी दाह तंद्रा मोह सर्व ऊपर अथ कट्फलादि काइफर मोथा भारंगी धना रोहिस चोरकी जर पित्तपापरौ वच हररै
काकडाश्रृंगी देवदारु सोठि मात्रासम लेइ अष्टावसेष काथ करि देइ कास स्वास श्लेष्म गलग्रह सर्वज्वर ऊपर अथ जीर्णज्वरे गुरिच पीपरिकौ काथ
करि देइ जीर्णज्वर जाइ अन्य पित्तपापरौ काथ करि देइ पित्तज्वर जाइ अथ धान्य कटाई की जर गुरिच सोठि समलेइ काथ करि देइ पीपरिके जोगसे
कास स्वास पीनस अरुचि सूल जीर्णज्वर सर्व ऊपर अथ बृहत्क्षुद्रादि कटाई की जर धना सोठि गुरिच मोथा पदमाष रक्तचंदन चिराइतौ परवरके पा
न रूसौ पुहकरमूल काइफर इंद्रजौ नीमकी छाल भारंगी पित्तपापरौ मात्रासम अष्टावसेष काथ करि देइ प्रातकाल सीतज्वर जाइ अथ मु।
स्तादि विषमज्वरे मोथा कटाई गुरिच सोठि आंवरे मात्रासम काथ करि देइ मधु पीपरके जोगसे विषमज्वर जाइ अथ पटोलादि परवरके पान त्रिफ
ला नीमकी छालि दाष किरवारौ रूसौ मात्रासम अष्टावसेष काथ करि मधु मिश्रीके जोगसे देइ तृतीयज्वर दाह तृष्णा जाइ एकाहिकज्वर जाइ अ

सारसं॰ ५ थरेणुकादिरिकाथां रेणुका पीपरि समलेर अष्टावसेषकाथकरि देइ हींगकेमधुकेअनुपानलिचकीजार अथगुडूच्यादितृतीयज्वरे गुरिच धना
मोथा चंदन उरई सोठ मात्रासम अष्टावसेषकाथकरिमधुमिश्रीकेजोगसे देइ तृतीयज्वरदाहतृष्णाजार अथदेवदार्व्यादि देवदारू हरड रूसो स
रिवन सोठि आवरे समलेर अष्टावसेषकाथकरिमधुमिश्रीकेजोगसोदेइ चातुर्थकज्वरकासस्वासमंदाग्निजार अथवृहदुडूच्यादि गुरिच
धना उरई सोठि वारो पित्तपापरो वेल अतीस पाठ रक्तचंदन कुरो चिरारतो मोथा इंद्रजो मात्रासम अष्टावसेषकाथकरिमधुकेजोगसे देइ रक्तपित्त
पित्तज्वर अतीसारजार अथनागरादिज्वरातीसारे सोठि कुरेकीछालि मोथा चिराइतो अतीसे [redacted] मात्रासम अष्टावसेषकाथकरिदेइ ज्वरातीसारजार
अथधान्यपंचकमतीसारे धना सोठि वेल मोथा वारो समलेरकाथकरिदेइ आमसूलग्रहनीजार अथान्य धना सोठि अंडकीजर मात्रासमकाथ
करिदेइ आमवातजार अथवत्सकादिआमरक्तातीसारे कुरो अतीस वेल मोथा वारो मात्रासम अष्टावसेषकाथकरिदेइ अतीसार आमसूलरक्तसूल
जार अथनिंवादि नीमकीछाल पित्तपापरो पाठ परवरकेपान कड्की रूसो जवासो आवरे उरई चंदन लालचंदन मात्रासमकाथकरिदेइखाडके
जोगसे त्रिदोषमसूरिकाविसर्पतृष्णावातजार अथकुटजाष्टक कुरेकीछालि अतीसापाठ धवईकेफूल लोध मोथा वारो दरिमा मात्रासमकाथक
रिमधुमोचरसकेजोगसेदेइ अतीसारदाहरक्तसूलआमजार अथह्रीवेरादि वारो धवईकेफूल लोध पाठ लज्जालू कुरो धना अतीस मोथा गुरि
च वेल सोठि मात्रासमकाथकरिदेइ अतीसारज्वरविआमसूलज्वरसर्वऊपर अथधातक्यादिवालातीसारे धवईकेफूल वेल लोध पाठ लज्जालू कुरो
धना अतीस मोथा वारो गजपीपरि मात्रासमकाथकरिमधुकेजोगसेवालककेदेइ सर्वअतीसारजार अथान्य मजीठ धवईकेफूल लोध वेल मात्रा
ज्वर समकाथकरिदेइ दीपनपाचनहे अरुचियक्ष्माविवंधरक्तातीसारजार अथशालिपर्ण्यादिवातग्रहण्यां सरिवन वरियारी वेल धना सोठमात्रासम
काथकरिदेइ आध्मानसूलवातग्रहणीजार अथचातुर्भद्र गुरिच अतीस सोठि मोथा काथकरिदेइ [illegible]कोगेरो आमातीसारग्रह ग्र॰ ५

नीजार अथइंद्रजवादिछर्द्यातीसारे इंद्रजो धना परवरकेपान काथकरिदेइमधुखाडकेजोगसे छर्दिअतीसारजार तथा वेल आमकीगोही
काथकरिदेइ अथत्रिफलादिकृमिरोगे त्रिफला देवदारू मोथा मूसाकर्णी सुरजनेकीजर मात्रासमकाथकरि पीपरिवायविडंगकेजोगसे [illegible] देइकृ
मिरोगजार अथफलत्रिकादिपांडुरोगे त्रिफला गुरिच कड्की नीमकीछालि चिराइतो रूसो समलेर अष्टावसेषकाथकरिमधुकेजोगसेदेइ कामलपांडु
रोगजार अथपुनर्नवादिशोथे पथरचटा हरर नीमकीछाल दारूहरद कड्की परवरकेपान गुरिच सोठि समलेर अष्टावसेषकाथकरिगोमूत्रकेजोग
सेदेइ पांडुरोगकासउदरस्वासस्लसर्वांगसूजनपर अथवासादिरक्तपित्ते रूसो दाख हररसमलेरकाथकरिमधुखाडकेजोगसेदेइ रक्तपित्तकासस्वासजा
र अथान्य पीपरकाथकरिअथवाचूर्णकिमधुसेयुक्तदेइ कासज्वरजार अन्य रूसो काथकरिमधुकेजोगसेदेइ रक्तपित्तछर्दिश्लेष्मकासस्वाससर्वजा
र अथान्य रूसो कटाई गुरिच काथकरिमधुकेजोगसेदेइ कासज्वरजार अथक्षुद्रादि कटाई कुरथी रूसो सोठ मात्रासम अष्टावसेषकाथकरिपुलकरमू
लकोचूर्णडारिपिआवेकासस्वासजार अथविल्वादिछर्दे वेलकोवकला गुरिच समलेर अष्टावसेषकाथकरिमधुकेजोगसेदेइ त्रिदोषछर्दिजार अ
न्य पित्तपापरोकाथकरिदेइ पित्तछर्दिजार अथान्य दशमूलकाथकरिहींगपुहकरमूलकोचूरन डारिपिआवे गृध्रसीजार अथरास्नादिपंचक वारसु
रही गुरिच देवदारू सोठि अंडकीजर समलेर अष्टावसेषकाथकरिदेइ सप्तधातुगतिवात आमवातसर्वांगवातपीरजार अथरास्नासप्तकसामेवातव्या
धो वारसुरही गुखरू अंडकीजर देवदारू पथरचटा गुरिच किरवारो समलेइ अष्टावसेषकाथकरिसोठिकेजोगसेदेइ जांघकरिहांजरकीपीठकीपी
रआमवातदूरिहोइ अथमहारास्नादिवातव्याधेआमवाते वारसुरहीभाग२ जवासो१ वरियारी देवदारू कचूर वच रूसो सोठि हरर चरव मोथा प
थरचटा गुरिच विधारो सोफ गुखरू असगंध अतीस किरवारो सतावरि पीपरि कटसरैया धना दोउकटाई मात्रासमकाथकरिसोठिकेचूरनकेजोग

सारसं॰ ५ घोरगुका दि हिकायाँ रेणुका पीयरि समलेर अष्टावसेषकाथकरि देइ हीगकेमधकेअनुपानलिचकीजार अथगुडू[illegible]च्यादित्तीयज्वरे गुरिच धना
मोथा चंदन उरई सोठ मात्रासमअष्टावसेषकाथकरिमधुमिश्रीकेजोगसे देरत्तीयज्वरदाहतेहमाजार अथदेवदर्व्यादि देवदारु हरड रूसो स
रिवन सोठि आवरे समलेर अष्टावसेषकाथकरिमधुमिश्रीकेजोगसोदेइचातुर्थकज्वरकासस्वासमंदाग्निजार अथदुहदुडूच्यादि गुरिच
धना उरई सोठि वारो पित्तपापरो वेल अतीस पाढ रक्तचंदन कुरो चिरारतो मोथा इंदजौ मात्रासमअष्टावसेषकाथकरिमधुकेजोगसेदेइरक्तपित्त
पित्तज्वरअतीसारजार अथनागरादिज्वरातीसारे सोठि कुरेकीछालि मोथा चिरायतो अतीसे [illegible] मात्रासमअष्टावसेषकाथकरिदेइज्वरातीसारजार
अथधान्यपंचकअतीसारे धना सोठि वेल मोथा वारो समलेरकाथकरिदेइ आमसूलग्रहनीजार अथान्य धना सोठि अंडकीजर मात्रासमकाथ
करिदेइ आमवातजार अथवत्सकादिआमरक्तातीसारे कुरो अतीस वेल मोथा वारो मात्रासमअष्टावसेषकाथकरिदेइअतीसारआमसूलरक्तसूल
जार अथनिंवादि नीमकीछाल पित्तपापरो पाढ परवरकेपान कुटकी रूसो जवासो आवरे उरई चंदन लालचंदन मात्रासमकाथकरिदेइखाडके
जोगसेत्रिदोषमसूरिकाविसर्पतृनीवातजार अथकुरजाष्टक कुरेकीछालि अतीसा पाढ धवईकेफूल लोध मोथा वारो दरिमा मात्रासमकाथक
रिमधुमोचरसकेजोगसेदेइअतीसारदाहरक्तसूलआमजार अथह्रीवेरादि वारो धवईकेफूल लोध पाढ लजनू कुरो धना अतीस मोथा गुरि
च वेल सोठि मात्रासमकाथकरिदेइ अतीसारअरुचिआमसूलज्वरसर्वउपर अथधातुक्यादिवालातीसारे धवईकेफूल वेल लोध पाढ लजनू कुरो
धना अतीस मोथा वारो गजपीपरि मात्रासमकाथकरिमधुकेजोगसेवालककोदेइसर्वअतीसारजार अथान्य मजीठ धवईकेफूल लोध वेल मात्रा
ज्वर समकाथकरिदेइ दीपनपाचनहै अरुचियह्माविवंधरक्तातीसारंजार अथशालियर्ण्यादिवातग्रहणी सरिवन वरियारी वेल धना सोठ मात्रासम
काथकरिदेइ आध्मानसूलवातग्रहणीजार अथचातुर्भद्र गुरिच अतीस सोठि मोथा काथकरिदेइ [illegible] आमातीसारग्रह रा॰ ५

नीजार अथइंद्रजवादिछर्द्यातीसारे इंद्रजौ धना परवरकेपान काथकरिदेइमधुखाडकेजोगसेछर्दिअतीसारजार तथा वेल आमकीगोही
काथकरिदेइ अथत्रिफलादिकृमिरोगे त्रिफला देवदारु मोथा मूसाकर्णी सुरजनेकीजर मात्रासमकाथकरि पीपरिवायविडंगकेजोगसे[illegible] देइकृ
मिरोगजार अथफलत्रिकादिपांडुरोगे त्रिफला गुरिच कुटकी नीमकीछालि चिरायतो रूसो समलेर अष्टावसेषकाथकरिमधुकेजोगसेदेइकामलपांडु
रोगजार अथपुनर्नवादिशोथे पथरसगा हरर नीमकीछाल दारुहरद कुटकी परवरकेपान गुरिच सोठि समलेरअष्टावसेषकाथकरिगोमूत्रकेजोग
सेदेइ पांडुरोगकासउदरस्वाससूलसर्वांगसूजनपर अथवासादिरक्तपित्ते रूसो दाख हररसमलेरकाथकरिमधुखाडकेजोगसेदेइरक्तपित्तकासस्वासज्व
र अथान्य पीपरकाथकरिअथवाचूर्णकरिमधुसंयुक्तदेइकासज्वरजार अन्य रूसो काथकरिमधुकेजोगसेदेइरक्तपित्तछर्दिश्लेष्मकासस्वाससर्वज्वा
र अथान्य रूसो कटाई गुरिच काथकरिमधुकेजोगसेदेइकासज्वरजार अथसुंठ्यादि कटाई कुरथी रूसो सोठ मात्रासमअष्टावसेषकाथकरिपुलकरमू
लकोचूर्णडारिपिआवेकासस्वासजार अथविल्वादिछर्द्यै वेलकौवकला गुरिच समलेरअष्टावसेषकाथकरिमधुकेजोगसेदेइत्रिदोषछर्दिजार अ
थरालादिपंचक वाइसु
न्य पित्तपापरो काथकरिदेइपित्तछर्दिजार अथान्य दशमूलकाथकरिहींगपुहकरमूलकोचूरन डारिपिआवेगृधसीजार अथरास्नासप्तक रास्ना वातवा
री गुरिच देवदारु सोठि अंडकीजर समलेर अष्टावसेषकाथकरिदेइ सप्तधातुगतवात आमवातसर्वांगवातपीरजार अथरास्नासप्तक सामेवातवा
रो वारसुरही गुरुखुरू अंडकीजर देवदारु पथरसगा गुरिच किरवारो समलेर अष्टावसेषकाथकरिसोठिकेजोगसेदेइ जांघकरिहायांजरकीपीठकीपी
र आमवातइरिहोइ अ[illegible]थमहारास्नादिवातव्याधेआमवाते वारसुरही भाग २ जवासो १ वरियारी देवदारु कचूर वच रूसो सोठि हरर चरव मोथा प
थरसगा गुरिच विधारो सोफ गुरखुरू असगंध अतीस किरवारो सतावरि पीपरि कटसेरुवा धना दोउकटाई मात्रासमकाथकरिसोठिकेचूरनकेजोग

सैदेइ अथवाप्यादिकेजोगसे अथवाजोगराजगुग्गुलकेजोगसे अथअजमोदादिकेजोगसे अथअंडीकेतेलकेजोगसैदेइ सर्वांगकं
पकुब्जपक्षाघातगृध्रसी आमवात श्लीपद अपतानक अपवाहुक अंत्रवृद्धि आध्मानजांघकीपीरघूंटेकीपीरधातुप्रमेहलिंगकेरोगवंध्या
स्त्रीकेजोनिरोगजाइगर्भरहे अथएरंडसप्तक अंडकीजरविजौरेकीजर गुरुखुरू दोउकटाई हाथाजोरी वेलकीजर समलेइअष्टावसेष
काथकरिअंडीकेतेलहींगजवाषारसैंधोसंयुक्तदेइस्तनकंधकटिमेढ्रहृदयसर्वपीरजाइ अथनागरादिसूले सोंठि अंडकीजर इंदजो समलेइ
अष्टावसेषकाथकरिहींगसोंचरकेजोगसेदेइवातसूलजाइ अथान्यपित्तसूले त्रिफला किरवारो अष्टावसेषकाथकरिमधुषांडकेजोगसेदे
इरक्तपित्तसूलदाहजाइ अथान्यकफसूले अंडकीजरटका २ अठगुनेपानीमेअष्टावसेषकाथकरिजवाषारकेजोगसेदेइपांजरकीपीरक
फसूलहृदयकीपीरजाइ अथान्य दशमूलकाथकरिजवाषार सैंधो केजोगसेदेइ हृद्रोगगुल्मसूलस्वासकासजाइ अथहरीतक्यादि हरर
जवासो किरवारो गुखुरू हाथाजोरी मात्रासमकाथकरिमधुकेजोगसेदेइविबंधमूत्रकृच्छ्रदाहजाइ अथवीरतरुपाचन वेलकीजर उरई नरस
रकीजर कठसेरवा कुसकीजर कासकीजर मोथा वरना इरनी मूर्वा हाथाजोरी सोनाकीछालि गुरुखुरू अफाफरेकीजर कमलगटा भारंगी
मात्रासम अष्टावसेषकाथकरिखांडकेजोगसैदेइमूत्रकृच्छ्रपथरीमूत्राघातइंद्रीरोगजाइ अथएलादि लाइची जाठे गुरुखुरू रेणुका अंडकीज
र रूसे पीपरि हाथाजोरी समलेइअष्टावसेषकाथकरिसिलाजतुकेजोगसेदेइषांडसंयुक्तमूत्रकृच्छ्रपथरीजाइ अथगोक्षुरकाथमूत्रकृच्छ्
गुरुखुरूजरयेडसमेतकाथकरिमधुमिश्रीकेजोगसेदेइमूत्रकृच्छ्रजाइ अन्य गुरुखुरूकेवीजाकाथकरिजवाषारकेजोगसेदेइमूत्रकृच्छ्रजाइ अ
यान्य लाइची हाथाजोरी सिलाजतु पीपरि चूरनकरिचावरनकेधोवनसोंथोरोगुडडारिपिआवेमूत्रकृच्छ्रदूरिहोइ अन्य मिश्री जवाषार ए

कत्रषारमात्रा१२मूत्रकृच्छ्रजाइ अथफलत्रिकादिसर्वप्रमेहे त्रिफला दारुहरद मोथा देवदारु मात्रासमकाथकरिदेइमधुकेजोगसेप्रमेहजाइ अ
यान्य इंद्रजो त्रिफला दारुहरद मोथा विजौरो काथकरिदेइप्रमेहजाइ अन्य त्रिफला मोथा दारुहरद इदोरनकीजरकाथकरिहरदीसंयु
क्तदेइसर्वप्रमेहदूरिहोइ अथदार्व्यादिप्रदररोगे दारुहरद रसौत मोथा भिलमाकीजर वेलकीजर रूसे चिराइतो मात्रासमकरिकाथकरिमधुकेजो
गसेदेइप्रदरजाइसर्वप्रकारको अथान्यन्यग्रोधादि वर पारस पीपर कोसम अमलवेतस वेरि तुनि जाठे वार लोध ऊमरि कठऊमरि पीपरि सुरवा छे
वलो सालर तेइ जामुनि आम आवरी कदम कोरा भिलमाकीजर जेजुरैतेलेइकाथकरिदेइव्रणजोनिरोगदाहमेददोषप्रमेहविषदोषसर्वजाइ अ
थविल्वादि वेलकीजर इरनी सोना कुम्हेर पाडर मात्रासमकाथकरिमधुकेजोगसेदेइमेददोषदूरिहोइ अन्य त्रिफलाकाथकरिमधुकेजोगसेदेइमे
ददोषजाइ अन्य तातोपानीमधुघोरिपिअमेददोषजाइ अथउदररोगे वरव चित्ताउर सोंठि देवदारु काथकरिनिसोतकेचूर्णगोमूत्रसंयुक्तदेइ
उदरव्याधिपेटकोवढवोआध्मानऊपर अथपुनर्नवादि पथरसगा गुरिच देवदारु हरर सोंठि मोथा मात्रासमलेइअष्टावसेषकाथकरिगोमू
७ त्रगुग्गुलकेजोगसेदेइपेटकीसूजनजाइ अथपथ्यादि हरर रोहिसचारो काथकरिजवाषारपीपरिकेजोगसेप्रातकालदेइ यकृत्प्लीहगुल्मउदर
व्याधिजाइ अथफलत्रिकादि त्रिफलाकोकाढोकरिगोमूत्रकेजोगसेदेइवातश्लेष्मतैसोथलिंगमेलोइसोजाइ अथरास्नादि राइसुरही गुरिच
वरियारी जाठे गुरुखुरू अंडकीजर मात्रासमअष्टावसेषकाथकरिअंडीकेतेलसंयुक्तदेइअंडवृद्धिजाइ अन्य कचनारकीछालिकाथकरि
सोंठकेचूरनसंयुक्तदेइगंडमालाजाइ अन्य वरुणाकीछालिकाथकरिमधुकेजोगसेदेइगंडमालाजाइ अन्यपथरसगा वरुणाकीछालिकाथ
करिदेइविद्रधिजाइ अन्य सुहजनेकीजरकाथकरिहींगसैंधवनोनसंयुक्तदेइआतपकीलोइसानीकोलोइ अथवरुणादि वरुणा वेलकी
जर अफाफरो चितावर इरनी सुहजनो भुनगा दोऊकटाई कठसेरुवा मूर्वा मेढाश्रृंगी चिराइतो काकराश्रृंगी करंज सतावरि समले

रक्काथकरिदेरकफमेरगुल्मसिरकीपीरविद्रधिजाइ अथषदिराद्भिगंदेर षेरकीलकरी त्रिफला क्वाथकरि देरभैसकेघीउसंयुक्त विडं
गचूर्णसंयुक्तभगंदरजाइ अथपटोलादिउपदंसे परवरकेपान त्रिफला नीम चिराइतो षेर विजोरो मात्रा समक्काथकरिगुग्गुलकेजोग
सेदेइउपदंसजाइ अथअमृतादिवातरक्ते गुरिच अंडकीजर रूसो समलेरक्काथकरिअंडीकेतेलकेजोगसेदेइसर्वांगवातरक्तजाइ
अथपटोलादिवातरक्ते परवरकेपान त्रिफला कटुकी गुरिच सतावरि समलेइक्काथकरिदेइवातरक्तदाहजाइ अन्य आवरे षेरको
सार क्वाथकरिवकुचीकेचूर्णसंयुक्त देइसुपेतकोढजाइ अथलघुमंजिष्टादि मजीठ त्रिफला कटुकी वच दारुहरद गुरिच नीमकीछालि
समलेइक्काथकरिदेइवातरक्तयामाकपालकुष्टरक्तमंडलजाइ अथबृहतमंजिष्टादिकुष्टरोगे मजीठ मोथा कुरो गुरिच कूट सोठि भारंगी कटा
ई वच नीमकीछालि दारुहरद हरद त्रिफला परवरकेपान कटुकी मूर्वा वायविडंग विजोरेकीजर चितारु सतावरि त्रायमान पीपरि इंद्रजौ रू
सो धमरा देवदारु पाठ षेर चंदन निसोत वरणा चिराइतो वकुची किरवारो वकाइन करंज अतीस वोरो इदोरन जवासो कारीगुरीसर पित्तपापरो
समलेइक्काथकरिपीपरिगुग्गुलसंयुक्तदेइ अष्टादसकुष्टवातरक्त उपदंस श्लीपदवहिरीयक्षाघातमेदरोषनेत्ररोगसर्वजाइ अथपथ्यादि हरर वहेरो आ
वरे चिराइतो हरद नीमकीछालि गुरिच समलेइक्काथकरिगुडकेजोगसेदेइसिरसूलकर्णसूल आधोसिरपीडासूर्यावर्तकंठरोगदांतरोगरतोंध पटल
जोर नेत्रपीडासर्वजाइ अथवासादिनेत्ररोगे रूसो सोठ गुरिच दारुहरद रक्तचंदन चितारु चिराइतो नीम कटुकी परवरकेपान त्रिफला मोथा इंद्र
जो कुरो समलेइक्काथकरिदेइसर्वनेत्ररोगजाइ पीनासस्वासछातीकोषतजाइ अथअमृतादिनेत्ररोगे गुरिच त्रिफला समलेइक्काथकरिपीपरिकोचूर्ण
मधुसंयुक्तदेइसर्वनेत्रपीडाजाइ अन्य पीपरि वट ऊमरि पाकर वेतस सवकी छाललेइक्काथकरिदेइव्रणसोथउपदंसजाइ एहीकेफिरंगअक्षताधोवे

अन्य वहेरे आवरे हरर परवरकेपान नीमकीछालि रूसो समलेइक्काथकरिगुग्गुलकेजोगसेदेइ नेत्रसोथपाकपीडा आवकेव्रणजाइ फूली सर्व
रोगजाइ इतिक्काथप्रकरणसारंगधरात अथजवागूषिचरीसोकहतहे चावरिटकाभरिआषदलेइ चौसइटकाभर पानीमेआषदइरिकौ होकेरेजव।
आधोरहेतवछानिलेइतेहिकोठेमेषिचरीराधे सप्यया आमकीछालि लसोरोकीछालि जामुनिकीछालि क्वाथकरितेहिमेचावरराधेसोषाइय
हरणीजाइ अथपथ्यादि औषदटकाभर चौसटटकाभरपानीमेचढावेओषदवाटिकेडारेजवआधोपानीरहेतवउतारलेइसोपीवेकोदेइ सप्यया
अर ई पित्तपापरो वारो मोथा सोठि चंदन समस्तमात्रा१ पानीमेचुरेकेसीतलकरिपियेप्यासजाइज्वरजाइ अथभात चावरटका४ चौदहगुनोपानीमेभा
तकरेमाडकाढिडारेसोभातलघुहोतहे अथअष्टगुनमंड धना सोठि पीपरि मरिच सेधोनोन समलेइचूर्णकरितक्रसंयुक्तवघारेमाडमेफूलईहीगघीउमे
वघारे असोमाडकरिरोगीकोदेइ अग्निहोइसोयनहोइरक्तवढइज्वरजाइ अथसूक्तमंड चाउरतेचोदहगुनोपानीमेभातकरेमाडपसाइलेइ तेहमाडमे
सोठसेधोनोन डारिपिआवे दीपनपाचनहे अन्य चावरभूजकेमाडकरेसोवाघमंडकहावे कफपित्तरक्तपित्तदूरिकरेकंठरोगजाइ अन्य धानकेफूल।
अथवाभूजेचावरकोमाडकरे पित्तश्लेष्मदूरिहोइपियासज्वरजाइ इतिलाजमंड अथफांटकल्पना औषदकोचूर्णटका१ तातोपानीटका४
माटीकेवासनतातेपानीमेचूरनघोरिकेछानिलेइसोफांटकहावेसोपानीदोटकाभरपिआवे अथमधुकादिफांट महुवाकेफूल जाठे चंदन
फालसे कमलकीजर कमलगटा लोध धमरकेफूल नागकेसरि त्रिफला कारीगुरीसर दाष लजवू मात्रासमचूर्णतातेपानीमेडारिफांटछा
निदेइ अथवाहिमकरिकेदेइ वातपित्तज्वरदाहतृस्नामूर्छाभ्रमरक्तपित्तसर्वजाइ षाडमधुकेजोगसेदेइ अथआम्रादिफांट आमकेपान जा

मुनकेपान वरकेपाए उरई समलेइ फोटकरिमधु केजोगसैदेइज्वरपियासछर्दिअतीसारमूर्छाजाइ अथलघुमधूकपुष्पकोट महुवा
केफूल धुम्हेर वेहन उरई धना दाष मात्रासमफांटकरिषाडसंयुक्तदेइत्रिषापित्तदाहमूर्छाभ्रमजाइ अथमंथ फांटकीनांईसीतलजल
मैवनावेसोमंथकहावे अथखर्जूरादिमंथ षजूर दाडिम दाष इमिली आंवरे फालसे समलेइ१।जलसीतलदेइका४मारीकेवासनमे
ओषदेचूरनकरिकेडारिकेमंथेछानिकेदेइटंका२भरमधविकारजाइ अथहिम ओषदकोचूरनटंका१छेटंकाभरपानीमेडारिराषे
राति केप्रातकालपिआवेटंका२ सध्यथा आमकीछालि जामुनिकीछालिकोहाकीछालसमलेइचूर्णकरिपानीमेडारिराषेप्रातकालम
ति धुकेजोगसेदेइरक्तपित्तजाइ अथसरिवादिहिमतृषाछर्दि मरिच जावे कचऊमरकेपान कमलगट्टा समलेइचूरनकरिरातिकेपानी
मेडारिराषेप्रातदेइतृषाछर्दिजाइ अथनीलोत्पलादिहिमः कमलगट्टा वरियारी दा षमोथा जांवे उरई पदमाष धुम्हेर फालसे हि
मकरिकेदेइवातपित्तज्वरप्रलापभ्रम छर्दिमोहतृषाजाइ अन्य गुरिचकोहिमकरिदेइजीर्णज्वरजाइ अन्य रुसेकोहिमकरिदेइरक्त
सरक्तपित्तज्वरजाइ अन्य धनाचूर्णकरिपानीमेरातिभि जेराषेप्रातषाडसैदेइअंतर्दाहतृषाजाइसूत्रकोसोधनकरै अन्य धना
आंवरे रूसे दाष पित्तपापरो हिमकरिदेइरक्तपित्तज्वरदाहतृषासोषजाइ अथकल्ककल्पना ओषदगीलीलेइसिलमैपीसे अथ
वासूषीओषदहोइतोजल डारिकेपीसैपिंठीसीकरैसोकल्ककहावेताकीमात्रा१८ मधुघीउतेलइनकोजोगकहोहोंतहाओषदतेदू २
नीलीजे षाडगुडकल्ककीवरावरलीजे द्रवचौगुनोलीजे सध्यथा पहिलपीपरितीनदेइपुनिपांच पुनिसात पानीमेवाटिपिआवे रा०
८

अन्य वेरीकीजरतिल ~~मधु~~ वाटि मधुक्षीरसंक्तं धेइरक्त रक्तातीसारजाइ१ अन्यकुम्हडाकेरसोला१ रपी
सीके धेइरक्तपित्तक्षयीठररोगजाइ११८१
नवीस पोडुवातरक्तकासस्वासअरुचिज्वरउदर ववेसीक्षयीश्लेष्मवातउररयहसर्वजाइ अन्य नीमकेपानवाटिकल्कवराभेवा
न धेसोधनहोइ अन्य नीमकेपानकल्ककरिषाइछर्दिकुष्टपित्तश्लेष्मक्रमजाइ अन्य वकाइनकीजरवाटिदेइग्रधसीजाइ अन्य
लहसनवाटितिलकेतेलमिलाइषाइ१८तेला१८वातरोगविषमज्वरजाइ अथरसोनकल्क लहसनपकोलेइकलीदूरकरिकेवि वे
जीकाहिलेइ तेललहसनकीपोथीरातिकेमठामेभिजेराषेप्रातमठामेतेकाढिकेशिलमेपीसेतिहिकेपांचवेअंसओषदनकोचूर्ण
मिलावे सोचर अजवाइन हींगभूंजी सेंधोसोंठ मरिच पीपरि मीठेजीरे स्यामजीरे समलेइचूरनकरिलहसनकीपिंठीमेमिला
इकेधरिराषेअधेलाभरा१८रोजषाइअंडकेकाढेसे सर्वांगवाइ एकांगवाइ अर्दित अपतंत्रकजेवातव्याधिहैतेदूरिहोइ अ
पस्मार उन्माद उरुस्तंभ गृधसी छातीकीपीठकीकटिपार्श्वकूषिकीसर्वपीरजाइ कृमिजाइ पथ्य अजीर्णभोजननकरै घामन
सहैकोधनकरैवहुतपानीनपिवै दूधनषाइ गुडनषाइ मद्यमांसषटाईनित्यषाइ अथान्य पीपरि पीपरामूल भिलमाकेफूल सम
लेइकल्कमधुसेदेइउरुस्तंभजाइ अन्य विसुकोंताकीजरवाटिषाउँघीउसंयुक्तदेइपरिनामसूलजाइदेइदिनसात अन्य सो म५८४
ठि गुड तिल वाटिदूधकेसाथदेइपरिनामशूलआमवातजाइ अन्य अरुआकेवीजाचावरनकेधोवनसेवाटिदेइरक्तार्शजाइ
अन्य चौरईकीजर रसोत वाटिमधुसंयुक्तचावरनकेधोवनसेदेइरक्तप्रदरजाइ अन्य अंकोलाकीजर वाटिमधुचावरनके
धोवनसेदेइ अतीसारतयाविषदूरिहोइ अन्य वांरुपडोरिनकीजरवाटिदेइषायेविषसर्पविषदूरिहोइ अन्य पाडरकीजरवा

सो ठी

टिदेइविषदूरिहोइ अन्य वेलकीजरवाटिघीउसंयुक्तदेइ विषसर्वयाजाइ अन्य हरर सेंधौनोन पीपरि सोठि वाटिकल्कदेइत्रिदो
षजाइ अन्यहरर सेंधौ वाटिदेइदीपनपाचनहोइ अन्य निसोत पलासकेवीजा षुरासानीअजवाइन अजवाइन कवीला वाइविडंग
गुडसमलेइमद्यासेवाटिदेइ।१२कृमिरोगजाइ अन्य तिलनैनूवाटिदेइरक्तार्शजाइ अन्य नैनूषाड नागकेसरि एकत्रवांटिदेइरक्तार्शजाइ
तथा सोठि वेल वाटिमसूरकेजूषसंयुक्तदेइसंग्रहनीजाइ तथा कदाईमठामेवाटिदेइ इतिसारंगधरातकल्ककल्पना अथचूर्ण
कल्पनासारंगधरात अथआमलक्यादिचूर्ण आवर चितावर हरर पीपरि सेंधौनोन समलेइवाटिछानिचूर्णकरिदेइ।१२सर्वज्वर
अरुचिश्लेषमजाइदीपनपाचनहै अथमधुपिप्पलीचूर्ण पीपरिचूर्णकरिमधुसेदेइ।१२कासज्वरहिचकीस्वासकंठरोगप्लीहजाइवा
लककोजोग्यहै अथत्रिफलाचूर्ण हररभाग१वहेरभाग२आवरभाग४वाटिछानिचूरनकरिदेइमात्रा।१२प्रमेहसोथविषमज्वरजाइदी
पनहोइश्लेषमपित्तकुष्टजाइ मधुघीउसंयुक्तसाइनेनत्ररोगजाइ अथत्रिकटुचूर्ण पीपरि मरिच सोठि मात्रासमलेइवाटिछानिचूर्णक
रिदेइमात्रा।१२मंदाग्निश्लेषमस्वदोषकुष्टपीनसअरुचिआमप्रमेहगुल्मगलरोगजाइ अथपंचकोल पीपरि चव्व सोठि पीपरामू
ल चितावर मात्रासमलेइवाटिछानिचूर्णकरिदेइ।१२मंदाग्निमलव्याधिअनाहप्लीहगुल्मसूलश्लेषमउदरव्याधिजाइ अथचातुर्जात
कचूर्ण तज पत्रज नागकेसरि लाइची समलेइचूर्णकरिदेइ।१२पित्तअरुचिविषश्लेषमजाइ अथलवणपंचक सेंधौ सोचर सा
भरी सैंभरि पोगा मंदाग्निसूलजाइकफपित्तवहावे अन्य साजी जवाषार गुल्मअर्शग्रहणीकृमिजाइपाचनहोइषाडसेदेइपथरी रा० ६

जाइ अथसुदर्शनचूर्णसर्वज्वरे त्रिफला हरद दारुहरद दोऊकटाई कचूर सोठि मरिच पीपरि पीपरामूल मूर्वा गुरिच जवासो कटुकी
पित्तपापरो मोथा त्रायमान वारो नीमकीछालि पोहकरमूल जाठे कुरेकीछालि अजवाइन इंद्रजौ भारंगी सुहजनेकेवीजा वच तज पदमाष
उसीर चंदन अतीस वरियारी सरिवन पिठवन वाइविडंग तगर चितावर देवदारु चव्व पत्रज परवरकेपात विलाईकंद लोंग वंशलोचना क
मलगटा सतावरि जाइपत्री तालीस समलेइ सवतेआधौचिरायतोलेइवाटिछानिचूर्णकरिसीतलजलसेदेइ।१२त्रिदोषसर्वज्वरद्वंदजआगंतुज्व
रधातुगतविषमसंनिपातज्वरनित्यज्वरशीतज्वरततीयकचातुर्थकमोहतंद्राभ्रमतृषास्वासकासपांडुरोगकामलापीठकीकटिकीघूटकीपसुरियाकीपीरजा
इ जैसे सुदर्शनचक्रदानवनकोनासकरतहै तैसेसुदर्शनचूर्णसर्वज्वरकोनासकरतहै अथत्रिफलादिचूर्ण त्रिफला पीपरि चूर्णकरिमधुसेदेइमंदाग्नि
आध्मानकासस्वासजाइ अथकट्फलादिचूर्ण काइफर मोथा कटुकी कचूर सोठि पोहकरमूल समलेइवाटिछानिचूर्णकरिमधुआदेकेरस
सेदेइ।१२ज्वरकंठरोगकासस्वासअरुचिवायुछर्दिसूलक्षयीरोगसर्वजाइ अथश्रृंग्यादिचूर्ण काकरासिंगी अतीस पीपरि समलेइवाटिचूर्ण
करिमधुसेदेइवालककोज्वरछर्दिजाइ तथा केवलअतीसमधुसेचटावे अथसुंठ्यादिचूर्ण सोठि अतीस हींगभूजी मोथा कुरो चिताउर स
मलेइवाटिछानिचूर्णकरितातेपानीसेदेइ।१२आमअतीसारजाइ अथहरितक्यादिचूर्ण हरर अतीस सेंधौ सोचर वच हींगभूजी समलेइचूर्णकरि
तातेपानीमेपिवै।१२आमातीसारग्रहणीमंदाग्निजाइ अथलघुगंगाधरचूर्ण अतीसार मोथा सोनाकाठर सोठि धवरकेफूल लोध कारे
वेलगोचरस पाइ इंद्रजौ कुरो आमकाठर अतीस लजनू समलेइवाटिछानिचूर्णकरिमधुचावरकेधोवनसेदेइ।१२प्रवाहिकासर्वअतीसा रा० ६

सो ठी अजमो दीचय ठीके फूली मोचरस सम आ ठाले इ
हाइ

अथ हींग्वाष्टकचूर्ण ॥ सोंठी ॥ पीपरी ॥ मीरीचा ॥ अजमोदा ॥ सेंधव ॥ जीरा दु नै ॥ २ ॥ हींग ॥ ८ ॥ समभाग

सारसं० १० मोथा टेंटू जो बेल लोध मोचरस धवरके फूल समले रवाटि छानि चूर्ण करि मठा गुड से खेदा रिपिजा वे सर्व अतीसार प्रवाहिक ग्रहनी जाइ अथ वृहत्तं

गाधर चूर्णा अतीसारे मोथा सोना की जर सोंठि धवरके फूल लोध वारो बेल मोचरस पाढ टेंटू जो कुरो आम की गोठी अतीस लजनू समलेरवाटि छा

नि चूर्ण करि मधु चावर के धोवन से देइ ॥ १ ॥ प्रवाहिक सर्व अतीसार ग्रहनी जाइ अथ सरिवादि ग्रहणी मरिच चितउर सोचर समलेरवाटि छानि चूर्ण क

रि तक से देइ ग्रहनी जाइ उदरव्याधि प्लीह मंदाग्नि गुल्म अर्श सर्व जाइ अथ कपित्थाष्टक चूर्ण कैथ भाग ८ षाड भाग ६ दरिमा भाग ३ तेंतरीक ३ बेल ३

धवरके फूल ३ अजमोद ३ पीपरि ३ मरिच भाग १ जीरे १ धना १ पीपरामूल १ वभो १ सोचर १ अजवाइन १ तज १ पत्रज १ नागकेसरि १ लाइची १ चितउर १

सोंठि १ सब औषदे वाटि छानि चूर्ण करि देइ ॥ १ ॥ गलरोग अतीसार क्षयी गुल्म ग्रहनी जाइ अथ दाडिमाष्टक चूर्ण दरिमा ८ षाड ८ तज पत्रज लाइ

ची १ सोंठि पीपरि मिरिच ३ चूर्ण करि एकत्र षाइ ॥ १ ॥ अरुचि मंदाग्नि कंठरोग ग्रहनी कास ज्वर जाइ अथ वृहत दाडिमादि चूर्ण दरिमा ८ षाड ८ पीपरि १

पीपरामूल १ अजवाइन १ मरिच १ धना १ जीरे १ सोंठ १ वंशलोचन १ ॥ तज १ पत्रज १ लाइची १ नागकेसरि १ सब वाटि छानि चूर्ण करि देइ ॥ १ ॥ अ

तीसार क्षयी गुल्म ग्रहनी गलग्रह मंदाग्नि पीनस कास जाइ अथ लघु लवंगादि चूर्ण लौंग [illegible]

जाइफर पीपरि अधेला अधेला भरि मरिच पैसा भर सोंठि पैसा आठ भर सब की बराबर मिश्री लेरवाटि चूर्ण करि षाइ ॥ १ ॥ कास ज्वर अरुचि प्रमेह गु

ल्म स्वास मंदाग्नि ग्रहनी जाइ अथ लवंगादि चूर्ण लौंग कपूर लाइची तज नागकेसर जाइफर उसीर सोंठि स्याम जीरे अगर वंशलोचन

जटामासी कमलगट्टा पीपरि चंदन तगर वारो कंकोल समलेर सबते आधी मिश्री मिलाइ के षाइ ॥ १ ॥ अग्नि दीपन होइ पुष्टि होइ वल होइ त्रि रा० १०

दोषजाइ हृद्रोग कंठरोग कास हिचकी पीनस राजजक्ष्मा ग्लानि स्वास अतीसार छाती को षतप्रमेह अरुचि गुल्म ग्रहनी जाइ अथ ग्रंथोत्तरातव

रघ्न चूर्ण दोउ कटाई पोहकरमूल हरर सेंधो कटुकी मोथा पीपरामूल दातौन की जर चिरायतो पित्तपापरो कपूर परवर के पान पीपरि

सोंठि समलेर चूर्ण करि तातेपानी से देइ ॥ १ ॥ एकाहिक ज्वर विषम ज्वर रात्रिज्वर जीर्णज्वर तृतीय ज्वर चातुर्थक ज्वर सर्वज्वर जाइ अथ षोडशांग

चूर्ण अन्यग्रंथे चिरायतो कटुकी गुरिच हरर मोथा जवासो त्रायमान दाष कगाई सोंठि पित्तपापरो पीपरामूल पुहकरमूल पीपरि क

पूर परवर के पान समलेर वाटि छानि चूर्ण करि देइ त्रिदोष जीर्णज्वर विषम सेनिपात अरुचि धातु दोष कास स्वास सूल शोष मल सोधन हृ

द्रोग मूत्रकृच्छ्र प्लीह छर्दि कफ ग्रहनी सोफ वस्ति सूल प्रवाहिका अतीसार आमवात पीठ की करिहा की पीर वात पित्त कफ शिर सूल सर्व जाइ अ

थ जातीफलादि चूर्ण जाइफर लौंग लाइची पत्रज तज नागकेसर कपूर चंदन तिल वंशलोचना तगर आवरे तालीस पीपरि हरर

जीरे चितउर सोंठि वायविडंग मरिच समलेर चूर्ण करि सब की बराबरि भांग लेइ एकत्र करि सब चूर्ण की बराबर षांड मिलाइ के मधु से दे

इ ॥ १ ॥ ग्रहनी कास स्वास अरुचि क्षयी वात श्लेष्म प्रतिस्याय सर्व जाइ अथ महाषाडव चूर्ण मरिच भाग १ नागकेसरि १ तलीस १ सेंधो नोन

१ सोचर १ सांभर १ पांगा १ षारी १ पीपरामूल भाग २ चितउर २ तज २ पीपरि २ तेंतरीक २ जीरे २ धना भाग ३ अम्लवेतस ३ सोंठ ३ वडी लाइ

ची ३ वेर की गिजी ३ अजमोद ३ मोथा ३ सब औषद ते चौथे अंस दरिमा डारे सब एकत्र करि सब ते आधी षाड मिलाइ चूर्ण करि षाइ ॥ १ ॥ अ

रुचि मंदाग्नि कास अतीसार हृद्रोग कंठरोग पेट के रोग मुषरोग विसूचिका आध्मान अर्श गुल्म कृमि छर्दि स्वास जाइ अथ नारायण चू

दाडिमको रसदारै ३
षटको

सा॰रसं॰ र्ण चितउर त्रिफला सोंठि मरिच पीपरि जीरे हवुषा वच अजवाइन पीपरामूल सोंफ अजमोद असगंध कचूर धना वायविडंग कारेजीरे
९१ चोष पुहकरमूल साजी जवाखार सेंधो सोंचर साम्हर छुटियानोन षारी कूठ मात्रासमलेइ इंद्रायनभाग २ निसोतभाग ३ दंतीभाग ३ थूहरकी
जरभाग ४ सर्वएकत्रवाटि छानि चूर्णकरि देइ। १ पाचनतोइ विरेचन हृद्रोगपांडुरोगकासमंदाग्निज्वरकुष्ठग्रहणीगलगंडजाइ अनूपान आध्मा
न होइ जौ सुरापानसों देइ वेरकेपानीसों गुल्मजाइ दहीके पानी सों विष्टंभजाइ तातेपानीसों देइ अजीर्णजाइ उटनीके दूधसे उदरव्याधिजाइ तया
तक्रसे देइ वायसुरलीके काढेसों देइ वातरोगजाइ दरिमाके रससों देइ अर्शरोगजाइ घीउसे देइ विषदूरिहोइ सर्वव्याधिऊपर अथ
हवुषादिचूर्ण हवुषा त्रिफला त्रायमान पीपरि चोष निसोत सेहुंड कुटकी वच नीलिनी सेंधो सोंचर मात्रासमलेइ वाटि छानि चूर्ण
करि १२ तातेपानीसों गोमूत्रसों दरिमाके रससों त्रिफलारससों मांसरससों देइ जैसो रोग होइ तैसो अनूपान गुन अजीर्णप्लीहगुल्मशो
अर्दी फविषमहलीमकमंदाग्निकामलापांडुकुष्ठ आध्मानउदरव्याधिजाइ अथपंचसमचूर्ण सोंठि हरर पीपरि निसोत सोंचर समले
इवाटि चूर्णकरि देइ १२ सूल आध्मानजठर अर्श आमवातजाइ अथनाराचचूर्ण पीपरि। १२ निसोत १ षांड १ एकत्रचूर्णकरिषाइ
। १२ मधुके जोगसे देइ आध्मान विष्टंभउदरव्याधिकफपित्तसूलजाइ अथएलादि लाइची लौंग नागकेसर वेरकी वीजी धान
केषूला प्रियंगु मोथा चंदन पीपरि समलेइ चूर्णकरि मधुमिश्रीसों देइ त्रिदोषछर्दिजाइ अथविल्वगादिचूर्ण सेंधो सोंचर
साम्हर साजीषार जवाषार सोंफ वच अजमोद असगंध हवुषा जीरे स्यामजीरे मरिच पीपरामूल पीपरि गजपीपरि हींगु हींगु राम ९१

रसकौ३
पत्री कचूर पाठ कारेजीरे सोंठि चितउर चव्य वायविडंग अमलवेतस दरिमा तंतरीष निसोत दांतीन सतावरि इंद्राय
न भारंगी देवदारु अजवाइन धना वायतूमरू पोहकरमूल वेरकीवीजी हरर समलेइ वाटि चूर्णकरि के आदेके रसकी भा
वना देइ विजौरे की भावना देइ घीउसे षाइ मद्यसों ताते पानीसे वेरके पानी से तक्रसे दूधसे उटनीके दूधसे जैसो रोग तैसो दहीके पानी से
अनूपान यकृतप्लीहकटिसूलगुदाके रोगकुक्षिरोगहृदयरोगअर्शविष्टंभमंदाग्निगुल्मश्लीलाउदरव्याधिहिक्काआध्मान
स्वासकाससर्वजाइ अथतुंवरादिचूर्ण वायतूमरू सेंधो सोंचर साम्हर अजवाइन पुहकरमूल जवाषार हरर हींग वायविडंग
समलेइ निसोत तीनभाग लेइ वाटि छानि चूर्णकरि। १२ ताते पानीसे जवाके काढेसे देइ सर्वसूलगुल्म आध्मान उदरव्याधिजाइ अथ
चित्रकादिचूर्ण चितउर सोंठि हींगभूजी पीपरि पिपरामूल चव्य अजमोद मरिच अधेला अधेलाभरि साजीषार जवाषार सेंधो सोंचर सा
दा म्हर षारी पांगानोन छदाम छदामभरि सवएकत्रकरि वाटि चूरनकरै विजौरेके रसकी भावना दरिमाके रसकी भावना देइ घाममें सुषेके षाइ। १२
गुल्मग्रहणी आममंदाग्नि अरुचिकफजाइ अथवडवानलचूर्ण सेंधो भाग १ पीपरामूल २ पीपरि ३ चव्य ४ चितावर ५ सोंठि ६ हरर ७ सवए
कत्रचूर्णकरि देइ। १२ अग्निदीपनहोइ अथअजमोदादिचूर्ण अजमोद वायविडंग सेंधो देवदारु चितउर पीपरामूल सोंफ पीपरि मरि
च एसव अधेला अधेलाभरि हररपाच अधेलाभरि विधारो दस अधेलाभरि सोंठि दश अधेलाभरि लेइ सर्वएकत्रवाटि छानि चूर्णकरि ताते
पानीसे पिवै। १२ सूजन आमवातसंधिपीडागृध्रसी कटिपीडा जांघगुदा सर्वपीरजाइ तूनी प्रतूनी विश्वाची कफवातरोगसर्वजाइ गुडसमलेइ

गुटिका करै अथ हिंग्वादि चूर्ण शूले हींग पाव हरर धना इंद्रिमा चितावर कचूर अजमोद सोंठि मरिच पीपरि तुंबुरा अम्लवेतस असगंध
तेतरीक जीरे पोहकरमूल वच चव्य साजीखार जवाखार सेंधो सोंचर साम्हर खारी पोंगारोन समले इ वांटि चूर्ण करि भोजन के पहिले अथ
भोजन के मध्य मे मद्य सेतातेपानी से मदिरा से देइ ॥ १२ गुल्म वात कफ हृद्रोग गृध्रसी प्लीहा वस्तिशूल पार्श्वशूल सूलयोनिसूल गुदसूल मूत्रकृच्छ्र अ
नाह पांडुरोग अरुचि हिचकी यकृत प्लीह स्वास कास गलग्रह ग्रहणी अर्श विकार सर्व जाइ बिजौरे के रस की पुटे देइ गोली वांधे खारवातस्ले
ष्म जाइ अथ जवानी षांडव चूर्ण अजवाइन इंद्रिमा सोंठि तेतरीक अम्लवेतस वेर समले इ ये सा पेसा भरि मरिच ा१ पीपरि ा१ ... ा१ तज
१२ सोचरनोन १ धना ा१ जीरा १ स्यामजीरा १ षांड ा सव एकत्र चूर्ण करि षाइ ा१ पांडुरोग हृद्रोग ग्रहणी ज्वर छर्दि शोष अतीसार प्लीह अनाह वि
वंध अरुचि सूल मंदाग्नि अर्श जीभ के रोग गले के रोग जाइ अथ तालीसादि चूर्ण तालीस ा१ मरिच ा२ सोंठि ा३ पीपरि ा४ वंशलोचन ा१ ा घ
लाइची ा तज ा षांड ा एकत्र चूर्ण करि देइ ा१ रोचन दीपन कास स्वास ज्वर छर्दि अतीसार सोष आध्मान प्लीह ग्रहणी पांडुरोग जाइ अथवा
ा डके षांग करि के गुटिका करै अथ वृहत्तालीसादि चूर्ण तालीस काकड़ासिंगी हरर कचूर कटुकी दाष खजूर तज पत्रज नागकेसरि लाइची
जीरे स्यामजीरे समले इ चूर्ण करि देइ ा१ कास स्वास क्षयी अर्श मंदाग्नि रक्तपित्त अम्लपित्त जाइ अथ सितोपलादि षांड १६ वंसलोचन ा८
पीपरि भाग ४ लाइची भाग २ तज भाग १ सव एकत्र चूर्ण करि देइ ा१ कास स्वास मधु घीउ से ा१ स्वास कास क्षयी हाथ पाउं अंग की दाह मंदा
ग्नि अरुचि पार्श्वशूल ज्वर रक्तपित्त जाइ अथ लवण भास्कर चूर्ण समुद्र लवण तोला ८ सोंचरनोन तोला ५ विडलवण ा२ सेंधो २ धना २ पीप
रि २ पीपरामूल २ स्याह जीरे पत्रज नागकेसरि तालीस अम्लवेतस दो दो तोला लेइ मरिच तोला १ जीरे १ सोंठि १ इंद्रिमा तोला ४ तज तोला ॥

परामूल वेल अजमोद समले इ वांटि चूर्ण करि षाइ ा१ ताते पानी से अथवा अंडी के तेल से स्वास सोथ अर्श भगंदर हृद्रोग सूल पार्श्वसू
ल वात गुल्म उदर हिचकी सर्व प्रमेह कामला पांडुरोग आमासय उरोग्रह वात मूत्र वृद्धि गुदा कृमि ग्रहणी मलज्वर भूतोन्माद सर्व जाइ उन्मा
अथ षड्धरणादि चूर्ण काकड़ासिंगी पीपरि मरिच सोंठि हरर वहेरा आंवरे कटाई भारंगी पुहकरमूल पाचोनोन सव वांटि छानि चूर्ण क
रि सीतल जल मे पिवै ा१ हिचकी स्वास कफ वात पीनस जाइ अथ विडरसकादि विडियानोन सोंचर अजवाइन स्यामजीरे सेत स
जीरे हरर सोंठि मरिच पीपरि चितावर अम्लवेतस अजमोद वायविडंग धना तेतरीक समले इ वांटि छानि चूर्ण करै षाइ ा१ अजीर्ण
जाइ भूष लागै पाचन रहै इति चूर्ण कल्पना अथ वटका कल्पना सारंगधरात अथ वातूसाल गुटिका रहोरन की जर मोथा सोंठि व
डी दंती नकी जर हरर निसोत कचूर वायविडंग गुरुच रूखा चितावर तेजवल ये सा पेसा भरि सूरन सेरा पेसा भरि विधारो आठ पेसा भ
रि भिलमा आठ पेसा भरि एकत्र करि काढौ करै जल ४ धजव चतुर्थ सरहै छान वद्धानि लिइ तिहि मे गुड ... घोरि के फेरि औ
टावे जव गाढो होइ तव ए औषदे चूर्ण करि के डारै चितावर ा१ निसोत ा१ वड़ी दंती नकी जर ा१ तेजवल ा१ सोंठ ा३ मरिच ा३ पीपरि ा३ ला
इची ा३ तज ा३ मधु ा१ षाइ ा१ अर्श गुल्म वात उदर व्याधि आम वात प्रतिस्याय ग्रहणी क्षयी रोग पीनस हलीमक पांडुरोग प्रमेह
सर्व जाइ अथ मरिचादि गुटिका मरिच ा२ पीपरि ा१ जवाखार ा१ इंद्रिमा ा२ एकत्र वांटि छानि चूर्ण करि टांटका भर गुड मे गोली वां
धे मो से ४ गोली एक मुष मे रषे कास स्वास जाइ अथ गुडादि गुटिका गुड सोंठ हरर मोथा एकत्र करि गुटिका ा१ कास स्वास जाइ

लार चीतोला॥ सब एकत्र चूर्ण करि देइ मासे ४ तक्र से वात श्लेष्मा ते गुल्म होइ सो जाइ प्लीह उदर व्याधि छयी अर्श संग्रहणी कुष्ट विबंध भगंदर
शोफ सूल स्वास कास आमदोष हृद्रोग मंदाग्नि जाइ दीपन पाचन है अथ निंबपंचांगचूर्ण नीम की जर पत्र फल फूल त्वचा पंचांग टका ५ भावा
टि चूर्ण करै लोह भस्म टका १ हरर टका १ पवार के बीजा १ चिताउर १ भिलमा १ वाइविडंग १ पांडु १ आंवरे १ हरद १ पीपरि १ मरिच १ सोठि १
बकुची के बीज १ किरवारो १ गुरुषुरू १ सब एकत्र चूर्ण करि घमरा के रस की भावना १ षैर को काढ़ो करै ताकी भावना १ विजोरे के काढे की भावना १ सु
षे के षार मासा १॥ षैर के काढे से विजौरे के काढे से घीउ से दूध से एक महीना सेवन करै सर्व कुष्ट जाइ पुष्ट होइ सर्व रोग जाइ अथ सतावरी चूर्ण
वा पुष्टिकरणं धातुवृक्षीरो नराणां पिवेत सतावरि गुरुषुरू के बीजा कौंच के बीजा गंगेरन की जर बरियारी की जर तालमखाने के बीजा सर्व सम लेइ चूर्ण
करि गाइ के दूध में राति के पिवै पुष्टि होइ मासा १५ अथ अस्वगंधादि चूर्ण असगंध टका १० बिधारो टका १० एकत्र चूर्ण करि घीउ के
नेवासन मैं धरि राषे दूध मैं पिवै १२ पुष्टि होइ अथ नवायस चूर्ण चिताउर त्रिफला मोथा वाइविडंग सोठि मरिच पीपरि सम लेइ वाटि चू
र्ण करै सब की बराबर मंडोलो होलेइ एकत्र करि मधु घीउ से षाइ अथवा गोमूत्र से अथवा तक्र से पिवै मासा ४ सोर तेवढावै पांडुरोग हृद्रो
ग भगंदर शोथ कुष्ट उदर व्याधि अर्श मंदाग्नि अरुचि क्रिमि जाइ अथ करभादि चूर्ण अकलकरा सोठि कंकोल कौरा. कीछाल पीपरि
जाइफर लोग चंदन अधेला अधेला भरि अफीम टका भरि १ सर्व एकत्र चूर्ण करि मधु से एक मासो षाइ सुक्र स्तंभ होइ राति के षाइ साउ
के अथ विजय चूर्ण सोठि मरिच पीपरि हींग पाढ साजी जवाषार आंवाषार दारुहरद हरद चर्व कुटकी कुरो सोफ पाच स्नोन पी

बच पलाषषार

अन्य अकेले बहेरे से कास स्वास जाइ अथ आमलादि गुटिका आंवरे कमलगटा कूठ लाजा बरके पात सम लेइ वाटि छानि
चूर्ण करि मधु से गुटिका बांधै मुष में राषै तृष्णा मुषसोष जाइ अथ संजीवनी गुटिका वाइविडंग सोठि पीपरि हरर चिताउर बहेरे
बच गुरिच भिलमा विष मात्रा सम वाटि छानि चूर्ण करै गोमूत्र से घोटै गोली बांधै रती १ आदे के रस से देइ अजीर्ण को गोली १ विसू
ची को गोली २ साप काटे को गोली ३ संनिपात को गोली ४ देइ अथ चोषादि गुटिका सोठि मरिच पीपरि अम्लवेतस चर्व तालीस चि
ताउर जीरे तेतरीक अधेला अधेला भरि लाइची १५ तज १५ पत्रज १५ गुड ५ सब औषदे वाटि छानि गुड मैं गोली बांधै १२ षाइ गुन पी
नस कास स्वास अरुचि प्रतिस्याय जाइ अथ गुडचतुष्टय गुटिका सोठि गुड से आम जाइ पीपरि गुड से अजीर्ण जाइ जीरे गुड से मूत्रकृ
छ जाइ हरर गुड से अर्श जाइ अथ वृद्धदारुक मोदक बिधारो भिलमा सोठि चूर्ण करि दूने गुड मैं गोली बांधै १२ षाइ अर्श जाइ अथ सूरन
पिंडी सूरन सूषे के चूरन करै भाग ३२ चितावर भाग १६ सोठि भाग ४ मरिच भाग २ सर्व एकत्र चूर्ण करि दूनो गुड मिलाइ के एकत्र धरि राषे षाइ
१२ अर्श रोग जाइ अथ सूरन वटका सूरन भाग १६ बिधारो भाग १६ मूसरी भाग ८ चितावर भाग ८ हरर ४ बहेरे ४ आवरे ४ वाइविडंग ४ सो
ठि ४ पीपरि ४ भिलमा ४ पीपरामूल ४ तालीस ४ तज २ लाइची २ मरिच २ सब एकत्र चूर्ण करि दूने गुड मिलाइ के गोली बांधै १२ षाइ अग्नि
होइ अर्श रोग जाइ ग्रहणी वात कफ स्वास कास क्षयी प्लीह श्लीपद सोथ हिचकी प्रमेह भगंदर जाइ पुष्ट होइ अथ कल्याण लवण भिल
मा त्रिफला वडी दंती न चितावर सम लेइ सेधो नोन दूनो षपरा मैं संपुट करि पकावै कंडन की मंद आंच मैं जब सब पकि जाइ तब वाटि कै षाइ

सार सं० २४

अर्शरोगजाइ अथ मंडूरवटका त्रिफला त्रिकटु चर्व पीपरामूल चितावर देवदारु सोनामाषी धातुमारी तज दारुहरद मोथा वायविडंग अ
धेला अधेला भरि सब तै दूनो कि टी सार एकत्र करि चूर्ण करिके अष्टगुनो गोमूत्र मै पकावे जब गाढो होइ रत्तव गोली बांधे ।।२ तक्र सो देइ गुन
कामला पांडुरोग प्रमेह अर्श शोथ कुष्ट कफरोग उरुस्तंभ अजीर्ण प्लीहा सर्व जाइ अथ चंद्रप्रभावटिका कचूर वच मोथा चिरायतो देवदारु ह
रद अतीस दारुहरद पीपरामूल चितावर धना त्रिफला चर्व वायविडंग गजपीपरि त्रिकटु सोनामाषीमारी साजीषार जवाषार सेंधोनो
न सोंचरनोन साम्हरनोन मात्रा सम भ्यासे च्यारि च्यारि लेइ निसोत दांतोन कीजर पत्रक तज लाइची वंशलोचना एकत्र अधेला अधेला भरि लो
हमारो ।२५ मिश्री ।। सिलाजतु को सत ।। गुग्गुल सोधो २।२५ सब एकत्र वाटि गोली बांधे ।।२ षाइ प्रमेह बीस भांति के मूत्रकृच्छ मूत्रघात पथरी
विबंध अनाह सूल ग्रंथि अर्बुद अंडवृद्धि पांडु कामला हलीमक अंत्रवृद्धि कटिसूल स्वास कास विचर्चिका कुष्ट रक्तार्श कंडू प्लीह उदर भगंदर दं
य तरोग नेत्ररोग स्त्री को प्रदररोग पुरष को शुक्रदोष मंदाग्नि अरुचि वात पित्त कफ सर्व जाइ अथ काकायन गुटिका अजवाइन जीर धना
मरिच त्रिसुकांता अजमोद कारेजीरे सब टंक चारि चारि लेइ हींग टंक ६ साजीषार टंक ८ जवाषार टंक ८ सेंधो ८ सोंचर ८ साम्हर ८ षारी ८
छुटियानोन ८ निसोत टंक ४ बडी हरैतोन कीजर टंक १६ कचूर टंक १६ पुहकरमूल १६ वायविडंग १६ दारिमा १६ हरर १६ चितावर १६ अम्लवेत
स १६ सोंठि १६ एकत्र वाटि थानि चूर्ण करि बिजौरे के रस की पुट देइ के गोली बांधे ।।२ तथा ।।६ अनूपान घी उसे दूध से मदिरा से तक्र से उष्णज
ला से वातगुल्म होइ तौ मदिरा से देइ पित्तगुल्म होइ तौ गोदूध से देइ कफगुल्म होइ तौ गोमूत्र से देइ त्रिदोष ते गुल्म होइ तौ दशमूर के काढे से रा० २४

देइ उटनी के दूध से देइ तौ स्त्री कौ रक्तगुल्म जाइ हृद्रोग ग्रहणी सूल कृमि अर्श जाइ अथ जोगराज गुग्गुल सोंठि पीपरि चर्व पीपरामूल चिता
वर हींग भूंजी अजमोद सरसवा जीरे स्याम जीरे रेणुका इंद्रजौ पाढ वायविडंग गजपीपरि कुटकी अतीस भारंगी वच मूर्वा सब औषदे घि
टंक टंक लेइ सब औषद तैं दूनो त्रिफला लेइ सब एकत्र करि चूर्ण करि के सब की बराबर गुग्गुल लेइ त्रिफला मैं सोधे कपरा मैं पुटरिया बा?के डोला
जंत्र से पुनि ता ते पानी सो धोवै तब औषद्न को चूर्ण मिलाइ के घी उसे ?? देइ जब बैनै सो होइ तब चीकनै बासन मै धरि राषै षाइ टंक १ गुन वातरोग
कुष्ट अर्श संग्रहणी प्रमेह वातरक्त नाभिसूल भगंदर उदावर्त क्षयी रोग गुल्म अपस्मार उरग्रह मंदाग्नि स्वास कास अरुचि निर्मुसक स्त्री को प
दर जाइ पुत्र होइ अनूपान रास्नादि काथ से देइ विबंध जाइ काकोली के काढे सो देइ पित्तरोग जाइ किरवारे के काढे सो देइ कफरोग जाइ दारुहरद
के काढे से देइ प्रमेह जाइ गोमूत्र से देइ पांडुरोग जाइ मधु से देइ मेदरोग जाइ नीम के काढे से देइ कुष्ट जाइ गुरिच के काढे से वातरक्त जाइ पी
परि के काढे से सोथ जाइ सूल जाइ पाडर के काढे से विष जाइ त्रिफला के काढे सो नेत्ररोग जाइ पथरसगा के काढे से उदररोग जाइ अथ गुग्गुल
त्रिकटु त्रिफला मोथा वायविडंग चितावर पखर के पान पीपरामूल हवुषा देवदारु बाइहमरी पुहकरमूल चर्व इंद्रोरन कीजर दारुहरद ल र
द विडनोन सोंचरनोन साजीषार जवाषार सेंधोनोन गजपीपरि मात्रा सम लेइ सब औषद तैं दूनो गुग्गुल लेइ सोधि के सब औषदे चूर्ण
करि गुग्गुल मिलाइ के गुटिका बांधे ।।१ मधु से देइ कास स्वास सोफ अर्श भगंदर हृदशूल पार्श्वसूल कुक्षिसूल गुदसूल पथरी मूत्रकृच्छ अंत्रवृ
द्धि कृमि पुरानो ज्वर अनाह उन्माद अष्ठीला कुष्ट नाडीव्रण प्रमेह श्लीपद सर्व जाइ अथ कैसोर गुग्गुल त्रिफला ४८ गुरिच ११ एकत्र कूटि के

सारसं० लोहेकी कराही मै पानी २५४। भरे मै औटावै तब आधौ रहै तब छानि लेइ तिहि काढे मै गुग्गुल सुद्ध १६। घोरि के कराही मै औटावै जब गुड के सो पाग होइ
१५ तब ए औषदे मिलावै चूर्ण करिकै त्रिफला ३। गुरिच ११। त्रिकटु ११२५ वायविडंग ११२५ व डी दंती नौन की जर ११२ निसोत ११२ सर्व एकत्र पिंडी करि घी
कनैवा सनमै धरि राषै षाइ मासे ४ ता ते पानी सै दूध से मंजिष्ठादि काथ से सर्व कुष्ट जाइ वातरक्त जाइ त्रिदोष जाइ सर्व व्रण गुल्म प्रमेह पिडिका
प्रमेह उदर मंदाग्नि कास स्वस पथु पांडुरोग स्लेके काढै सैं नेत्ररोग जाइ वरणा के काढे से गुल्म जाइ षैर के काढे से व्रण कुष्ट जाइ पथ्य षटाई
तीक्षणा वस्तु न षाइ अजीर्ण भोजन न करे स्त्री प्रसंग न करे घाम न सहे क्रोध न करे मादिक वस्तु न षाइ अथ एकोनविंसत गुग्गुल चितावर
त्रिफला त्रिकटु जीरे सोफ वच सैंधोनोन अतीस कूठ चर्व लाइची जवाषार वायविडंग अजमोद मोथा देवदारु मात्रा सम लेइ वाहि चू
र्णकि रि सवकी वरावर गुग्गुल लेइ सव एकत्र करि घीउ सै कूटै जव लरम होइ तव गुटिका करे।१२ प्रात षाइ अथ भोजन के समये षाइ जे सो वल
होइ तैसी मात्रा षो री षाइ अठारह कुष्ट कृमि दुस्ट व्रण गृहणी अर्श विकार मुखरोग गलग्रह ग्रधसी भग्न गुल्म कोष्ट वात सर्व जाइ अथ
त्रिफला गुग्गुल त्रिफला ३। पीपरि १। गुग्गुल ५। सव एकत्र करि गुटिका वाधि षाइ।१२ भगंदर गुल्म शोथ अर्श जाइ अथ गोक्षुरादि गुग्गुल गुर
षुरू २८। छै गुने पानी मै औटावै जव आधौ रहै तव छानि लेइ गुग्गुल सोधौ टका ७ घोरि के औटावै जव गुड के सो पाग होइ तव ए औषदे मि
लावै सोठि ३ मरिच ३ पीपरि ३ हरर ३ वहेरे ३ आवरे ३ मोथा ३ चूर्ण करि पाग मै मिलाइ गुटिका वाधे।१२ षाइ प्रमेह मूत्रकृछ्र प्रदर मू
त्राघात वातरक्त वातरोग सुक्र दोष पथरी सर्व जाइ अथ त्रिफलामोदक त्रिफला टका ८ भिलमा ४। वकुची के वीज ५। वायविडंग ४। लोहसा रा० १५

रो ७। निसोत ३। गुग्गुल ३। सिलाजतु सुद्ध ३। पोहकरमूल ३२५ चितावर ३२५ मरिच ३१२ सोठि ६ पीपरि ६ मोथा ६ तज ६ लाइची ६ पत्रज ६ केसरि ६ स
श्री व एकत्र करि चूर्ण करि सवकी वरावर षाड लेइ पाग करि षद मिलाइ गोली वाधे १ षाइ सर्व कुष्ट त्रिदोष भगंदर प्लीह गुल्म जीभ ताल्हू के रोग सिर रो
ग नेत्ररोग भूरोग पीठ के रोग सर्व जाइ पेट तै नीचे जो रोग होइ तौ भोजन के प्रथम देइ पेट मै जो रोग होइ तौ भोजन के साथ भात मै देइ पेट तै जो ऊ
चे रोग होइ तौ भोजन के उपरांत देइ अथ कांचनार गुग्गुल कचनार की छालि टका २०। त्रिकटु १२। त्रिफला ६। वरणा ३। लाइची ।१२ तज ।१२ पत्रज
सो ।१२ सर्व एकत्र चूर्ण करि सवकी वरावर सोधौ गुग्गुल मिलाइ कै कूटि कै गुटिका वांधे मासे ४ प्रात काल षाइ गंडमाला मपची अर्वुद ग्रंथि व्रण गुल्म स
कुष्ट भगंदर जाइ अनूपान मुंडी के काढे से षैर के काढे से हरर के काढे से अथ माषादि मोदक उरद की धौ ३। गोहू को चूर्ण ३। जवा को चूर्ण ३। चा
वर को चूर्ण ३। पीपरि चूर्ण ३। सव एकत्र करि सवतै आधौ गाइ को घीउ मै भूजे सवकी वरावर षाड लेइ दूने पानी मै पाग करै जव गाढौ होइ तव
लडुवा वाधे ३। सांझ के षाइ चौगुनो ३ दूध पिवै गाइ को गुन वीर्ज वढै सु [illegible] स्त्री भोग होइ षाटे षारे न षाइ रतिसार गंधर्व टिका कल्पना अ
थ अवलेह कथनं अथ कंटकार्यावलेह कूटाई १००। पानी २५६। भरे मै औटावै जव चतुर्थांस रहै तव छानि लेइ पाछे औषद मिलावै गुरि
च चर्व चितावर मोथा काकराश्रृंगी सोठ मरिच पीपरि जवासो भारंगी वाइसुरही कचूर टका १ का भर एकत्र चूर्ण करे षांड २० लेइ कढा
ई के पानी मै पाग करै गाढौ न होइ जाइ रस ढीलरा षे पुनि घीउ ८ तेल ८ मधु ८ पाग मै मिलावे पाछै और औषदे मिलावै वंशलोचन ४
पीपर ४। सव औषदै आगिली पाछिली पाग मै मिलावै अवलेह सो राषे गाढौ न करै षै षै को मात्रा १ अथ वलयो रोग होइ तौ २५ कास स्वा

सारसं० सक्षयी हिचकी सर्वजाइ अथकूष्मांडावलेह भूराकुम्हडायकी छालकै गतराकरैटका १०० पानी २०० भरेमै औटावैजव आधौ रहैतवछानि
१६ लेइकुम्हडाकोकपरामैधरकैनिचोइलेइफेरितामैकैवासनमैघीउटका आठभरमैकुम्हडाभूजैफेरिओहीकाढामैषाड १०० पागकरैतव
भूजैकुम्हडामैपीपरि २ सोंठि २ जीरे २ धना। २५ पत्रजा। २५ लाइची। २५ मरिच। २५ तेजा। २५ मधु ८ सबएकत्रपागकरैगतरीसोरावैषा
इ सरीरकेअनुमानरक्तपित्तज्वरक्षयीरोगशोषतृषाभ्रम छर्दिजाइ कासस्वासक्षतजाइपुष्टहोइ कामवढैवलहोइ अथअगस्त्यह
रीतकावलेह हरर १०० जवा ६४ दशमूल २० चित्रावर २ पीपरामूल २ अपामार्ग २ कचूर २ कैथ २ संषाहूली २ भारंगी २ गजपीप
रि २ वरियारी २ पुहकरमूल २ पानी ३२०० टकाभरेमै औटावैजवचतुर्थांसरहैतवछानिलेइ हररैघीउमैसेकै काथकोपानीपागकै
रहनदेइ गुड १०० तिहिमैपागकरैघीउ ८ तेल ८ मधु ८ पीपरि ८ पागमैमिलावैवेहीमैहरररैराषैदोहररषाइ अवलेहतोला २ षाइगु
न क्षयीकासस्वासहिचकीअर्शअरुचिपीनससंग्रहणीजाइवलहोइनिपुंसकतामिटै अथकुटजावलेह कुरैकीछाल १०० पानी
२५६ भरेमैऔटावैजवचतुर्थांसरहैतवछानिलेइगुडटका ३० तेहीकाढेमैघोरिकै औटावैजवगाढोरावसोहोइतवऔषदैमिलावै
रसोंत मोचरस त्रिकुटु त्रिफला लजालू चित्रावर पाढ वेलकोगूदो इंद्रजव वच भिलमा अतीस वाइविडंग वारी टकाटकाभरिलेइचूर्णकरि
पागमैमिलाइदेइ घीउ ४ मधु ४ पागमैमिलावैषाइतउजन २५ गुन अर्शअतीसारअरुचिग्रहणीपांडुरोगकामलाअम्लपित्तसोफप्रवाहिकाजाइ
अनुपान घीउसे तक्रसे दहीसे जलसे अथकुटजाष्टकावलेह कुरैकीछालतोति १०० पानी २५६ भरेमैऔटावैजवचतुर्थांसरहैतवछानिले सा० १६

इ लजालू धवईकेफूल वेल पाढ मोचरस मोथा अतीस सबटकाटकाभरिचूर्णकरिकुरैकेकाढेमैडारिऔटावैजवरावसौहोइतवरावैषा
इजलसेछेरीकेदूधसेमाडसेसर्वअतीसारजाइरक्तअतीसारप्रवाहिकाअर्शसर्वजाइ इतिसारंगधरेअवलेहकल्पना अथपाकावली अ
थअहिफेनपाक सुद्धअफीम ८ दूधगाइकौ २५६ मंदआंचमैपचावैजवगाढोहोइतवषाड १६ जाइफर। १९ लौंग। १२ जावत्री। १२ केसरि। १९ अक
लकरा। १२ समदसोष। १९ कपूर। १९ चंदन। १९ सोंठि। १९ मरिच। १२ पीपरि। १९ धतूराकेवीजासुद्ध। १९ मूसरी। १२ तालमषानेकेवीजा। १९ चित्रावर। १२ पीप
रामूल। १२ जीरे। १२ अजमोद। १९ वरियारी। १२ गोषुरू। १९ मोथा। १२ भांग। १२ सबएकत्रकरिचूर्णयागमैमिलाइदेइ वंग १ तामोमारो १ लोहोमारो १
पारोमारो १ अभ्रकमारो १ सर्वएकत्रकरैसुगंधकेनिमित्तकस्तूरी अगरडारैवासनमैधरिराषैरात्रिकेषाइऊपरतैभैसकोदूधपिवैअषैवेकीमात्रापा
गकीटकाभरेकीहै पुनिजैसोसरीरहोइतैसोथोरोषाइ गुन कामवढैनिपुंसकनीकोहोइवेध्याकेगर्भरहैकासस्वासशीत अपस्माररछातीकोष
ताधाउउन्मादपांडुरोगभगंदरअसीभांतिकेवातरोगजाइकफवातितेजेरोगहैतेजाइअतीसारजाइ अथपिप्पलीपाकः सारसंग्रहात पीपरिचूर्ण
करिकै १६ दूधगाइकौ २०० पीपरिचूर्णडारिकैमंदआंचमैऔटावैघीउ १६ संयुक्तजवगाढोहोइमधुकीभांतितवषाड ४८ मिलाइदेइतवएऔषदैचू ष
र्णकरिमिलाइदेइ तज पत्रज लाइची नागकेसरि पीपरि पीपरामूल चव्य चित्ताउर सोंठि मरिच तगर जाइफर जाइपत्री लौंग तालमषानेकेवी
जा अकलकरा समदसोष अगर जीरे स्याहजीरे सौंफ कचूर धना वाइविडंग तामोमारो अभ्रकमारो वंग लोहमारो वंशलोचना कपूर एस
वएसाएसाभरिलेइचूर्णकरिपागमैमिलाइदेइघीकनेवासनमैधरिराषैमात्रा १ जैसोवलहोइसरीरहोइतैसोथोरोषाइ गुन आर्वलवढावैवुद्धिवढै

सारसं० वीर्जवढैवाजीकरनहोरवलीपलितवुढाईषालकैौसिमिटवोसोमिटैधातुपूर्णहोरकामवढैतेजहोरकायादिढहोरवलहोरअसीभांतिकेवातरोगजा
१७ र चौवीसप्रकारकेकफरोगजाइ चौवीसप्रकारकेपित्तरोगजाइ अठाराभांतिकेकुष्टजाइ वीसप्रमेहजाइअरुविगुल्मक्षयीकासस्वासग्लानिजीर्ण
ज्वरमूत्रकृछ्रप्रदरयोंडुरोगवातरक्तपित्तरक्तउदरव्याधिभेददोषअपस्मारउन्मादएसवदूरिहोइ अथलहसनपाकः लहसनकीविजी१६ धूंदूधगा
इकोप१२॥ तिहिमैपचावैमंदआचमैघीउ१६ डारेजवरावसोहोइतवषांड ३२॥ डारै सोठि पीपरि मरिच तज पत्रज लाइची नागकेसरि पीपरामूल
चित्तावर वाइविडंग हरड दारुहरद लवुषा विधारो पुहकरमूल कूठ देवदारु पथरसगा गुरषुरू वरियारी वारसुरही सोफ कचूर सतावर असग
ध करेछकेवीजा एसवअधेलाअधेलाभरिलेइएकत्रचूर्णकरियागमेमिलाइदेइषाइ१॥ गुन सर्ववात सूलअपस्मारउरक्षतगुल्मउदरव्याधिप्ली
हघ्रर्दिवध्मरद्धिकृमिविवेधअनाहसोफमंदाग्निवलहानिहिचकीस्वासकासअपतंत्रकधनुर्वातपामापक्षाघातअपतानकअर्दितआक्षेतकहनु
स्तंभशिरोग्रहविस्वाचीगृधसीषल्लीपंगुवातसेधिपीडावाधिर्यजेवातकफरोगहैतेसवदूरिहोइ अथविजयापाक भांगकोरस१००॥ दूधगाइकोप०॥
मेदआचमैपचावैजवगाढोहोइतवउतारिलेइसीतलकैरै तवषांड३०॥ तज पत्रज नागकेसरि लाइची लौंग सोठ मरिच पीपरि अकलकरा जाइफल
जाइपत्री असगंध पथरसगा नागार्जुनी करेछकेवीजा पैसापैसाभरिलेइचूर्णकरिएकत्रमिलाइकैगुटिकाकरैगुटिका।२५ षाइ धातुपुष्टिहोइवल
होइप्रमेहजाइसर्वअतीसारकासस्वासक्षयीजाइस्त्रीकोप्रदरयोनिसूलजाइ सुकेसेभलेइ अथसुंठ्यावलेह सोठपगुड२१६॥ घीउ३४॥ दूध ३२॥ जा रा०
रूफर लौंग लाइची तज पत्रज नागकेसर सोठ मरिच पीपरि चितावर अधेलाअधेलभरिमाटीकेवासनमैमंदआचसेपचावैजवगाढोहोइतवमधु १७

अ
४ डारैषाइ१॥ वालककौं वूढेकौं सवकौंजोग्यहै पुष्टिहोइवाजीकरनहोइवलहोइवुद्धिहोइप्रमेहजाइ अथजाइपत्रीपाक जाइपत्री १६॥ गाइकोदूध१००॥
चिनी षाड५०॥ कराहीमैमंदआचसेपचावैजवलोकरछुलीसैलपटैतवघीउ४॥ डारैपाछैऔषदनकोचूर्णडारै पीपरि पीपरामूल चव्य सोठि चितावर
मरिच लाइची तज पत्रज नागकेसरि लौंग मस्तकी तगर मोचरस स्याहमूसरि सुपेतमूसरी करेछ गुरषुरू अगर केसर कपूर कंकोल जटामासी
चंदन षुरासानीअजवाइन तालषानेकेवीजा कवावचिनी समदसोष अफीम वंग तामो अभ्रक लोहो अधेलाअधेलाभरि एकत्रचूर्णकरिया
गमेमिलाइदेइवासनमैधरिराखैषाइ१॥ वलहोइवीर्जहोइसुषहोइमतिकांतिहोइवाजीकरनहोइधातुहोइप्रमेहवीसभांतिकेषाइ स्वासकासजीर्णज्वर
मंदाग्निअरुचिसर्वरोगजोगजाइसतस्त्रीभोगकरवेजोग्यहोइ अथअहिफेनपाक अफीम१॥ गाइकोदूध१२॥ मंदआचमैपचावैजवषोवाहोइतव
षोवे तेहीकीवरावरषांडलेइ तज पत्रज नागकेसर लाइची सोठि मरिच पीपरि लौंग जाइपत्री जाइफर कंकोल अकलकरा मूसरीदोउ तालम
षानेकेवीजा केसरि चव्य चितावर छदामछदामभरिलेइ वादिचूर्णकरियागमैमिलाइदेइ एकमासेषाइ प्रमेह मधुप्रमेह पांडुरोगहलीमककास चा
स्वासक्षयीजाइवलहोइअर्शसंग्रहनीजाइवाजीकरणहोइ अथपिप्पलीपाकः पीपरिचूर्ण१६॥ दूध ६४॥ घीउ ३२॥ षांड ६४॥ मंदआचमैपचावै
जवगाढोहोइतव लाइची तज नागकेसरि लौंग जटामासी सोठि पीपरि मोथा चंदन मरिच तगर त्रिफला जाइपत्री केसरि जोढे तिलअ
धेलाअधेलाभरि षारोमारो।१॥ सवचूर्णकरियागमैमिलाइदेइमधु४॥ मिलावै षाइजैसोसरीरहोइ पुष्टिहोइधातुवढैवीसप्रमेहजाइत्रिदोष
जाइक्षयीरोगजाइ सुकेसेभलेइवाजीकरनहोइ अथगोक्षुरपाकः गुरषुरूकैचूर्ण१६॥ दूध६४॥ भरेमैपचावै जाइपत्री लौंग अगर मरिच

सारसं० १८ कपूर अकलकरा समदसोष कंजीकेवीज दरद आवरे पीपरि केसर लारवी तज पत्रज नागकेसर अफीम कपूर सौठि तालवुषारेकेवीजा अधेला
अधेलाभरिचूर्णकरिसव एकत्रकरिदेदसवकीवरावरषांड सवौ आधीभांगघीउ ८। सवएकत्रपागकरै प्रातकालषाइ १। अर्शसर्वप्रमेहजाइरसु
कसंभहोइ पुष्टिहोइवाजीकरनहोइ तेजहोइवलहोइ अथकपिकच्छूपाकः करेछकेवीजावकलीदूरिकरिकै ३०। षाइटका ३०। घीउ ८। दूधगाइ
कौ ६४। मंदआचमेपचावे जवकछुलीसैलपटैतवओषदेचूर्णकरिमिलावे जाइफर त्रिकटु लारवी तज पत्रज लोग अकलकरा जाइपत्री
तालवुषारेकेवीजा केसरि पथरसगा वरियारी स्याहमूसरी सपेतमूसरी अफीम पारोमारो लोहमारो अभ्रकमारो पैसापैसाभरि चंदन अगरु
ल कस्तूरी कपूर चारिचारिमासेसवएकत्रकरिषाइ ।२५ गुन वलहोइ वीर्जहोइ सर्वप्रमेहजाइ चौगुनोकामहोइ क्षीनदेहहोइ तौ वलपुष्टिहोइ
अथअसगधपाक असगध १६। दूध ५१२। घीउ १६। षाड ४४ तिल ८। मषाने ८। मंद आचमेपचावेजवगाढेहोइतव सौठि मरिच पीपरि लारवी त
ज पत्रज लवषा सोफ सतावरि अजमोद पुहकरमूल जीरे कपूर गुरखरू वरियारी अजवाइन मेथी लोह सीसो तामोमारो रुकाटकोभरिसव
लेइवाटिछानिचूर्णकरिपागमेमिलाइदेइषाउजे सोसरीरहोइ वलहोइ २। सर्ववातरोगजाइकटिपृष्टिगुदरोगजाइ अस्थिभंगसोफसंधिवात
हृद्रोगप्लीहस्वासकासप्रमेहजाइकोतिहोइ पुष्टिहोइवलहोइ अथ अंडीपाक आमवातारी अंडीपंडीलेइवकलीदूरिकरिके १६। दूध १२८।
भंरीमेपचावे मंदआचसे घीउ रुका १६। षाड ३२। सौठि मरिच पीपरि लोग लारवी तज पत्रज नागकेसर असगध सोफ वारसुरही वच
रेणुका सतावरि लोह अगर पथरसगा निसोत उरई जाइपत्री जाइफल अभ्रक पैसापैसाभरिलेइ चूर्णकरिपागमेमिलाइदेइ षाइप्रात रा० १८

कालापअसीभांतिकेवातरोगजाइ चौवीसप्रकारकेपित्तरोगजाइ उदरव्याधिआठसूल अंत्रवृद्धिवीसप्रमेह आमवातअष्टादशकुष्टक्षयीरो
गसातप्रकारके पाचप्रकारकेपांडुरोगपाचप्रकारस्वास चारिप्रकारग्रहणी हृद्रोगगलग्रहसवरोगजाइ अथ आर्द्रपाक दशमूल तेज के
धना पीपरामूल पुहकरमूल पित्तपापरो मोथा त्रायमान कुटकी चर्व काइफर काकराशृंगी भारंगी गुरिचि वरियारी अतीस सौठि देव
दारु अजवाइन चितावर सोफ कपूर गजपीपरि दोदोटका २। भरिलेइ अठगुनोपानीमेकाढोकेरेजवचतुर्थांसरहैतवछानिलेइ आदेकोर
स १६। गुड ३२। घीउ ८। गाइकोसवएकत्रपचावेजवगाढेहोइ तवउतारिलेइ तव ओषदेमिलावे सौठ मरिच पीपरि लारवी तज पत्रज नागकेसरि
लौग जाइपत्री कुरैदान रुकाटकाभर चूर्णकरिमिलावैमधु ८। उपेतषेइ ४। सर्वएकत्रकरिपागकरैषाइ २। कासस्वासक्षयीरोग रक्तपीनससोफउद
रमंदाग्निचकीछर्दिमूर्छासूलआध्मानकराइरोगमुखरोगकफवातजाइ अग्निदीप्तिहोइ तेजहोइ वबेसीजाइ कुष्टजाइ अथवासापाकः रू
सो १००। अठगुनोपानीमेओटावेजवचतुर्थांसरहेतवछानिलेइ तरर केचूर्णादि ६। षाड १००। मधु ८। वंशलोचना ८। पीपरि ८। लाइची १। तज १। प
त्रज १। नागकेसर १। सवएकत्रपागकरैषाइ १। रक्तपित्तक्षयीकासस्वासमंदाग्निजाइ अथकेसरावलेह पीपरिकोचूर्ण ८। केसरि ४। दूधगाइ
को १९२। लोहेकीकराहीमे एकत्रमंदआचसेओटावेघीउटका २। षाड १०। पाछेए ओषदेमिलावे लारची तज पत्रज नागकेसरि लो
ग पीपरामूल चितावर जाइफर जाइपत्री तालवुषारेकेवीजा कवावचिनी सतावरि असगध गुरखरू लवषा कपूर अम्लवेत सो
ठ धना सिघारे वंशलोचना कसेरवा मोथा मोचरस विधारो देवदारु तगर षुरासानीअजवाइन अगर कमलगटा अधेलाअधेला
भरि अभ्रकमारो तामो सीसो वंग लोहो अधेलाअधेलाभरि सवएकत्रकरिपागमेमिलावैषाइ ।२५ वलहोइ तेजहोइ पुष्टिहोइ न

हृ शुक्रक्षीनताजाइ धातुपुष्टिहोइ वातकफ्फ तेजे रोगहैतेजाइ अथ सुंठीषंड आमवातारी सोंठ ८। घीउ ४। दूध ६४। षांड ५०। सोंठमरिचपीपरि लाइची
तज पत्रज टका टकाभरलेइ चूर्णकरिएकत्रपागकैरेषाइ १। आमवातजाइ धातुहोइ पुष्टहोइ बलहोइ तेजहोइ अथ मेथीपाक मेथी ८। सोंठि ८। चारिचू
र्णकरै दूध १२८ गाइकौ घीउ ८। एकत्र पचावैजवगाढोहोइ तवषांड ६४। पागकरिकै आषदेमिलावे मरिचा २५ पीपर १। सोंठि १२५ पीपरामूल १। चितउर
१। अजवाइन १। जीरे २। धना १। कारजीरे १। सोंफ १। जाइफर १। कचूर १। तज १। पत्रज १। मोथा १। सबचूर्णकरिएकत्रपागकरिषाइ १। आमवातजाइ वातरो
गसर्वजाइ विषमज्वर पांडुरोग कामला उन्माद अपस्मार प्रमेह वातरक्त अम्लपित्त शीतपित्त शिरपीडा नेत्रपीडा प्रदर सूतिकारोग जाइ पुष्टिहोइ बलहोइ
अथ षंडकूष्मांड कुम्हडाकौ रस १०० गाइकौ दूध १०० आवरेकौ चूरन ४ मंद आंचमे पचावैजवलौ पींडहोजाइ तव षांड ५। मिलाइदेइ षाइ २५ रक्तपित्त
अम्लपित्त दाह तस्ना कामला जाइ अथ मूसरीपाक मूसरी ८। दूध गाइकौ ६४ भरेमे पचावैजवगाढोहोइ तव घीउ ४। षांड ३२। तज पत्रज लाइची म
रिच जाइपत्री लौंग जाइफर कपूर मूसरी वरियारी गगेरुवा सतावरि पैसापैसाभरिलेइ एकत्रपागकरिषाइ १। जे सोबलहोइ रक्तकुष्ट सर्वप्रमेहजा
इ नपुंसकता मिटै बलहोइ रुचिहोइ अग्निहोइ धातुक्षीनमंदाग्निजाइ पुष्टहोइ अथ जीरपाक जीरे १६। दूध गाइको १२८ घीउ ८। मंद आंचमे औटा
वै षांड ३२। तज पत्रज लाइची नागकेसरि पीपरी सोंठि औरि चितउर वारो दरिमा रसौत धना हरदी वंशलोचना त्योषर पैसापैसाभरि सबचू
र्णकरिएकत्रपागमे मिलाइदेइ षाइ २। तथा। २५ प्रदर जाइ रक्तपित्त मुखरोग प्रमेह मूत्रकृच्छ पथरी जीर्णज्वर दाह पीनस अर्श जाइ बीजहोइ अथ
असगधपाक असगध चूर्ण १०। सोंठि ५। पीपरि २।२५ मरिच १। चूर्णकरिकै तज १। पत्रज १। लाइची १। नागकेसर १। दूध भैसकौ ५० मधु २५। घीउ १२।२५
षांड ३०। सब एकत्र दूधमे माटीकी कराहीमे पचावैजवगाढोहोइ तव औरो आषदेमिलावे औरे पीपरामूल धना लौंग तगर जाइफर उरई कपूर पथरसगा रा० १९

असगध चितउर सतावरि चंदन मांसा मासे छै छै लेइ तज पत्रज लाइची नागकेसरि १। अभ्रक लोह वंग १।२ टका टकाभरि अथ पैसा पैसाभरलेइ सब
एकत्र पागमे मिलौवै षाइ १। श्वास स्वास हिचकी अजीर्ण वातरक्त क्षीण मंदाग्नि आमवात शोफ शूल पांडुरोग कामला ग्रहणी कफरोग अतीसार जाइ वीर्जवृद्धि अस्त्रीपुष्ट
होइ क्षीन अल्पवीर्ज होइ सेपुष्टहोइ अथ घृत लिख्यंते सार्ङ्गधरात अथ क्षीरषट्पलघृत पीपरि पीपरामूल चव्य चितावर सोंठि सैंधोनोन एक टका टकाभर
घीउ गाइकौ १६। दूध गाइकौ ६४। एसब औषदै दूधमे वांटि घीउमे पचावै छानिलेइ षाइ १। विषमज्वर मंदाग्नि क्षीणता जाइ रुचिहोइ अथ चांगेरीघृत पीपरि पीपरामू
८ ल चितावर गजपीपरि गुरषुरू सोंठ धना पाठ वेल अजवाइन टका टकाभरि घीउ ६४। नोनियाभाजीकौ रस २५६। दही २५६। सब औषदै पानीमे वाटिपहिलघी
उमे पचावै पुनि नोनियाकौ स्वरस पचावै पुनि दही पचावै मंद आंचमे जवसव पचिजाइ तव घीउ छानिलेइ षाइ १। गुन कफ ग्रहणी अर्श अनाह गुदाभ्रंश मूत्रकृ
छ प्रवाहिका जाइ अथ मसूरादिघृत मसुरी १००। पानी २५६। भरेमे औटै जव चतुर्थांस रहै तव छानिलेइ तवबेल ८। काढेमे वांटे घीउ टका १६। भरेमे पचावे
छानिलेइ षाइ घीउ १। सर्व अतीसार ग्रहणी मलफूटेहोइ प्रवाहिका सर्वजाइ अथ कामदेवघृत असगध टका १००। गुरषुरू ५०। वरियारी गुरिच सरिव
न विलाईकंद सतावरि पथरसगा सोंठि पुष्कर केफल कमलगटा मषाने दश दस टकाभरिलेइ कूटिकै पानी १०२४। टकाभरेमे औटै जव चतुर्थांस रहै तव
छानिलेइ सतावर विलाईकंद असगध जोदे गुरिच माषपर्णी मुद्गपर्णी वाराहीकंद ऐ पैसापैसाभरि कूट पदमाष लालचंदन पत्रज पीपरि दाष करे
छ केवीजा कमलगटा नागकेसरि कारिगुरीसर आवरे एअधेला अधेलाभरि षाउ ३। कमलकौ रस ६४। ऊषकौ रस ६४। घीउ ६४। गाइकौ सब औ
षदै वाटिपहिले काथमे घीउमे पचावे मंद आंचमे पुनि कमलकौ रस पचावैजव सब पचिजाइ तव घीउ छानिलेइ षाइ १। रक्तपित्त हलीमक पांडुरोग

स्वभेदवातरक्तमूत्रकृछ्रपार्श्वसूलकामलासुक्रक्षयदाहतेजहानिसवदूरिहोरवंध्यास्त्रीकैगर्भरहेदुर्वलताहूरहोरसुक्रहोर अथपानीकल्यानघृत
त्रिफला हरद दारुहरद रेनुका कारीगरीसर प्रियंगु सरिवन पिठवन देवदारु छरीला तगर इंद्रायनकीजर वडीदातौनकीजर हरिमा नागकेसरि
कमलगटा लाइची मजीठ विडंगकूठ पदमाष जाइफल चंदन तालीस कटाई एसव अधेला अधेलाभरिलेर पानीटका ६४ा भरेमैवाटिघीउटका
१६। भरेमैपचावेमेदस्त्रावकरिकैजवपचिजाइतवघीउछानिलेरखाइ१। गुन अपस्मारज्वरखसयीउन्मादवातरक्तकासमंदाग्निस्लेष्मकटि
सूलतिजारीचातुर्थकज्वरमूत्रकृछ्रविसर्पकंडूपांडुरोगविषमज्वरप्रमेहसर्वजाइवंध्याकेपुत्रहोरभूतयक्षरोगसदूरिहोर अथअमृतादिघृत गु स
रिच१६।पानी६४ाक्वाथकरैजवचतुर्थांसरहैतवछानिलेरघीउ१६।भरेमैपचावेओरगुरिच क्वाथमैवाटिपचावैघीउछानिलेरखाइ१। वातरक्त
कुष्टजाइ अथमहातिक्तकघृतं सप्तपर्णी अतीस किरवारो कुटकी पाढ मोथा उरई त्रिफला पित्तपापरो परवरकेपान नीम मजीठ
पीपरि पदमाष कपूर चंदन जवासो इंद्रायनकीजर हरद दारुहरद गुरिच कारीगरीसर मूर्वा रूसो सतावरि त्रायमान रेंड़जो जोठे वि
दारी अधेला अधेलाभरिलेर घीउचौगुनोलेर आवरेकौरसघीउतेदूनोलेरपानीघीउतेअठगुनोलेरसवओषदेपानीमैवाटिक्वाथ
करिघीउमैपचावेपाछेआवरेकोरसपचावेघीउछानिलेरखाइ१। गुनवातरक्तकुष्टरक्तपित्तरक्तार्शपांडुरोगहृद्रोगगुल्मविसर्पप्रदरगं
डमालक्षुद्ररोगज्वरसर्वजाइ अथकासीसाद्यघृतं हीराकोसीस हरद दारुहरदें मोथा हरताल मनसिल गंधक विडंग गुग्गुल मे
नमरिच कूठ हरियाथूथो सेतसरसो रसौत सेंदुर राल लालचंदन इरवणि नीमकेपान करंज गुरीसर वच मजीठ जोठे जटामासी सा० २०

कवीला २

सिरसकीछालि लोधमदमाष हरर पावारकेवीजा अधेलाअधेलाभरसवचूर्णकरिकैघीउटका३०।भरेमैचूर्णछोरिकै
तांमैकेवासनमैघाममैधरिराषेदिन७फेरिलगावे गुन पुष्ट दाद पामाविचर्चिकासूक्रदोष विसर्पविस्फोटवातरक्तशिर
केफोलाउपदंसनाडीव्रणसूजनपेटकीजाइ तावियजैसैभिलमाकैरेछलगजातहेसोलतालगावे सोसर्वदूरिहोर अथ
जात्याद्यघृतं चमेली नीम परवरकेपान हरद दारुहरद कुटकी मजीठ जोठे मेन करंज उरई गुरीस लीलाथोथा सवपानी
मैवाटिघीउमैपचावेछानिलेरलगावे नाडीव्रणमर्मस्थानमैजेगंभीरव्रणहोइसोनीकोहोइ अथविंदुघृतं चितावर सेंषा
हूली हरर कवीला निसोतविधारो वडीदातौनकीजर त्रिफला कडुतरोई देवदाली नीलिनी विस्नुकांता सेंहुड पीपरामूल
विडंग कुटकी चोष अधेलाअधेलभरिलेर पानीमैवाटिपीठीकरैघीउ१६।टकाभरमैपचावे सेंहुडदूध६। आकदूध२।घी
उमैपचावेघीउछानिलेर गाइकेदूधसेउस्नीकेदूधसे कुरथीकेकाढेसै तातेपानीसे एकवूंदघीउपिवैविरेचनहोइ अ
थवापाइनाभिलेपकरैतोविरेचनहोइगुल्मकुष्टसूलउदावर्तशोथआध्मानभगंदरउदरव्याधिसर्वजाइ अथत्रिफलादिघृ
तं त्रिफला१६।लेरपानी६४।भरेमैकाढोकरैजवसोरहटकाभररहैतवछानिलेर त्रिफलाकोकाढो१६। रूसेकोरस१६ घमराको
रस१६।छेरीकोदूध१६। घीउ१६।भरेमैपचावेपाछेएओषदेपचावे त्रिफला पीपरि दाष चंदन सेंधोनोन वरियारी अस

गंध सतावरि मरिच सोंठि षाउ कमलगटा कूट पयरसगा हरद दारुहरद जोंदे अधेला अधेला भरलेइ पानीमेंवाटिपिठीकरेघीउ
मेपचावेघीउछानिलेइखाइ१। इत्यौधअथकेघुनेवोनेचक्षावयटलनेत्ररोगसर्वजाइ अथगोराघंघृतं हरद दारुहरद
सरिवन मूर्वा कारीगुरीसर चंदन लालचंदन जोंदे कमलकेसरि पदमाष कमलगटा उरई असगंध त्रिफला वराकीछा
लि पीपरकीछालि ऊमरकीछालि पाकरकीछालि पारसपीपरकीछालि सवअधेलाअधेलाभरिलेइ पानीमेवाटिघी
उटका१६। भरेमेपचावे छानिलेइखाइ १।गुनविसर्पललतावि स्फोट विषकोढव्रणविषजाइ अथफलघृतं त्रिफलाजावे कू
ट हरद दारुहरद कटुकी विडंग पीपरि मोथा इंद्रायन कादंबूल वच मेदामहामेदा जोमिदानमिलेतोसतावरिडारिलीजे
काकोली क्षीरकाकोली जोएनमिलैं तौ विलाईकंदडारिलीजे कारीगुरीसर मुंडी प्रियंगु सोंफ वाइसुरही चंदन रक्त
चंदन चमेलीकेफूल वंशलोचना कमल षाड अजमोद दांतोनकीजर अधेला अधेलाभरिलेइ लक्ष्मणाकीजरलेइ१२
एक वरीगाइ वछातरेहो इताकोघीउ १६। दूधधछा सव औषदेइ दूधमेवाटिघीउमेपचावेकेउनकी आचदेइ पुष्यनक्षत्रहोइसु
भतिथिवारहोइतेहिदिनमाटीकेवासनमे अथवा तामेकेवासनमेवनावेसिद्धहोइतवछानिलेइ सुभदिनहोइतवपिवै१ स्त्रीहोइ
अथवापुरुषहोइ पुष्टहोइ पुत्रहोइ वंध्यास्त्रीगर्भरहैपुत्रहोइजाकेलरकामरजातहोइसोस्त्रीषाइजौलरकानमरैभारहाज

मुनिकहौहै अथपंचतिक्तकंघृतं रूसो नीम गुरिच कटाई परवरकेपान समलेइ चौगुनेपानीमेकाढोकरैजवचतुर्थरसरहेतव
छानिलेइ घीउमेपचावे अथवापानीमेऔषदेवाटिघीउमेपचावेछानिलेइखाइ१। विषमज्वरपांडुकुष्ठविसर्पकृमिअर्शजाइ अथपंचफ
लघृतं त्रिफला दोउकटसेरवा गुरिच पथरसगा सोना हरद दारुहरद वाइसुरही मेदा सतावरि अधेला अधेलाभरिलेइ घीउ१६।
दूधगाइको६४। औषदेइदूधमेवाटिपचावे अथवापानीमेवाटिघीउमेपचावेदूधन्यारोपचावेछानिलेइखाइ१। स्त्रीकेजोनिरोगवी
सभांतिकेजाइगर्भरहै इतिसारंगधरेघृतकल्पनाध्यायः अथतैलानिकथ्यंतेसारंगधरात् अथलाछादितैलं पीपरकीलाष६४।
पानी२५६।काढोकरैजवचतुर्थासरहैतवछानिलेइ तेल१६। भरेमेपचावेतवगाइकेदही कोपांछरो६४।पचावेतवऔषदेलेइ सोंफ
असगंध हरद देवदारु कटुकी रेनुका मुरहारी कूट जोंदे चंदन मोथा वाइसुरही अधेलाअधेलाभरिलेइदहीकेपानीमेवांटिपचा
वेमंदआचमे अथचूर्णकरिमंदआचमेपचावेतेलछानिलेइलगावे गुन विषमज्वरकासस्वासश्लेष्मकटिपृष्ठिसूलवातपित्तअपस्मारउ
न्मादयक्षराक्षसदूरिहोइरकंडुइसूलगात्रदुर्गंधहडफूटनजाइगर्भिनीस्त्रीलगावैतोगर्भपुष्टहोइ अथनारायणतैलं असगंध वरियारी
वेल पाडर दोऊकटाई गोषुरू टिपारी नीमा पयरसगा पसारिनि रवनी दशदशटकाभरिलेइपानी१०२४मेऔटावेजवचतुर्थासरहैत
वछानिलेइतेल६४। सतावरिकोरस६४।दूधगाइको२५६।मंदआचसेतेलमेएकएकपचावेपाछेऔरऔषदेलेइ कूट लाइची चं
दन वोरो जटामासी छरीला सेंधोनोन असगंध वरियारी वाइसुरही सोंफ देवदारु सरिवन पिठवन तगर दोइदोइटकाभरिलेइ

सारंस० २२

वाटिपीठीकरै तेलमैपचावैजवपच्छिजाइतवतेलछानिलेइ नासदेइलगावै षार वस्तिकरै चारप्रकारगुन करतहै लगाएतेगुन पक्षा
घातहनुस्तंभ मन्यास्तंभगाल ग्रहविकलवाहिरौ गतिभंगकटिपीडजाकीदेहसूषतजाइताकलहनमूसुक्रज्वरक्षयीअंत्रवृद्धिकुरं
डदंततरोगशिररोगपार्श्वसूलपंगुवधिरानिराघनिऔरजेकठिनवातरोगहैतेसवदूरिहोइवंध्यास्त्रीकौगर्भरहैपुत्रहोइ मनुष्य
हस्तीघोडाहयतेलकेलगाएतेसुषीहोइसर्ववातरोगदूरिहोइजैसैनैरायरागदेवडदैदैतनकोनासकरतहैतैसेयहतेलसैबात
रोगकोनासहोतहै इतिनारायणतेलं अथकंपहारीतेलं इंदोरनकीजर८ा कूटिकैतेलतिलको १२ा भरेमैमंदआचसेपचावैछा
निलेइ [illegible] तीनटंकभातकेसाथषाइ गुन हाथपाउकोकंपशिरकंपजाइ अथप्रसारणीतेलं पसारिन१००पानी२५६तिहि
मैऔटावैजवचतुर्थासरहैतवछानिलेइ तेल६४भरे मैपचावै दही६४कांजी६४पचावैदूध२५६पचावै जावै पीपरामूल चित्राव
र सैधो वच पसारिन देवदारु वाइसुरही गजपीपरि भिलमा सोफ जटामासी तेलतै आठैअंससवलेइवाटिपिठीकरतेलमैपचा
वैतेलछानिलेइलगावै१ वातकफतेजेरोगहैतेजाइकुब्जखंजपंग गृध्रसीअर्दितहनुग्रहशिररोगग्रीवाकटिस्तंभजाइ औरजे
वातरोगहैतेजाइ अथअर्कादितेलं आककेपानपकेकोरस हरद वाटिपिठीकरसरसोकेतेलमैपचावैछानिलेइलगावैपामाकंडूविचर्चि
काजाइ अथपरिवादितेलं मरिच हरताल निसोत रक्तचंदन मोथा मटसिल जटामासी हरद दारुहरद देवदारु इंदोरनकीजर कनेरकी
जर कूट आककोदूध गोवरकोरस अधेलाअधेलाभरि विष१५ सरसवकोतेल१६ गोमूत्र३२ सवऔषदेवाटिपानीमैघोरितेलमै रा० २२

पचावै पुनिगोमूत्रपचावैछानिलेइलगावै कुष्टजाइ पुंडरीकविचर्चिकापामासेहुवाकंडूकछ्छजाइ अथब्रहन्मरिचादितेलं मरि
च निसोत वडीदंतीनकीजर ऑकेकोदूध आककेपानकोरस देवदारु हरद दारुहरद जटामासी कूटचंदन इंदोरनकीजर
कनेरकीजर हरताल मटसिल चितावर किरकिचहाई सरिवन विडंग पमार सिरस कुरौ नीम सप्तपर्णी सेहुड गुरिव
किरवारो षेर पीपरि वच षसूदन मालकागुनीकहतहै टकाटकाभरिविष२ा तेल सरसोको६४ गोमूत्र२५६ लोहेकीकराहीमैतेल
चढावैआचमंदकरै सवऔषदेगोमूत्रमैवाटितेलमैपचावैजवसवपचिजाइतवतेलछानिलेइलगावै कुष्टवुराषामाविचर्चिकादद्रूक
कूविस्फोटगुषषाहीव्यंगजाइवैलहाथीघोडासवनीकेहोइ अथत्रैफलतैलं कोसीसकिरकिचहाई कूट सोठि पीपरि
मटसिल सेधो मटसिलं कनेर विडंग त्रिफला नीमकीछालि विराइतौ हरद दारुहरद रक्तचंदन सवएकत्रकरिपानीमेवांटिपिठीकरिते
लमैपचावैछानिलेइलगावैदेहकीरुषाईजाइषोसीजाइ अथकासीसाघंतैलं कोसीस किरकिचहाई कूठ सोठि पीपरि से
धो मटसिल मटसिल कनेर विडंग चितावर रूसो वडीदंतीन तेरयाकेवीजा चोष हरताल अधेलाअधेलाभरिलेइ तेल
१६ थूहरकोदूध२ आककोदूध२ गोमूत्र६४ सवऔषदेगोमूत्रमैवाटितेलमैपचावैछानिलेइ अर्शरोगजाइलगाएतै अथ
पिंडारव्यंतैलं मंजीठ कारीगुरीसर रार जोठे मैन टकाटकाभरएकत्रतेलमैपचावैतेलछानिकैलगावैवातरक्तजाइ अथनिंववी
जतैलं पलितहररा नीमकेवीजाकीविजी घमराकेरस कीभावना विजौरकेरसकीभावनादेइतेलमैचुरेलेइ छानिकैतेलकोनासु

सारसं०
२३

देरपलितवारनकोसुपेतहवोकरावततै अथपडीमधुकतैलं जोठ जवाषार साजी आवेरेकेफूलकोरस एकत्रतेतलमैपचावेवारन
मेलगावैस्याहसरलहोइ अथकरंजादितैलं करंज चितउर चमेली कनेर एकत्रवाटिपानीमे तेलमेपचावे छानिलेइलगावेदेइंदलुप्त
जाइ अथनीलकाद्यतैलं लीले केतकीकीजर घमरा कठसेरवा कोहाकेफूले वीजेकेफूले कारेतिल तगर कमलपत्रीजर लोहेकोरेत
प्रियंगु दरीसाकेवकला गुरिच त्रिफला कमलतेलकेनीचेकोकीच अधेला अधेलाभरत्रिफलाकेकाढेसेवारि अथघमराकेरससो
वारितेलमैपचावेछानिलेरवारनमेलगावेवारस्याहहोइदारुनरोगमूडमेहोतहेसोजाइ अथभंगराजतैलं घमराकोरस लो
हेकोकीच त्रिफला कारीगुरीसर सवघमराकेरसमैवाटितेलमैपचावे लगावे दारुनरोगवारकीसपेती केइंद्रलुप्तजाइ अथजा
त्यादितैलं चमेलीकेपान नीमकेपान परवरकेपान नक्तमालकेपान करंज मैन जोठकूठ हरद दारुहरद कुटकी मजीठ पदमाख
लोध हरर कमलगटा हरियाथूथो गुरीसर करंजवीज समलेरपानीमेवाटितेलमैपचावेछानिलेरलगावे व्रणस्फोटकक्षरोगदु
द्रुविसर्पकीटदंष्ट्रव्रण सवकेव्रण नषदंतलगेकोघाउसर्वघाउअरषजासर्वनीकेहोइ अथहिंग्वादितैलं कर्णसूले हींग वारतू
स वरू सोठि वाटिरस सोकेतेलमैपचावेछानिलेरकानमेडारेकर्णसूलजाइ अथविल्वादितैलं छोटोवेलकाचोगोमूत्रमेवाटिते
लमैपचावे अथवापानीमे दूधमेवाटिघीउमैपचावेकानमे डारेवधिर्यजाइ अथक्षारतैलंकर्णरोगे मूराकोषार साजीषार
सेंधो सोचर सांभर षारी पांगानोन हींग सुहजनो लहसन देवदारु वच कूठ सोफ रसौत पीपरामूल मोथा अधेला अधेलाभ रा०
२३

रिलेरपानीमैवाटितेल१६भरमैपचावे केरकोरसविजोरेकोरसजंभीरीकोरस१६मधु१६ पचावेतेलछानिलेरकानमे डारे पीवश्राव
कर्णनादसूलवधिर्यकृमिओरजेकर्णरोगहैतेसवजाइ अथपाठाद्यतैलंपीनसे पाठ हरद दारुहरद मूर्वा पीपरि चंवेलीकेपान वडीदा
तोन एसववाटितेलमैपचावेछानिकेनासदेइपीनसजाइ अथव्याघ्रीतैलं कटाई वडीदंतोन वच सुहजनो तुलसी सोठ मरिच पी
परि सेंधो सवएकत्रवाटितेलमैपचावे छानिकेनासदेइनासारोगजाइ अथकुष्ठतैलं कूट वेल पीपरि सोठ दाष पानीमैवाटिप
तरोकरितेलमैपचावे अथघीउमैपचावेनासदेइ छींकवहुतआवत आधहोइसामिटै अथगृहधूमतैलं घरकोधोसो पीपरि देवदा
रु करंज सेंधो सिरसकेवीजा सवपानीमैवाटितेलमैपचावेछानिकेनासदेइनाकेमेअर्शहोइसोहरिहोइ अथवज्रीतैलं सेहुंडको
दूध आककोदूध धतूरेकोरस चितावरकोरस भैसकेगोवरकोरस सवएकत्रकरि सवकीवरावरतिलकोतेलमैपचावे तेलनेचो
गुनोगोमूत्रपचावे सोतेलस्काइध गंधक चितउर मनसिल हरताल विडंग अतीस कडुतोरई कूट वच जटामासी सोठि मरिच
पीपरि दारुहरद जोठ साजी जीरे देवदारु अधेला अधेलाभरिचूर्णकरितेलमेडारिमंदआचमेपकाइकेलगावेसर्वकुष्टजाइ अ र
थकरवीरतैलं कनेरकीजर दंतोनकीजर निसोत करइतुरैयाकेवीजा केराकीराषकोपानी सवतेलमैपचावेछानिकेधरिराषेजहा
लगावैतहाकेवार गिरिजाइ रतिसारंगधरेतैलकल्पना अथआसवअरिष्टलिख्यतेसार्ङ्गधरात अथउसीरासव उसीर वारो
कमल कुम्हेरतिल कमलगटा प्रियंगु पद्माक लोधमजीठ जवासो पाठ चिरायतो वटउमरकीछाल कचूर पितपापरो सेतकमल

सा०सं० २४ परवरकेपान कचनारकी छालि जामुनिकी छालि मोचरस टकाटकाभरिलेरवाटिछानिचूर्णकरै दाषटका २०धवईकेफूल१धया
नी५१२।षाउ१००। मधु१००। सवएकत्रएकवासनमेधरिराषेमहीना१पाछेपिवै१। रक्तपित्तजारपांडुकुष्टप्रमेहअर्शक्रमिशोषदूजार
अथपिप्पल्यादिआसवः पीपरि मरिच चवलहरद चित्ताउर मोथा विडंग सुपारी लोध पाठ आंवरे एलुवा छरीला उरई चंदन+
कूट लौंग नगरजटामासी तज लाइची पत्रज प्रियंगु नागकेसरि एसवपेसाऐसाभरिलेरवारीकचूर्णकरिकैपानी ५१२।भरेमेडा
एकत्र रे गुड३००।धवरकेफूल८०।दाषटका ६०। सर्वमाटीकेवासनमेधरिराषेजवरससीहोरजारतवपिवै क्षयीरोगगुल्मउदरव्याधिअर्श
ग्रहणीपांडुरोगकाससर्वजार अथलोहआसवः लोहचूर्ण सोंठमरिच पीपरि त्रिफला अजवाइन वाइविडंग मोथा चितावर
ग्रहणीपांडुरोगकाससर्वजार ... मधु६४।गुड१००।जल५१२।एकत्रकरिकैघीकेवासनमेधरिराषेमहीना१पाछेपिवै१। अग्नि
चारवारटकाभरलेर चूर्णकरिके मधु६४।गुड१००।जल५१२।एकत्रकरिकेघीकेवासनमेधरिराषेमहीना१पाछेपिवै१।
चारवारटकाभरलेर चूर्णकरिके ... कासस्वासभगंदरअरुचिग्रहणीहृद्रोगसर्वदूरिहोइ अथकुटजारिष्ट
होइ पांडुरोगसूजनगुल्मजठररोगअर्शकुष्टप्लीहकंडूकासस्वासभगंदरअरुचिग्रहणीहृद्रोगसर्वदूरिहोइ अथकुटजारिष्ट
कुरेकीजर१००। दाष५०। महुवा धुमेरकेफूल दसदसटकाभरिपानी१०२४। मेकाढोकरेजवचतुर्थांस २५६। भरिरहैतवछानिलेर
धवईकेफूलवीसटका २०। गुड१००। एकत्रमाटीकेवासनमेधरिराषेमहीना१ज्वरसर्वजार अथविडंगारिष्ट विडंग पीपरामूल
वारसुरही कुरेकीछाल इंद्रजौ पाठ छरीला आंवरे पांचपांचटकाभरलेर पानी २०४८। [illegible]
[illegible] टकाभरेमेऔटावैजव ५१२।भररहैतवछानिलेर मधु ३००। धवई
[illegible] सा० २४

केफूल २०। तज पत्रज लाइची २।प्रियंगु कचनारकीछालि लोधटकाटका१।भरत्रिकुटटका२। सवएकत्रचूर्णकरिघीकेवासन
५ मेधरिराषेमहीना१तवपिवै१। विद्रधिउरस्तंभपथरीप्रमेहक्षयीलाभगंदरगंडमालाउरुस्तंभसर्वजार अथदेवदार्वारि
ष्ट देवदारु५०। रूसा२०। मजीठ इंद्रजौ वडीदंतीन तगर हरद दारुहरद वारसुरही वाइविडंग मोथा सिरसकीछाल षैर की
लाकीछाल दशदशटकाभरि अजवाइन कुरा चंदन गुरिच कड़की चितताउर आठआठटकाभरि २। सवएकत्रकरिपानी
टका २०४८ भरेमेऔटावैजवचतुर्थांसरहे २५६। तव छानिलेरतवधवईकेफूलटका१६। मधु३००। त्रिकुटु२। तजप
त्रजलाइची४। प्रियंगु४। नागकेसरि२। सर्वचूर्णकरिएकत्रघीकेवासनमेधरिराषेमहीना१। तवपिवै१। प्रमेहदूरिहो
इ वातरोगग्रहणीअर्शमूत्रकृछ्रदद्रुकुष्टसर्वजार अथषदिरारिष्टः [illegible] षैरकीलकरी५०। देवदारु५०। वकुचीके
वीजा१२।दारुहरद२०। त्रिफला२०। पानी २०४८ भरेमेऔटावैजव ५१२। टकाभरिरहैतव छानिलेर तवमधु२००।षाउ
१००। धवईकेफूल२०। कंकोल नागकेसर जाइफर लौंग लाइची तज पत्रज टकाटकाभरि पीपरिटका४। चूर्णकरिसव
एकत्रकरिघीकेवासनमेधरिराषेमहीना१पिवै१। महाकुष्टहृद्रोगपांडुरोगअर्बुदगुल्मग्रंथिक्रमिकासप्लीहउदरव्याधि
सर्वकुष्टजार अथववूलारिष्ट ववूलकीछाललकरी २००। पानी २०२४। टकाभरेमेपचावैजवचतुर्थांसरहै २५६। टकाभर
रहैतवछानिलेरतिहिमेगुड२००।धवईकेफूल१६।पीपरि२।जाइफर कंकोललाइचीतजपत्रजनागकेसरलौंग मरिच एटका

टकाभरसवलेर चूर्णकरिकै एकत्रसवचीकनै वासनमै धरिराषे मही ना १ पीछेपिवै १। क्षयीकुष्ठ अती सारखमेह स्वास कासस
र्वजाइ अथद्राक्षादिरिष्टः दाषप०॥ पानी ५१२ टकाभरमे औटावे जवचतुर्थांस रहे १२८। तवछानि लेर तिहिमे गुड २०० तज लाइ
ची पत्रज नागकेसरि प्रियंगु मरिच पीपरि विडंग टकाटकाभरिलेर चूर्णकरिएकत्रसववासनमे धरिराषे मही ना १ तवपिवै १।
उरक्षत क्षयीका सस्वास गलरोग जाइ वल होइ मल सोधन होइ अथरोहितकारिष्ट रोहीतक १०० पानी १०२४। भरमे औटावे जव
चौथाइ रहे २५६। तवछानि लेइ गुड २०० धवईके फूल १६ पीपरि पीपरामूल चव चिताउर सोठि तज लाइची पत्रज त्रिफला एका ट
टकाभरिलेर वाटि चूर्णकरे एकत्र चीकनै वासनमे धरिराषे महीना १ तवपिवै गुदरोग गुहरणी पांडुरोग हद्रोग प्लीहगुल्म उरव्याधिकु
ष्ट शोफ अरुचि सर्वजाइ अथदशमूलारिष्टः दोउवलोर दोउकटाइ गोषुरू वेल ररनी सोना षुम्हेर पाडर पाचपाच टकाभ
रिलेइ चितावर २५। पोहकरमूल लोध २० गुरिच २० आवरे १६। जवासो १२। षैर वीजो हरर आवटकाटकाभर मजीठ देवदार
कूट विडंग गजोठे भारंगी कैथ पथरसगा चरव जटामासी प्रियंगु गुरीसर काले जीरे निसोत रेनुका वाइसुरही पीपरि लोध
सुपेत कचूर हरद सोफ पदमाक नागकेसर मोथा इंद्रजो सोठि जीवक ऋषभक मेदा महामेदा काकोली क्षीरकाकोली ऋद्धि
वृद्धि ए आठ औषदे जो कदाचित नमिले तौ इनके स्थानमे सतावर असगध विलाईकंद एडारली जे दोदो टकाभर सवले इ आठ
गुने पानी मे औटावे जव चतुर्थांस रहै तवछानि लेर माटीके वासनमे धरे तिहिमे दाष ६० पानी मे चौगुने मे औटे जव चौथाई रा० २५

पानी जरजाइ तवछानि कै पहिलेकाढेमे मिलाइदेइ रमधु ३२। गुड ४०० धवईके फूल ३०। केकोल वारौ चंदन जाइफर लौ
ग तज लाइची पत्रज नागकेसर पीपरि दोदोटकाभर चूर्णकरिकै कस्तूरीमासे ४ सवएकत्र करि माटीके वासनमे धरि कै धरती
मे गाडै रापे महीना १ तव तिहि को रस पिवै १। ग्रहणी अरुचि सूलस्वास कास भगंदर वात व्याधि क्षयी छर्दि पांडुरोग कामला कुष्ठ अर्श प्र
मेह मंदाग्नि उदरव्याधि शर्करा पथरी मूत्रकृच्छ्र धातुक्षय सर्वजाइ पुष्ट होइ वंध्या स्त्रीके गर्भ रहै वीर्ज होइ वल होइ इतिसारंगधरे
आसवारिष्टाध्यायः अथधातुसोधनं सोनो रूपौ तामो पीतर कासो लोह एसवधातुनके पत्र करिकै आगमे तपैतपै के तेलमे वु
झावे वार ७ तक्रमे वुझावे वार ७ गोमूत्रमै वुझावे वार ७ कुरथीके काढे मे वुझावे वार ७ कांजीमे वार ७ तवसुद्ध होइ अथवंगअरु सीसो सो
धन रांगपिघलाइके आककौ दूध एकवासनमे धरे ताके ऊपर एकहांडी धरे छेदकरिके तवपिघलो रांग हांडीमे डारे छेदकी राह तेआकके दू
धमे परे एही तरा तीनवर वुझावे रांग सुद्ध होइ एही प्रकार सीसो सुद्ध होत है अथलोहशुद्ध त्रिफला १६। अठगुने पानी मे काढो करे जव चतुर्थांस रहे त ठ
वकाढो छानि लेइ तेहिमे लोहपाभर केपत्र ताते करि वुझावे वार सात ७ तवसुद्ध होइ अन्यताम्रसोधन तेलतक्र गोमूत्र कांजी कुरथीके काढामे सात
सात वर वुझावे तपै तपैके तवसुद्ध होइ अन्यप्रकार थूहरकौ दूध नोन ताम्रके पत्रमे लेपकरि आगमे तपैके निर्गुंडी के रसमे वुझावे वार ७ फेर थूहर
के रसमे वुझावे वार ७ पुन आकके रसमे वुझावे तपै तपैके वार सात ७ तवसुद्ध होइ अन्यप्रकार तामेके पत्र वरीक कागद से करिकै अगुठा के लपके
वरावर कतेर गोमूत्रमे एक पहर औटे तव आवे दूरसुद्ध होइ इतिताम्रसुद्धि जेही भांति तामो सुद्ध होत है तेही भांति पीतर कासो सुद्ध होत है अ

अथउपधातसोधन अथसोनामाषीसोधन सोनामाषीभाग३सेंधेभाग१विजौरेकोरसअथजंभीरकोरसलोहकीकराहीभरेतितिहिमेसो
नामाषीसैधीवोटिकेडारेअरुलोहकीकछुलीसैचलावैआवतेजेदरजिहितेकराहीलालहोरजारसजरजारसुद्धहोरअथरूपामाषी पंडोरके
गदोकेरसकीभावना१मेषसृंगीकेरसकीभावना१जंभीरीकेरसकीभावना१घाममेसुषावैसुद्धहोर अथमनसिलसोधन छेरीकेमूतमेदोलाजं
त्रसेतीनदिनपकावैफेरिछेरीकेपीतेकीभावना७देरसुद्धहोर अन्य अगस्तियाकेपानकेरसकीभावना७आदकीरसकीभावना७देरसुषैसुषैके बेबसाके वेलिकेरसकी भावना १।।२
तवसुद्धहोर अथहरतालसोधन हरतालकेपत्रजुदेजुदेकरिछोटेकरिकेएककपरामेपुटरियावाधै एकहांडीमेकांजीकोपानीभरेतितिमेहरतालकीपुट
रियालटकावैचूल्हेपरचढाइकेआंचदेदरपहर१तवभूराकुम्हडाकोरसहांडीमेभरेआंचदेदरपहर१तिलकेतेलमेआंचदेदरमेदपहर१त्रिफलाकेकाढेमे
पचावैपहर१ऐसीचारपहरकीमे[illegible]सुद्धहोतहे अथहरियायूथोसोधन विलाईकेविष्टासेपरेवाकेविष्टासेघोटदशांससुहागादेकेमंद आंच
देरपुनिदहीसेअरुमधुसेघोटेआंचदेदरतवसुद्धहोर अथखर्परशुद्धि षपरियादसकीहोतहे पीरीपीढकीकरावतहे गोमूत्रमेअथवानरमूत्रमेडो
लाजंत्रसेपचावेदिन७तवसुद्धहोर अथअभ्रकसोधन कृष्णाभ्रकलेरआगमेधौकेलवलालहोरतवदूधमेवुझावैपुनिउषरीमेमूसरसेकूटेजं
ववारीकहोरतवअभ्रककीचौथाईधानलेरएकत्रकरिकपराकोथेलीअथवाकमराकीथेलीमेभरेएकनांदमेपानीभरेतितिहिमेथेलीडारिराषेदि
न३पुनिमीडेजवसवअभ्रकपानीमेनिकसजारतवराषेपानीछनेतवऊपरकोपानीकाढिडारेनीचेजोअभ्रकहेसोसुषेलेरतवधान्याभ्रकसु
द्धहोर तवधान्याभ्रकलेरआककेदूधसेघरलेदिन१चकतीकरिकेआककेपानलपेटिगजपुटदेआंचदेदरएहीप्रकारकीसातआंचदेदरआक सा०
२६

१वटकेजरकीवकलाकी२।

केदूधकी तववरांकीजरकेकवलाकोक्वाथकरितितिहिमेघोटेदिन१पुनिगजपुटआंचदेदरतीनआंचएहीप्रकारदेदर तवमरेअभ्रकलेरताकीव
राबरघीउडारिकेलोहेकीकराहीमेचढावैजवघीउजरिजारतवसिद्धभयो प्रथमएकआंचबोरारीकीजरकेरसकीनिंवूरसकीदेरतवआककेदूध
कीआंचदेदर अन्य धान्याभ्रकलेर मोथाककाढेसेघोटेदिन१गजपुटआंचदेदरएहीप्रकारकीमोथाककाढेकीआंच३पयरसंगाकेरसकी
आंच३वासेदिनकेरसकीआंच३नागवेलिकेपानकेरसकीआंच३आककेदूधकीआंच३वरांकेजरकेकाढेकीआंच३मूसरीकेकाढेकी
आंच३गरखरूकेकाढेकीआंच३कैरछकेरसकीआंच३केरकेकंदकेरसकीआंच३तालखषारेरसकीआंच३लोधकेरसकीआंच३
सवआंचदिनदिनभरघोटेगजपुटदेदरएहीप्रकारकीतीनतीनआंचेदेदर दूधसेघोटेदिन१गजपुटआंचदेदर दहीकीआंच१घीउकी
आंच१मधुकीआंच१षांडकीआंच१तवअभ्रकमरिजारसवरोगकोजोग्यहेजोगवाहीहेपुष्टिहेकंदर्पकोकरतहे इतिअभ्रकमारनं
अथहिंगुलसोधन गाडरकेदूधसेघोटेवार७निंवूरससेघोटेवार७सुषेसुषेकेसुद्धहोर अथगंधकसोधन लोहेकेवासनमेघीउमे
चुरेवैजवगंधकपिघलेतवदूधमेडारिदेरजमजारतवनिकासिलेरसुद्धहोर अथकांतपाषानशुद्धिः नोनखाषार निंवूरससेदोलाजं
त्रसेएकदिनपचावैसुद्धहोर अथकासीसशुद्धि घमराकेरसमेदोलाजंत्रसेएकपहरआंचदेरसुद्धहोर अथसिलाजतुसोधन सि
लाजतुकोगाइकेदूधसेत्रिफलाकोकाढो घमराकोरससे एकएकदिनघोटे घाममेसुषेलेरसुद्धहोर अथशिलाजतुसत्वनिःकास
नप्रकारअन्य सिलाजतुजलमेधोरलेरतवसुद्धहोरनिर्दोषहोरतवसुषेके सरदरितुमेअथवाग्रीषमरितुमेजवघामतेजहोरतवचार

सारसं० २७ सेरशिलाजतुलेरकूटिकैचारभागकरे चारकराहीमेधरिकेघाममेराषे अरुहरकराहीमे दोरहोरसेरपानीअधावटकरिकेगरमगरम
डोरे जवघामकीगरमीसेपानीकेऊपरसाढी सोहोरतवसाढी अनामतनिकासिलेरऔरपात्रमेधरिराषे एहीभांतिहरहरवेरगरम
जो पानीडोरे अरपहिलेपात्रसेनिकासिकेदूसरेपात्रमेराषे तवगरमपानीडारेअउपाछिलोपानीसत्वरहितहेसोनिकासिडोरे दू
सरेपात्रकेपानीकेऊपरघामकीगरमीसेजोसिलाजतुकीसाढीहोरसोफेरिनिकासलेर पहिलीसाढीमेधरिराषे फेरियानीदू
रिकरिके तीसरेपात्रमेराषेशिलाजतु फेरिदोसेरपानीवहुतगरमडारेफेरिघाममेराषे पानीकेऊपरजोसाढीहोरसोनिकासिले
र फेरियानीदूरिकेचौथेपात्रमेसिलाजतुराषेफेरिअधवटगरमपानीदोसेरडारेवडीवारलोघाममेरहनदेरजवसाढीऊपरआ
वेतवनिकासिलेर चारिबारगरमपानीकेडारेतेसत्ववांकीनाहीरहतहे कीट सिलाजतुकोदूरिकरे अथवाएककराहीमेचारसेर
सिलाजतुकूटिकेडारे अरआठसेरअधावटपानीवहुतगरमडारिकेघाममेराषेवडीवारलो तवजोसतपानीकेऊपरआवे सोनिका
सिलेर एहीभांतिऔरतीनकराहीमेकूरे अरुहरवेरगरमपानीडारेसतुनिकासिलेरतवसिलाजतुसुद्धहोरसोसतुकहावतहे
अरुवाजेवेदसिलाजतुकौल्यारके अगरमुरहारी अरलरको नीमकीपाती गुरिच येसायेसाभरिकूटिकेउलमेघीउमिलारके कूटि
थो के [illegible] रिकजवामिलावतहेसिलाजतुकेआसपासअगाराधरिकेरन ओषनकीधूनीदेतहे तिहितेकीराअरुविषओषदकोदोषएस रा० २७
वहूरहेतहे तेहिउपरांतजलसुद्धकरकरतहे तवओषदनकेकाठेसेघोटे सिलाजतुकोसतु सोरायेसाभर तेहको रेइजोकोकाढो विरि

अ१२
लाकोकाढो नीमकोकाढो परवरकीडारपातकोकाढो मोयाकोकाढो सोठिकोकाढो हरएककाढोसिलाजतुसेरनौवतीसपेसाभरिहोर
तेहिहरएककाढेसेसिलाजतुकोसतुघोटेतवसुद्धहोर अथमंडूरकरण लोहेकोकीटवहेरेकेवकलामेघोटे गोमूत्रमेवुझावे तातोकरिके
वार७तववांटिकेदूनेत्रिफलादेरकाढोकरेतेहिकाढेमेघोरिके आचदेरजवसवकाढोजरजारतवसुद्धहोर इतिकिटीसारः अथवज्रसो
धन विलाइकंदमेहीराधरिकेमाटीलपेटके गजपुटआचदेरशुद्धहोर अन्य विलाइकंदकेरसमे डोलाजंत्रसेपचावेदिन७कोदोके
काढेमेकुरथीकेकाढेमेसुद्धहोर तवतीनवर्षकीनागवेलहोइताकोवाटिगोलाकरेतामेहीराधरिकपरोटीकेगजपुटआचदेरभस्महो
र अन्य तीनवर्षकोकपासहोरताकीजरवाटिगोलाकरेतिहिमाहीराधरेकपरोटीकरिआचदेरऐसीसातआचदेरभस्महोइ अन्य कां
सेकेवासनमेमेदरोधरेजवमूतेतवतिहिमेदरकेसूत्रमेहीरातातोकरिकेवुझावेभस्महोर अथवेक्रांतसुद्धि जेसोहीराकोसोधनसारराहे
तेहीभांतिवेक्रांतशुद्धहोतहे तथावेक्रांततातोकरिकेघोडकेसूत्रमेवुझावेवार७तवमेषश्रंगीपंचांगलेरवाटिगोलाकरेतिहिमेवेक्रांतध
रिकेसंपुटकरिकेगजपुटदेरआचदेरसातवारमेवेक्रांतभस्महोरहीराकेस्थानमेवेक्रांतडारलीजे अथमोतीसोधन ररनीकेरसमे
डोलाजंत्रसेमोतीचुरेवेपहर१शुद्धहोर एहीभांतिमणिमूगाऔररत्नसवशुद्धतहे तवमोतीमूगाऔररत्नताते करिके गुवारिकेरसवो
ररकेरसमेवुझावेसातसातवेरसवभस्महोर अथनीलांजनसोधनं नीलांजनवाटिजंवीरीरसकीभावनादेर१ घाममेसुषेसुषेके
शुद्धहोर एहीप्रकारगेरूकासीससुद्धहोतहे अथकौडीसंषनिवूरसमेदोलाजंत्रसेचुरेवेपहर१सुद्धहोरतवआचमेवारिलेर
॥नीलांजनंचूर्णयित्वाजंबीरद्रवभावितं दिनेकमातपे

शुद्धपावपहोइ अथविषसोधन विषकेटूकाकरिकैकपरामैवाधिकेवरीकेदूधमैडोलाजंत्रसेपचावैपहर १ सुद्धहोइजो छेरीकोदूधनहोइतो
गाइकेदूधमेसोधे अथवागोमूत्रमैभिजैवेदोलाजंत्रसेपहर १ सुद्धहोइ अथउपविष अथलांगलीसोधन किरकिचहाईकीजरएकदिनगोमू
त्रमैधरिराषेशुद्धहोइ अथगुंजा गुंजाकोकांजीमैचुरैलेइदोलाजंत्रसेपहर १ सुद्धहोइ अथअफीम अफीमआदकेरसकीभावनादेइ ७ सुद्धहो
इ अथधतूरेकेवीजागोमूत्रमैभिजैराषेदिन १ पुनिउपरीमैसूसरसेकूटेवकलीदूरिहोइतवशुद्धहोइ अथविषमुष्टि वकायनकेवीजाघीउ
मैभूंजेशुद्धहोइ अथजैपालशुद्धि जैपालकेवीजापानीमैभिजैराषेपहर १ फेरिघीउमैसेकैजवफूलेअरुफूटिपरैतवशुद्ध अथरससो
धनमारन राईलहसनवाटिमूषाकरिकैपारोधरेकपरामैवाधिदोलाजंत्रसेकांजीमैसोधैदिन ३ फेरिगुवारिकेरसमैषलैदिन १ चिताउ
रकेकाढेमैषरलेदिन १ मकुयाकेरससेषलेदिन १ त्रिफलाकेकाढेसेदिन १ तवकांजीमैधोइलेइतवपारोषरलमैराषेअरुपारेतेआधोसेंधोनो
नडारेनिंबूरससेषरलेदिन १ तवराईलहसननोसादरपारेकीवरावरडारिभुसीकेकाढेसेघोटेतवसुषैकैचकतीवनावैहींगकोलेपकरेजवए
कहांडीमैनोनघोरिकैभीतरलेपकरैतेहिकेऊपरऔरहांडीऔधावेकपरौटीकरिचूल्हेपरआंचदेइपहर १ तवषोलकैनोनइकरिकैतेहिकी
नोनवालीहांडीऊपरकरैऊपरकीहांडीतरेकरैतिहिमैपारोधरेमुद्राकरिकैचूल्हेपरतीनपहरआंचदेइतेजअरुहांडीकेऊपरकमाइमाटी
कीकोटवनाइकैसीतलपानीभरदेइजवगरमहोइतववहपानीऔचडारेऔरसीतलपानीभरदेइएहीभांतितीनपहरआंचदेइऊपर रा० २८
कीहांडीमैजोपारोलागोहैसोनिकासिलेइसुद्धहोइसर्वदोषतेरहितहोइ अन्यमते त्रिफलाकेकाढेसेपारोघोटेदिन ३ चिताउरके

धो२

काढेसेघोटैदिन ३ सरसोकेकाढेसेघोटैदिन ३ गुवारिकेरससैदिन ३ कटारकेकाढेसेदिन ३ कांजीसोधोइलेइपाचमलदोषदूरिहोइ पुरानीई
टहरदकोचूरनपारेकेसेरतेअसडारिकैजंभीरीकेरससेषरलेदिन १ कांजीसेधोइलेनागदोषजाइ अकोलाकीजरकेरससेघोटैवंगदोषजा
इ किरवारेसेघोटेमलदोषजाइ चिताउरसेअग्निदोषजातहै कारेधतूरेसेघोटेचंचलदोषजाइ त्रिफलासेविषदोषजाइ त्रिकटुसेगिरिदोषजा
इ प्रतिदोषकोकांजीसेधोइलेइसुद्धहोइ अन्य ग्वारि अभ्रक हरद सेपारोएकदिनघोटैफिरदोहांडीकोजंत्रकरिकैकाढिलेइसुद्धहोइ अन्य चंद
न देवदारु कौवाठोटी गनिआर पडेर तुलसी ग्वारि इनकेरससेएकदिनघोटेडमरूजंत्रमैडारिकेउठारलेइसुद्धहोइ अथहिंगुलतेपारोकाढिले
इ जंभीरीकेरससेअथनिंबूरससेहिंगुरघोटेदिन १ फेरिदोहांडीलेइमुहमिलैकैएकहांडीमैहिंगुरधरेदूसरीहांडीऊपरऔधादेइदइजमैमा
टीलगाइकैकपरौटीकरैअरुऊपरहांडीपरकमाइमाटीकोकोटपैदीपरवनावैतिहिमैसीतलपानीभरैचूल्हेपरचढाइकैतेजआंचदेइपहर ३ ऊप
रहांडीपरजोपानीभरोहैसोजवगरमहोइजाइतवनिकासिडारैऔरपानीभरदेइघरीघरीसीतलपानीभरतरहैऊपरकीहांडीकीपेंदीमैपारोल
गतहैसोनिकासिलेइकपरामैछानिलेइकेचुकीतेरहितपारोशुद्धहोतहै अथरसमारण नागवेलिकेरससेपारोसुद्धघोटेदिन १ पहारकेगटा
मैधरिकैमाटीकेमूषमैधरिगजपुटआंचदेइभस्महोइ अन्य सुपेतअकोलाकीजरकेरससेसुद्धपारोघोटैदिन ३ अंधमूषमैधरिकैगजपुट
आंचदेइभस्महोइ अथान्य अफारकेवीजावाटिदोमूषावनावैतिनमैसुद्धपारोधरेकठूमरिकोदूधमिलाइकै अरुगुमी वारविडंग इ
नमेदकोचूरननीचेऊपरदेइकैगोलाकरैसोगोलामाटीकेमूषामैधरिसंपुटकरिकैकपरौटीकरिगजपुटआंचदेइभस्महोइ अन्य कठूम

सा॰रस॰ २९

रिके दूधसे पारो घोटै तव कठूमरि के दूधसे हींगघोटिके मूषा दोवनावै तिहिमे पारो धरै गोला कोरि कपरौटी करि देइ सो गोला माटी के
रिके दूधसे पारो घोटै तव कठूमरि के दूधसे हींग घोटिके मूषा अथ अन्यप्रकार आधसेर पारो ईगुर को लेइ ते हके भषकरिवे निमित्त अरु पक्षछेदिवे निमि
मूषामेधरि संपुटकरिकै मंद आंच देइ भस्म होइ अथ अन्यप्रकार ... घोटै दिन ७ फेरि आकके दूधसे सेंहुडके दूधसे धतूरेके रससे किरकिचहारके रससे क
मित्तपहिलै आधपाउ विषको चूर्ण डारिके घोटै दिन ७ फेरि आधपाउ अफीम आदके रसमे घोरिकै इन एकएकसे सातसात दिन घोटै तव उम
नेरके पानके रससे घुघचीपत्र रससे घुघचीके काढेसे आधपाउ अफीम आदके रसमे घोरिके इन एकएकसे सातसात दिन घोटै तव उम
रूजंत्रमे डारिके दीपहर आंच देइ कै उठाइ लेइ जो इन एकविष उपविषसे घोटिके हरवेर उमरूजंत्रसे उठाइ लेइ तो गुन वहुत करै तिहि
उपरांत मर्दनसंस्कार करे कुकरौंदाके रससे लोनीके रससे गूमीके रससे जलपीपरिके रससे चारउ समिलाइ के पाउ पाउ सेर चार
उर सलेइ तिहिसे घोटै दिन ७ थोरो थोरो रस डारिके आठएदिन घाममे सुषावै केहीषरलमे फेरि षल्लसे पारो निकासिलेइ जव सूषिजाइ ते
हिको नाम उत्थापन संस्कार उन चारउ रस से घोटो है तिहिको नाम मर्दनसंस्कार जो पारो ईगुरको न होइ तो फिरवारो चित्ताउर हराकीज
रकौव कला हरएक के काढेसे तीनतीन दिन घोटै ग्वारिके रससे तीन दिन घोटै यह मर्दनसंस्कार ते पारेको मलदोष अग्निदोष विषदोष
सप्तकंचुक दोष एसव दूरि होत तेहि इन से घोटिके दीपहर आंच देइ के डमरूजंत्र से उठाइ लेइ तव विष उपविषसे घोटे फेरु उठाइ लेइ डम
रूजंत्रसे तिहि उपरांत कुकरौंदा लोनी गूमी जलपीपरि इनके रससे सातसात दिन घोरै जव गाढो होइ तव इन चारउ कौ रस पाउ एक डारि रा॰ २९
के एकदिन घाममे सुषाइ के पारो उठाइ लेइ डमरूजंत्र से तेहि उपरांत पारेको निपुंसकदोष दूरि कै रिवे निमित्त स्वेदनसंस्कार करे इन

उन चारउ के रस से घोटे दिन ७ वहुत घोटै ते पारेमे गुन वहुत होत है चौदह दिन घोटे कै फेरि वेही भांति उत्थानसंस्कार करिके षल्लसे पारो निकासि लेइ पाछे फेरि + ३
रे लत्ता मे पारो वाधे डोलाजंत्र की भांति हांडीमे लटकावै अरु उन चारउ कौ रस हांडी भर डारे तरे दीपक आंच करे पहर चार इहि
कौ नाम स्वेदनसंस्कार तव पारौ लत्ता सुषाले षल्लमे डारे अरु हांडीमे वाकी रस रहै हो होइ सो डारिके घोटै जव गाढो होइ तव फेरि सुषै
के डमरूजंत्रमे डारिके उठाइ लेइ फेरि निपुंसकता दूरि करिवे निमित्त फेरि स्वेदनसंस्कार करे इहि भांति सो धे सोठि पीपरि मरिच मूरा
के वीजा आदो राई इन एक छदाम छदाम भरि लेइ कांजी के पानी से पीसै चार तह लत्ता मे षुपरे तिहिमे पारो धरिके वाधे दोलाजंत्र की भांति ए
क मृदका मे लटकावे तिहि मृदका मे कांजीको पानी भरिके तीन दिन स्वेदन करे धीमी आंच से इहि स्वेदनसंस्कार से पारे मे दीपनसंस्को
र होत है दीपनसंस्कार ते पारो भूषो होत है अरु पारे की निर्वलता दूरि होत है पाछे पारो लत्ता से निकासिके अनुवासनसंस्कार करे एक
हांडीमे पारो राषे तेहिमे जंभीरीनी वूरस डारिके एक दिन घाममे धरि राषे इहिको नाम अनुवासनसंस्कार अनुवासनसंस्कार ते पारो
वुहत भूषो होत है तव पारो हंडी से निकासिके तौले जो पारो सेर भरि होइ तो सो धो नौनिया गंधक सेर एक भरि डारे एक
दिन घोटिके कजरी करै गूमी अरु जलपीपरि के रससे दोदिन घोटै जव सूषै तव सिसी मे डारिके सिसी मे पहिले दोइ कपरौटी
करे घाममे सुषै वे पाछे वह सीसी एक हांडी मे राषे पहिले हांडी के वीच छेद करे उपेया सेतनक चौरो वह छेदके वीचमे लं
तव सिसी मे डारे वीएक षपरिया राषै ठीकरी के दोऊ वगल छेद उघारो राषे अरु छेद के चौगिर्द गीली माटी लगावे जिहिते हां
डीकी वारू न निकसिजाइ तव सिसी उहके ऊपर राषे अरु हांडी के मुरतां रवारू भरि देइ सिसी की गरदन वारू से वाहिर रहै वू लेप

रचठाइकैआठपहरदोलकरीकीआचदेइ चारिपहरधीमीआचदेइआैरचारपहरतेजआचदेइजवस्वांगसीतलहोइत
वाशिसीफोरिकेपारेकीचांदीनिकासिलेइआैरचांदीकेपीछेजोगंधककीराषलगीहैसोछुरीसेदूरिकेफेरिवहचांदीषल्लमेडारिकैपी
सेगूमीआैरजलपीपरिकेरससैएकदिनघोटैजवसूषैतवआैरशिसीमेडारिकेवालुकाजंत्रमेआगिकैचारिपहरमंदाग्निदेइदोइपहरती
लकरीसेजैसेतैअवशिष्टगंधककेजरिजाइगंधककेजरवेकीपरीक्षाकरैपहिलेपहरपरीक्षाकरैदूसरेपहरमेलेइकैतीनपहरतांईपरीक्षा
करैदूसरेपहरकीजवचारिघरीवीतैतवएकशीकडारैशिशीकेभीतरजवसीकजरीनिकसैतवजानैकेगंधकजरोतववेगिदेउतारिलेइ
जौपिघलेगंधकसंयुक्तशीकआवैतोजानियेकेगंधकनाहीजरोतवआैरआचदेइजवलोगंधकजीर्णहोइ चारिचारिघरीउ
परांतसीकसैपरीक्षाकरैतवसिशीफोरिकैचांदीनिकासिलेइटिकरीकेपीछेजोगंधककीराषहैसोछुरीसेदूरिकैरफेरियहचांदी
तौलेजोजानैकेपहिलीचादीकेवरावरयहचांदीउतरीकेकमउतरैतोसोरहयैसाभरिपारेकीचतुर्थांसचारियेसाभरिसोधोगंध
कआैरडारैपहिलेदूनोकरवादिकेगंभातिरियागूमीकिरसमेघोटैएकदिनसुषैकेशिशीमेडारैफेरिचारिपहरधीमीआचदेइजोहि
तैपैसादोभरगंधकजरैएकपहरजोतेजआचदेइतोयसभरिगंधकजरैयहसिद्धांतहैजोएकपहरमंदआचदेइतोअधेलाभरिगं
धकजरैजवदोयसाभरिगंधकजरैतवशिशीफोरिकेचांदीनिकासिलेइचांदीकेऊपरकीराषछुरीसेदूरिकरिकैचांदीवांटैते
हिमेअधेलाभरिविषपीसिकेडारै गूमीआैरजलपीपरिकेरससेएकादिनघोटैसुषैकेशिशीमेडारैफेरिधीमीआचदेइपहरचारि सा०
३०

जेहितेअवशिष्टगंधककेजरैजवसीतलहोइतवशिसीफोरिकैचांदीनिकासिलेइविषकेडारैतेचांदीगंधककीराषकहथोडकैवैठतहैआ
रचांदीकेपीछेजोराषलागीहोइसोछुरीसेदूरिकरफेरिचांदीतौलेइसरीचांदीजोतौलीहैतेहीकीउज्जनपरजोचांदीउतरैतोजानैकेसिद्ध
भयोआैरअधिकहोइतौफेरिआचदीपकेदेइपहरचारियहचंद्रोदयरसएकतोलालेइ आैरएकतोलाभरिलोगवाटिकैदोऊकहघरीएकघो
टैदोदोरतीकीपुरियावांधिराषै एकएकमात्राषाइवेगस्तंभजीर्णदूरिहोइभूषलगैकोष्टबंधदूरिहोइमूत्रस्त्रावदूरिहोइकामदेववढै
मूर्छादूरिहोइहिक्काकीदूरिहोइवलहोइकोतिहोइदेहपुष्टिहोइयसूतसेअथवासंनियातसैदेहसीतलभईहोइआैरपसीनाच
लतहोइसोनीकहोइयमेहदूरहोइषासीस्वासफिरंगवाउदूरिहोइ आैरज्वरिकेदूरिभएउपरांतआैरचिवडुतदिनतोईदहिर
हैतेहिआैरचिकेरहैसदिनअठारहमेमरतहैसोअसाध्यआैरचियहचंद्रोदयसेदूरिहोतहै इतिचंद्रोदयरस अथतलभ
स्म गंधकनोसादरशुद्धपारो वरावरलेइआठआठयेसाभरिसवपीसिकेकजरीकरिकेशिसीमेभरिकेवारहपहरआचदेइजवशी
तलहोइतवउतारिकेशिसीफोरिकेतरेजोहैपारदभस्मसोलेइऊपरकोगंधकदूरिकरै इतिरससोधनमारण अथधातुमारण अथ
स्वर्णमारन सोनोशुद्धलेइतितिहितेदूनोशुद्धपारोलेइनिंवूरससेघोटैगोलाकरतेहिगोलाकीवरावरगंधकलेइगोलाकोनीचेऊपरदेकैसं
पुटमेधरैकपरौटीकरिकेतीसकंडाकीआचदेइअैसीचोदहआचदेइवारवारगंधकतरेऊपरदेइकैभस्महोइ अन्य शुद्धसोनोतोलइते
तकेसारहेअंससीसोपिघलाइकैसोनोमिलाइदेइगाढपरिजाइतववाटिचूर्णकरिकेनिंवूरससेघोटिगोलाकरतेहिगोलाकीसमान

गंधकलेइवाटिसरावसंपुटमैगोलाकैनीचेऊपरदैकेसंपुटकरिकपरोटीकरिकैतीसकंडाहारकेलेइतिनकीआचदेइ सातआचमेभस्म
होइगंधकतेरेअरवरावरदेइ अन्य कचनारकेरससेयारोगंधकसम घोटकजरीकरैतवसोनेकेपत्रपारेगंधककीवरावरलेइतिनपत्रमे न
लेपकरे कचनारकीछालिवाटिमूषावनावेतिहिमेपत्रधरेगोलाकरिमाटीकेमूषामेधरेकपरोटीकरिसंपुटसुषैलेइगजपुटआचदेइतीन
आचमेभस्महोइसर्वकार्जविषेजोग्यहै जेहिप्रकारकंचनारसेसोनोमरतहैतेहीप्रकारलोंगलीसे ज्वालामुषीसे मनसिलसेमरतहै
अन्य मनसिलसेंदुरसमलेइचूर्णकरिआकके दूधकीभावनादेइ ७ सुषैसुषैकेतव सोनासुद्धपिघलावेतेहीकीवरावरयोकल्कडारिके
धौकैजवकल्कलीनहोइजादतवऔरकल्कदेइतीनवेरकल्कदेइ असधौकेभस्महोइ अन्य परवाकोविष्ठाअथवामुरगाकोविष्ठासोनेकेप
त्रनमेलेपकरेगंधकवाटिकैसरावसंपुटमैतरेऊपरगंधकदेइसोनेकीवरावरसंपुटकरेपाचकंडाकीआचकुक्कुटपुटसेदेइ असेसोनोआचदेइ
इसरई आचतीसकंडाकीदेइभस्महोइ अन्य सोनामाषी सेंदुर समलेइ आकके दूधसेरससेपीसिसोनेकेवरावरीकपत्रनमेलेप
करेसोनेकीवरावर तवसरावामेधरिगजपुटआचदेइभस्महोइ अथरोप्यमारणं हरतालएकभागनिंबूरससेघोटै रूपेकेसुधपत्र भा
ग ३ तिनपत्रनमेहरताललेपकरेसुषैकेसंपुटनमेधरिकपरोटीकरिकेतीसकंडाजंगलीकीआचदेइ असेसीचोदहआचदेइहरतारदेत
न्य जाइभस्महोइ अथथूहरकेदूधसेसोनामाषीघोटिकेरूपकेपत्रनमेहरतालकीभांतिलेपकरेवेहीप्रकारचोदहआचमेभस्महोइ
अथताम्रमारणं तामेकेवारीकपत्रसुद्धलेइतिनकोनिंबूरसमेतीनवेरस्वेदनकरेपाछेषल्लमेडारे अरूपत्रनकीचोथाईसुद्धपारोडारे सा०
३१

निंबूरससेघोटैपहर १ तवगंधकपत्रनतेदूनोलेइ निंबूरससे घोटिपत्रनमेलेपकरिकेगोलाकरेतवनोनियापथरसगावाटिकल्कगो
लाकेवाहिरलेपआगुरऊचोलेपकरिकेहांडीमेधरेवारूमे अथवारावमेधरेहांडीकोमुहमूदिचूल्हेपरषटावेचारपहरआचदेइ स्वांगसी
तलहोइतवनिकासिकेपीसेसूरनकेरससेघोटिपुनिगोलाकरेसुषैकेनीचेऊपरगंधकलेपकरेसंपुटमेधरिगजपुटआचदेइभस्महो
इ अन्य पारोसुद्धगंधकसुद्धसमलेइजंभीरीकेरससेघोटि सुद्धतामेकेपत्रसमलेपकरिसंपुटमेधरिगजपुटआचदेइ ३ भस्महोइ अ
थपीतरमारन गंधकआकके दूधमेपीसकेपीतरकेपत्रसमलेइलेपकरेसंपुटमेधरिगजपुटआचदेइ दोआचमेभस्महोइ जेहीप्र
कारपीतरमारतहैतेहीप्रकारकासोमारतहै अथनागमारणं नागवेलकेपानकेरससेमनसिलघोटिकेसीसोशुद्धकेपत्रनमेलेपक
रिगजपुटआचदेइ ३ वारवारमनसिलदेइभस्महोइ अन्य इमिलीकीपीपरिकीछालकोचूरनसीसेकेचतुर्थांसलेइमाटीकेवासन
मेसीसोपिघलावेचूरनडारतजाइअरुलोहेकीकरछुलीसेचलावेचूल्हेपरआचदेइएकपहरमेभस्महोइ तिहिकीवरावरमनसि
ललेइएकत्रकांजीसेपीसिगजपुटआचदेइसीतलहोइतवनिकासिलेइपुनिमनसिलदैकेकांजीसेपीसिसंपुटकरिपुनिगजपुटआ
चदेइ असेसौआचदेइसुद्धभस्महोइ अन्य मनसिलरूसकेरससेघोटिसीसकेपत्रनमेलेपकरिगजपुटआचदेइतीनआचमेभ
स्महोइ अथवंगमारन रांगमाटीकेवासनमेपिघलावे पीपरिकीअमिलीकीछालिकोचूर्णचतुर्थांसलेइथोरोथोरोचूरनरांगमे
डारतजाइअरुलोहेकीकरछुलीसेचलावे दोपहरआचदेइभस्महोइ अन्य सोधेरांगकेपत्रकरैनेहिरांगकीभस्मकीवरावर

सारसं०
३२

शुद्धहरतालले२ तेहिहरतालके६समभागकरे एकभागहरतालवंगमे डारिनिंबूरससे घोटैपहर२ रिकियाकरिसुषैकेगजपुटआच
देइपुनिदुसरोभागहरतालडारिकेनिंबूरससेघोटिसुषिगजपुटआचदेइपुनितीसरोभागडारपुनिआचदेइ एहीप्रकारदशवा
रकैदशभागहरतालकीदशआचदेइवंगभस्महोइ अन्य सोधरांगकेपत्रकरेजवाकेउन्मानकतरे तवपीपरकीषइछ रुइमि
लीकीषइवाटिचूर्णकरकंडाकेनीचेविछावैतहिकेऊपरटारकोइकाविछावैतिहिकेऊपरचूरनषइकोविछावैतहिकेऊपररांग
केपत्रविछावैजुदेजुदेपत्ररहैतेकेऊपरऔरचूरनविछावैऊपरऔरकंडादैकेवारिदेइजवसीतलहोइतवजतनसेरांगवीनलेइ
भस्महोइ जेहीप्रकारषइसेमरजहैतेहीप्रकारभांगसोमरतहै अथलोहमारण गजवलकोरसजेतनोहोइतेतहकेवाररहैआं
सईगुरडारेग्वारिकेरससेघोटैपहर२गजपुटआचदेइसीतलहोइतवफेरिवारहैआंसईगुरडारेफेरिग्वारिकेरससेघोटिगज
पुटदेइएहीप्रकारईगुरवारहैआंसडारिडारिकेगजपुटदेइवार७लोहभस्महोइ अन्य पारो१गंधक२कजलीकरिकेदोउ
कीवरावरलोहकोचूर्णलिइग्वारिकेरससेघोटैपहर२ गोलाकरिकेतामकेवासनमेघाममेधरेअंडकेपातसेआछादन
करेगोलातातोभयो दोघरीमेतवधानकीरासमेगाडिराषे दिन३ तवनिकासिकेपीसेभस्महोइ तवमरोलोहोकीवरावरगंधकले
इग्वारिकेरससेघोटेएकदिनगजपुटआचदेइसवक्रियाकोमरोलोहोसुद्धहोइ जोकोउलोहषाइसोएवसोनषाइ कुम्हडाति
लतेलउरदराईमदिराषयाईकेरलानषाइ अथसोनामाषीमारन सुद्धसोनामाषीकेचतुर्थांसगंधकडारिअंडीकेतेलसेघो रा०
३२

टिटिकरीकेसंपुटकरिगजपुटआचदेइभस्महोइ अन्य कुरथीकेकाढेसेअंडीकेतेलसेतत्रसेघोटिगजपुटआचदेइभस्महोइ
अथहरतालमारण सुद्धहरताललेइपथरसगाकेरससेषरलेदिन१गोलाकरेसुषैके तवपथरसगाकोषारहांडीमेआधीहांडीभरे
तिहिपरगोलाधरेऊपरषारहांडीभरदेइ चूल्हेपरचढाइकेआचदेइपहरयाचहरताल सिद्धहोइकहूंपाचदिनकीआचकहीहैसोदेइ
तवएकरतीषाइ अन्यशुद्धहरताललेइ गूमीकेरससोघोटैदिनएकआककेदूधसेघोटैदिन१गोलाकरिकेसुषैकेएकहांडीमेषारभरि
केवीचमेगोलाधरेहांडीकोमुखमूदिचूल्हेपरआचदेइपहर२४ सिद्धहोइमात्रारती१रक्तविकारजाइवातरक्तजाइ अथक्रियाईगुरकी
ईगुरटका२आककोदूधसेर३१माटीकेवासनमेआचदेइचूल्हेपरजवदूधजरिजाइतवघीउगाइकोऽ॥डारिदेइजवघीउजरिजाइ
तवउतारिलेइसिद्धहोइफेरग्वारकेरससेघोटिटिकरीकरेसुषैकेएकहांडीमेछेवलेकीराषभरेताकेवीचटिकरीधरेचूल्हेपरआच
देइमंदपहर२४तोवहुतगुनकरतहै अन्य ईगुर२ वहेरकेफलकोचूर्णमधुघीउ हसदशयेसाभरिलेइएकषपरामेवहेरकोचूर
नआधोधरेतवईगुरधरेऊपरतेआधोचूरनऔरधरेतवघीउमधुडारिकेचूल्हेपरचढाइदेइजवधुवाकढेतवऊपरतेआग
लगाइदेइजवसवजरिजाइतवसुद्धहोइ अथताम्रमारण अन्यप्रकारसोनामाषीपैसाभरवाटिकेएकघरियामेआधीतरेधरे
वीचमेएकपैसाधरेआधीसोनामाषीऊपरदैकेसंपुटकरिगजपुटआचदेइभस्महोइ चाहेजितनेपैसाएकवेरसंपुटमेधरे
तरेऊपरसोनामाषीदेइकेगजपुटआचदेइसवभस्महोइजातहै अथस्वेतताम्रभस्म वंग१तामो विषपारो हरताल

रूपा माषी सब एकत्र करि आक के दूध सें षरल दिनी संपुट करि गजपुट आंच देइ भस्म होइ सर्वरोग पर चलत है
अनूपान जैसो रोग होइ तैसो देइ सर्वरोग जाइ इति धातुमारण ग्रंथांतरात और क्रिया अनेक है अथ रसासलि ख्यते
तत्र सारंगधरात अथ ज्वरारिरसः पारो शुद्ध षपरिया शुद्ध हरताल शुद्ध हरिया तूत्यो शुद्ध सुहागो शुद्ध गंधक शुद्ध सर्व स
मान लेइ करेला के पान के रस सें षरल दिन १ तब ताम्र के पात्र के भीतर लेप करे आध अंगुल प्रमान ता ताम्र के पात्र को
मुख मूंदि के बालुका जंत्र मैं धरि के चूल्हे पर आंच देइ ता जव ऊपर की बारू मैं धान फूटै तब आग बुझाइ डारे हड़ियां चूल्हे
पर रहन देइ जब स्वांगसीतल होइ तब निकासि लेइ ताम्र के पात्र के भीतर तें तब वारि चूर्ण करि तेही की बराबर मरिच एक मा
सो पान के साथ षाइ ज्वर छूटि होइ तीन दिन देइ विषमज्वर नित्यज्वर एकतरा तिजारी चातुर्थक ज्वर जाइ अथ शीतज्वरा
रिरसः हरताल हरिया थूथ्यो शुद्ध ताम्र मौमरो पारो शुद्ध गंधक शुद्ध मनसिल शुद्ध अधेला अधेला भरि लेइ पहिले पा
रे गंधक की कजरी करे तब सब एकत्र करि त्रिफला के काढ़े से घोटे दिन १ गोला करि कै सुषै कै संपुट मैं धरि कपरौटी क
रि बालुका जंत्र की आंच देइ जब स्वांगसीतल होइ तब निकासि लेइ तब आक के दूध सें सेंहुड के दूध सें दतौन के काढ़े से
निसोत के काढ़े से सात सात भावना देइ तब सिद्ध होइ मासो भरि यह रस लेइ पचास मिरच के चूर्ण के साथ देइ अथ भृंग सा० ३३
उमासे चार लेइ तेल के साथ मासो भरि रस देइ अथ दो दल तुलसी के लेइ ता के साथ देइ तीन दिन देइ जे सो व लहे

इ पथ्य दूध भात विषमज्वर सीतपूर्वक लोइ दाहपूर्वक तृतीयज्वर चातुर्थक एकाहिक द्व्याहिक संतत ज्वर रस
वेजाइ अथ लोकनाथपोटलीरसः पारो शुद्ध मूर्छित भाग २ गंधक शुद्ध भाग २ कजरी करे पारे तें चौगुनी कौड़ी
सोधि के लेइ सुहागा भाग १ संख भाग ८ सब एकत्र करि गाइ के दूध से घोटै सरवा मे चूर्ण पोत के तिहि सरवा मैं ध
रि संपुट करि कपरौटी करि के गजपुट आंच देइ एक हाथ भर गहिरो अरु हाथ भर चौरो षदरा करे तिहि मैं कंडा
कूटि के आधे तरे आधे ऊपर बीच मैं संपुट धरै सो गजपुट कहावै जब स्वांगशीतल होइ तब निकासि कै पीसै
छेरतीय हर रस उनतीस २९ मरिच चूर्ण करि रस के साथ देइ वात को घीउ से देइ पित्तरोग को नैनू से देइ कफरो
ग को मधु से देइ अतीसार संग्रहणी क्षय ग्रह रणी काश दुर्बलता मंदाग्नि का स्वास गुल्म जाइ पथ्य तेहि के ऊपर घीउ अरु
भात तीन कौर षाइ आघर षायउ परांत तब षाट पर आधो सोवे छनएक पटाइ न षाइ घीउ भात मधुर दही जो गले के जे पक्षी ल
वा तीतुर आदि दै अरु जे जल उ रतिन कौ मांस घीउ मे पचारके षाइ दूध भात मूंग के बरा घीउ मे करि कै षाइ तिल आंवरे पानी मे बांटि
वटनो करि अस्नान तात पानी सें करे अथ वासर सो पानी मे वाटि उवटनो करि अस्नान करे तेल करवा बितनं ग्रहन करे वेल करेला
भरा मछरी इमिली न षाइ कुसीन करे मैथुन न करे मैंद्य संधान जल लोआ थानें है ते सब हींग सोंठि उरद मसूर कुम्हड़ा

सारसं० ३४

गई कांजी सवत्यागकरे क्रोधनकरे दिनकेनसोवे कोसेकेवासनमैभोजननकरे ककरीकरोदाकरेलाकलीदाककारादिकजे
फलअरुसाकजितनेहैतेनषाए यहलोकनाथरसमुभनक्षत्रतोरपूर्णातिथि होरमुलोपक्षचंद्रवलहोइतवग्रहणाकरेलोकना
थकीपूजाकरे कुमारीकंन्याभोजनकरावैदानदेरघरीदोतेलिमध्यरसग्रहनकरे अरजोरसकीगरमीवुहतलोइतौषाडअरुगुरि
चकौसत्ववंशलोचनायुक्तदेर तथाषजूरदाडिमदाषऊंषषाडएषाइतापरसकीदूरिहोइ अनूपान अरचिहोइतौधनावकलीइ
रकरिकैघीउमैभूंजीकेषांडसंयुक्तदेर ज्वरहोइतौधनागुरिचिकोकाढैसेदेर उरई रूसो क्वाथकरिमधुषांडकेजोगसेदेर पित्तरक्त
कफस्वासकासज्वरजाइ हररआगमेभूंजमधुसंयुक्तरातिकेदेर निद्रानासअतीसारग्रहणीमंदाग्निजाइ सोचरनोनहररपी
परिचूर्णाकरितातेपानीसेदेइ शूलअजीर्णजाइ मधुपीपरकेसंयुक्तदेरज्वरप्लीहउदरवातरक्तछर्दिगुदाकेअंकुरजाइ नाकतेरक्तगि
रतहोइतौदाडिमफूलकेरसइववकेरसनासुदेरषांडसंयुक्तदेर वेरकीविजीकरंजगदापीपरिषांडमधुसेदेइहिचकीछर्दिजाइ
इतिलोकनाथरसः अथमृगांकपोटलीरसः सोनेकेपत्रवक्रतवारीक तिनकीवरावरसुद्धपारो षल्लमैडारिघोटे कचनारकेरससे
ज्वालामुखीकेरससेलोंगलीकेरससेजवलोपिढीहोइतवसोनेकेचौथेअंससुहागडारे मोतीचूर्णाकरिकैसोनेतेदूनेडारे तिनस
वकीवरावरशुद्धगंधकडारिएकत्रघोटे गोलाकरिकैसुषैकेएककपरालपेटैपीछेमाटीघोटिकपरोमेलगावेसोकपरासेकपरोटीक
रिकैघाममेसुषावेसरावसंपुटमेधरिमुद्राकरिकैएकहांडीमेनोन५भरेतिलिकेवीचमेसंपुटधरेहांडीकोमुखमूंदिगजपुटआंच सा० ३४

जवसीतलहोइतवनिकासिलेर तवगंधकशुद्धपारेकीवरावरगोलामैमिलाइदेर अरकचनारकेरससैज्वालामुखीकेरससैलोंग
लीरससैघोटेदिन१ एकए गोलाकरिकैसंपुटमेधरिपुनिहांडीमेधरिप्रथमकीनाईगजपुटआंचदेइस्वांगशीतलहोइतवनिका
सिलेर दोरतीयहरसलेरआदमरिचकोचूर्णाअथवातीनपीपरिकेचूर्णासेमधुसेअथवाघीउसेदेर अथएकरतीदेर पथ्यलोक
नाथकीभांतिकरे अनोपानजेसोरोगहोइ श्लेष्मग्रहणीकासस्वासक्षयीअरुचिजाइ अग्निदीप्तहोइकफवातजाइवलहानिदुर्व
लताद्रूरिहोइअरजिहिकोवुहतसरदीहोइतिहिकोपावरतीदेइमधुपीपरिसे अरजोसंनिपातसैनवोल्लेज्वरहोइतिहिको
दोरतीदेरमधुपीपरिकेसाथमाहदूरिहोइज्वरदूरिहोइवोलननलगे अथहेमगर्भपोटलीरसः सुद्धपारोलेइतेहपारेकीचौ
थाईसोनेकेपत्रलेरषल्लमैडारिएकदिनघोटे दोऊरोहुनोगंधकसुद्धडारिकेकचनारकेरससेघोटेदिन१गोलाकरिकैसुषैले
इ ... तवसंपुटमेधरिकैसंपुटकोकपरौटीकरिकैभूधरजंत्रकीआंचदेइदिन३एकषदराषोदेछोटोतिहिमैसंपुटधरेअर
भू वारूसेषदरापूरिलेइऊपरकंडावारतरहेसोभूधरजंत्रकहावतहे तवउषारिसंपुटषोलिकेगोलानिकासिलेइतेहिकीवरावरसुद्ध
ञ गंधकलेइगोलाअरु ... गंधकएकैषल्लमेडारिआदकेरससेघोटेदिन१चित्तावरकेरससेषरलेदिन१तवपीतकौडीवडीवडी
लेइतिनकेडिनमे औषदभरदेरअरऔषदतेआधोअंससुहागलेइसुहागतेआधोविषलेइ सुहागअरुविषएकत्रपीसिके
चूर्णकेइंधसेघोटितिनकेडिनकोमुखमूंदे एकहांडीमेकांचफिइलेइतिहिमैसवकोडीधरिकैहांडीकोमुखमूंदिगजपुटआंच

देइ स्वांगसीतल होइ तव निकासि लेइ लोकनाथ की नाई देइ मृगांक की नाई पथ्य करावै तीन दिन नौन न षाइ जो छर्दि होइ तौ
गुरिच कौ काढौ मधु संयुक्त देइ श्लेष्मा कौ कोप होइ तौ गउ आद्रक संयुक्त देइ दाह होइ तौ भांग भंजी दही संयुक्त देइ कास
क्षयी स्वास यल रोग अरुचि जाइ अग्नि दीप्त होइ कफ वात दूरि होइ अथ द्वितीय हेमगर्भपोटलीरसः पारो शुद्ध भाग चार ४
सौने के तवक भाग ४ दोऊ षरल मैं डारि पिठी करै गंधक शुद्ध भाग १२ डारि के कजरी करै तव मोती छोटे अनवेधे लेइ भाग १६ चूर्ण
करि मिलाइ देइ सेष भाग ४ सुहागा भाग १ मिलाइ कै एकत्र सव निंबू रस मैं घोटि गोला करि कै सुषे लेइ संपुट मैं धरै संपुट की दर्ज मैं
माटी लगावै अरु ऊपर कपरौटी करै गजपुट आंच देइ जव स्वांगसीतल होइ तव निकासि लेइ पीसि के चारि रती गाइ के घीउ
संयुक्त उन तीस २९ मरिच कौ चूर्ण के साथ माटी के वासन मैं अथवा रूपे के वासन मैं अथ कांच के वासन मैं अवलेह सौ करि चा
टि जाइ लोकनाथ की नाईं पथ्य करै कास स्वास क्षयी वात कफ ग्रहणी अतीसार सर्व दूरि होइ अथ महाज्वरांकुसरसः शुद्ध पा
रौ विष शुद्ध गंधक शुद्ध एक एक टंक लेइ धतूरे के वीज शुद्ध टंक ३ चोषटंक १२ पहिल पारे गंधक की कजरी करै तव सव चूर्ण करि
मिलाइ देइ घोटै दिन १ चूर्ण रहन देइ जंभीरी के रस दे सै दो रती देइ अथवा आद्रक रस सैं देइ त्रिदोष ज्वर जाइ एकाहिक ज्वर द्वाहिक
तृतीय ज्वर चातुर्थक विषमज्वर सर्व जाइ अथ आनंदभैरवो रसः अतीसारे हिंगुर वछनाग शुद्ध मरिच सुहागा पीपरि मात्रा सम
लेइ चूर्ण करि एक दिन घोटै एक रती अथवा दो रती मधु सै देइ दंड जो कौ चूर्ण १२ अथवा कुरैया की छाल कौ चूर्ण २ संयुक्त देइ त्रिदोष

तै जो अतीसार होइ सो दूरि होइ पथ्य दही भात गाइ कौ मठा षाइ पियास लगै तव सीतल जल भांग पिवै राति कै अथ सूचीभररसो
रसः विन सोधो सिंगिया विष तेल कौ चूर्ण पिसा दोरभर १ पारो मासे चारि ४ दोऊ कहल तव तोई घोटै जव लौ पारो न दिषाइ तव लौ डी
छी टी मे राषे ऊपर के पात्र के भीतर कांच फिराइ लेइ तैसिहि पात्र वैसे तरे कौ पात्र ढांपि लेइ उभ सूजंत की भांति चूल्हे पर राषि के दो पहर धीमी आ
च देइ जव सीतल होइ तव निर्वात स्थल मैं लै जाइ कै पात्र उघारै ऊपर के पात्र मैं जो धुवाल गौ है ते कल छुरि चलेइ सो वादानी मैं राषे पहि
ले तरवा मूडि कै पतरे पछना देइ तव यत धुवां सी कैसे तेइ के पछना के घाउ पर लगाइ देइ अथ एक छरना अगरी सी सम ले संनिपात तै
जो मूर्छित होइ अ स्मृत प्राय होइ सो जिये अरु जो साप काटे मूर्छित होइ सो एही भांति के उपाय से नीको होइ अथ जलचूडामनि
रसः पारद भस्म भाग १ गंधक शुद्ध भाग १ मनसिल गंधक की चौथाई लेइ शुद्ध सोनामाषी मरी मनसिल की वरावर लेइ पीपरि मन
सिल तै दूनी लेइ सोठि मरिच मनसिल की वरावर लेइ सव चूर्ण करि एकत्र घोटै तव सम घरी के अरु मोर के पित्त की भावना देइ सात सा
त सुषे सुषे के तव सिद्ध होइ दो रतीय तरस मूसरी के काढे से अथ वा पंचकोल के काढे सैं देइ संनिपात दूरि होइ सीतल जल देइ
जल ही सींचे जो गरमी होइ तौ अथ पंचवक्त्रोरसः पारो शुद्ध विष शुद्ध गंधक शुद्ध मरिच सुहागा फूले लेइ पीपरि स
व सम लेइ पहिल पारे गंधक की कजरी करै तव विष मरिच सुहागा पीपरि सव चूर्ण करि कै कजरी मैं मिलाइ देइ धतूरे के फल के रस
से घोटै दिन १ सुषे के धरि राषे दो रती रस लेइ आक की जर कौ काढौ करै तिहि मैं सोठ मरिच पीपरि कौ चूर्ण डारि के रस संयु

कदेइसंनिपातदूरिहोइ पथ्यदहीभातषाइ सीतलजलसवनकरेजोकफहोइतौमधुसैदेइ अरुमधुअरुआदकेरससैदेइतौ
अगिनिहोइभूषवढै अथउन्मत्तोरसः सन्निपाते पारोशुद्ध।१। गंधकशुद्ध।२ कजरीकरैधतूरेकोरसफलकौलेइतिनिसैएकदि
नघौटेपाछेत्रिकुटकौचूर्णपिसाएकभरडारैघौटैपहर१एकरतीभरनासदेइसंनिपातदूरिहोइ अथांजनंसंनिपाते अजेपालकेवी
जावकलीदूरिकैरसटंकलेइ पीपरामूल मरिच एकएकभरडारैघौटपहर१एकरतीभरनासदेइसंनिपातदूरिहोइ अथना
भाग राचरसविरेचने पारोशुद्धभाग१ सुहागा१ मरिच१ गंधकभाग२ पीपरभाग२ सोंठिभाग२ अजेपालकेवीजाशुद्धसवकोवराबरपहि
लपारेगंधककीकजरीतवसवऔषदेचूर्णकरिमिलाइदेइएकत्रघौटपहर१सिद्धहोइ दोरतीदेइ आध्मानमलविष्टंभउदावर्त
सर्वदूरिहोइ अथइच्छाभेदीरसः इंगुर सुहागा सोंठि पीपरि अधेलाअधेलाभरिचाषैपैसाइभरअजेपारकेवीजाशुद्ध१।
सर्वएकत्रचूर्णकरिगाइकेदूधसैघौटे तीनरतीदेइविरेचनहोइविष्टंभआध्मानजाइ अथराजमृगांकोरसः पारदभस्मभा
ग३ सुवर्णभस्मभाग१ मारोअभ्रकभाग१ मनसिलशुद्धभाग२ गंधकशुद्धभाग२ हरतालशुद्धभाग२ सवएकत्रचूर्णकरिकौडिन
मैभरैतवसुहागाछेरीकेदूधसैपीसिकैकौडिनकौमुहमूंदैतेसवकौडीमाटीकेवासननैमेधरिकेवासनकौमुहमूंदिकैकपरौटीकरि
केसुषैकेगजपुटआंचदेइजवस्वांगशीतलहोइतवनिकासिकैसवचूर्णकरैचारिरतीरसलेइदसपीपरउनतीसमरिचकौ
चूर्णसैमधुकेसाथदेइराजरोगदूरिहोइ पथ्यघीउसैभातषाइ अथस्वयमग्निरसः शुद्धपारो१ शुद्धगंधक२ कजरीकरैदोकी
ऊ१

वराबरलोहकोचूर्णमिलाइकैग्वारिकेरससैघौटैदोपहर२तवगोलाकरैतांमैकेवासननैमेघाममैधरैअंडकेपानसैढाकैदोघरीमै
उश्नहोइतवधान्यजोहैअन्नसोअन्नकीरासिमैगाडिराषैदिनरातिगाडोरहैतवनिकासिकैचूर्णकरैवस्त्रमैछानिलेइलोहभस्महो
जातहै तवग्वारिकेरसकीभावना७भकुयाकेरसकीभावना७कटसेरवाकेरसकीभावना७पथरसगाकीरसकीभावना७ सहदेइगुरि
च जवासो चित्रउर एकएककीसातसातभावनादेइसुषैसुषैकेत्रिफलाकेकाढेकीभावना७ तवत्रिकुट३ त्रिफला३ लाइची१ जाइफर१
लो०ग१ सवनौभागदेइतिनकीवराबरनौभागस्वयमग्निरसलेइएकत्रचूर्णकरितीनरतीभरषाइमधुसैक्षयीकासदूरिहोइ अथस्वास
सुद्ध नौरसःस्वासे पारोशुद्धतोला१ गंधकतोला२ कजरीकरै ग्वारिकेरससैपहर१घौटै तामैकौडियातीनतोलाकीवनावैतेहिकेभी
तरयहकल्कलपेटैहांपिएककपरौटीकरैवालुकाजंत्रकेवीचमैराषिकैआंचदेइदिन१ उवियापीसिकैदोरतीभरिषाइस्वासषांसीदूरिहो
इ अथस्वछंदभैरवोरसः शुद्धपारो मरोलोह सोनामाषीमारी गंधकशुद्ध हरतालमरो हंगर इरनौ निर्गुंडी सोंठि मरिच पीपरि सुहा
ग विष सर्वसमलेइ पहिलपारेगंधककीकजरीकरैतवसवऔषदेचूर्णकरिमिलाइदेइनिर्गुंडीकेरससैघौटैदिन१ मुंडीकेरससौ
घौटैदिन१ दोइदोइरतीकीगोलीवांधिराषै वाइसुरहीगुरिचदेवदारसौंठी अंउजर इनकोकाढोकरिगुग्गलघोरिपिआवै प्रथमएक
गोलीषाइपाछेकाढोपिवैवातरोगसर्वदूरिहोइ अथइंशयटोलीरससंग्रहरणपादै कौडीभस्म सोंठि मरिच पीपरि सुहागा विष गं
धक शुद्धपारो सर्वसमलेइपारेगंधककीकजरीकरैसवऔषदेचूर्णकरि एकत्रजंभीरीकेरससैघौटैदिन१मासोभरिषाइमरिचघीउ

के साथ ग्रहरणीजाइ पथ्य मठाभातषाइ अथविविक्रमोरसः अस्याविदो तंमौमेरो पैसा दोभर१ छेरी कौ दूधपैसादोभर१ दोऊमि
लाइकै कराहीमे राषेत रैआचकैरजवदूधजरिजात्तवदोपैसाभरपारो दोपैसाभरिगंधककजरीकैरताम्रभस्ममैमिलावैएकदिननि
र्गुंडीकेरससेघोटेगोलाकरिकैसुषैकेसरावसंपुटमेराषेतीनकपरौटीकैरैएकहांडीमेआधीवारूनरैआधीवारूऊपरवीचमेसंपुटरा
षेएकपहरआचदेइ दोरतीभरिषाइ ऊपरतेविजौरेकीजरआधेलाभरिपानीमेवाटिपिवैएकमहीनामेपथरीदूरिहोइ अन्य म
जीठ ककरीकेवीजाकीवीजी ओरेसोप ईगुर गंधक मनसिलशुद्ध हरएकतोला तोलाभरिलेइ सवचूर्णएकत्रकरिघोटेपहर१
मधुसैटंक१षाइपथरीगिरपरैअनुभूतहै अथमहातालेश्वरोरसः हरतालशुद्ध सोनामाषीशुद्ध मनसिलशुद्ध पारोशुद्ध सैंधौ
नोन सुहागा समलेइ तोलाएकएक गंधकशुद्धतोला२ताम्रभस्मतोला२सवएकत्रचूर्णकरिजंभीरीकेरससेघोटेदिन५संपुटकरिभूध
रजंत्रकीआचदेइएहीप्रकारजंभीरीकेरससेघोटिघोटिछैआचदेइभूधरजंत्रसेतव मरैतांमो २लोहभस्म४मिलाइकेजंभीरी
केरससेघोटेदिन१लघुपुटआचदेइतवसवऔषदकेतीसहेअंसविषलइचूर्णकरिऔषदमेडारिसवएकत्रघोटेपहर१तवसिद्धहोइ
भैसकोघीउमेषाइमासे२मधुघीउवकुचीकोचूर्ण१२षाइसर्वकुष्टदूरिहोइ अथकुष्टकुठारोरसः पारदभस्म गंधकशुद्ध मरोलोह
ताम्रभस्म गुग्गुल त्रिफला वकाइनकेवीजा चितावर शिलाजतु एसवसोरहसोरहटंकलेइ चूर्णकरे करंजवीजटंक६४ चूर्णकरि
मिलावैमरोअभ्रकटंक६४ मिलाइकेसवएकत्रकरिमधुघीउसेसानिचीकनेवासनमेधरिराषैदोटंकषाइ आधेलाभरिछिंहरा या रा०
३७

कीजरलेइपानीमैपीसिकेऊपरतेपिवै अथवामूतवासेषाइ अथवाधनसैषाइ अथवामिश्रीसेषाइ भोजनअकेलोभातषाउसेषा
इ अथवापानीसेषाइसवरक्तविकारदूरिहोइ श्वित्रकिलासदूरिहोइमताकुष्टजवमेदस्थानमेजातहैतवगलतकुष्टहोतहैगलतकुष्टसे
हाथपाउगिरपरतहैसर्वकुष्टदूरिहोइगलतकुष्टदूरिहोइ अथउदियादित्योरसः शुद्धपारोपैसा१भरिसोधागंधकपैसादोभर१
दोऊमिलाइकजरीकरैदिन१ग्वारिकेरससौघोटेएक२गोलाकरै तीनपैसाभरेकोएकतांमेकोपात्रवनावावे गोलाहांडीमेधरैतिहिके
ऊपरतामेकीकटोरीऔंधाइदेइअरुआसपासराषभरैकटोरीकेऊपरगोवरदेइहांडीचूल्हेपरराषिकैदोपहरतेजआचदेइगोवर
परथोरोथोरोपानीहरघरीडारतजाइ दोपहरउपरांतजवस्वांगशीतलहोइतवकटोरीनिकासिकेपीसपाछैसवएकदिनघोटे
कठऊमरकेकाढैसे चितावरकेकाढेसे त्रिफलाकेकाढेसेकिरवारकेकाढेसेवाइविडंगकेकाढेसे वकुचीकेकाढेसे तवसिद्धहोइ दोर
तीभरिषाइ ऊपरतेमंजिष्ठादिकाढोपिवै ग्यारहभांतिकेकुष्टदूरिहोइ अरुश्वित्रकिलासकुष्टएदोऊदूरिहोइ अथसर्वेश्वरो
रसः रक्तस्वेतकुष्टे शुद्धपारो४ शुद्धगंधक४ ताम्रभस्म१ मरोअभ्रक१ लोहभस्म१ ईगुर१ सोनोमरो१ रूपोमरो१ ११ही
रामासे१ हरतालकोसत्व२ पारोगंधकएकपहरघोटिकजरीकरैतवसवमिलाइकेएकत्रघोटै गंभीरी धतूरो रूसो सेहुड दूध
नै आकदूध वकाइन कैर ३ नसवकेरससेएकदिनघोटैगोलाकरि कमिलाइदेइ दोरतीमधुसेषाइसुप्तिकलेवहिरी मंड
लकुष्टदूरिहोइ वकुची देवदार चूर्णकरि१२ अंउकेतेलसेचाटिजाइ अथसर्गासीरीरसः वारहसेरगाइकेमठालेइतिहि

२१

मेंदसोपेसाभरिवोषकीगाढेडारिदेइग्ररुग्राचंदेइजव ग्राधपाउमटारहिजाइतवमढोसेनिकासिकेवारेसेरगाइको
दूधमेंपचावेजवइधपचिजाइ तवदूधसेनिकासिकेपानीमेंधोवेघाममेंसुषाइकेचूरनकरेचारिपेसाभरिसमिरिचचूर्णकरि
दोऊएकत्रकरेतवदोयेसाभरिहिंगुरकोपारोडारिकेदोदिनघोटेतवएकटंकक्रमतेदेइवरिरीकुष्टदूरिहोइजेसेसिंलएषु
कल अरुपरसिमृगजेहेवांदरअरुवनविलारइनकोमारतहे तेसेयहरसवहिरीकुष्टकोनासकरतहे अथमेहवज्रोरसः
पारदभस्म सारभस्म कांतभस्म सिलाजतु सोनामाषीशुद्ध मनसिलशुद्ध सोंठि मरिच पीपरि त्रिफला वेरकीविजीके
ष हरद सवचूर्णकरिकेसमलेइघमराकेरसकीभावनादेइ३सुषेसुषेकेतवमधुसेटंक१षाइप्रमेहदूरिहोइ वकाइन
केवीजाटंक६चाउरकोधोवन१धीउ१२ एकत्रकरिपिवेप्रमेहदूरहतदिननकोदूरहोइ अथप्रमेहचिकित्सा
चारिरतीभरमरोअभ्रक दोरतीचंद्रोदय दोऊमिलाइकेषाइमधुसेचाटिजाइ सर्वप्रमेह दूरिहोइ अन्य चारिर
तीवंग दोरतीचंद्रोदयमधुसेषाइप्रमेहदूरिहोइ अथचंद्रकलारसप्रमेहे लाइचीगुजराती कोचूर्ण कपूर
मिश्री आवरेकोचूर्ण जाइफरकोचूर्ण गुरषरूकोचूर्ण सेमरकीजरकोचूर्ण पारदभस्म वंगभस्म सववराव
रलेइ गुरिचकेकाढेसे सेमरकीजरकेकाढेसे एकएकदिन घोटेतवसिद्धहोइ दोमासेषाइमधुसेसर्वप्रमेह
दूरिहोइ अथमहाचंद्रकलारसप्रमेहादो पारोशुद्धतोला१तांमोमारोतोला१अभ्रकमारोतोला१गंधकशुद्धतोला२ रा० ३८

पारोगंधककीकजरीकरेतवतांमोअभ्रकमिलावेमोथाकेकाढेसेअनारकेरससेकेवरेफूलकेरससे सहद
इकेरससे ग्वारिकेरससे पित्तपापरेकेकाढासे षसकेकाढेसे मूसरीकेकाढेसे सतावरिकेरससे इनसेए
कदिनघोटे कटुकीचूर्ण गुरिचसत्व पित्तपापरेकोचूर्ण षसकोचूर्ण पीपरिचूर्ण असगंधचूर्ण कारीगुरीसर
कोचूर्ण एकएकतोलालेइ ओहीमेंमिलाइदेइ मुनक्काद्राषकेकाढेसे सातवेरघोटेचनावरावरगोलीवांधिछा
हमेंसुषेकेधरिराखे एकएकगोलीषाइ अम्लपित्तप्रदरदाहमूर्छारक्तपित्त पित्तज्वरमूत्रकृछ्रअसाध्यप्रमेहइ
नसवकोदूरिकरे अथमृत्युंजयरसःप्रमेहे सोनोमारोभाग१रूपोमारोभाग१हीरामारोभाग१मूसरीकेकाढेसे
मूसाकर्णीकेरससे विजोरेकेरससे केराकीजरकेरससे करेछकेरससे एकएकदिनघोटेतवमृत्युंजयसिद्ध
व होइ उरदवरावरषाइऊपरतेमठापिवे यहमृत्युंजयरससवरोगदूरिकरतहे मिथ्याहारविहारविहारसेकुपितजो
हेदोषतिनितेउत्पन्नजेहे सवविकारतिनकहदूरिकरे क्षयीवीसभांतिकेप्रमेह जीर्णज्वर अतीसार संग्रहणी
वहुमूत्रता इनकहदूरिकरे उदार अरु अपमृत्युकोदूरिकरे अरुइहकेसेवनतेवज्रदेहीहोतहे अरुइहकेषाये
सेसोस्त्रीभोग्यकरे अरुइहकेषाएसेसुक्रक्षयनहोइ नामर्दतेमर्दहोइलिंगठाढोरहे स्त्रीकोप्रियहोइ कुंदन

कैसो रग सरीरहोइ बुद्धिवडी होइ धारणा शक्तिवढतहोइ जलदी घोरे कैसी होइ आषमोरकैसी होइ कानबारा
हकेसे होइ औसो सुंदर होइ मानो इस रो कामदेव मानिनी के मानकहइ रिकरतहै धानके चाउर गोदुग्ध चिनी षांड जं
गलीजनाउरको मास रोटी पुरी कचौरी केराकेफल कठहर छुहारे नारियर को षोपरा औरमधुरवस्तु सवएकव
र्षलों षाइ एकवर्षसेवनकरे अथत्रैलोक्यमोहनरसः प्रमेह पारोशुद्ध गंधकशुद्ध वंगभस्म सिलाजतु मोती
सर्वसमलेइ पारेगंधककीकजरीकरे मोतीचूर्ण सवमिलाइके एकदिनसूषो घोटे तव पाषानभेदके काढे से ग्वारि
के रससे मूर्वारससे काढेसे गुरिचके काढेसे त्रिफलाके काढेसे एकएकदिन घोटे घाममेसुषवैके चकी कूपीमे
भरिके उरदकी धोस अरु विषचूर्णयानीमे वाटिते हि कल्कसे सिसी को मुहमूंदे सिसीके ऊपर कपरोटी करि देइ
वालुकाजंत्रमे चारिपहरपचावे स्वांग सीतल करिके निकासिलेइ वो व चिनी के चूर्ण एक उरद बराबर सो षा घा
इ रत्ती एक पानमे धरिके प्रमेह हरि होइ अथवन्हिनामोरसः उदर पारोशुद्ध भाग ४ गंधकशुद्ध भाग ८ हरड विफ दु
ला हरर एकएक दोदो भागलेइ निसोत अजेपाल चितावर तीनतीनभाग सोठि मरिच पीपरि वडीदतोन दोऊ
जीर एकएक आठआठभाग पारेगंधककी कजरीकरे औरसव चूर्णकरिएकत्र मिलाइके रस्नीके रससे काढे रा०
३९

से थूहरके दूधकी धमरारसकी चितावरकेकाढाकी अंडीकेतेलकी सातसातभावनादेइ सिद्धहोइ ताते यानी मे पिये
मासे ४ विरेचनहोइ साऊ केमठा भात्तसे धोनोनषाइ शीतलपानी नपिवै येसर्वउदरव्याधि हरिहोइ मठवात हरि होइ अ
थविद्याधरोरसः गंधकशुद्ध हरतालशुद्ध सोनामाषीशुद्ध तामोमारो मनसिलशुद्ध पारोशुद्ध सवसमलेइ पारेगं
धककी कजरी करे सवएकत्रकरि थीपरिके काढे की थूहरके दूधकी भावनादेइ दिनएकएक तव दो मासे मधुसै षाइ
गुल्म प्लीहजारगोमूत्र पिये अथत्रिलोचनोनामरसः अथसूलस्य चिकित्सा सुहाग हरिणाकोसींग सुवर्णभस्म
ताम्रभस्म पारदभस्मसमलेइ आदेकेरससे घोटे दिन संपुटमे धरि लघुपुट आंचदेइ मधुघीउसे एकमासो षाइसे धोजीरहींगम
धुघीउ चाटिजाइ पक्तिशूल हरि होइ अथसूलगजकेसरीरसः पारोशुद्ध पैसाभरि गंधकशुद्ध दोयेसाभरि कजरीकरे तामे कोड वाती
नपैसाभरे कोन्हावे ते हिमे यह कजरी राषे ऊपरके पलासे ढापिलेइ एक कपरोटी करै एक हांडीमे आधी नोन तरे राषे आधी नोन ऊपर
राषे वीचमे वाराषे हांडी को मुहपारे से मूंदिके सवहांडीमे तीनकप रोटी करै गजपुटकी आंचदेइ जव सीतल होइ तव उवानि कासिके मि
ही पीसे दोरत्ती भरि पानके साथ षाइ ऊपर तेरोंग भूजी सोठि जीर वच मरिच वरावरलेइ चूर्णकरि एकषदाम भरि गरम पानी से
षाइ असाध्य सूलहरि होइ अन्य चालीसयेसाभरि तोमेकेपत्र सोधे दशयेसाभरि शुद्धपारो पहिलतामेके पत्रनको अगूठाके
नखवरावर कतरैति हिमे पारो मिलाइकेकागदीनीवूकेरससे चारियहर घोटे राति के आहीरसमे रहनदेइ विताने रात को रसनिका

सा॰रसं॰ ४०

सिडोरे औरतवैयारसनिंबूकोडोरेषे रिचारपहरदिनघोटेरा तिरहनदेइप्रातकालरसनिकासिडोरे एहीभांतितीनदिनकरैजेहतेतोमे
कीजेगालनिकसिजाइतववीसपैसाभरिसोधागंधकलेइपीसिकै एकहांडीमेआधोतेरेराषे अरुआधीऊपरराषेवीचेसवतोमेकैपत्र
राषेएकथारेहांडीकोमुखमूंदेहांडीअरुपरईकीदर्जमेमाटीलगावेभलीभांति तीनकपरोटीथारेकेऊपरकेरेअरुतीनकपरोटीहांडीके
तरेकरेघाममेसुषेकेचूल्हेपरचढाइदेइतीनघरीमंद आचकेरेपाक्षेलकरीअचिकेकोरलाइहनदेइजवकोरलाअरुहांडीआपु
तरेकरेघाममेसुषेकेचूल्हेपरचढाइदेइतीनघरीमंद मिहीपीसतीनभागकरे एकभागलेइगोमूत्रमे घोटेवीसवारऔरगोमूत्र डारि
सेसीतलहोइतवहांडीफारिकेतामेनिकासिलेइ मिहीपीसतीनभागकरे एकभागलेइगोमूत्रमे घोटेवीसवारऔरगोमूत्र डारि
केकरहीमेराषिकेपकाइलेइघरीएकआचकरेजवलोसूषिजाइयरंतुअग्निमंददेइ रहिकेषाएसेविरकहोइ कृमिहूरिहो
इ पेटकोमलहूरिहोइ सीतलउपचारनकरे सीतलउपचारसेकारनहीहोतिहेतेहितेगरमपानीपिवेवीरावाइ आहीतोभे
कोदूसरोभागलेइदशवारगाइकेदूधसेघोटे दशवारनारिअरकेपानीसेघोटे पाछेकराहीमे डारिकेछन एकआचदेइकेर
ससुषेलेइ यहरसकोनामगोर्य्यरस सूलहूरिहोइ नाभिशूल कुषसूल कानसूल आवसूल मुखपाकपांडुरोगमुखरोग वातपि
त्तज्वर नित्यज्वर संनिपातज्वर षांसी कृमिएसवदूरिहोइ भूषवढावे फेरितीसरोभागआहीलेइ कठूमरिकीजरकेवकला
केरससेघोटेवीसवार पानमेधरिकेतीनरतीषाइ वांतिहोइसवदोषविसूचिका अम्लपित्तकोवोफसवदूरिहोइ भूषलगेर सूल
हिकोनामउदयभास्कर रहैनषाइनोनतीक्ष्णवस्तु औठाइल करदीनषाइ अथसूलहरः विषशुद्धमरिच पीपरिसो रा॰
४०

ठि सेंधोनोन समलेइसर्वचूर्णकरिघमराकेरससे एकदिनघोटेदोरतीभरिखाइसूलदूरिहोइ अथआदित्यवटी सो
ठि जीरे विष मरिच वचहींग समलेइवाटिचूर्णकरिघमराकेरससेघोटिचनाप्रमानगोलीखाइसूलवातमेदाग्निजाइ
अथसूलसूदनः गंधकशुद्ध१ ताम्रभस्म१ इमिलीकोषारवनायोटका१ एकत्रकरि सो हींग तालवृषारकेवीजा मरिचसो
परइनकेजोगसेषाइटंक॥ सूलजाइपरिणामसूलजाइमावाइहकीदोमासेकीरे अथवातीनमासेकी अथपरिणामशूले
लोहभस्म हरडपीपरि सोठि वरावरलेइवाटिचूर्णकरे वारमासेओषदनकोचूर्णलेइदोरतीसारमिलाइकेमधु घीउसेचाटे
महीनाएकसेवनकरे परिणामसूलजाइ अथान्नद्रवसूलरक्तपित्तस्यचिकित्सा अन्नद्रवनामासूलमताउश्चिकित्स्यते
अन्नद्रवकरभेदकोऊवेघनहीजानतहे अन्नद्रवशूलकोअरुअम्लपित्तकोएकैलक्षराहे इनदुनोकोतफावतकोऊनाहीजा
नतु धोषेसेअन्नद्रवसूलमेअम्लपित्तकीचिकित्साकरतहे तेहितेअन्नद्रवशूलवालामरतहे तेहतेअन्नद्रवशूलकरचि
कित्सानकरेतोवहअसाध्यहोइ अन्नद्रवशूलमेआरामनाहीहोतहे आरामतवहोइजवकरयोपियदोषदूहोवांतिहोइ अन्न
षायेउपरांतमेपुरराहोतहेतवअन्नओकिडारतहे अरुयेहीलक्षराअम्लपित्तमेहोतहे अन्नगिरपरतहेतवशूलहूदूरिहो
जातहे परंतअन्नद्रवसूलमेहृदयअरुकंठमेदाहनाहीहोतहे अम्लपित्तमेहृदयकंठमेदाहहोतहे एहीतफावत तेहतेअ
न्नद्रवशूलमेअैसो जलकरैजेहतेपित्तांतवमनहोइअरुकोफांतविरेचनहोइजवमनविनदेइतोऔरचिकित्साकरेसोचि

कित्सायहहै गुडयेसा २ दोभरि आवरेको चूर्णपिसादो २ भरि हरर कौ चूर्णपिसादोभरि अरु छैयेसाभरि किटीसारविधिपू
र्वककवनायो सवएकत्रकरिकै घोटै पहरएक अधेलाभरिलेइ मधुघीउसे चाटै कछु भोजनकेपहिले चाटै कछु भोजनकेमध्यमे
चाटै कछुभोजनकेअंतमे चाटै तो अन्नद्रवशूल अरु जरत्पित्तशूल अरु असाध्य अम्लपित्तको शूल अरु परिणामशूल बहु
तवरसनको हरितोर अन्नद्रवसूलमे अरु जरत्पित्तशूलमे भोजनको उदरकेकोष्ठदेइ नोनमिलाइकै रतिगुडमंडूरं अन्य चा
रिमासे आवरेको चूर्ण चारिरती सारमिलाइकै मधुसे चाटै जो सारनयेदाहोइ तो चारिमासभरिजाटैको चूर्णमिलाइकै मधुसेचा
टैपथ्यकोष्ठनोनडारिकै तिलकोतेलमेसेकै घीउसे षाइ अथवा समाकोभात षाइ कोदोकी षीरकगुनीकी षीरखाडचिनीडारि
कैषाइ अथवाजवाकोसतुवा लावाकोसतुवा अथवा गोलमटरकोसतुवा चिनीषाडसे षाइ अथवा गुरडोरपुआषाइ तरका
की रीसूरनैषाइ कुम्हडा महेरो दही गोहूकेमाडघीउसे अथवा दूधसे चिनीषाडसे षाइ पित्तके विदग्धभयेसे जो शूलहोइ सो जरत्पि
त्तकहावावै सोजरत्पित्तशूल अन्नद्रवशूलसे उत्पन्नहोतहै अन्नद्रवशूलविषे वमनकेनिमित्त उदयभास्कर नामतामेश्वर जो
पहिलेकहैहै कठऊमरिकेरसको घोटी तीनरती भरिदेइ पानसे विरेकनिमित्त जोतामेश्वर गोमूत्रसे घोटी है सो तीनरती भरि देइ
जवकार होनलगे तव शीतलपानी नपिवै अथवा विरेकनिमित्त एकरती नाराचदेइ शीतलपानीसे यहकरते अन्नद्रवकोरसू
लदूरिहोइ अरु औरसूल दूरिहोइ आध्मानप्रत्याध्मान अनाह दूरिहोइ उदावर्त गुल्म सूल जलंधर दूरिहोइ जवबेगरहिजा रा०
४१

रतवचिनीषाडदहीभात षाइ अन्यविरेचन हरर किरवारो दातौन कीजरिकेबकला अधरा कडुकी यूहर निसोत मोथा त
रएकदोइ दोइ पैसाभरिलेइ सवएकत्र कूटिकै छैसेरपानीमे औटावै जव तीनपाउपानीरहै तव मलिकै छानिलेइ तेहिपानीमे चालीस
मासेभरि अजैपारकेवीजावकलीइ रिकरिकै मिहीकपरामेवाधै धीमीआचदेइ उसेवुलेइ जव पानीगाढोहोइ तवउतारिलेइ अ
जैपारकुपरासेषोलिलेइ औ हीगाढे पानीरहनदेइ एकयहरषल्लमे घोटै जव वीजाइल्लहोइजाइ तव पंद्रमासेसोहिचू
र्णकरिडारे फेरियहरभरिघोटै तिहिउपरांतपाछेदशमासेमरिचचूर्णकरिडारे फेरिपहरभरघोटै तेहिउपरांत सोधोपारोदश
मासे सोधोगंधकदसमासे कजरीकरिकै औहीरसमेडारिदेइ दोपहर घोटै जवगाढोहोइ तवरती रतीभरेकी गोलीवाधै य
हरसषेजेहिकेपेटमे आंउ सोजारसेवगिरेइ दूरिहोइ अथवापुनर्नवादिकाथसेजातहै वुलहोइ अरु आंउकी अधिकारसे
जिहिकीदेहमे सर्वदा सो यरहै आंउकी अधिकारशोथको कारनहै सो सोथइ हिरससे दूरिहोइ सोयजनकजो है आंउ सो जार
सेवगिरेइ दूरिहोतहै अथवा पुनर्नवादिकाथसेजातहै अथवा नवायसचूर्णसे जातहै अथवा उस्नीकेदूधसेजातहै पा
चनऔषदसे सोयजनकआंउनाहीजातहै रतिनाराचरसः अथअग्नितुंडीवटी पारोशुद्ध विषशुद्ध गंधकशुद्ध अजमोद
त्रिफला साजीषार जवाषार चितउर सैधोनोन औरे सोचर वाइविडंग समुद्रनोन सोहिपीपरि मरिच समलेइ व
कारनकेवीजाघीउमे भूंजे सवकी वरावरलेइ पारेगंधककी कजरीकरै सवऔषदै चूर्णकरिएकत्र मिलाइकै जंभीरीनीवू

रससे घोटै मरिच मरिच सी गोली करै एक गोली षाइ अग्निमांद्य दूरि होइ अथ अजीर्णकंटकरसः शुद्धपा
रो विषशुद्ध गंधकशुद्ध समले‍इ मरिच सबकी बराबर लेइ पारे गंधक की कजरी करै विष मरिच चूर्ण करि एकत्र क
रिकै कटाई के फल के रस से घोटै एक इस भावना देइ तीन रती की गोली बाधै षाइ सर्व अजीर्ण जाइ विसूचिका जाइ
अथ मंथानभैरवो रसः पारदभस्म ताम्रभस्म हींग पुतकरमूल सेंधौ गंधक हरताल कटुकी सब सम लेइ चूर्ण एक
रिकै पथरसगा देवदाली निर्गुंडी चौरई करईतुरैया इनके रससे एक एक दिन घोटै यह रसो मधु से देइ कफ रोग
दूरि होइ सर्व नीम को काढो पिवै ऊपर तै अथ वातनाशनो रसः पारदभस्म स्वर्णभस्म हीराभस्म ताम्रभस्म
लोहभस्म सोनामाषी मरी हरताल मरी नीलांजन शुद्ध हरियाथू घोसद्ध अफीम पाचो नोन सर्व सम लेइ एकत्र करि
एक पहर घोटै थूहर के दूध से घोटै दिन संपुट मे धरि कै धरजंत्र की आच देइ उरद बराबर आदे के रस से षाइ वात दू
रि होइ पीपरामूल को काढो पीय रिडारि पिवै सर्व वात विकार आक्षेपक आदि दै सर्व दूरि होइ अथ कनकसुंदरो
रसः संनिपाते सुवर्णभस्म भाग ८ पारदभस्म भाग १२ गंधक भाग १५ ताम्रभस्म २ अभ्रक ४ सोनामाषी २ बंग २
सौवीर ३ लोहभस्म ८ विष ३ लांगली ८ सब एकत्र करि निंबुरस से एक दिन घोटै मृडपुट आच देइ सूक्ष्म लेइ एक
मासे भर रस लेइ लहसन के रस से आदे के रस से देइ संनिपात दूरि होइ किलास सर्व कुष्ट विसर्प भगंदर ज्वर रा० ४२

अजीर्ण सर्व रोग जाइ अथ संनिपातभैरवो रसः पारो शुद्ध गंधक शुद्ध तीन तीन अधेला भरि लेइ कजरी करै रूपो
मारो अभ्रक तांबो बंग सीसो लोह ए सब अधेला अधेला भरि एकत्र करि सुहजनो ज्वालामुखी सोढि वेल चौर
ई एक एक के रस से एक एक पहर घोटि गोला करै गोला के ऊपर कपरा लपेटै ऊपर कपरौटी करि देइ सुषै कै कांच की सिसी
मे धरै सिसी के ऊपर कपरौटी करि कै बालुका जंत्र की आच देइ पहर ८ अथ वा हांडी मे नोन भरै बीच मे सिसी राषै दोपह
र आच देइ तब निकासि कै गोला का हपी सेते तिमे मूगा को चूर्ण अधेला भरि विष को चूर्ण मासे ४ डारि कै एकत्र करि कारे सा
प के विष की दो भावना देइ तबतगर मूसरी जटामासी चोष अम्लवेतस पीपरि लील पत्रज लाइ षी चितावर कठसे
रूवा सोफ देवदाली धतूरौ अगस्तिया मुंडी महुवा चमेली मैनहर इनके रससे घोटै एक एक वार तब सुषै कै धरि
राषै विजैभैरवो रस आदे को रस मरिच १६ इनके साथ दोइ रती रस देइ संनिपात दूरि होइ अथ सन्निपातभैरव द्वितीयः
पारो गंधक ६ गुर सम लेइ पारे गंधक की कजरी करै त्रिकटु सम एकत्र करि कोरे धतूरे के रस की भावना ७ भांग के रस की भावना ७ दे
इ घोटि घोटि कै तब यह कल्क एक हांडी के भीतर समझौ लेप करि देइ विष को चूर्ण सम लेइ सो एक हांडी मे धरै विष वाली हांडी नी
चे राषै अरु कल्क वाली हांडी ऊपर तै औधी धरि देइ दोउ को मुह मिलाइ कै दर्ज मे माटी लगाइ कै कपरौटी करि देइ मुहहांडी कै भली भांति
मूदे चूल्हे पर चढाइ कै आच देइ विष को धुवा होइ तब सिद्ध होइ रस निकासि लेइ एक तिल बराबर रस लेइ मधु से देइ संनिपात दूरि होइ ता‍–

सारसं०
४३

पकैहैगरमीहोइतौसीतलजलसैसींचैभूषलोइतौदहीभातदेइ इतिसंनिपातभैरव अथमृतसंजीवनोरसः पारोशुद्धभाग२गं
धकशुद्ध१ कजरीकरै पारेतैचौथाईविष सवकीवरावरमरीचतौमो एकत्रकरिधतूरेकेरससैघोटैपहर१ सर्पाक्षीकेरससैपहर१तव
धवईकेफूल अतीस मोथा सोठि वारो वीजो अजवाइन धना वेल पाठ हरर पीपरि कुरैकीछालि इंद्रजौ कैथ इनिमा एसवअध
ला अधलाभरिलेइकूटि चतुर्गुनेपानीमेकाथकरैजवचतुर्थांशरहैमलिकैछानिलेइतिहिसैघोटैदिन३तवएकगोलाकरिसंपुटमेधरै
वालुकाजंत्रमेआचदेइप्रहरएकमंदआचजेहितेरससूषिजाइसिवाइआंचनलगै याहिरितीयहरससेदेइ अनूपान धवईकेफूल सोठि
अतीस देवदार मोथा वच पीपरि अजवाइन वारो धना कुरो हरर इंद्रजौ वेल पाठ मोचरस समलेइ चूर्णकरिमधुसेदेइ१० अ
तीसारसर्व असाध्यातीसारइनितेहोइगुनवहुतकरे अथग्रहणीकपाटः रूपैमारो मोतीसोनो लोहसार एकएकभाग गंधक
भाग२पारोभाग३ एकत्रकरिकैथकेरससेघोटैजवगाढोहोइतवमृगाकेसींगमेभरैमध्यपुटमेपकावैतवनिकासिकै वरियारीके
रससेघोटैवार७ अफीमकेरससैतीनवारघोटै लोध अतीस मोथा धवइ इंद्रजौ गुरिच इनसेएकएककेतीनतीनवेरघोटैसिद्ध
होइउरदवरावरदेइमधुमीरचसे सर्वअतीसारग्रहणीजाइअग्निदीपनहोइ ॥अथग्रहणीवज्रकपाटः॥ पारोमरो अभ्रक गंधक
शुद्ध जवाषार सुहागा इसी वच समलेइएकत्रकरिइनीजंभीरी घमरा इनकेरससेएकएकदिनघोटैगोला करिकैसुषैकैलोहकीक
राहीमेधरैऊपरसरवासेमूंदिकैनीचेमंददीपकआचकरैघरी२तवनिकासिलेइतवपारेकीवरावरअतीसचूर्णकरिडारैअरणीकी रा०
४३

वरावरमोचरसडारै तवकैथकेरसकीभांगकेरसकीसातसातभावनादेइ धवई इंद्रजौ मोथा लोध वेल गुरिच इनकेरसकीभाव
२ नाएकएककेइसुषैसुषैतवसिद्धहोइ चारिमासेमधुसेषाइ ऊपरते चितावर सोठ विउनोन वेल सेंधो चूर्णकरितानेपानीसेपिअैस
वग्रहणीजाइ ॥ अथमदनकामदेवोरसः॥ रूपो१हीरा२ सोनो३तांमो४पारो५गंधक६लोह७ एसवमरेलेइएकत्रकरिग्वारि
केरससेघोटिकाचकीकुपीमेधरिकैमुद्राकरि एकहांडीमेसेंधोनोनभरैतिहिमेसीसीधरैहांडीकोमुखमूंदिचूल्हेपरचढाइदेइमंद
मंदआंचदेइदिन१स्वांगसीतलहोइतवनिकासिलेइचूर्णकरिआककेदूधकीभावनादेइ असगंधकी काकोली कैरै छमूसरी तालमु
षारो इनकेरससेतीनतीनवेरभावनादेइ सतावररसकीभावनाकमलकेकंदकेरसकी कसेरूरससे कौंचकेरससे भावनादेइ कस्तू
री त्रिकुट कपूर कंकोल लाइची लौंग सवरसजितनोहैतेहिकेआठे अंसइनसवनकोचूर्णमिश्रितकरिदेइसवकीवरावरषांडमि
लाइकैमासे४ गारकेदूध२भेपिअैमधुरसमधुरभोजनकरै वलहोइतेजहोइवहुतस्त्रीभोगकरैवीर्जहोइसुंदरहोइ अथकामे
श्वरोरसः अभ्रकभाग४लोहमरोभाग२तांमोमरोलोहतैआधो पारोभाग७गंधकसवकीवरावर एकत्रकरिकाचकीकुपीमे
भरै वालुकाजंत्रकीआंचदेइपहर१२ स्वांगशीतलहोइतवनिकासिलेइ ए करतीषाइसोस्त्रीभोग्यकरैपुष्टिहोइवलहोइ ॥इति
सारंगधरायतरसः॥ ॥अथरससंजरीतेरसलिख्यते अथरत्नगर्भपोटलीरसः पारोमरो हीरामरो सुवर्णभस्म रूपोमारो लो
हमारो तांमोमरो मोती मानिक मूंगा शेष सर्वसमलेइएकत्रकरिचितावरकेरससैघोटै कौडिनमेभरै सुहागा आककेदूधसेपी

सिके कौ दिनकौ भुरभूरै सब कौडी हांडीमै धरि संपुटकरि गजपुट आंच देइ सीतलहोइ तब निकासिकै पीसि निर्गुंडी रसकी भावना
देइ आदेकेरसकी भावना ३ सुषैकै चारिरती देइ क्षयी रोग साध्य होइ अथवा असाध्य होइ सो हरि होइ मधु पीपरि घीउ मरिच से
देइ आठमहा रोग जाइ कास स्वास ज्वर अती सार सर्व हरि होइ ॥ अथ रत्नगिरिरसः ॥ सुद्ध पारो शुद्ध गंधक सोनामरो अभ्र
लोह कसमलेइ मरौ पारो तेआधो लोह तेआधो मारो वैक्रांत लेइ पारे गंधककी कजरी करै सब एकत्र करि लोहकी कछुली मैं घी
रिक घीउ डारिकै तिहिमै औषद डारिकै आगपर गरम करै जब गंधक पिघलै तब केराके पात पर डारिकै फैलाइ देइ ऊपर औरकेरा
को पात धरि देइ तेहि के ऊपर गोवर धरि देइ असज वपहिलो पात धरै तव पहिल गोवर धरै तिहिके ऊपर केला को पात धरै पर्पटी हो
इ तब वह पर्पटी पीसै सुतजनो रूसो निर्गुंडी चिताउर घमरा भुंडी हरसी अगस्तिया ब्रेसी ग्वारि एकएकरसकी तीनतीन
भावना देइ संपुटमै धरिकै लघुपुट मै धरजंत्र से आंच देइ रसि द्धि होइ उरद बराबर रस पीपरि धनाके जोग सै देइ एकमहूर्त मै ज्वर
हरि होइ यह रस जोगवाही है जैसे जोग से देइ तै सो गुन करै सर्व रोग पर चलत है ॥ अथ हिंगुलेश्वररसः ॥ पीपरि ईंगुर
विष सम लेइ दोरती देइ मधु सेवात ताप हरि होइ ॥ अथ सीतारिरसः ॥ पारो शुद्ध सुहाग गंधक शुद्ध सम लेइ पारे गंधक
की कजरी करै पारे तेदूनै अजैपाल शुद्ध सेधो मरिच इमिली षइकी भस्म षाउ एकएक पारेकी बराबर लेइ एकत्र करि जंभी
री के रस से घोटै दोरती ताहे पानी से देइ वात श्लेष्म ज्वर जाइ सीत ज्वर जाइ ॥ अथ ज्वरराजरसः ॥ पारो शुद्ध भाग १ सोनामा रा० ४४

षीभाग १ मनसिल गंधक ३ हरताल १५ तांमो ५ भिलमा भाग ३ सब एकत्र चूर्ण करि थूहर के दूध मै घोरिकै माटी के वासन मै मुद्रा करिकै
चारि पहर आंच देइ स्वांग सीतल होइ तब निकासिकै पुनि घोटै चाररती पानके साय देइ अष्ट ज्वर हरि होइ यह रस प्रातकाल देइ प
थ्य मठा भात हरिया थूथे के साय देइ चातुर्थक ज्वर जाइ ॥ अथ शीतभंजीरसः ॥ पारो सुद्ध गंधक सुद्ध ईंगुर सम लेइ अजैपाल स
व की बराबर लेइ कजरी करिकै एकत्र करै आदे के रस से देइ रती २ नव ज्वर महा घोर थहर भरै मै हरि होइ षाउ दही भात पथ्य सीतल
पानी पिवै अमृत की दाइ ऊंषए हित है ॥ अथ नवज्वरेभसिंहः ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध लोह मरौ तांमो मरो सीसो मरो मरिच पीपरि
सोठि मात्रा सम लेइ विष आधो भाग सब एकत्र दो दिन घोटै आदे के साय दो रती देइ नवज्वर वात संग्रह णी सर्व रोग पर चलत है अ
नूपान से ॥ अथ मृतसंजीवनी रसः ॥ ईंगुर भाग ८ अजैपाल भाग ३ सुहाग भाग २ विष भाग १ सर्व एकत्र करि घोटै पहर एक आदे के
से रस सै सोमेद मरिच पीपरि चिताउर सेधो इनके चूर्ण संयुक्त देइ रती २ ज्वर सेनिपात त्रिदोष विषम ज्वर आमवात शूल गुल्म प्लीह
जलोदर शीत पूर्वक दाह पूर्वक विषम कैले कठिन ज्वर मंदाग्नि सर्व जाइ इरसरत्नाकर मै कहो है पथ्य चंदन लगावै कोसे के पात्र मै भोज
न करै मठा भात वेल संयुक्त मैथुन न करै ॥ अथ चंद्रसेखररसः ॥ पारो सुद्ध गंधक शुद्ध मरिच सुहाग सम लेइ कजरी करै सब की ब
राबर षाउ एकत्र करि मछरी के पित्त की भावना देइ दिन ३ घोटै दोरती आदे के रस से देइ कफ पित्त ज्वर हरि होइ तक भात भटा पथ्य सी
तल पानी पिवै रस देइ दिन ३ ॥ अथ मेरोदधिरसः ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध लोह विष तांमो अभ्रक समभाग लेइ पारे गंधक
सोनामाषी वंगभस्म ?

सारसं० ४५ कीकजरीकैरे त्रिकटु पत्रज मौथा विडंग नागकेसर रेणुका मूरा पीपरामूल ए सब दो दो २ भाग लेइ चूर्णकरि सब एकत्र मिलाइ के जल पीपरिके रसकी भावना देइ चनाप्रमान गोली वाधि राषे एक एक गोली षाइ स्वास कास अर्श भगंदर हद शूल पार्श्वशूल करणरोग कपालरोग संग्रहणी जठररोग आठ वीस भांतिके प्रमेह पथरी चार भांतिसर्व दूरि होइ पथ्य जो मनै लगै सो षाइ मैथुन न करै जैसी रुचि ... श्याली रातै सोतैसो आहारविहार करै नीकी होइ ॥अथचंद्रप्रभावटी॥ पारो मरो सोनो मरो तांमो मरो मात्रा सम लेइ बराबर षैरकौ सार त्रयामोचरस एकत्र करि सेमरकी

ना जरके रससे घोटै पहर २ चैप्रमान गोली वाधि राषे बारि मासे जीरे के साथ एक गोली षाइ त्रिदोष तै अती सार होइ ज्वर सहित सो दूरि होइ ॥

॥अथस्वासकुटीररसः॥ सुद्ध पारो सुद्ध गंधक सुहागा मनसिल विष अधेला अधेला भरि मरिच आठ अधेला भरि पारे गंधक की कजरीकैरे सब चूर्णकरि एकत्र मिलाइ घर लै आदे के रस सै दिन १ एक एक रती देइ कास स्वास मंदाग्नि सीत सर्व जाइ ॥अथमेघमंडलरसः॥ पारो गंधक समलेइ चौरइके रस से घोटि अध मूषा मे धरि स्निघर जंड की आचदे रेभ स्म होइ तव दशमूल के काढे से घोटै पहर २ दोरतीदेइ हिचकी स्वास ज्वार दूरि होइ अनूपान जैसो रोग ॥अथत्रिगुणाख्यरसः पारो सुद्ध गंधक सुद्ध मंद आच मे लोहे के वासन मे एक छन पकावै उतारि लेइ चूर्णकरि सब चूर्ण की बराबर हर्र चूर्णकरि मिलाइ देइ रसात रती षाइ एक एक रती बढावै इकइस रतीलौ दूधभात घीउ षाउ पथ्य के पवातजा इनिबति स्थल मैरहे वेहरन लगै तीन पषवारे मै नीक होइ ॥अथवातनाशनोरसः॥ पारदभस्म सोनो हीरा रूपो लोह सोनामाषी हरताल नीलांजन हरियाथूथो अफीम मात्रा समपाचो नोन एक भाग एकत्र रा० ४५

रिकै थूहरके दूधसै एक दिन घोटिके संपुट मे धरिके भूधरजंत्र मे पचावै एक उरद बराबर रस आदे के रस मै देइ बात दूरि होइ पीपरामूल कौ काढो पीपरि डारि पिवै सर्ववात विकार जाइ आक्षेपक आदि दै सर्व दूरि होइ ॥अथअम्लपित्तांतकरसः॥ मरो पारो मरो तांमो मरो लोह समलेइ सब की बराबर हर्र लेइ चूर्णकरि एकत्र धरि राषै ती नमासे मधु से षाइ अम्लपित्त शांत होइ ॥अथलीलाविलासोरसः॥ पारदभस्म ताम्रभस्म अभ्रक गंधक लोह समलेइ आवरे बहेरे के रस से घोटै दिन ३ घमरा रस से घोटै तब सिद्ध होइ छैरती देइ अनूपान दूध से कुम्हडा के रस से आवरे से आवरे से देइ अम्लपित्त जाइ मधु से देइ ॥अथचिंतामणिरसः॥ शुद्ध पारो शुद्ध गंधक तांमो मरो अभ्रक त्रिफला त्रिकटु जैपाल शुद्ध मात्रा समलेइ पारे गंधक की कजरी कैरे औषदे चूर्णकरि एकत्र मिलाइ के घरतै गूमी के रस की भावना देइ मुषै के अजीर्णज्वर आठ प्रकार सर्व सूल जाइ एक रती अथवा दो रती देइ तथा आमरोग जाइ ॥अथद्रवटीरसः॥ पारो मरो वंग मरो समलेइ कौरहा की छाल के रस से घोटै दिन १ शेमर के रस से दिन १ उरद बराबर गोली वाधै षाइ प्रमेह दूरि होइ मधु प्रमेह दूरि होइ ॥अथरसेंद्रमंगलोरसः॥ हरताल के सत ताम्रभस्म लोहभस्म पारदभस्म अभ्रकभस्म सोनामाषी मारी गंधक शुद्ध हरियाथूथो सुद्ध मनसिल शुद्ध सौवीरांजन शुद्ध कासीस सुद्ध नीलांजन भिलमा सिलाजीत आक की जर कौ वकला केरकोकंद चितावर अकोला की जर कौ वकला कारे धतूरे की जर वकुची के वीजा गेरू समद्र फल बोष अफीम प्रियंगु वकायन के वीजा लोहे कौ कीट विष सर्व समलेइ एकत्र चूर्णकरि भावना देइ घरले वसदंडी हरर सरफोका देवदाली लील देवदारु नीम बहेरो करंज घमरा षैर इमिली के फूल कठूमरि की जर सब रस की भावना देइ तीन तीन देइ के एक गोली चकती सीव

सारसं० ४६

नावेसुषैकेसंपुटमैधरिकैकपरोटीकरिकैएकवडीहांडीमैभसीभरिवीचमैसंपुटधरिकैवासनकौमुलमूंदैएकपहरअग्निमैप
चावैतवनिकासिलेइसिद्धहोइदोरतीषाइचित्रपुंडरीककुष्टदूरिहोइदोमासमैअपथ्यनदेइसर्वकुष्टजाइसूर्जकीभक्तिकैगुर
कीभक्तिकरै ॥अथपारिभद्रारव्योरसः मूर्छितपारो आंवरे नीमकेफल मात्रासमघैरकेकाढैसेएकदिनघोटैगोलीमासेचारिषाइ
ध दाउजाइकुष्टजाइ ॥अथराशीधररसः ॥ शुद्धपारो सुगंधक हरियाथूथोशुद्ध तांमोमरो समलेइपारेगंधककीकजरीकरैसव
कत्रमिलाइवकुचीकेकाढेसेघोटैदिन१गोलीवाधैरती४वकुचीकोतेल१२मधुरनकेसाथषाइकुष्टचित्रदूरिहोइ ॥अथस्वुतारि
रसः पारोशुद्ध गंधकशुद्ध त्रिफला घमरा वकुची भिलमा कारेतिल नीमवीज सर्वसमलेइपारेगंधककीकजरीकरै सवचूर्णकरि
एकत्रकरिघमराकेरसकीभावनादेइसुषैसुषैकेदिन७मधघीउसेषाइमासे४स्वेतकुष्टदूरिहोइ ॥अथमहारोद्रेश्वररसः॥
पारोशुद्ध गंधकशुद्ध कोंनी लोहमारो अभ्रकमारो मंडूर वकुचीकेवीजा हरद लसोरेकेवीजा विडंग निसोत चितउर घमरा
रसवश्री कारेतिल हरर सवसमानलेइ पारगंधककीकजरीकरैऔषदेचूर्णकरिएकत्रमिलाइदेइएकपहरघोटै मधुघीउसेषाइमा
से४सर्वकुष्टदूरिहोइ ॥अथरोद्ररसः शुद्धपारो सुद्धगंधक कजरीकरै पानकेरससेघोटैदिन१चोरईकेरससेदिन१पथरसग
केरससेदिन१गोमूत्रसेदिन१ पीपरिकेकाढेसेदिन१संपुटमैधरिकैवालुकाजंत्रमैपचावैमंदअांचमैपहर१मधुसेएकरतीषा
इअर्वुदरोगजाइ ॥अथअर्शकुठाररसः॥ शुद्धपारो१शुद्धगंधक२ताम्रभस्म लोहभस्म तीनतीनटकाभरिचिकट सा० ४६

लोगली दौतीनकीजर चिताउर कलूला दोदोटकाभर जवाषार सुहाग दोऊपाचटकाभर सेंधोपाचटकाभर गोमूत्रवतीसटका
भर थूहरकोदूधवतीसटकाभर मंदआंचमैमाटीकेवासनमैपचावैजवगाढोपिंडसोहोइजाइतववउतारिलेइ दोमासेषाइअर्शरोग
दूरिहोइ ॥ अथनित्योदितरसः॥ मरोपारो अभ्रक लोह तांमो विष गंधक समलेइ सवकीवरावर भिलमाकेफलएकत्रचू
र्णकरिसूरनकेकंदकेरससेघोटैदिन ३ एकमासेघीउसेषाइ अर्शरोगजाइ हाथपाउमुषनाभिगुदावृषन हृदयकीयसुरि
याकीसर्वपीराजाइअसाध्यअर्शकोयहऔषदकरै ॥अथवेगेस्वररसः॥ पारोभस्म वंगभस्मएकएकभाग अभ्रकमरो तां
मोमरो चारचारभागलेइ आकके दूधसेघोटैदिन१गोलाकरिसंपुटमैधरिकैभूधरजंत्रमैपचावै दोरतीरसघीउसे पथरसुगा
मैगोमूत्रसेहरदसेषाइगुल्मप्लीहउदरव्याधिजाइ ॥अथउदरारिरसः॥ ॥पारो हरियाथूथो अजैपाल पीपरकिरवारेकी
गूदो सवसमानलेइ अरुशुद्धलेइहरियाथूथोअरुपारोघोटैजवमिलिजाइतवऔरसवमिलाइकैथूहरकेदूधसेघोटैउदरदवरा
वरगोलीवाधैएकगोलीषाइस्त्रीकोपेटरक्तजवडोहोइसोहरिजाइतेरलइदूरिहोइ कठिनविरेचनहै इमिलीपकीदहीभातषाइ
औरउदरसंदूरसर्वजाइ ॥अथजलोदरारि॥ पीपरि मरोतांमो हरदीचूर्ण समलेइथूहरकेदूधसेघोटैदिन१ अजैपालके
वीजाशुद्ध मात्रासममिलाइदेइजलंधरवालेकोचारिमासेदेइजाइलगैजलोदरदूरिहोइ दहीभातसवविरेचनमैयभनहै
आमांतमैमूगकोजूषभातदेइ ॥अथकामिनीमदभंजनरसः॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध समलेइकमलकेरससेघोटैदिन३

संपुटमै धरिवालुकाजंत्रमे आंचदे ४ पहर १ पुनि अरराकमलके रसकी भावनादे ३ दिन १ खाडसे षाइ रती २ पथ्य दूधभात अ
रुजोमनेलगेसोषाइ सो स्त्रीभोग्यकरै ॥ अथमदनोदयरसः ॥ पारौशुद्ध गंधकसुद्ध समलेरकमलकेपानकेरससे एकपहर
घोटे पुनि आधोभाग गंधकडारिकेलालकमलकेरससे एकदिन पुनि घोटे पुनि आधोभाग गंधकडौरपुनि कमलकेरससे घोटे दि
न १ कोचकीकुपीमेभरिकेवालुकाजंत्रमे पकावै दिन १ तननिकासि लेर पाव रतीरस षाड मूसरीको चूर्णसे गाइके दूधमेपिवेका
मोदीपनहोइ ॥ अथअनंगसुंदरोरसः ॥ ॥ शुद्धपारो २ गंधकशुद्ध २ सोनोमरो अधेला भर ।७ मरोतामो १ मरो हरताल । २५
पारेगंधककीकजरीकेरसव एकमिलाइके पंचामृतसे घोटे दिन १ संपुटमे धरिकपरोटीकरिगजपुट आंचदेइ दिन १ स्वांगशीतल
होइ तवनिकासिके पंचामृतसे घोटे टिकेवर छोटे वरावर गोलीकरेएकएकगोलीषार सो स्त्रीभोगपकरै पुष्टिहोइ ॥ अथसा
रसंग्रहात्रसाः लिख्यते ॥ ॥अथअग्निकुमाररसः ॥ ॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध सुहागा समलेइ एकएकभाग विषभाग
३ कौडीभस्म २ संषभस्म २ मरिचभाग ८ पारेकी अरु गंधककीकजरीकेरसव चूर्णकरिएकत्रकरेपकीजंभीरीकेरससे घो
टे दिन १ अग्निकुमारसिद्धहोइ वातकरिकेपीडितहोइ विषमज्वरको दोरतीरस देइ क्षयीकासस्वासअपस्मारभगंदरस्स
र्वजाइ ॥ अथशुलासनरसः ॥ गंधकशुद्ध टंक १ पारोसुद्ध टंक १ विषटंक ३ मरिचटंक ८ जंभीरीरससे घोटे दिन १ मूंगवरा
वर गोली वांधै आदेकेरससे देइ गोली १ सूलअरु चिगल्मविसूचीमंदाग्नि अजीर्णासंनिपातशीतशिरपीरसर्वजाइ ॥ अथकु रा०
४७

प्रथमभावनादेई ॥ त्रावनाक्रम्या ॥ कुमारीरस ॥ शातमूसली ॥ सफेदमूसली ॥ केलीकोकंद ॥ शेमलकाकंद ॥ गोमूत्र ॥ त्रिकटु ॥ त्रिफला ॥ लवंग ॥ ...कुहिरीपुन...
ईसवकीभावनादेई पश्चात् अंडकेपानमालेपदे ॥ त्रुटि ५

ष्टनासनलेय कारेसापकीभस्म तिडीकी वरावरभिलमाकौतेल तेलतै आधौ नौसादरलेर होलकी आनी
दूध गाडरकौलेरजवलो वचानपिचै होइ एकवर्त्तामें केवासनमें घोटे दिन १ रात्तिकै कुष्टपरलेपकरे एकरात्तिमें कु
ष्ट दूरिहोइ रहे तौ विहानैन्लगावैकुष्टजाइ सत्य है कुष्ट जानैतो वुलमलत्या दोषलोइ ॥ अथचतुर्मुखरसः ॥ पा
रोशुद्ध गंधकशुद्ध लोहभस्म अभ्रकसमलेर पारेकी चोथाई सोनोमारो सर्वषल्लमे डारिकुंवारिकेरससे घो
टे दिन १ तवअंडकेपानमे धरिकेलपेटे अंनकी राशिमे गाडिराषे दिन ३ तवनिकासि लेइ सर्वरोगकोदेइ त्रिफलामधु
देइ रती २ जैसो वलहोइ वलीपलित दूरिहोइ क्षयी ग्यारह भांतिकी दूरिहोइ कास पाच प्रकारकी जाइ अष्टादश
कुष्ट पांडुरोगप्रमेह सूलस्वास हिचकी मंदाग्नि अम्लपित्त बुरावात विसर्प विद्रधि अपस्मार ग्रहोन्माद सर्व अ
र्शत्वचाके रोग नमतें शीतलाजाइ सर्वरोगजाइ पुष्टिहोइ पुत्रहोइ ॥ अथवंगेस्वरोरसः ॥ वंगभस्म भाग ३
पारोमरो वंगकी चोथाई पारेकीवरावर विष सवकीवरावर तीनउकी मरोलोह गंधकवंगकी वरावर एकत्र करि
घमराकेरससे घोटे दिन १ कुपीमे धरिकेवालुकाजंत्रमे पचावे पहर १२ स्वांगसीतलहोइ तवकाढे तव लोंग कपू
र तजपत्रजलाइ चीनाग केसरि त्रिफला समलेइ चूर्णकरि रससमे मिलाइकेमधुसे घोटे सिद्धहोइ सर्वप्रमेह
मूत्रकृच्छ्र क्षयी मूर्च्छा धिकवातरोग गुल्मकुष्टसर्वजाइ मात्रा जैसो वलहोइ ॥ अथग्रहणीकपाटः ॥ अफीम

सारस० ४८ ईंगुर लोंग मोचरस समलेइ एकत्र घोटै एकरतीषाउसैदेइ ग्रहणीदूरिहोइ ॥अथअगस्तिसूतराजः॥
पारोसुद्ध१ गंधक१सुद्ध ईंगुर१सुद्ध धतूरकेवीजासुद्धभाग २ अफीमभाग१ पारेगंधककीकजरीकरेसव
चूर्णकरिघमराकेरसकीभावना देइदोरतीषाइ ग्रहणीजाइ ॥अथसूलनिवारन॥ त्रिफला मारोलोह त्रि
फलाको चूर्णमासे४लोहभस्मरतीदोषाइ ऊपरतेतातोपानीपिवे अपरिणामशूलजाइ ॥अथप्रतापभैरवः॥
पारोसुद्धगंधकसुद्ध सुहागा हरताल विष त्रिफला सोंठ पीपर समलेइ मरिचदोभाग धतूरकेवीजातीनभागपारेगंध
ककीकजरीकरेसवओषदेचूर्णकरिएकत्रमिलाइकैघमराकेरससेघोटैएकरतीकेप्रमानगोलीवाधिराषै मठासोषाउग्रहणीजाइ-
अंडीकेतेलसेविरेचनहोइ निंवूरससेसर्पविषजाइ आदेकेरससेलेपकरैविछीउतरिजाइ घीउसेवातजाइ घमराकेरससे
पसीनाजाइ निर्गुंडीसेधनुर्वातजाइ घीउदूधसेप्रमेहजाइ निंवूरससेअंजनकरेनेत्ररोगजाइ आवरेकेरससेविदाहजाइ गुड
सेविडवंधजाइ षाउसेपित्तकोकोपजाइ कसौंदीसेशोफजाइ चावरकेधोवनसेउक्षवातजाइ त्रिफलासेप्रमेहजाइ मोथार
ससेस्थिरहोइ नागार्जुनीसेपरितापजाइ पानकेरससेकांतिहोइ मधुसेअग्निकरै मंदाग्निजाइ सुरंजनेकेरससेघीउसंयु
क्तसूलजाइ दहीसेअजीर्णजाइ धतूरकेरससेलेपकरैसंनिपातजाइ निंवूरससेहर्षजाइ गाइकेदूधसेसंनिपातजा
इ ॥अथउदरशोफेवटिका॥ निसोत गुग्गल समलेइ दूनो गुड मिलाइकै गुटिका १ एकगोलीषाइ ऊपरतेतातोपानीपि रा० ४८
इतिप्रतापभैरवधीउचोली॥ अथविसूचिकानिवारणं॥ गंधक सैंधोनोन सोंठि मरिच पीपरि समलेइ निंवूकेरससेघोटै पहर१ वार
दिसदीजाइ ॥५२

अपेटकीसूजनअपित्तात्मकदूरिहोइ ॥अन्य॥ हरर निसोत सोंठि मात्रासमलेइ वाटिछानिचूर्णकरिकैदूने गुडसैंगोली१२षाइसूज
नजाइ ॥अन्य॥ दशमूलकेकाढेकरिअंडीकेतेलसंयुक्तपीवैरोगासयिअसौफदूरिहोइ ॥अन्य॥ गोमूत्र अंडीकेतेलसंयुक्तपियेसूज
नजाइ ॥इतिशोफे॥ ॥अथद्वितीयचिंतामणिरसः॥ पारोसुद्ध गंधकशुद्ध सीसोमारो अभ्रकमारो एकएकभागलेइअजेपालशुद्ध
आधोभाग पारेगंधककीकजरीकरेसवएकत्रकरिपानीसेपीसिगोलाकरेनागवेलकेपानलयेटकेसंपुटमैधरिकैधरतीमेएकछोटोषदा
करेतिहिमेसंपुटधरिदेइऊपरिआगवोरेलघुपुटमैपकाइलेइ स्वांगशीतलहोइतवनिकासिकेएकरतीदेइ वातज्वरसंनिपातत्रिदोषविषम
ज्वरजाइ सर्वरोगकोदीजेयहचिंतामणिरस सर्वरोगपरखलत्तहे पथ्य मठाभातभटाषाइ ॥अथमृतसंजीवनः॥ मनसिलसुद्ध हरतालमा
रो एकएकभागलेइ ईंगुर दोभागलेइ सोनामाषीमारीएकभाग ताम्रभस्मदोभाग विषछटेअंस सवएकत्रनिंवूरससेघोटैसिद्धहोइ
कुष्टादिसर्वरोगजाइ ॥अथचंद्रोदयरसः॥ मनसिलसुद्ध हरतालसुद्ध सुवर्णभस्म मूंगा मोती सोनामाषीमारी सवबराबरलेइ सवकीव-
रावरगंधकलेइ गंधककेबरावरसुद्धपारो एकत्रकजरीकरे कूपीमेभरैवालुकाजंत्रमैपचावैपहर३२स्वांगशीतलहोइतवनिकासिलेइदोर
तीदेइ यक्ष्माश्वासपांडुरोगवातमंदाग्निसूलप्रमेहग्रहणीकुष्टरक्तपित्तनिपुंसकताजाइमर्दहोइ अनूपानजेसोरोगजारहोइतवनिका
सिलेइ तेसोदेइअरुपथ्यकरे ॥अथकामेश्वरोरसः॥ जायफल ईंगुर लोंग मरिच सोंठि विष धतूरकेवीजा पीपरि मोथा सवए
कत्रकरिजंभीरीकेरससेघोटै धतूरकेरससेभांगकेरससेघोटैएकगुंजाकेप्रमानगोलीवाधै एकएकगोलीषाइ नामर्दतादूरिहोइ अ

स्यमूत्रवहुमूत्रप्रमेहदूरिहोइसोस्त्रीभोगकेरैकामदेवकीनांई ॥ अथरूपरसः॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध वंग एकत्रकरिसंपुटमे
धरिगजपुटकीआचदेरस्वांगसीतलहोइतवनिकासिलेररत्तीमधुपीपरिसेदेरप्रमेहवातदूरिहोइ ॥ अथकामदेवरसः॥ अभ्र
क तांमोमरो केसर लोहभस्म जाइपत्री अफीम लौंग लाइची पारोमरो क्षीरकाकोली सीसोमरो जाइफर कवावचिनी समदशो
घ तालखुवारेकेवीजा अकलकरा सवएकत्रकरिमधुसेसरीरके अनुमानपुष्टिहोइकामवढेवलहोइ ॥ अथपुष्पधन्वारसः॥ मरोपा
रो तांमोमरो वंगभस्म सुवर्णभस्म ईगुर अभ्रक रूपोमरो सोनामाषी कांतभस्म सीसोमरो गंधक हीराभस्म सम अकलकरा ताल
खुवारेकेवीजा अफीम समदशोध केसर असगंध त्रिकुट मोथा मिश्री समलेइएकत्रकरिसेमरकेरसकीभावना ३ त्रिफलाकेजलकी
भावना ३ गुरिचकीभावना ३ वाराहीकंदकी ३ कस्तूरीसे ३ कपूरसे ३ तीनतीनभावनादेरसिद्धहोइ छेरत्तीरसलेइ मधु घीउषांडसेयुक्तदे
र सर्वप्रमेहदूरिहोइ वुहतस्त्रीसोरमैवलहोइपुष्टिहोइ ॥ अथविलासिनीप्रियः॥ मरोपारो अफीमसेघोटे धतूरेकेफलकेरससे घोटे एकर
त्ती भरलेइ भांगअरुषांडसेषाइरात्रदिनकामोदीपनवनोरहे ॥ अथमेघनादरसः॥ रुगेर सुहागा अजेपाल त्रिकुट सवक्रमतेवढती
लेइएकत्रकरिजंभीरीरससे घोटेघाममेसुषेसुषेकेचनाप्रमानुगोलीवाधे गुडसेएकगोलीषाइ आमाजविरेचनहोइ उदररोगपांडुरो
गपेटकीसूजनजलोदरसर्वज्वरविषमज्वरजाइ ॥ अथमेघनादद्वितीय॥ सुद्धगंधक सुद्धपारो २ नोसादरतोला १ पारेगंधककी
कजरीकरैतवनोसादरमिलाइकैनिर्गुंडीकेरससेघोटे दिन १ सिसीमेभरिकेवालुकाजंत्रकीआंचदेइपहरवारहकीक्रमतेपहिलो

ग.
चारपहरमंदआचदेइतवक्रमतेवढावैसीतलहोइतवसीसीफोरिकेनीचेजोपारदभस्महैसोलेइऊपरकोगंधकदूरिकरैसर्वरोगकों
दीजे ॥ अथप्रतापलंकेश्वरः॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध वरावरलेइदोउकीवरावरसोनामाषीरूपामाषीलेइयेकत्रकरिआकके दूधसेघो
टे दिन१ वज्रमूषामेधरिसंपुटकरिकेषदरामे आठपहरकीआंचदेइएकहाथगहिरोषदराकरेएकहाथचौरोकरे तहिमेकंडाकूटिकेआधोषदराभ
रिदेइतवसंपुटधरेऊपरतेओरकसीभरिदेइएकआगराधरिदेइस्वांगसीतलहोइआठपहरमेंतवनिकासिलेइ सर्वरोगकोअनुपानसेदेइकाम
वढेपुष्टहोइजोगवाहीहे ॥ अथवातविध्वंसनोरसः॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध सीसोमरो वंग लोह तांमो अभ्रक पीपरि सुहाग मरिच सो
टियेकयेकभागलेइ पारेगंधककीकजरीकरैसवचूर्णकरिएकत्रकरिएकपहरघोटेतवकस्सनागविषसोदेवारभागलेचूर्णकरिमिलाइदेइत
वभावनादेइकेघोटे त्रिकुटकेकाढेसे ३ त्रिफलाकेकाढेसेघोटेवारतीन ३ चितांउरकेरससेवार ३ घमराकेरससेवार ३ अकौवाकीजरकेकाढेसे र
३ धतूरेकेफलकेरससे ३ तवसिद्धहोइगुन वमनविरेचनसूलश्लेष्मरोगग्रहणीसर्वसंनिपात अपस्मारमंदाग्निशीतपित्तप्लीहउदरकुष्टसर्वजा
इ स्त्रीकेप्रसूतरोग वातरोगजाइ दोरत्तीमात्राअनूपानजेसोरोगहोइ ॥ अथवातराक्षसरसः॥ पारेकोमारोशुद्ध सोनो मरोपारो गंध
क कांतभस्म अभ्रक तामभस्म समलेइ पथरसगा गुरिच चितांउर रूसो इनकेस्वरसकीभावनातीनतीन देइ दिन१ एकएकसेघोटेसं
पुटमेधरिलघुपुटआचदेइस्वांगशीतलहोइतवनिकासिलेइ वातरोगकोदेइजेसेजेसेरोगकेअनूपानसेदेइतेसोरोगदूरिकरै एकरत्ती
देइ उरुस्थंभवातरक्तआमवातगात्रभंगधनुर्वातदेहकीपीडापक्षाघातकंपवातसर्वसंधि गतवात गृध्रसिवातवातशूलउन्मादशीत

सा०रसे० ५० वात सर्व हरि लेहि ॥ अथ उदयभास्कर रसः ॥ शुद्ध पारो १ शुद्ध गंधक १ तामो मरो १ लोह मरो १ विष १२ एकत्र करि निर्गुंडी के रस की भावना
धतूरे रस की भावना देइ दिन १ एक २ एकत्र कांच की कूपी में धरै वालुकाजंत्र मे आंच देइ पहर ६ स्वांगशीतल होइ तब निकासि लेइ सर्वरोग हरिकै जैसे
जोग से देइ तैसो रोग हरिकै रेनिपुंसक नीके होइ ॥ अथ वातारि रसः ॥ विष भाग १ सुहागा भाग २ मरिच भाग ४ सुंठ लेइ एकत्र चूर्ण करि आदे के रस से
घरै लेतीन रती देइ भैं बरिच घीउ के साथ सर्व वात जाइ ॥ अथ मदनकामेश्वरो रसः ॥ शुक्रस्तंभे ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध अफीम एकत्र करि
केतकी वेले के पान के रस से घोटै पहर ३ तब तीन तीन रती की गोली बांधि राखै प्रातकाल एक गोली षाइ तीसरे पहर दूध गाइ को षाइ उपरि पिछे भै
सकै दूध रातिके पिछे दूसरे भोजन वर्जित है वीर्ज स्तंभ होइ जितनी इच्छा होइ तितनो मैथुन करै तब वीर्य छोड़वे के अर्थ निंबु रस षाइ सहित षाइ
सकै दूध रा ...त भरय हर रस षाइ सब धातु सो षलेइ इतिमें संसय नाही ॥ अथ द्वितीय ग्रहणी कपाटः ॥ कृष्णा अभ्रक लेइ तीन दिन
एक काल दो काल में डत्त भर यह रस षाइ सब धातु सो बलेइ ... ॥ अथ द्वितीय ग्रहणी कपाटः ॥ कृष्णा अभ्रक लेइ तीन दिन
निंबु के रस से घोटै गोला करि सुषवैके तेही की चरावर सुहागा बांटि के गोला के नीचे ऊपर दे के संपुट में धरि गजपुट करि के सीतल परोटी करे ते अभ्र जे
निंबु के रस से घोटै गोला करि सुषवै के तेही की चरा वर सुहागा बांटि के ... भाग १ सोनो मरो भाग १ शुद्ध गंधक ३ एकत्र करि एक दिन घोटै तव एक कछुली मे लोहे
चमे धो के अभ्रक भस्म होइ सो अभ्रक एक भाग लेइ पारो मरो भाग १ सोनो मरो भाग १ शुद्ध गंधक ३ एकत्र करि एक दिन घोटै तब एक कछुली मे लोहे
की मेध्यो रिकै घीउ उपरि कै तिसि मे गंधक सुहागा सब डारि के पिघलावे अग्नि च मे गंधक पिघलै तब एक सिल पर केला को पात बिछावे ते रिके ऊपर
बिछाइ देइ तिसि के ऊपर और केला को पात धरि के ऊपर गोवर धरि दे इ पर्पटी होइ सीतल होइ तब पीसि के घमरा के रस से घोटै दिन ३ अतीस के काढे
से घोटै अथ वायनी मे अतीस वाटि लेइ तिसि सो दिन ६ कुरो के रस से घोटै दिन २ पाठे के रस से घोटै दिन १ ग्रहणी कपाट सिद्ध होइ छेर ती रस रा० ५०

५१
अतीस मधु से देइ अवाग उष्णरव ले सै देइ पथ्य दही मठा गाइ को वेर कुरथी को जूष मसूर को जूष कढी गाइ के मठा की लौनी करेला कुंदरू तु
रैया गोभी गिरिकर्णी तरकारी षाइ ग्रहणी हरि लेइ ॥ अथ वसंतराजः ॥ वंग भस्म रस भस्म सम लेइ गौलाके रस से घोटै दिन १ मधु से छेरती
षाइ दिन प्रति इक्कीस दिन प्रमेह मधुप्रमेह हरि लेइ मधुर भोजन करै सेमर की जर को चूर्ण १ मधु से सानि इथ मे पिछे तथा गुरिच को रस मधु तथा हर
दी को चूर्ण मधु ॥ अथ पंचवक्त्र रसः ॥ पारद भस्म अभ्रक लोह भस्म सीसा भस्म वंग भस्म ए सब दो दो भाग लेइ सोना माषी गंधक तीन तीन भाग
अफीम भाग ४ सब एकत्र करि लघु पंचमूल के रस से घोटै दिन १ तब सोनो मरो २ रूपो मरो २ मिलाइ के भावना देइ जायफर अकरकरा लोंग सोठि कंकोल केसर
पीपरि कलंबक समदसोष अफीम के पोस्ता कस्तूरी मुंडी प्रियंगु इनको जुदो जुदो काढो करे एक एक की सात सात भावना देइ पंचवान सिद्ध होइ मात्रा उरद
बराबर मधु मासे ६ षाड मासे ६ इ घटका २ भरे मे षाइ राति भोजन न करै पान चूरन षाइ मधुर आहार सेवन करै कामपूर्ण होइ ॥ अथ लक्ष्मीविलास र
सः ॥ लोह भस्म अभ्रक पारो शुद्ध गंधक शुद्ध सम लेइ षल्ल मे डारि के ग्वारि के रस से घर ले दिन १ तब अंड के पान पके लेइ तिन में धरि के लपेटि बांधि के तब
अन्न की रासि मे गाडि राषै दिन ३ फेरि निकासि के पीसे दो रती रस मधु त्रिफला से षाइ जे सो बल होइ सरीर होइ तै सीमा जो षाइ सर्व प्रमेह हजार का सर्प दुरोग
हिचकी राजजक्ष्मा वात हलीमक मेदाग्नि कुष्ठ के इ दिसर्प विद्रधि अपस्मार पर चूरन चल दै सर्व रोग जाइ ॥ अथ कुसुमाकरो रसः ॥ मरो पारो वंग
भस्म लोह भस्म अभ्रक सम लेइ एकत्र करि घोटै मधु से देइ रती ३ ऊमर के फल पके चूर्ण करि के अधेला भरि लेइ मधु से सानि षाइ कुसुम हरि लेइ सु
धी होइ ॥ अथ वंगेश्वर रसः ॥ वंग भस्म १ पारद भस्म आधो भाग एकत्र आग पर लोह के बासन मे धरै घमरा को रस डारत जाइ पहर १ तब उतारि

लेइ दोरतीरस्केवलवातपरचलतहैसर्ववातरोगइहरिहोर ॥ अथकल्यरसोरसः॥ पारो सोनामाषी ईगुर मनसिल सुहागा हरताल एसब
सुद्धमेरेएकएकभाग गंधकरत्तामो २ लोह १ सबएकत्रनिंबुरससैघौटैघोरीआधदेर सोरहैअसविषधरै दोरती रस वकुचीकेवीजातोला१
चूर्णकरिजलसैखारसर्वकुष्टजाइदूधभात परवरएखार मधुपीपरिसेपांडुरोगजाइ गुडहरर सैखारशोथसूलजाइ आदेकेरससेसंनिपातजाइ
वातजाइ वकुचीसेसर्वकुष्टजाइविसेषकुष्टपरचलतहै ॥ अथवंगरसायन॥ पारोभस्म वंगभस्म समलेरमधुसे दोउरदवरावरषावैरसर्वप्रमेह
हरिहोर ॥ अथशीतांकुश॥ हरियाध्रयोशुद्ध सुहागा पारोसुद्ध गंधकशुद्ध विषशुद्ध षपरियाशुद्ध हरतालमेरो पारेगंधककी कजरीकेरसवसमले
र एकत्रकरिघोटेकरेलाकेरससेदिन १ अंडकेपानमेधरिकैलपेटेकपरो टीउपरकीकैलघुपुटआंचदेर एकरतीभररससलेरषाउसोजीरेसेदेर एकदि
त्रिचतुर्थकज्वरजाइ शीतजाइ पथ्यदूधभातमूगकीदारषार सर्वज्वरइहरिहोर ॥ अथरस्पाभेदः॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध अभ्रक सुहागा समलेर आजे
पाल तांमो पारेतेछठे अंस सवएकत्रघमराकेरससेआदेकेरससेनिर्गुंडीरससेएकएकदिनघोटेसिद्धहोइतीनरतीदेरषाउसेनवज्वरतीनमुहूर्तमेइहरिहोइ
॥अथमेहगजांकुसः॥ पारोमरो सोनोमरो समलेरपथरस्याकीजरकेरससेघोटे सेमरकीजरकेरससेघोटे आवरेकेरससेघोटेदिनतीनतीन तवरू
पोमरो अभ्रकमरो समभागलेरएकत्रकरि दाषकेरससेघोटेदिनउतवसिद्धहोइ तीनरतीलेरमिश्रीमधुसेषार मधुपीपरिसेषार पीपरिखाउसेषारसर्व
प्रमेहइहरिहोर पथ्यसेरहे ॥ अथरसेंद्रः॥ वंगभस्म रसभस्म लोहभस्म अभ्रकभस्म सर्वसमानलेर गुरुघुरू केर आवरे ईदोरन इनकेरससेएक
एकदिनघोटे दोमासेमधुसेषारसर्वप्रमेहरक्तप्रमेहजाइ कुम्हडाकोरसषाउहरिकेपिछेकुम्हडाकीनरकारीषाररक्तप्रमेहइहरिहोर ॥ अथमेरहा

पारोमरो तांमोमरो लोहमरो अभ्रक तगरसर्वसमलेरमोथाकेरससे घोटेदिन १ मधुसेतीनरतीदेर अथषाउसेदेरसर्वप्रमेहइहरि होस्मत्राघातइहरिहोर
अथमानिनीमदविधूननः॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध धतूरेकेवीजाशुद्ध धतूरेकेतेलसेघोटेदिन १ छैरतीदेरषाउकेसाथप्रमेहजाइस्तंभनहोइ ॥ अथसंनि
पातदलनः॥ पारोशुद्ध गंधकसुद्ध अभ्रक लोह सोनामाषी मनसिल तांमो सीसो वंग समलेरपारेगंधककीकजरीकेरसवएकत्रमिलाइकै कारेध
तूरेकेरससेतीनतीनवेरघोटे मूषामेधरिकैमंदआंचदेरतवपारेकीवरावरविष डारे धतूरेकेरसकीभावना७ रतनीकेरसकीभावना७ घमराकी७ मत्स्या
क्षीरस७ त्रिकटुकेकाढाकीभावना७ तवपारेकीवरावरविषलेर एकहाडीमेविषधरैचूर्णकरिकै अरुएकहाडीमेसव औषदकोकल्कलेपदेरपेंदी
मेसोकल्कवालीहांडीविषवालीहांडीपरऔंधारकैमुद्राकरिकैचूल्हेपरमंदआंचदेर विषकोधुवारसमेलगैतवउतारिलेइ एकरतीषाउसे आदे
केरससेदेर अथवासंनिपातकेकाढेसेदेर दाहसीतवात अपस्मारतंद्रापित्तविरेकसहित अथवाविरेकरहितइहरिहोर सूलमंदाग्निगुल्मप्लीहजलो
दरक्षयीअजीर्णज्वरविसर्वसंनिपातइहरिहोर ॥ अथसमीरपन्नगः॥ अभ्रक गंधिक विष सोठि मरिचपीपरिपारोसुहागा समलेरपारे
गंधककीकजरीकेरसर्वचूर्णएकत्रमिलाइ घमराकेरससेघोटे वार७ आदेकेरससेतीनरतीदेर अथषाउसे त्रिकटुसेदेर महावात व्याधिइह
रिहोर संज्ञाहोइ ॥ अथवातविध्वंसनवटी॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध विषशुद्ध हरतालमेरो त्रिकटु त्रिफला मनसिल सर्वसमलेर थूहरकेदूध
सेन्वारिकेरससेघोटे गुंजाची वरावरगोलीवाधेएकगोलीषारसर्ववातइहरिहोर ॥ अथकांतवल्लभः॥ पारो अभ्रक तांमो गंधक षपरिया समले
रग्वारिकेरससेघोटे पित्तपापरेसे नीमरसो हरर कडुकीकेकाढेसेघोटेतवसिद्धहोरमधुपीपरसेदेर रती उपित्तश्लेष्माजाइ पटोलमधुसे

लेइ दोरतीरस के बलसात पर चलतनैहे सर्ववात रोग दूरि होइ ॥ अथ कल्पतरुरस ॥ पारो सोनामाषी ईगुर मनसिल सुहागा हरताल एसब
सुद्ध मरे एक एक भाग गंधक २ तामो २ लोह १ सब एकत्र निबुरस से घोटै थोरी आदे देइ सो रहे अंगस विषदूर रे दोरती ... रस बकुची के बीजा तोला
चूर्ण करि जल से षाइ सर्व कुष्ट जाइ दूध भात पथ्य एषाइ मधुपीपरि से पांडुरोग जाइ गुड हर रस षाइ शोथ सूल जाइ आदे के रस से संनिपात जाइ
बात जाइ बकुची से सर्व कुष्ट जाइ विसेष कुष्ट पर बहुत चलतहे ॥ अथ वंगरसायन ॥ पारो भस्म वंग भस्म समलेइ मधु से दो उरद बराबर षाइ रस सर्व प्रमेह
दूरि होइ ॥ अथ शीतांकुश ॥ हरियाइ थोथो शुद्ध सुहागा पारो सुद्ध गंधक शुद्ध विषशुद्ध षपरिया सुद्ध हरताल मरो पारो गंधक की कजरी करे सब सम ले
इ एकत्र करि घोटै करेला के रस से दिन २ अंड के पान मे धरि कै लपेटै कपरौटी ऊपर करि कै लघुपुट आंच देइ एक रती भर रस ले इषाउ से जीरे से देइ एकदि
त्रिचतुर्थ के ज्वर जाइ शीत जाइ पथ्य दूध भात मूंग की दार षाइ सर्व ज्वर दूरि होइ ॥ अथ रसाभेद ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध अभ्रक सुहागा समलेइ अंजे
पाल तामो पारे ते छठे अंस सब एकत्र घमरा के रस से आदे के रस से निर्गुंडी रस से एक एक दिन घोटै सिद्ध होइ तीन रती देइ षाउ से न बज्र रती लघु हते मे इ दूरि होइ
॥ अथ मेहगजांकुश ॥ पारो मरो सोनो मरो समलेइ पथरचटा की जर के रस से घोटै सेमर की जर के रस से घोटै आवरे के रस से घोटै दिन तीन तीन तब रू
पो मरो अभ्रक मरो समभाग लेइ एकत्र करि दाष के रस से घोटै दिन अतव सिद्ध होइ तीन रती लेइ मिश्री मधु से षाइ मधु पीपरि से षाइ पीपरि षाउ से षाइ सर्व
प्रमेह दूरि होइ पथ्य से रहे ॥ अथ रसेंद्र ॥ वंग भस्म रस भस्म लोह भस्म अभ्रक भस्म सर्व समानलेइ गुरषुरू के र आवरे ईदोरन इनके रस से एक
एक दिन घोटै दो मासे मधु से षाइ सर्व प्रमेह रक्त प्रमेह जाइ कुसडा को रस षाउ इरि के पिछे कुम्हडा कीन र करि षाइ रक्त प्रमेह दूरि होइ ॥ अथ मेह हा

पारो मरो तांमो मरो लोह लम मरो अभ्रक तगर सर्व सम लेइ मोथा के रस से घोटै दिन १ मधु से तीन रती देइ अथवा षाउ से देइ सर्व प्रमेह दूरि होइ सूत्राघात दूरि होइ
अथ मानिनीमद विधूनन ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध धतूरे के बीजा शुद्ध धतूरे के तेल से घोटै दिन १ छै रती देइ षाउ के साथ प्रमेह जाइ स्तंभन होइ ॥ अथ संनि
पातरत्न ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध अभ्रक लोह सोनामाषी मनसिल तामो सीसो वंग समलेइ पारो गंधक की कजरी करे सब एकत्र मिलाइ कै कारेध
तूरे के रस से तीन तीन बेर घोटै मूषा मे धरि कै मंद आंच देइ तब पारे की बराबर विष ... डारे धतूरे के रस की भावना ७ रनी के रस की भावना ७ घमरा की ७ मत्स्या
क्षीरस ७ त्रिकटु के काढा की भावना ७ तब पारे की बराबर विष लेइ एक हांडी मे विष धरै चूर्ण करि कै अरु एक हांडी मे सब औषद को कल्क लेप देइ पेंदी
मे सो कल्क वाली हांडी विष वाली हांडी पर औधार के मुद्रा करि कै चूल्हे पर मंद आंच देइ विष को धुवा रस मे लगै तब उतारि लेइ एक रती षाउ से ... आदे
के रस से देइ अथवा संनिपात के काढे से देइ दात सीतवात अपस्मार तंद्रा पित्त विरेक सहित अथवा विरेक रहित दूरि होइ सूल मंदाग्नि गुल्म ज्वर जलो
दर क्षयी अजीर्ण ज्वर विसर्व संनिपात दूरि होइ ॥ अथ समीरपन्नग ॥ अभ्रक गंधिक विष सौदि मरिच पीपरि पारो सुहागा समलेइ पारे
गंधक की कजरी करे सर्व चूर्ण एकत्र मिलाइ घमरा के रस से घोटै बार ७ आदे के रस से तीन रती देइ अथवा षाउ से त्रिकटु से देइ महावात व्याधि दू
रि होइ संज्ञा होइ ॥ अथ वातविध्वंसनवटी ॥ पारो शुद्ध गंधक शुद्ध विष सुद्ध हरताल मरो त्रिकटु त्रिफला मनसिल सर्व सम लेइ थूहर के दूध
से ग्वारि के रस से घोटै गुंजा की बराबर गोली बांधै एक गोली षाइ सर्व वात दूरि होइ ॥ अथ कांतवल्लभ ॥ पारो अभ्रक तामो गंधक षपरिया समले
इ ग्वारि के रस से घोटै पित्तपापरे से नीम रस सो हरर कडकी के काढे से घोटै तब सिद्ध होइ मधु पीपर से देइ रती ३ पित्त श्लेष्म जाइ पटोल मधु से

सारसं० ५२ गुरिच पीपर सौं देइ पित्तश्लेष्मज्वर जाइ अम्लपित्त जाइ दाह शोष छर्दि सर्व दूरि होइ ॥ अथ रक्तविकारे बोलबद्धो र-
सः ॥ पारो सुद्ध भाग १ गंधक १ लालबोर २ सब एकत्र पर्पटी करै सिद्ध होइ ६ रती रस षाउ सो षाउ सर्व रक्तविकार दूरि होइ गुदा रक्त
योनि रक्त मुख नासिका रक्तप्रवाह दूरि होइ ॥ अथ विषममर्दन ॥ पारो शुद्ध भाग १ मनसिल भाग १ हरताल भाग २ तामे कोरे तन भाग २
हरियाथूथो भाग १ सब जंभीरी के रस सै घोटि गोला करे संपुट मै धरि के कपरोटी कर वालुकाजंत्र मै पचावे पहर १ स्वांगशीतल होइ तव
निकासै छै रती षाइ विषमज्वर दाहपूर्वक पीयरि षाउ सै देइ थी। त पूर्वक होइ तो तुलसी मरिच सै देइ पथ्य दूध भात षाइ ॥ अथ विषम
भरिः ॥ हरताल सोनामाषी मनसिल गंधक पारो ईंगुर सब सुद्ध समले र कारे जीरे के जल सै घोटि के तामे के पत्र के भीतर लेप करे संपु-
ट करि वालुकाजंत्र से एक पहर आंच देइ सीतल होइ तव वाटिके नौ रती षाइ गुड मरिच से विषम जाइ दाह पूर्वक होइ तौ षाउ पीप-
रि सै गुरिच के सत से देइ एकाहिक द्व्याहिक तृतीय चातुर्थक विषमज्वर सर्व जाइ दूध भात षाइ राई न षाइ ॥ अथ विषमे भ-
पंचाननः ॥ पारो शुद्ध हरताल शुद्ध हरियाथूथो सुद्ध षपरिया शुद्ध सुहागा समले एकत्र चूर्ण करिके कारे जीरे के काढे से घोटि
गोला करिके तामे के पात्र मे धरिके संपुट करि वालुकाजंत्र मे एक दिन पचावे सीतल होइ तव ता मे को पात्र जो है उ वियाते ही समे-
त पीसि के फेरि जीरे के पानी से दो पहर घोटै तीन तीन रती की गोली वांधि राषे विषमज्वर को एक एक गोली देइ शीतल करि के यु-
क्त होइ तो तुलसी को रस पीपर से देइ दाहादिक षाउ से जाइ पथ्य मूंग की दार भात दूध षाउ धातुगत ज्वर होइ तौ मधु पीपरि से रा० ५२

देइ ॥ अथ आज्ञासिद्धः ॥ पारो शुद्ध मरो अभ्रक मारो गंधक सुद्ध सीसौ सुद्ध मरो समले र पारे गंधक की कजरी करै सब एकत्र
मिलाइ के जंभीरी के रस से घोटै दिन ३ मे सात पुट देइ ग्वारि के रस की पुट ७ घोटि घोटि के चित्रउर के रस की भावना १ तव सि-
द्ध होइ जीरे गुड सै तीन रती देइ जीर्णज्वर जाइ ॥ अथ आज्ञाचंडेश्वरः ॥ पारो शुद्ध गंधक सुद्ध विष शुद्ध तामो मरो पारे गंधक की क
कजरी करै सब मिलाइ के दो पहर घोटै तव निर्गुंडी के रस की सात भावना देइ आदे के रस की भावना ७ आदे के रस सै एक रती देइ
हराभरे मै ज्वर दूरि होइ तेल लगावे जल मे स्नान करे प्यास लगे तव मठा पिये सर्वांग चंदन लेप करे पान षाइ ऊष स्वाउ फल मीठे मी-
ठे षाइ ॥ अथ वह्नि विषमारिः ॥ मनसिल गंधक हरताल समले र जीरे के पानी से घोटै तव तीनउ की वरावर तामे की उ विया वना-
वे ते हि के भीतर लेप करि के ऊपर के पला से मूंदि के एक कपरोटी करि के वालुकाजंत्र मै तीन पहर आंच देइ स्वांगशीतल होइ तव
ह निकासि के घी से हौं संयुक्त विषमज्वर होइ ना को जीरे षाउ सो देइ रती ३ विषमज्वर दूरि होइ ॥ अथ सीतज्वरांतकः ॥ हरि-
याथूथो भाग १ हरताल भाग २ छिपनी को चूर्ण ३ धतूरे के रस से घोटै संपुट करि के भूधरजंत्र की आंच देइ दिन ३ स्वांगशीत-
ल होइ तव निकासे षाउ सै तीन रती देइ वमन होइ सीतज्वर दूरि होइ ॥ अथ उदयार्कः ॥ ईंगुर चूर्ण शुद्ध मासे एक जंभीरी के
रस से देइ सर्व जीर्णज्वर जाइ ॥ अथ गुहरीतीकपाटः ॥ ईंगुर कौ पारो गंधक शुद्ध सुहागा भूंजो अभ्रक समले र ताल-
मषाने से लोह के षल्ल मे घोटै तव निर्धूम आग के ऊपर षल्ल धरि देइ जव सूष जाइ तव आग से उतारि लेइ जीरे के पानी से तीन

सारसं० ५३

रष्णी देइ रसे श्रुलसीकर अतिरक्त गुल्म अर्शजाइ ॥ अथ विश्वेश्वर ॥ पारो सुद्ध गंधक सुद्ध सीसो वंग लोह भस्म अभ्रक
समभाग लेइ सब एकत्र करे कचलोना सब की चौथाई भाग एकत्र करि ग्वारि के रस से घोटै दिन ३ चित्राउर से वार ३ जीरे से घोटे
वार ३ तीन रती देइ अतीसार स्वपयु प्रमेह वात रक्त पंक्ति सूल सब दूरि होइ ॥ अथ ग्रहणीकपाट ॥ कृष्णाभ्रक जंभीर के रस से घो
टै दिन ३ तब सुहागा तरे ऊपर देके संपुट मै धरे आग मै धोंके जैसो लोहो धोंकत है तब भस्म होइ सो अभ्रक भाग १ मरो पारो सुद्ध भाग १
गंधक सुद्ध भाग १ कजरी करि एकत्र करे तब एक लोहे के वासन मे घी गिक घीउ डारि के आग पर रा धे जब काधक पिघले तब केरा के पान पर ढा
रि देइ फैला के एक केरा को पान ऊपर धरि के ते हि के ऊपर गोवर धरि देइ शीतल होइ तब पर्पटी वह पीसि के रकरती देइ षाड से जीरे से ग्र
तकाल षाइ अतीसार ज्वर विषम आमसूल वात सूल संग्रहणी रक्त आव सर्व दूरि होइ ॥ अथ ग्रहणीकपाट ॥ पारो अभ्रक रूपो
सोनामाषी गंधक साजीषार जवाषार सुहागा छिपनी सेष कौडी भस्म सब सम लेइ विष आधो भाग सब एकत्र करि मोथा के रस से घो
टै वार ७ उरई अतीस कुरो घमरा भांग धतूरो अजमोद नीम की छाल को रस वरियारी की जर से एक एक से सात सात भावना देइ जिहि
औषद मै रस न कढै तिहि को काढो करि लेइ तब घोटै गोला करि कै धतूरे के पान लपेटै लघुपुट मै आंच देइ जितने मै रस सूषि जाइ तब नि
कासि लेइ चूर्ण करि कै तीन रती देइ ग्रहणी रक्तातीसार ज्वर छर्दि मंदाग्नि स्यो पीहो अर्श सब जाइ अनुपान मधु पीपरि से देइ ॥ अथ
ग्रहणीकपाट ॥ पारो मरो भाग १० गंधक सुद्ध भाग १० सुवर्ण भस्म भाग ४ अभ्रक ४ विष सुद्ध ४ कौडी भस्म भाग ७ मरिच भाग ८ अफी रा० ५३

म भाग ६ धतूरे के वीजा सुद्ध भाग ३ सब एकत्र करि भांग के रस की भावना ७ त्रिकुटु के काढे की भावना ७ तब सिद्ध होइ मात्रा रती ३ सर्व संग्र
हणी अतीसार मंदाग्नि आम सर्व अतीसार जाइ ॥ अथ ग्रहणीकपाट ॥ पारो सुद्ध गंधक शुद्ध विष सुद्ध सम लेइ चित्राउर के रस से घोटै दिन
३ तब कौडिन मै भरे तब बबूर के काढे पीसि के चित्राउर के रस से कल्क करि के कौडी को मुह मूदे संपुट मै धरि के कपरौटी करि गजपुट आंच देइ सि
द्ध होइ तब तीन रती मात्रा भांग से देइ जीरे से रार से मरिच से संग्रहणी जाइ ॥ अथ ग्रहणीकपाट ॥ कौडी भस्म भाग ७ मरिच ८ विष भाग १
पारो मरो बीस भाग २० गंधक सुद्ध दस भाग १० अफीम भाग ६ धतूरे के वीजा भाग ३ सब एकत्र चूर्ण करि मासो एक देइ ग्रहणी जाइ ॥ अथ लोकेश्वर ॥
॥ पारो शुद्ध भाग १ गंधक सुद्ध भाग २ संष भस्म भाग ८ पारे गंधक की कजरी करै संषभस्म मिलाइ देइ चित्राउर के रस से घोटै दिन ३ तब जवाषार अ
धो देइ के आक के दूध से घोटै दिन १ जवाषार जवा को होत है तब गोला करि संपुट मै धरि के कपरौटी करि देइ सुषै के गजपुट आंच देइ दिन १ स्वां
ग सीतल होइ तब निकासि लेइ छै रती देइ ग्रहणी अतीसार जाइ अनुपान जैसो रोग तैसो देइ ॥ अथ लोकनाथ ॥ पारो सुद्ध भाग १ गंधक सुद्ध
भाग २ कजरी करे आक के दूध से घोटै कौडी की राष भाग ८ मिलाइ के चित्राउर के रस से घोटै दिन १ तब आधो सुहागा ॥ आक के दूध से पीसि के
गोला करि के सुषै के संपुट मै चूना पोत के तिहि संपुट मै गोला धरि के कपरौटी करि के सुषै के ले रहाथ भर गहिरो षदरा करे अरू हाथ भरि
चौरो तिहि मै कंडा भरि वीच मै संपुट धरि के वार देइ जब सीतल होइ तब निकासि के चूर्ण करे चौ वीस मरिच अरू घीउ से एक सात रती देइ मंदाग्नि
ग्रहणी अतीसार दूरि होइ ॥ अथ पारो स्वरो रस ॥ पारो मासे ४ गंधक मासे ४ अभ्रक मासे ४ एकत्र मूरी के रस से घोटै दिन ३ तब काथ की कु

मेधरैतवत्रिदेकृपीकुसुलमे ठैठीदे केमाटीतगारकेसातकपरौटीकरिदेर धरतीमे छोटोखड्डाकरैतिहिमे सिसीधरे माटीकेपूरिकेकंडन
कीआंचदेर स्वांगसीतलतेहोरतवनिकासेमाटीदूरकरिकेसिसीमेजोरसहै सोलेरखल्लमेधरे तवजवाखार साजीखार सुहागा पाचोनोनचि
ग कटुत्रिफला हींगगुगलदेइजो चितउर सुहजनेकेवीजा अजवाइन वेल्लके एकएकमासो लेरचूर्णकरिरसमेमिलाइदेरतीनदिनधोटे नाग–
वेलिकेपानमै एकमासोदेर ज्वरदूरिहोर त्रिफलाचूर्णकरितमेपानीसेपिदेमूगकोजूखपथ्यधीउज्वरवालेकोवर्जितहे औररोगनको घीउ
सहितदेर ग्रहणीकोविसेषदेर मंदाग्निगुलरणी विषमसूतिकारोगअतीसारसूलयोनिरोगकफरोगसर्वदूरिहोर ॥अथसूतराजः॥ गंधक
शुद्ध लोहभस्म पारदभस्म मोती समलेर सवएकत्रकरिविजोरेकेरससेघोटे पहर१ गोलाकरिकेकपरालपेटे तिहिकेऊपर औरकपरोटी
करिदेर तवएकवासनमेनोनभरेवीचमे गोलाधरेचूल्हेपरआंचदेर पहर१ सिद्धहोर मधुपीपरसेदेर रती२ स्वासकासप्रमेहक्षयीमंदाग्नि
सर्वदूरिहोर ॥अथरक्तपित्तेरसराजः॥ पारदभस्म सुवर्णभस्म सोनामाषीमारी लोहभस्म कांतभस्म अभ्रक समभागलेरकमलकेर
सकीभावनादेर दिन३ खाउसेदेर रती३ रक्तपित्तदूरिहोर ॥अथरक्तपित्तेरसेंद्रः॥ लोहभस्म पारदभस्म गंधक समलेर रूसो पीपरि हरर केरससे
– भावनासातसातदेरतवसिद्धहोर हररचूर्णकरिकेरूसकेरसकीभावनादेरतिहिकेसाथदेर रतीतीनमधुसे अथवारूसकेरससेमधुसेदेररक्तपि
त्तदूरिहोर पुष्टिहोर ग्लानि स्वासकासरक्तार्शरक्तप्रमेहदूरिहोर ॥अथरक्तपित्तेसूतवरः॥ पारोमारो तामो लोह अभ्रक सोनो सीसो
वंगसमलेरएकत्रकरिगुरिचकेसत्वसे आवरेकेरससे तीनवारधोटै ग्वारिकेरससेघोटेवार७ रूसकेरससेघोटेवार७ तवसिद्धहोर देररतीय रा०
५४

हरसलेर मधुखाउरूसकेरससंयुक्तदेर अथवारूसकेरसखाउधीउसंयुक्तदेर अथवालाखकेरससेदेर अथवातजपत्रजलाइचीनागकेस
रिपीपरिफालसेहरर आवरेमिश्रीमधुसेदेर अथवाहररमधुमिश्रीसेदेर रक्तपित्तशांतिहोर ॥अथकृमिमुद्गरः॥ पारो सुद्ध१ गंधकसुद्धभाग२ अ
जमोद३ विडंग४ कुचिला५ पलासवीजभाग६ पारोगंधककीकजरीकरेसवचूर्णकरिएकत्रमिलाइकेघोटेमधुसेमासोएकखाइऊपर
तेमोथाकोकाढोपिवै कृमिरोगजाइ अग्निदीपनहोर तीनदिनदेर ॥अथकृमिकुठारः॥ पारो१ गंधक२ लोह३ हरताल४ कुचिला भाग५ हींग६
– त्रिकटु७ नीनोखार८ पाचोनोन९ सुहजनेकेवीजाभाग१० अजमोद११ विडंग१२ पलासवीज१३ सवएकत्रकरिनिंबूरससेघोटेनीमकेरस
सेघोटैवेरकीगुठिलीवरावरगोलीवाधखावैएकएकगोलीखाइ कृमिसूलगुल्मआध्मानवातज्वरमंदाग्निसर्वदूरिहोर ॥अथपीयूष
सिंधुः॥ पारदभस्म सुवर्णभस्म लोह अभ्रक तामो मोती कांत वंग समलेर सूरनकेरससैघोटे दिन१ दोनकेरससे घमराइरससे आ
करससे चितउरसे एकदिनघोटैपाछे गोलाकरिकेअन्नकीरासमेगाडराखैदिन३ तवनिकासिकेपीसमासोमरिदेरमधुसे अशरी
गकठिनदूरिहोर ग्रहणीसूलपांडुमंदाग्निक्षयीरोगसर्वजाइ छेमहीनासेवनकरेसर्वरोगजाइ दोवर्षसेवनकरेखडाईजाइ पुष्टिहो
रकांतिहोरवीर्जवृद्धिहोर ॥अथअर्शोहरः॥ पारोमरोभाग१ अभ्रक२ तामो३ लोह४ गंधक५ सवलोहेकीकराहीमेधरिकेद
वदालीकेरससे[illegible]पकावेपाछेविषखानीमेवाटियोरोसोदोघरीतिहिमेपकावैतवउतारिलेरतवघोटेत्रिकटुकेकाढासे
त्रिफलाकेकाढासेचितउरकेकाढासेदोदोदिनघोटैतवसिद्धहोर गुरिचकेरससे सेमरकेरससे लालवोरसे जोपित्तते अर्शहो

सारसं० ५५

ऊनौ रनै [illegible]देइ भीतीन वाततैजौ अर्शहोइतौ अंडीकेतेलसैविरूडसे घीउमरिच सैदेइजौ अर्शरोगकफतेहो रतौचित्ताउरसैगुडसै आदे
देइ त्रिदोषतै होइतौ गुडपीपरिसैदेइ हरर सोठ गुड ॥ त्रिफलाघीउमधुसैसर्व अर्शरोग दूरि होइसेवनतै ॥ अथ अर्शोहरः ॥
पारौभस्मभाग १ सीसौभाग २ वंगभाग २ गंधकभाग ३ सर्वएकत्रखरलेकुरेकेरससैदिन ३ लांगलीरससै दिन ३ गोलाकरिकेसुषैकैसंपुट
टआवदेइस्वांगशीतलहोइतवनिकासिलेइरतीनरतीदेइ अर्शप्रमेहग्रहणीपांडुरोगजाइ ॥ अथसूलारिः ॥ पारौगंधकसुहाग सोना
माषीकवनौना विष अभ्रक कौडीभस्म तांमौ शंषभस्म घोघाभस्म हरिनकेसीग सवएकत्रघूहरके दूधसै आकके दूधसैएक
एकदिनघोटैसंपुटमैधरिगजपुटआवदेइस्वांगसीतलहोइतवनिकासिलेइतवपारेकीवरावरविषडारिकैपुनिघोटै मरिचघीउसैषाइमा
सेर अथवामासे १ जैसोवलहोइतैसीमात्रादेइमहासूलरोगदूरिहोइपंक्तिसूलजाइक्षयीवचेसीपांडुरोगमंदाग्निग्रहणीसर्वदूरिहोइ
॥ अथवडवानलक्षारः ॥ पारौ गंधक सुहाग पाचौनौन साजीषार जवाषार हरर मोथा समलेइ चूर्णकरिएकहांडीमै आकके
पानधरैतेहकेऊपर चूर्णधरैतव आकके पात औरधरैगजपुट आवदेइ हांडीकौमुहमूदिकैसीतलहोइनिकासिकैपीसिषाइपंक्तिसू
लमंदाग्निसंग्रहणीविसूचिकाअजीर्णगुल्मकीलसर्वजाइ ॥ अथज्वरांकुसः ॥ पारौशुद्ध १ गंधकसुद्ध २ सुहागभाग १ २ विषभाग १ म-
रिचभाग ५ कांडफर ५ जैपालशुद्ध ५ एकत्रचूर्णकरिएकपहरभरिघोटैएकमासौदेइ अथवा याकौ दोदेइजैसोवलहोइ जीर्णज्वरत्रिदोषतै
होइसोदूरिहोइ जोहिज्वरमैक्षणमैशीतहोइक्षणमैउष्णहोइक्षणमैज्वरजातरहेक्षणमैहोइ आवैकवहूरातिकैहोइकवहूदिनकैत्रि सा०
५५

पु१

पज्वरततीयज्वरचौथैकविषमसर्वदूरिहोइरविरेचनतै ॥ अथमृगांकः ॥ पारौभाग १ सौनौभाग १ मोतीभाग २ गंधकभाग २ पारेकीचौथा
इसुहाग सर्वएकत्रकरिकांजीसैघोटैगोलाकरिकैसुषैलेइसंपुटमैधरिकैमुद्राकरिकैएकहांडीमैनौनभरैतिहिमैसंपुटधरिचूल्हेपर
चारपहरआवदेइस्वांगशीतलहोइतवनिकासिलेइचाररतीलेइमरिचसै अथवादशपीपरिकेचूर्णसैमधुसैषाइक्षयीरोगदूरिहोइ
अथराजमृगांकः ॥ सौनौएकभाग पारौभस्मदोयभाग वैक्रांतभस्मभाग १ गंधकभाग १ मोतीभाग २ हीराभस्मसौनेकीचौथाई सुहागपा
रेकीचौथाई सर्वएकत्रकरिजंभीरीकेरससैघोटै षरलेगोलाकरिकैसुषैलेइतिनिहिपरकपरालपैटेउपरकपरौटीमाटीसैकरै ७ त
वसुषैकैएकहांडीवीताभरवारिरीहोइदशआगुरचौरी चारआगुरचौरीमुहहोइतिहिमैकौटवाटिकैघेआगुरभरिदेइतेहिके
ऊपरगोलाधरैऊपरनौनभरिदेइहांडीकौमुहमूदिचूल्हेपरआवदेइपहरचार एकपहरमंदआवदेइ एकदोपहरमध्य येकदोपहर
रतेज अथवादोपहरमध्यआवदेइचौथेपहरतेजआवदेइजवस्वांगशीतलहोइतवनिकासैभैरवकौजपकरै कुमारीजोगिनीतृप्ति
करैव्राह्मणतृप्तिकरैविघ्नस्वरकीपूजाकरैतवषल्लमैचूर्णकरिकै दसपीपरिमधुसैचारिरतीदेइ क्षयीरोगजाइपांडुरोगप्रमेहग्रह
णीसूलसवप्रकारकेअर्शज्वरसंनिपात सर्वदूरिहोइ वलहोइ अग्निहोइ ॥ अथचिंतामणिः ॥ पारौभस्म वैक्रांत तांमौ लोह सौ
नौ मोती गंधक सर्वएकत्रकरिआदेकेरससैभावना ३ घमरारसकीभावना ३ चित्ताउरकेरसकीभावना ३ गाइकौदूध छेरीकौदूध
कीभावना ३ एकरतीलेइमधुपीपरिसैदेइ अर्श क्षयीकास अरुचिस्वासपांडुप्रमेहविषमज्वरसर्वदूरिहोइवातदूरिहोइ ॥ अथ

त्रैलोक्यचिंतामणि ॥ पारो सुद्ध भस्म हीरा सोनो रूपो तांमो लोह अभ्रक गंधक मोती शंष मूगा हरताल मनसिल सबसमलेर चिता
उरके [illegible] काढेसे धोटे दिन ७ आकके दूधसे दिन ३ निर्गुंडीके रससे धोटे दिन १ सूरनरसे
दिन १ थूहरके दूधसे दिन १ तवपीरीकोडी वडी वडी तिनमे भरे अरु सुहाग आकके दूधसे पीसिके कौडिनकौ मुखमूदे तवसव कोडी एक
हांडीमे धरे हांडीकौ मुख मूदि षदरामे आवदेइ स्वांगशीतल होइ तव निकासिके चूर्णकरे चूर्णके तुल्य मरो पारो वैक्रांत भस्म चोथाई
एकत्र करि मुलहजने केकाढेसे सातवार भावना देइ चितउरकेकाढकी भावना २१ आदेके रसकी भावना ७ भागकी भावना ७ जंभी
रीके रससे भावना ७ विजोरेकी ७ सुषेके चूर्णकरे तवसव चूर्णकी चोथाई सुहाग सुहागकी चोथाई विष विषकी वरावर मरिच लो
ग सोठि हरर पीपरि जाइफल तसव एक एक विषकी चोथाई अंसलेइ विजोरेके रसकी भावना आदेके रसकी भावना देइ तवसि
द्ध होइ चारि रती षाइ मधु पीपरिसे अथवा मधु आदेके रससे षाइ अथवा सोठ गुडसे षाइ मंदाग्नि जाइ वलहोइ तेजहोइ वीर्ज
वढे विषदूर होइ सरीरपुष्ट होइ वलीपलित दूरि होइ कास क्षयी स्वास वात विद्रधि सूल पांडु ग्रहणी रक्तातीसार प्रमेह प्लीह जलो
दर पथरी तृषा शोफ हलीमक उदर तृतामूत्रकृछ भगंदर सर्वज्वर अर्श सर्व कुष्ट साध्य असाध्य सर्वरोग दूरि होइ ॥ अथ रत्नगर्भपोट
ली ॥ ॥ पारो मरो हीरा सोनो सीसो लोह तांमो सवमारलेइ मोती सोनामाषी मूगा संष सवसमानभाग लेइ चिताउरके रससे घो
टे दिन ७ सुषैके कोडिनमे भरे सुहाग आकके दूधसे पीसिके कौडिनकौ मुखमूदे तेसवकौडी हांडीमे धरिके हांडीकौ मुखमूदिके रा०
५६

गजपुट आंचदेइ स्वांग सीतल होइ तव निकासिके कौडी समेत तव निर्गुंडीके रसकी भावनादेइ ७ आदेकी रसकी भावना ७ चिताउरके र
सकी भावना २१ देइ सुषे सुषैके तवसिद्ध होइ चारिरती देइ दशपीपरि उनइस मरिच मधुघीउसे देइ क्षयरोग दूरहोइ आठमहारोग जाइ
वे आठमहारोग ए हे वातव्याधि पथरी कुष्ट प्रमेह उदर भगंदर अर्श संग्रहणी ए आठमहारोगकहावत हे ज्वर अतीसार सर्व दूरि होइ
॥ अथ राजमृगांक ॥ रसभस्म सुवर्णभस्म चारि चारि मासे लेइ संषगंधक मोती ए आठ आठ मासे लेइ कौडीभस्म आठमासे सु
हागा एकमासे सवएकत्र करिके चिताउरकेकाढेसे घोटे पहर २ गोलाकरिके सुषैके संपुटमे धरिकपरोटी करिके एक हांडीमे नोनभ
रे तिहिके बीच गोला धरिके चूल्हे पर आंचदेइ पहर ४ जवस्वांग शीतल होइ तव निकासि लेइ चारिरती देइ घी उसे मिरचसे देइ मधुपीप
रिसे देइ राजरोग क्षयी दूरि होइ ॥ अथ सर्वांगसुंदर ॥ सोनो भाग १ अभ्रक ८ गंधक भाग ५ पारो भाग ६ सुहागा २ सोनामाषी ३ तांमो
भाग ७ सवएकत्र करि जंभीरीके रससे घोटि लघुपुट देइ केरस अषैले इ असीसात पुट देइ तव चूर्णकरिके विषमोती मरिच एक एक भाग ३
भाग ७ सव एकत्र करि जंभीरीके रससे घोटि लघुपुट देइ केरस सुषैले इ असी सात पुट देइ तव चूर्णकरिके विषमोती मरिच एक एक भाग ३
विकै घोटे तवसिद्ध होइ षाउ घीउसे षाइ जीर्णज्वर अरुचि वलक्षय कास प्रमेह पांडु भ्रम गुदरोग उदररोग सर्व दूरि होइ एकरती दोरती
षाइ ॥ अथ वसंतकुसुमाकरः ॥ सुवर्णभस्म भाग २ अभ्रकभस्म भाग २ लोहभस्म भाग ३ पारदभस्म भाग ३ वंगभस्म भाग ३ सर्व एकत्र
करि भावना देइ गाइके दूधकी ७ ऊषके रसकी ७ जो ऊषको रस न होइ तो षाडपानी मे घोरि लेइ रूसेर रसकी भावना ७ हरदके रसकी ७
केरके केरस्के रसकी भावना ७ उरई के रसकी ७ कंस्तूरीकी भावना १ तवसिद्ध होइ एकरती देइ मधुसे सर्व प्रमेह जाइ क्षयी कास तथा स्वास र

क्त पित्त अतीसारजार पांडुग्रहणीमूत्राघात पथरी सर्व्व हरि होइ ॥ अथ सर्वांगसुंदर चिंतामणि रसः ॥ अभ्रक गंधक पारो एक एक तोला
विष आधो तोला अजैपाल आधो तोला सर्व सुद्ध मरे लेइ सब एकत्र षल्ले पानी सै कल्क करि कै नागवेल के पान मै धरै तब छै आंगुर
षदरा करै ति हि मैं नीचै नागवेल के पान धरै तब कल्क लपेट पान धरै तब ऊपर और पान धरै षदरा भरि देइ तब ऊपर आंच करै कंड
नकी सीतल होइ तब निकासि लेइ कल्क पानन सैल गौ है ते पान समेत फेरि षल्ले तब आधो तोला विष अरु अधो तोला अजेपा
ल के बीजा शुद्ध डारै अरु षल्ल करै सिद्ध होइ [illegible] एक रती आदे के रस सेदेइ मरिच चिताउर सै धोनोन रन के जोग सै देइ
संनिपात तथा वात त्रिदोष विषमज्वर मंदाग्नि ग्रहणी अतीसार जाइ भोजन दही भात करै जो गरमी अधिक होइ सीतल जल ल्हा
रै सरीर सीतल करै ॥ अथ मृत्युंजयो रसः ॥ सोना माषी हरताल अजैपाल विष मटसिल तांबौ गंधक पारो सम लेइ एकत्र
मूसरी के रस सै घोटै संपुट करि कुक्कुटपुट मै पचावै बीता दोइ गहिरो षदरा मै सीतल होइ तब निकासि कै छै रती देइ दही भात प
थ्य नवज्वर संनिपात हरि होइ ॥ अथ ज्वरारिः ॥ सुहागा पारो गंधक सुद्ध लेइ मरिच सब सम एकत्र करि जंभीरी रस सै घोटै दिन ती
न सुषै कै षांड मछरी को पीतो की भावना देइ तब सिद्ध होइ आदे के रस सै देइ रती ६ शीतल जल पिये महा भात भूटा षाइ सर्वज्वर
हरि होइ ॥ अथ चंद्रोदय रसः ॥ पारो मरो गंधक सुद्ध बंग अभ्रक सम लेइ एकत्र करि जंभीरी के रस सै घोटै लघुपुट देइ
सात पुट तब ग्वारि के रस की चिताउर के रस की भावना सात सात देइ गुड जीरे सै देइ जीर्णज्वर हरि होइ ग्वारि सै देइ कास स्वा रा० ५७

स जाइ त्रिफला के काढे सै उन्माद जाइ गुरिच के काढे सै धनुर्वात जाइ ॥ अथ जीर्णज्वर लोरसः ॥ सीसो मरो बंग तांबो गंधक सु
हागा पारो विष अजैपाल हरताल सम लेइ एकत्र करि वट के दूध सै घोटि गोला करि सो गोला एक भांडे मै धरि कै दीपक आंच मै पचा
वै सीतल करि कै घमरा के रस सै घोटै आदे के रस सै [illegible] दो रती देइ जीर्णज्वर हरि होइ ॥ अथ गररोग शांति तैलं ॥ पा
रो गंधक भाग १० सुहागा भाग १० सुपेत अंकोला के बीजा की विजी भाग २० अजैपाल भाग २० एकत्र षल्ल मै डारि कै व
ड़ी दंतीन की जर के रस सै षरल दिन १ छाया मे सुषावै मधु मै सब सानै दूवां तब एक नारियर के भीतर को षोपरा काढि डारै ति हि
नारियर मै ओषद सब भरि देइ सात दिना धरि राषै तब नारियर ते निकासि कै को से की हाडी मै धरै तेज घाम मै कुवार मै अथ
वा वै साष मै करै घाम के लगे जो तेल निकसै सो काच की सिसी मै धरि राषै नाभि मै लगावै वि रेचन होय कंठ मै लेपक
रै वमन होइ जब बंद करने आवै तब दूध अरु षाड पियै अरु निबु के रस सै धोइ डारै ते हि तेल मै हरर डारि राषै मही
१ फिरि निकासि कै जै वार सूघै तै वार दस्त होइ दाहिने सुर स्यूघै तो विरेचन होइ बाये सुर स्यूघै वमन होइ नवज्वर विष
म सन्यास भहनु ग्रह सर्व हरि होइ वमन विरेचन तै यह ओषद बडे चिमत्कार की है ॥ अथान्य विरेचन ॥ पारो गंध
क त्रिकटु अजैपाल सुरजने के बीजा एकत्र करि थूहर के दूध मै घोटै दिन १ सब अधेला अधेला भर लेइ गोमू
त्र मै घोटै दिन १ नाभि लेपक रै षाइ न विरेचन होइ यह ओषद राजन लायक है जब धोइ डारै तब बंद होइ ॥ अन्य रा

सारसं० ५७

क्तपित्तअतीसारजारपंडुग्रहणीमूत्राघातपथरीसर्वदूरिहोइ ॥ अथसर्वांगसुंदरचिंतामणिरसः ॥ अभ्रक गंधक पारो एकएकतोला
विषआधोतोला अजेपालआधोतोला सर्वसुद्धमरेलेइ सवएकत्रषल्लेपानीसेकल्ककरिकै नागवेलकेपानमैधरे तव छेआगर
षदराकेरेतिहिमेनीचेनागवेलकेपानधरेतवकल्कलपेटपानधरेतवऊपर औरपानधरेषदराभरिदेइ तवऊयर आंचकरेकेड
नकीसीतलहोइतवनिकासिलेइ कल्कपाननसेलगोहेतेयानसमेतफेरिषल्लेतव आधोतोलाविष अरअधोतोला अजेपा
लकेवीजाशुद्धडारे अरषल्लकरेसिद्धहोइ [illegible] एकरती आदेकेरससेदेइमरिचचितापुरसेघोनोन रनकेजोगसेदेइ
संनिपाततथावाततिदोषविषमज्वर मंदाग्निग्रहणीअतीसारजार भोजनदहीभातकरे जोगरमी अधिकहोइसीतलजलन्हा
रे सरीरसीतलकरे ॥ अथमृत्युंजयोरसः ॥ सोनामाषी हरताल अजेपाल विष मनसिल तांमो गंधक पारो समलेइ एकत्रे
मूसरीकेरससैघोटेसंपुटकरिकुक्कुटपुटमेपचावैवीता दोइगहिरोषदराभेसीतलहोइतवनिकासिके छेरती देइदहीभातप
थ्यनवज्वरसंनितद्दूरिहोइ ॥ अथज्वरारिः ॥ सुहागा पारो गंधक सुद्धलेइ मरिच सवसमएकत्रकरिजंभीरीरससेघोटे दिनती
नसुषैकै षांड मध्वरीको पीतो कीभावनादेइतवशिद्धहोइ आदेकेरससैदेइरती ६ शीतलजलपि अमहाभात भटाषाइ सर्वज्वर
नसुद्धके ... लघुपुन्देइ
दूरिहोइ ॥ अथचंद्रोदयरसः ॥ पारोमरो गंधकसुद्ध वंग अभ्रक समलेइएकत्रकरिजंभीरीकेरससे घोटे लघुपुन्देइ रा०
सातपुट तवग्वारिकेरसकी चितापुरकेरसकीभावनासातसातदेइ गुडजीरसेदेइजीर्णज्वरदूरिहोइ ग्वारिसेदेइकासस्वा ५७

सजार त्रिफलाकेकाढेसैउन्मादजार गुरिचकेकाढेसैधनुर्वातजार ॥ अथजीर्णज्वरहरोरसः ॥ सीसोमरो वंग तांमो गंधक सु
हागा पारो विष अजेपाल हरतालसमलेइ एकत्रकरिवटकेदूधसेघोटिगोलाकरिसोगोलाएकभांडेमे धरिकै दीपकआचसेपचा
वै सीतलकरिकेघमराकेरससे घोटे आदेके रससे [illegible] दोरतीदेइजीर्णज्वरदूरिहोइ ॥ अथगरोगशैतेलं ॥ पा
रो गंधकभाग १० सुहागभाग १० सुयेत अकोलाकेवीजाकीविजीभाग २० अजेयालेभाग २० एकत्रषल्लमेडारिकै व
डीदतोनकीजरकेरससेषरलेदिन १ छायामेसुषावैरधुमेसवसानेइवा तवएकनारियरकेभीतरकोषोपराकाढिडारेतिहि
नारियरमेओषदसवभरिदेइसात्तदिनाधरिराषे तवनारियरतेनिकासिकेको सेकीहाडीमे धरेतेजघामेमैकुवारमेअय
वावे सासमेकरे घामकेलगेजोतेलनिकसे सोकाचकीसिसीमेधरिराषे नाभिमेलगावेविरेचनहोय कंठमेलेपक
रेवमनहोइ जववंदकरनेआवेतवदूध अरषाडपिवै अरुनिवुकेरससे धोइडारे तेहितलमैहरडारिराषेमही
१ फिरिनिकासिकेजेवारसूघे तेवारदस्तहोइदाहिनेसुरस्सूघेतो विरेचनहोइ वाएंसुरसूघेवमनहोइ नवज्वर विष
मसन्यासत्तभहनुग्रहसर्वदूरिहोइ वमनविरेचनतेयह ओषदवडेचिमत्कारकीहे ॥ अथान्यविरेचन ॥ पारोगंध
कत्रिकटु अजेपाल सुरंजनेकेवीजा एकत्रकरिथूहरकेदूधमेघोटेदिन १ सवअधेला अधेलाभरलेइ गोमू
त्रमेघोटेदिन १ नाभिलेपकरेषाइनविरेचनहोइयह ओषदराजनलायकहैजवधोइडारेतववंदहोइ ॥ अन्य रा

विरेचन ५॥ सेतगगचीकी विजी अजैपा लसम लेर विष्णुकांताके रससे नाभिमे लेपकरे विरेचनहोर राजा जोगपवि
रेचन यहलेय अधोमुषनक्षत्रमे करे चंद्रवलतारावलहोरतवकरे मूल कृत्तिका मघा विसाषा भरणी श्लेषा पूर्वा
फाल्गुनी पूर्वाषाढ पूर्वभाद्रपद इतने अधोमुषनक्षत्र है जवफारवंदकरो चाहेतवलेपधोइडारे वंदहोर ॥ अमुरव
विरेचनं॥ निसोतकोचूर्णमासे ४ अधेलाभरिषाउ षारे आमा.. तवि.. रेचनहोइ जवफारहो खेकै तवमहाभाततषा
इ॥ अथ शिलातालीरस:॥ हरताल मनसिल सुद्ध गोषरूके रसमे घोटे दिन १ रूसे केरसमे दिन १ संपुटकरिवालु
का जेत्रमे पचावे पहर १ तवनिकासिके तेहीकीवरावर त्रिकुटलेइ अरु तेहीकी वरावर निर्गुंडीको चूर्णले रएकत्र मिलाइके मा
सीएकषाइस्वासकासजाइ ॥ अथ हंसमंडूर:॥ किटीसार चूर्णकरिके अठगुने गोमूत्रमे पचावे जवगाढो होइतवउतारे सोढिमरि च पी
पर त्रिफला मोथा विडंग चव चितउर दारुहरद पीपरामूल देवदारु वरावरलेइ चूर्णकरिकेमंडूरकी वरावरसवचूर्णमिलाइदेइ तवअधे
लाभरिषाइ मठाभात भोजनकरे पांडुरोग सोफ हलीमक उरुस्तंभ कामला अर्श सर्वरोग दूरिहोइ ॥ अथ सिद्धमंडूर:॥ मंडूरटका ८ अठ
गुनेको मूत्रमे पचावे जवगाढो होइ तवउतारिलेइ तव औषदे चूर्णकरिमिलाइदेइ पथ्यरसगा निसोत त्रिकुटु विडंग देवदारु हरद दारुहरद
पुहकरमूल चितउर दातौनकीजर चव त्रिफला अधेला अधेलाभरिलेइ चूर्णकरिमिलाइदेइ अधेला अधेलाभरे की गोलीवाधे
पांडु सोफ उदर अनाह शूल अर्श कृमि रोगसर्वदूरिहोइ ॥ इतिसिद्धमंडूर:॥ अथ रसप्रदीपकोतेरसचिकित्सालिख्यंते ॥ अथ महा

मृत्युंजयोरस:ज्वरादिसर्वरोगेषु॥ पारोसुद्ध एकतोला विषसुध तोला १ सीसो सोधौ तोला १ गंधकसुद्ध तोला १ पहिलसीसौ पिघलावे
तेहिमे पारो मिलाइदेइ सीतल करिकै पल्लमे घीसेतवगंधिकडारिकै कजरी करे पी छैविषचूर्ण मिलाइकै चितउरकेरस सैघोटे दिनदोइ ज
वगाढो होइ तव वारीकएकतोलाभरि सौनेकेपत्र औ ही पिठिके आसपास लपेटे सरावसंपुटमे राषिकै एककपरोटीकरे संपुट सुषैके एकहा
डीमे धरै संपुटके ऊपर चारिआगुरवारू देइ तिहिके ऊपर लोहेकीकटोरी औधारदेइ लोहेकीकटोरीकी दरजमेमाटीलगाइ देइ चूल्हेपरध
रिकै एकपहर मंद आंचदेइ जव स्वांगसीतल होइ तवउतारे इनौके चतुर्थांस सोधौ विषडारे जो चारभागपारदभस्म अरु सौनो होइ तौ उनहीकी
वरावर मोतीडारे अरु विषकी वरावर एकभागगंधक डारे दो दिन चितउरकेरससै घोटै जवगाढो होइ तव फेरि सौनेके वारीकपत्रनसे चारउ
तरफ कल्कको मूदेय हिलीयारदभस्म अरु सुवर्णभस्म दोऊकी चतुर्थांस सौनेके वारीकपत्र लेइकै गोलाके चारउतरफ मूदिकै शरावसंपुटमे
धरिकै एककपरोटी करिकै एकहांडीमे धरिकै सरावसंपुटके ऊपर चारिआगुर वारू भरिकै औही भांति लोहेकीकटोरी से मूदिकै औही भां
ति आंच देइ पहर १ तवलकरी निकासि डारे जव स्वांगशीतल होइ तवनिकासि लेइ रतीनरतीषाइ जेहिरोगके अनूपानसैषाइ तेही रोगकूं हइ
रिकरे सैमरकेरससैषाइ तौ पित्तरोगकौ दूरिकरै छर्दषांसी अम्लपित्त स्वास यानात्ययकहइ दूरिकरै अरु एही अनूपानसै पुष्टिकरे मरिचके
साथषाइ तौ कफरोगदूरिकरे पीपरिकेसाथषाइ तौ वाइकेरोगदूरिकरे अरु वातज्वरकेकाढे सैषाइ तौ वातज्वर दूरिकरे पित्तज्वरकेका
ढेसैषाइ तौ पित्तज्वरदूरिकरे कफज्वरकेकाढेसै कफज्वर दूरिकरे सन्निपातकेकाढेसै संनिपातज्वर दूरिकरे विषमज्वरकेकाढेसै विष

सारसं० ५९

मज्वरदूरिकरै एहीभांतिजेहीरोगकेकाढेसेचूर्णसे अवलेहसेअनूपानसेदयौजाइतेहीरोगकूंदूरिकरै घीउमधुसेदेइतौपरिणा
मसूलकूंदूरिकरै गुरिचजीरेसेषाइतौस्वरभेददूरिकरै उटनीकेदूधसे अयवानारायराचूर्णसेउदररोगदूरिकरै एहरससेवनते के
शरीरहाथीकीनाईमोटोहोततै अरुवलवंतहोतहै वारसुपेतन तोरम्हुनहोइ यहरसकौगुनप्रलयताईनकरिसकै अथनवज्वरे
लघुमृत्युंजयोरसः ॥ पारोशुद्ध ईगुरसुद्ध अजैपाल अधेलाअधेलाभरतीनउएकचकरि विधारेकेरससेघोटै दिन२ वउँदितोनकरस
सेघोटैदिन२ अरुआदेकेरससेघोटैवारहवेर एक रतीप्रमानगोलीवाधे एकगोली चाररती मिश्रीकेसाथदेइ नवज्वरदूरिहोइ जोदा
हअरुवेगहो तौमठभातषाइ अरुजोदाहतहोइ तौनषाइ ॥अथअन्यमृत्युंजयोरसः॥ साजीषार जवाषार सोठि पीपरि मरिच सैधो
सोचर पांगा साम्हर विडलोन सोफ पैसापैसाभरि लेरवाटिचूर्णकरै जोयहचूर्णग्यारहपैसाभरिहोइ तौग्यारहपैसाभरिसोधोयपारो
लेरअरुग्यारहपैसाभरसुद्धगंधकलेर दोऊकीकजरीकरैपाछेचूर्णमेमिलाइकेदिनतीनघोटै कफाधिकसंनिपातमेयहचाररती
आदेकेरससेदेइसंनिपातदूरिहोइ सूलदूरिहोइ आमजन्यविकारदूरिहोइ अग्निमंदकूंदूरिकरैकोष्ठवंधदूरिकरै अरुवातश्ले
ष्मातेउत्पन्नजेहैरोगतेसवदूरिकरै कासस्वासदूरिकरै ॥अथनवज्वरेधूमकेतुः॥ शुद्धपारोपैसाभरि शुद्धगंधकपैसाभरि दोउ
कीकजरीकरैपाछेसमुद्रफेनपैसाभरि ईगुरपैसाभरि दोऊकजरीमेमिलाइकेएकपहरसूधौघोटैतवआदेकेरससेतीनदिनघोटैदे
दोरतीकीगोलीवाधे घाममेसुषैकेधरिराषै एकगोलीआदेकेरससेदेइतीनदिनकेदयेसेनवज्वरदूरिहोइ वलवंतकहछेरती

रा० ५९

देइआदेकेरससेदिन३लरिकाकूंएकरतीभरदेइ ॥अथनवज्वरेउदकमंजरीरसः॥ पारोसुद्ध गंधकशुद्ध सुहागाभूंजो मरिच एकएकपै
साभरि मिश्रीपैसाचारिभरि रोहमछरीकोपीतोपैसातीनभर पहिलेपारेगंधककीकजरीकरैतवसवऔषदमिलावैएकपैसाभरिपित्ते
सेएकदिनघोटै एहीप्रकारदोदिनऔरघोटै एकरतीभरमात्राआदेकेरससेदेइ वलवंतकौंतीनरतीदेइ आदेकेरससेएकदिनमेनवज्वर
दूरिहोइ पथ्य भराकोभरत अरुभातषाइ जौदाहवहुतहोइ तौतकदेइ ॥अथपंचवक्रोरसःसंनिपाते सोधोगंधक पारोशुद्ध सुहागा
भूंजो मरिच विषसुद्ध एसवएकएकतोला पारेगंधककीकजरीकरैसवएकत्रमिलाइकेधतूरेकेरससेएकपहरघोटैपाछेसुषैकेएकर
तीदेइ आदेकेरससेमहासंनिपातदूरिहोइ ॥अथसंनिपातेअग्निकुमाररसः॥ सुद्धपारो सुद्धगंधक पैसापैसाभरि विषशुद्ध अधेलाभरि
पहिलेपारे गंधककीकजरीकरैपाछेविषचूर्णमिलावै हंसपदीकेरससे एकदिनघोटैजवगाढोहोइतवगोलीवाधेसुषैकेकूपीमेडारेके
पीकोचकीछोटीहोइ कपरोटीकरै सुषैकेहांडीमेराषैहांडीकेतरेचारआगुरवारूभरैतिहि परशिशीराषैपाछेऔरवारूभरिदेइसिसीकेमु
हमाटीसेमूंदे वारहपहरआंचदेइ दीपकजवशीतलहोइतवउतारिलेइ शिशीफोरिकेरसनिकासिलेइ नवछैमासेभरविषऔरडारे अरुछैमासे
मरिचचूर्णकरिकेडारै एकपहरघोटैएकरतीदेइसंनिपातदूरिहोइ प्रलापदूरिहोइ भूषहोइ सूलसंग्रहणीक्षयीपांडुरोगकासस्वासदूरिहोइ
अरुजेसंनिपातीकौपेटचलतहोइ कासहोइ स्वासहोइ सोऊनीकोहोइ रहिकीकरतव्यताकूदिनलेइ जैसौलिषेहैतेहिभांति नालीसधि आ
वतहै तेहिते इहरसकौंयहभांतिवनावै पाचपैसाभरिपारोलेइ पाचपैसाभरिगंधकलेइ दोऊकीकजरीकरै अठाईपैसाभरिवि

घडारै हंसपदीकेरससेघोटै दिनतीनजवस्वखिजारतवसिसीमैभरैवारहपहरतेजआचदेइअरुतीनेपेसाभरिगंधककडारै रसवि
षकेसंजोगतेगंधककीराषकरहछोउदेततैरंगलाललोतरै तेतिकरहएकनारियरमैधरितवे एकपेसाभरिनिकासिलेरदतेहिमैछमा
सेदिवसुख अरुछैमासेसमरिचडारिकैचारपहरघोटैएकरतीदेइसंनिपातदूरिहोइ अथवाअधेलाभरिरसलेइतीनमासेविषृती
नमासेविषसेमरिचडारिकैएकदिनघोटैएकरतीदेइ ॥अथअतिमोहनमूर्छस्वसंनिपातिनश्चिकित्सा । विषसोधोपेसाभरिईगुर
पैसाभरि दोऊकलहदोदिन अमलवेतनीबूकेरससेघोटै दोदिनजंभीरीरससेघोटै अरुदोदिनचांगेरीरससेघोटै चांगेरीकेहनै
निया दोदिनभिर्गुडीरससेघोटै दोदिनगजपीपरिकेकादेसेघोटै घाममेसुषैकेपाछेचितावरकीजरकेरससेघोटैपहर२उरदबराव
रगोलीवाधै सोठिपीपरिमरिचहींगभूंजीचारउवरावरलेइचूर्णकरिराषैमासेभरयहचूर्णअरुउरदवराबररसआदेकेरससेघोटि
पिअवैमोहदूरिहोइवेगिदेजगउठै मोहमैजोजमलोकगयोहोइतौयहरसकेप्रतापतेफिरआवै ॥ अथसंनिपातप्रलापशांत्यर्थंकल्प
रोनरसः ॥ पारोसुद्ध गंधकशुद्ध गोमूत्रकोसोधोसिंगियाविष मनसिल भूंजोसुहागा एसवअधेलाअधेलाभरि सोठिपीपरिपैसापैसा
भरि मरिचपैसापाचभरि पहिलेपारेगंधककीकजरीकरैतवविषमनसिलसुहागसोठमरिचपीपरसवचूर्णकरिकैकजरीमेमिलाइकै
दोयहरघोटैतवकल्पतरूरससिद्धहोइ अरुजोआदेकेरससेदोयपहरओरघोटै तोवहुतगुनकरैअरुविषकीगरमीदूरिहोइ एकरतीभरआ
देकेरससेषारतौवातकफजन्यसवरोगदूरिहोइ वातकफजन्यज्वरदूरिहोइ अरुवातकफजन्यस्वासकाससीततांअग्निमांद्यअरुचि

दूरिहोइ अरुजेहपुरुषकैरसकीवृद्धितैसर्वदामुतसैलाखलतरहैसोयहरसकेसेवनतेघभिजाइ यहरसकेनासतैअपस्मारजन्यजोदेशि
रपीडासोऊदूरिहोइ मोहसंनतापप्रलापछिकारोधएसवदूरिहोइ ॥अथशीतपूर्वकेविषमज्वरेसंनिपातेरामवाणोरसः॥ पारोसुद्ध गंधकशु
द्ध लोंग जाइफर सोठि पीपरि मरिच जवाषार विषसोधो वरावरलेइ दोदिनषल्लमेघोटै एकरतीभरिपानकेसाथषाइसेनिपातअरुविषमज्व
र इनदोऊपरअनुभूतहैअरुजूडीदूरिहोइ ॥अथशीतारिरसः॥ तोमेमारो गंधकसोधो सुहाग विषहरियाथूथो पारो षपरिया हरतालसोधो
वरावरलेयएकदिनकरेलाकेरससेघोटैएकरतीमात्रा चारिरतीजीरेचाररतीमिश्रीमिलाइकैषाइजूडीजाइ ॥ अथसोमलाद्यवटी संषिया
सुमलषार पैसभरि तवकियाहरतालपैसाभरि दोऊमिलाइकैषल्लमैघोटैघरीयकपाछेकरेलाकोरसपैसादोइदोइभरिडारै अरुघोटै यह
भांतितीनदिनलौघोटैजवगाढोहोइतवगोलीआधमूगवरावरवाधैप्रातःकालदेइदमरीभरिमिश्रीकेसाथजूडीदूरिहोइ ॥अथभूतभैरव
शीतज्वरे ॥ हरतालतवकियापैसाएकभरि छिकनीकोचूर्णपैसाएकभरि हरियाथूथोचारिमासे ग्वारिकेरससेघोटैदिन२जवसूषजाइतवशरा
वसंपुटमेराषैगजपुटआवदेइआधगजगाढिरोआधगजचौरोषदाकैआधेकेडानीचैआधेऊपरदेइवीचमेसंपुटराषैआवदेइजवशीतल
होइतवनिकासिलेइ एकरतीरसएकमासेमिश्रीमिलाइकैषाइवोतिलोइजूडीदूरिहोइदुपहरेदहीभातषाइ ॥अथद्वितीयभूतभैरवः॥ हर
तालअधेलाभरि हरियाथूथोपैसाभरि छिकनीकोचूनापैसातीनभरि धतूरेकेरससेएकपहरघोटैपाछेलोहकेवासनमेराषिकेधीमीआचसेग्वारि-
केरससेसुषावैकछुकगीलोरहनदेइविहानेभरिकछुककजरमकरिकैचनावरावरवटीवांधैमिश्रीतेएकवटीषाइजूडीसर्वदूरिहोइपथ्यषिनीषाउदहीभात

॥अथजीर्णज्वरारिरसः॥ चंद्रोदयतोलो१ सुवर्णमाक्षिकमारीतोला१ इनेमिलाइकेदोघरीघोटेतवदोरतीभरियतरसलेइवारह अथवाछेमिरच
कोचूर्णमिलाइकेमधुसेचाटिजाइ ऊपरतेअधेलाभरिअषवाइकराभरितुलसीकोरसपिअैपुरानोज्वरदूरिहोइ कफकोअधिकाइदूरिहोइ जोज्वरमैषांसी
होइस्वासहोइसोदूरिहोइभूषकरैलोहवंधदूरिकरैस्वरभेसंयुक्तजोराजरोगतिहिकोदूरिकरैपुष्टकरैवलकरैदेहकीकांतिउत्तमकरैअजीर्णज्वरकोभेद
जोदेवातवलासज्वरतेहकूदूरिकरै वातवलासज्वरमैसोयहोतहैकफअधिकसेषांसीहोतहै अरुवाताधिक्यसेअंगजकरजातेहै इहिमैस्वासहोइछर्दिहोइपिया
सहोइतोवीसविस्वामैरेजोयहऔषदषाइतोसोयस्वासछर्दिपियासएसवदूरिहोइ घीउनषाइमांसनषाइ ॥अथजीर्णज्वरेतिक्ताद्येलोह॥ कटुकी हरड
चंदन पित्तपापरो मोथा पाठि पीपरि देवदारु परवरकेडारपात त्रायमान मुरहारी रंड्ञो चिरतो सववरावरलेइवाटिछानिचूर्णकरैएकमासोभरिहोइरतीभरिसारमि चूर्ण
लाइकैमधुसेषाइजोज्वरसीतादिसेनदूरिहोइसोतिक्तादिलोहसेदूरिहोइ ॥अथजीर्णज्वरेपंचामृतपर्पटी॥ चंद्रोदयमासेछे स्वयमग्निभस्मसारमासेछे अ
भ्रकमारोमासेछे तांबोमासेमासेछे सवएकठपीसे सवतैदूनोसोधोगंधक पहिलेगंधकलोहेकीकरछुलीमैपिघलावेयारिकघीउडारिकेतवसवऔषदैघिघ
लेगंधकमैडारिदेइवेगिदैचलावैछुरीसेतवकेराकोपातगोवरकेऊपरतेतहिमैपतरोविछाइदेइ तेहिपरऔरकेराकोपातधरिदेइतेहिकेऊपरगोवरधरिदेइजव
शीतलहोइतवनिकासिलेइपीसिकैदोइरतीभरिलेइदोपीपरिकोचूर्णडारिकेमधुसेचाटिजाइजीर्णज्वरजोइवप्रवृत्तिसंयुक्तहोइसोदूरिहोइजोद्रवप्रवृत्तिअधिकत
होइतोमासेभरिजीरेचूर्णकरिमधुसेचाटेपीपरिनडारे जेहिजीर्णज्वरमैप्रवृत्तिइवनहोइसोऊयहसैनीकोहोइपरंतुउहाजीरेनदेइपीपरिमधुसेदेइयहपंचा
मृतपर्पटीअम्लपित्तकरदूरिकरैअरुअम्लपित्ततेसूलहोइवमनहोइतेतककदूरीकरैदोर्बल्यकहदूरिकरैपांडुरोगदूरिकरैस्भूषकरै ॥अथमालिनीवसंतोर
सः॥ जीर्णज्वरादो॥ षपरियाशुद्धपैसाइश्रभरिमिहीपीसिकै तेहिमैपाचपैसाभरिमरिचकोचूर्णमिलाइकेगारकैनैनूसेएकदिनघोटे दूसरेदिनसे रा॰
६१

कागदीनिंबूकेरससेघोटैदिनसातजवगाढोहोइतवटिकरीवाधिकेघाममैसुषावैदिनतीनफेरिवाटिकैकागदीनिंबूकेरससेघोटैदिनसोरहफे
रिटिकरीवाधिकेसुषावैफेरिकागदीनिंबूकेरससेघोटैमहीना१फेरिटिकरीवाधिकेसुषावैजवदेषैकैचिकनईटिकरीमैनहीदिषात चिकनईरहि
तटिकरीसुपेतहोनहेतवनघोटै दोरतीभरयहमालिनीवसंत दोपीपरिकोचूर्णमिलाइकैमधुसेषाइदिनसातअथवादिनचोदह एकरसपुरानो
ज्वरजोगरमीसेहोइसोदूरिहोइ जेकहरक्ताती सारहोइसोऊदूरिहोइदोरतीमालिनीवसंतकुरोअवलेहसेषाइ अरुजेकहरक्तप्रतिस्यायसेअथ
वारक्तपित्ततेअथवावातरक्ततेअथवावाउसेजेहकेभीतरलोहूकीयपरीजमिजाइतेकहदोरतीमालिनीवसंतमधुसेदेइअरुदूधभातषेवेकहदे
इ अरुजेकहपित्तजन्यदाहरोगहोइतेहकहमधुसेदेइ अरुजेहकीनाककोवांसापपरीकेपरतपरतथोरोथोरोगिरोहोइवाउकेसववसेतेहकेथांभि
र वेकेलानेएकजौयहमालिनीवसंतरसमधुसेदेइ दूसरीजोरवारमासेचोवचिनीमधुसेदेइतोवांसाऔरनगिरैजोकेवलचोवचिनीषाइतोचोवचिनी
कीगरमीतेअधिकलोहूकीयपरीयैअरुवांकोवांसारहोहोइसोऊगिरिपरैतेहितेविनमालिनीवसंतचोवचिनीनदेइ चारिमासेचोवचिनीकोचूर्ण
चारिरतीमालिनीवसंतमिलाइकैमधुसेचाटिजाइ वाउसेगोडकोलाउहायकोलाउवालिकैगिरिपरतहैनाककेलाउकीकाचली अरुजेकहरक्तप्रदर ह
थ होइअथवारक्तार्शहोइतेकहदोरतीमालिनीवसंतचारिमासेरसोतकेसाथदेइ अरुजेहकीआंषमेधुंधहोइनापूताहोइतेकहएकरतीभरिमालि
नीवसंतएकवंदवासेपानीडारिवीकनेयाथरपरघसारिकेप्रातःकालअंजनदेइनीकोहोइ ॥अथसुवर्णमालिनीवसंतोजीर्णज्वरादो॥ एकतोला
सोनकेतवक दोतोलाछोटेमोती तीनितोलाईगुर चारितोलामरिच आठतोलाषपरिया सवषल्लमैचूर्णकरैपाछेनैनूडारिकेएकदिनघोटैतव

रिकरी वाधि कै घाममै सुषाइकै दिन तीन फेरि घोटै दिन सोरहटिकरी वाधिकै फेरि सुषावे फेरि घोटै महीना १ जवजानेकै घीउ मुलभयौ तवन घोटै +१

सारसं० ६२ निंबूकेरससे घोटै दिन सात जो गुन पहिले मालिनी वसंत कै सो गुन इहि कौ जो मात्रा और हकी सोयेहकी जो अनूपान ओ हकौ सो इहि को पर गुय

हमालिनी वसंत औषके रोग परवहुत वलतहै ।।अथजीर्णज्वरेतृतीयमालिनीवसंतः।। को सुला मारो तोला १ स्वयमग्नि भस्म अभ्रक मारो तोला

एक तांमो मारो तोला १ लोघाकी सोना मारी तोला एक रूपो मारो तोला एक सोधो गंधक तोला एक वंगेश्वर तोला १ स्वयमग्नि भस्म सार तोला

एक सुहाग भुंजो तोला एक योघाकी भस्म तोला एक सव एकत्र पीसिकै गीली सतावरि केरसकी सात भावना देइ गीली हरदी केरसकी सात भावना

देइ तव सिद्ध होइ जीर्णज्वर दूरि होइ रोमा संगुरिच कौ सत अरु रोमासे मिश्री इनो केसाय तीन रती भरि रसषारतो प्रमेह दूरि होइ अधेला भरि आदे

–देइतवसिद्ध होइ जीर्णज्वर दूरि होइ रोमा सेगुरिचकौ सत अरु रोमासे मिश्री इनो केसाय तीन रतीभर रसषार तो पथरी दूरि होइ ।।अथातीसारग्रहण्योश्चिकित्सा।। अथगंगाधररस

कोरस अरु अधेला भरि विजौरेकौ रस इनो केसाय तीन रती भर रसषार तो पथरी दूरि होइ तवपाछिली औषदनकौ चूर्ण मिलावे

सः मोथा मोचरस लोध धवईके फूल वेल रंइजो अफीम पारो गंधक पहिले पारो गंधक कजरी करै तव पाछिली औषदन कौ चूर्ण मिलावे

पहर एक घोटै पाछै अफीम मिलाइ केपुसा के पानी से घोटै दिन ३ तव सिद्ध होइ तीन रती षाइ गुड से पाछै पैसा भरि महा पिवै अतीसार प्रवाहिका

संग्रहणी दूरि होइ सव औषद वरावर लेइ पारो शुद्ध डारै अथवा वंगेश्वर डारै वंगेश्वर डारै तो गुन वहुत करै ।।अथग्रहणीकपाट।। वंगेश्वर तो

संग्रहणी दूरि होइ सव औषद वरावर लेइ पारो शुद्ध डारै अथवा वंगेश्वर डारै ... जवाषार तोला एक सुहाग भुंजो एक तोला अरगथुकी जर कौ वकला कौ चूर्ण एक तोला वचकौ

ला १ अभ्रकमारो तोला १ गंधक सोधो तोला एक १ जवाषार तोला एक सुहागभुंजो एक तोला अरगथुकी जर कौ वकलाकौ चूर्ण एक तोला वचकौ

चूर्ण एक तोला सव एकत्र करिकै घरी चार सूषो घोटै पाछै एक दिन अरगथुके रससे घोटै दिन एक जंभी के रससे घोटै दिन एक घमरा के रससे घोटै

दिन १ तव एक गोला करै सात तोला कौ तिह कौ एक दिन घाममे सुषवे तेहि गोला कहलो हे के पात्र मे राषे ऊपर से पारे से हा पतरे दो लकरी

कौ आंच देइ अरु आध आध घरी पाछै गोला कहउलट तपलटत रहे जेहितै चारि उतरफ आंचलगे एहतरह चारि घरी आंच देइ तव गोला नि सा० ६२

कासिलेइ षल्लमे पीसै तव एक तोला अतीस कौ चूर्ण डारै अरु एक तोला मोचरसकौ चूर्ण डारै फेरि घरी चार घोटै पाछै कैथ के गूदे केरससै सात वार घो

टै सात वार गीली भांग के रससे घोटै अथवा भांग के काढे से घोटै एक वेर धवईके फूल के काढे से घोटै रंइजो माया लोध वेल गुरिच इन औषधनके

काढे से एक एक वेर घोटै तव सिद्ध होइ घाममे सुषैकै धरि राषै पहिले मासो भरि षाइ मधु से दिन ७ ऊपर से यह चूर्ण दो मासे षाइ गररा पानी से चिताउ

र सोठि विडनोन वेल सेंधोनोन वरावर लेइ चूर्ण करि राषै इस रसा ते संग्रहणी कपाट रस दो मासे षाइ तीसर से सात अढाई मासे षाइ एही भांति व

ढाइ कै चारि मासे लौ षाइ संग्रहणी दूरि होइ अन्न पचे देह की पिअराई दूरि होइ सोय दूरि होइ दुर्वलता दूरि होइ ।।अथअर्शरोगचिकित्सा

दो रती भरि पहिले मालिनी वसंत दो मासे भरि नागकेसरि दो मासे मिश्री दो पैसा भरि गाइ कौ नैनू सेचाटि जाइ रक्तार्श कौ लोहकौ वंद करै ।।अ

थअर्शकुठारोरसः।। पारद भस्म अभ्रक मारो सोना मारो गजवेल मारो तांमो मारो सकेला लोह मारो मंडूर गंधक सोधो सोनामाषी मारी सव

वरावर लेइ एक दिन ग्वारि के रससे घोटै गोला करि सुषावे सरावसंपुट मे राषि तीन कपरौटी करि धान की भूसी के वीच मे राषै तीन दिन आंच देइ वौ थे दिन

निकासि लेइ मासे भरि षाइ घीउ मधु षांड से पित्तार्श दूरि होइ ।।अथअत्यंतकोष्ठवंधादिसमन्वितअसाध्यपर्यन्तअर्शकुठारोरसः।। पारो शुद्ध

पैसा दो भरि गंधक सुद्ध पैसा चारि भरि तांमो मारो पैसा छै भरि सार पैसा छै भरि सोठि पीपरि मरिच चिताउर वडी दंतीन कवीला करिहारी इन एक च्या

३ रि चारि पैसा भरि से घोटै दश पैसा भरि सव एकत्र करिकै दिन एक घोटै तव एक कराही मे डारै डेढ सेर सेहुंडकै दूध औरै डेढ सेर गोमूत्र डारै धीमी आंच से

पचावे जव गाढो होइ तव दो मासे षाइ फकीर मिली केरस से मठा भात अथवा दही भात षाइ सर्व अर्श दूरि होइ रक्तार्श पर यह रस न देइ ग्गर म वहुत है अ

सारसं· ६३ रुपित्तार्शपरयहरसनदेरजौरक्तार्शपरदेरतौमात्राकमकरिकैदेरअर्शकेदूरिकरवेकरअर्शजन्यकोष्टबंधदूरिकरवेकरउरहैसमानदूसरौउपाइ
नाही यहरसगारमबहुतहेएहीवास्तेपकीदरमिलीकेरससेदेतहैजोयहरसमेदहीभाततक्रभातनषारतौ विरेक्बहुतकरेअरदारुकरे ॥अथअ
र्शसिअग्निमुखलोह ॥ निसोतसोरहपैसाभरि चितावर निर्गुंडी थूहर मुंडी जटामासी सवसोरहपैसाभरिएकत्रकूटिवारहसेरपानीमेओटावे
जवचौथाईपानीरहैतवमलिकैछानिलेरछानिकैधरिरावे वारविडंगछैपैसाभरि सोंठिडेढपैसाभरि पीपरिडेढपैसाभरि मरिचडेढपैसाभरि त्रिफला
दशपैसाभरि सवचूर्णकपरछानिकैर यहचूर्णमेदोयैसाभरिसिलाजतुकोसत्वमिलाइकैजुदोधरिरावे मरसिलकोमारो अथवा सोनामाषीको
मारोचोवीसपैसाभरिलोहलेर परंतुरुक्मलोहलेर कोतीलोहतेअधिकस्याहहोतहैसोरुक्मलोहकहावतहै अरुवाजेभावमिश्रीप्रभृतिगजवेल
कहरुक्मलोहकहतहैसोलेर चोवीसपैसाभरिमधुओचोवीसपैसाभरिमिश्रीपहिलेकाठमेडारिकेअरसोनामाषीकोमारोजोहैसारसोडारि
केओटावेजवगाढोहोर्तवउतारिलेर वारविडंग त्रिकुट त्रिफला सिलाजतुकोसत्वएसवडारिकेघोटेछैमासेभरिषार अर्शरोगदूरिहोइ जेरक
हकोष्टवंधवहुतहोर अग्निमंदहोर अग्निमंदतेमलयतरोहोरतेकरगुनदेहे अथवातेहीकोअर्शकुठारगुनदेहे परंतुअर्शकुठारसुकुमारआदि
मीकोनाहीदेत सुकुमारकोअग्निमुषदेरभूषवहुतलगैभारीवस्तुषाइहोरसोपचिजाइदेहसुरषहोरपांडुरोगआमवातदेहकीसूजनपतिल्लीजलं
धरकोढवारकीसयेदीएसवदूरिहोइ अरूरनरोगनकेसिवारओरैरोगजाइ करीलकीटेटीनषार कोजीनषार ककरी करेला केरा कलौंदौकैरो
दाकुम्हलनषार कदाचित एवस्तैषाइतौछातीमेलोहकोकीरजमै॥अथान्यअर्शरोगे॥ अंधाहुलीकोचूर्ण[illegible]पैसाचारिभ रा० ६३

र मुरगीकेअंडाकोवकलाकोचूर्णपैसाचारिभरि इनौकहमिलावेएकषपरामेदोयैसाभरपारोडारे तिहिपारेकेऊपरचूर्णडारेतरेमंदअग्निक
रेचूर्णसहितजोहैपारोतेकहलोहेकीकरछुलीसेतवलौंरगरैजवलौभस्महोइ वहपारदभस्मएकरतीलेर दरुहरेकोचूर्णनिकषिकनीकोचू
र्णदोदोमासेलेर तीनौमिलाइकेषाइपानीसेसातदिनकेषाएसेअर्शरोगदूरिहोइ ॥अथविद्यापतिमिश्रानुसारेरक्तार्शःपित्तार्शश्चिकि
त्सा गुरिचकोसत्तपैसाएकभरि पारोसोधोपैसाएकभरि गंधकसोधोपैसाएकभरि लालवोरपैसाचारिभरि सवएकत्रकरिकैसेमरकीजरकेर
ससेसातदिनघोटे नोरतीभरियहरसषाइमधुसे महीनाएकतौरक्तार्शअरुपित्तार्शविद्रधिरक्तप्रदरदूरिहोइ ॥रतिवालवद्धीरसः॥ अथर
क्तारिरसः॥ ईंगुरकोपारोपैसाएकभरि गंधकसोधोपैसाएकभरि [illegible] इनैमिलाइकेघोटेपहरएकपाछेलोहेकीकरछुलीमेडारे
अरुघीउपैसाएकभरिलोहेकीकरछुलीमेडारेपाछेआंचपरपिघलावेजवपिघलेतवकेराकेपातपरडारेऊपरदूसरोकेराकोपातधरेदूसरे
पातकेऊपरगोवरराषेअरुपहिलपातकेतरेगोवरराषेतवपर्पटीहोइ तेहिपर्पटीकहपीसेतेहिमेदोयैसाभरिलालवोरकोचूर्णमिलावेपाछे
इनौकहयहरएकघोटे यहभांतिजवसिद्धहोइरक्तारिरसतवरतीतीनलेर दमरीभरिमिश्रीलेइइनौकहमधुसेषाइ वातरक्तदूरिहोइरक्तपि
त्तदूरिहोइ रक्तार्शदूरिहोइ प्रदरदूरिहोइ यहरसप्रदरपरवहुतवलतहै ॥अथअर्शारिरसः॥ सोधोपारो सोधोगंधक मटसिलसुद्ध सो
ठि पीपरि मरिच एसवदोदोपैसाभरि लालवोरकोचूर्णछैपैसाभरि सेमरकीजरकेरससेदिनएकघोटे चनावरावरगोलीवाधैएकपानीसे
प्रातःकालषाइरक्तार्शदूरिहोइ ॥अथचंद्रोदयरसः॥ चारिपैसाभरिसोनेकेतवकलेर अरुसोरपैसाभरिकमायोपारोलेर इनौकह

धोटै जवमिलिजाइतवसोधोगंधकवत्तीसपैसाभरिडारिकैकजरीकरे कपासकेलालफूलकेरससैएकदिनघोटै अरुएकदिनग्वारिकरससैधोटै
सुषैकेशिशीमेभरे।शिशीकेऊपरसातकपरोटीकरिकैजेसोपारेकेमारणामेचंद्रोदयकीक्रियामेवालुकाजंत्रलिषोहैतैहीप्रकारकेवालुकाजंत्र
मेराषिकेओचदेरचारिआगरमोटीवमूरकीदोलकरीकीअठारापहरतेजआचदेरजवचारपहरवाकीरहैतवशिशीकोमुहमूदिलेषुडउचू
ल्हासेअठारापहरउपरांतजवस्वांगसीतलहोइतवउतारिलेशिशीफोरिकेऊपरजोकटोरीवधिरहीहैलालरंगकीसोनिकासिलेरएककरतीय
हचंद्रोदयएकरतीजाइफरएकरतीकपूरएकरतीलोगएकरतीमरिचपोनतीनचाउरकस्तूरीमिलाइकैषाइवारकीसपैदीसवरोगदूरिहोइसुष
लगै अजीर्णविषसविषपानीकेदोषदूरिहोइ ॥अथशंषद्रावकअजीर्णअग्निमांधेच॥ फटकरीनोसादरकलमीसोराभुयत वीसवीसपैसा
भरि नैनवागंधकअधेलाभरि सवएकत्रपीसिकेएकछोटेघलमैभरेघलाकेऊपरसातकपरोटीकरेघाममेसुषैलेइतवघेलाकोमुहपरएककर
वाऔधाइदेरदोऊकीदर्जमेमाटीकमाईलगावेकपरोटीकरिदेरफेरिसुषैवेतवदोरुषेचूल्होकरेपाहिलएकहाथलंवीधरतीषोदेअरुएक
वीत्ताग्गहिरीतेहिकेऊपरदोरुषेचूल्होकरेतेहिचूल्हेपरघेलावेडोराषेचूल्हेकीभीतिकेवाहिरकरवारहैकरवाकीटोटीओधीरहैतेहिटोटी
केतरेचिनीकाचकोएकप्यालाराषै करवाकीपीठपरभीजोलगाराषैवारतहतवचूल्हेकीदुनोतरफसेहटाग्निदेरकमूरकीलकरीजवतई
आंचदेरजवतोईरसवहिकेप्यालामेपरेअरुलत्ताकेऊपरहरघरीपानीसींचतरहैजिहतेकरवाकीपेंदीशीतलरहैजवसवचुइपरैतवको
चकीशिशीमेराषै चारमासेपिअैदांतसैनलगे अथवासोठकौचूर्णगुरिकेगोलीवांधिकेषाइअहारकरवेगिदैपचारडारेभष

करै वारगोलाजलंधरपेरकौफूलवौछयीस्थूलमांसकिगादिदूरिकरैलगाएसेदाउकरदूरिकरैवलकरैपुष्टिकरै ॥अथअजीर्णाग्निमांधेक्रव्या
दिरसः॥ गंधकसोधौचारिपैसाभरि पारदभस्मदोयेसाभरिस्वयमग्निभस्मसारपैसाएकभरि तांमोमारोयेसाएकभरि सवएकत्रवाटिकेलोहे
कीकरछुलीमेपिघलावेतारेगोवररापैतेहकेऊपरअंडाकौपातहेतिपरफैलाइदेइतेहिकेऊपरएकपातअउकोऔरधरिदेरपातपरगोवरदेइ
छनएकरहनदेइपाछेनिकासिकेपीसिकेलोहेकेवासनमेराषै दोदोयेसाभरिनींवूजंभीरीकौरसछानिकेडारेतरेधीमीआंचकरैजवतांईनिंवूकौ
रसटका१००भरसवसूषजाइतवकराहीसेनिकासिकेमिहीपीसैआधसेरपंचकोलकौकाढोछानिलेरतेहिमेपाउसेरचूकधोरैतिहिसे
पचासवारघोटैतवसुहागभूंजोसवकीवराबरलेरभरिचसुहागकीवरावरलेइमिरचकौआधोविडनोनलेइपीसिकेमिलाइदेइचनाकीषा
रीपानीमेघोरिकेतिहसेधोटैवारसातघाममेसुषैकेशिशीमेराषैदोमासेभरिषाइपाछेसैधोनोनडारिकेमठापिअैपैसादोरभरि एहिकेषा
एसेजोवस्तुभारीषाईगेहोइअथवाजोअन्नवहुतषायोगयोहोइसोवेगिदैपचिजाइभूषवहुतलगैस्थूलवाइगोलाकोढवंधजलंधरदूरि
होइ ॥अथअग्नितुंडीवटीअजीर्णे॥ पारोसुद्धविषशुद्धगंधकशुद्धअजमोदअवरेहररवहेरेसाजीषारजवाषारचित्ताउरसैधोनोन
जीरेसोचरवाउविडंगपांगानोनसेंदिपीपरिमरिच एकएकछदामछदामभरिलेरसवकीवरावरकुचिलाइधकेसोधेलेइयहिलैपारेगंधककी
कजरीकरैपाछेसवओषदकौचूर्णमिलाइकेजंभीरीरससेघोटैदिनतीनरतीभरेकीमात्रागोलीवांधैएकगोलीषाइअजीर्णअग्निमांधदूरिहोइ
॥अथअजीर्णाग्निमांधेवज्रज्वालानलोरसः॥ पारदभस्मएकतोलागंधकसुद्धसाजीजवाषारसुहागभूंजोएकएकतोलाभांगकौचूर्ण

सारसं॰ ६५ पाचतोला सुहजनेकेजरकेवकलाकौचूर्ण अढाईतोला सवमिलाइकैभांगकेकाढेसेतीनपहरघोटै घमराकेरससै सुहजनैकेरससै चितावरके
रससे हरएकसे तीनतीनपहरघोटैपाछैएकगोलाकरैघाममैसुषैकैलोहेकीकराहीमे राषिकैचारिघरी दुइपतरीलकरीकीआंचसेचाउितर
फगोलाकरसेकैपाछैआदेकेरससैसातवारघोटैतवसिद्धहोइचारिमासेभरिषारपानीसेपाछैअधेलाभरिगुडसैादिकीगोलीषाइअजीर्णअती
सारआलस्यसंग्रहणीछर्दिषट्टीडकारअरुचिअग्निमांद्यकफसूलहरिहोइ ॥अथविसूचिकायाश्चिकित्सा॥ अग्निकुमारः॥सुहागाभूंजो
पारोशुद्ध गंधकशुद्ध एकएकटंक सिंगियाविषसुद्धतीनटंक कौडीकीभस्म साजी जवाषार पीपरि सोठि अधेला अधेलाभरि मरिचआ
ठअधेलाभरि पहिलेपारेगंधककीकजरीकरैतवसवमिलाइकैएकदिनसूषाघोटै दोदिनजंभीरीकेरससैघोटैतवसिद्धहोइएकरतीषाइ
विसूचीसूलवारअग्निमांद्यहरिहोइ ॥अथपांडरोगचिकित्सापांडुारिः॥ चेऊरस्य गंधकशुद्ध अभ्रकमारो सारस्वयमग्निभस्म एसवदो
दोतोलालेइ सवएकत्रकरिकैएकदिनग्वारिकेरससैएकपहरघोटिकैएकगोलाकरैलोहेकीकराहीमेराषिकैचारिघरी दोयपतरीलकरीकीआं
चमैसेकैचारिउतरफेफेरिग्वारिकेरससैएकपहरघोटैलोहेकेवासनमैलोहेकेदस्तासे फेरिगोलाकरैघाममैसुषैकेफेरि ओहीआंचदे
रफेरिग्वारिकेरससैपहरभरिघोटैफेरिगोलाकरैघाममैसुषैकेफेरिओहीतरहआंचदेइक्रमतेवारहरती लोषाइमधुसे पांडुरोगका
मला पांडुजन्यसोथ हलीमकहरिहोइ जेहिकौरंगपिअरोहोइस्यादहोइ हरीरोहोइसोहलीमककहावै हलीमकमैएलसरोगतहै वल
हानि ज्वरी अग्निमांद्यज्वर पिआस शिरकौफिरवौ ठुठडूसन सातलक्षणहलीमककेहै ॥अथरक्तपित्तअम्लपित्तकासानांचिकित्सा॥ रा॰ ६५
फरोसुद्धअधेलाभरि अगेथकीजरकेवकलाकेरससै आंकेरससै जलकुंभीकेरससै मकुयाकेरससै दिनदोइदोइएकएकसैघोटैतिहिपाछैसो
६१

धोगंधककैसारोभरिलेइकैषल्लमैडारिकैघमराकेरससेदोदिनघोटैफेरिदूनोएकत्रकरिकैवकरीकेदूधपैसाचारिभरेससैघोटैजवगाढोहोइ
तवउसेएवडूगावरावरगोलीवांधे प्रातकालएकगोलीषाइजोमतीनाछैएतकैसेवनकरैतोफिरिकेरक्तपित्तनहोइ छयीदूरिहोइषांसीवहुतदिनकी
थोरेदिनकीदूरिहोइ रक्तपित्तवहुतदिनकौथोरेदिनकौदूरिहोइक्षयीकीषांसीरक्तपित्तकीषांसीऔरोषांसीदूरिहोइ अम्लपित्तकीओकीजोकोनहूभां
तिनपभैसोदूरिहोइ अम्लपित्तसेजोडकारषट्टीहोइछातीगरोजरेसोनीकहोइअनुभूतहै ॥इतिरसेंद्रवटीअम्लपित्तारे॥ अथपै अम्लपित्तस्य
क पृथकचिकित्सा॥ अभ्रैमारोपैसाचारिभरि सारमारोपैसादोभरि मंडूरपैसाएकभरि सवएकत्रकरैएककराहीमैराषैनेहिकेतरधीमीआंचकरै अरुरन
ओषदनकौरसडारतजाइअरुलोहेकेदस्तासैघोटतजाइवेओषदएहै सौनाकौरसडारैअरुघोटैजौलौतीनोनमिलैतौलौकाढोकरिलेइ अफारोलाल
केरससैघोटै सुरीकेरससैघोटै सतावरिकेरससे तजकेकाढेसे घमराकेरससै नागछुभीकेरससे मरुवाकेरससे त्रिफलाकेकाढेसे मोथाकेरस एस
वओषदनकौरसडारिडारिघोटैतवकराहीकउआवसेउतारिलेइपाछैसुद्धपारो सुद्धगंधक अधेलाअधेलाभरिदूनोकलहकजरीकरैसोकजरीपूर्वो
२ क्तओषदेजेहै अभ्रकसारमंडूरकैतेहीमैमिलाइकेपहरएकषोघोटैपाछैइनओषदनकौचूर्णमिलावैववचर्व अजवाइनजीरस्यामजीरसैसोठि
सोफ पीपरि मरिच मोथा वाइविडंग पीपरामूर अकरकरकेवीजा निसोत चितावर वडीदनौनकीजरकौवकला दुदुरेकेवीजा तज मानकंद विला-
ईकंद हथिकन कमलिनी घमरा स्याह निसेमकीजर एकएकपैसापैसाभरिलेइवाटिछानिचूर्णकरै आवरे हरर वहेरे पैसापैसाभरि अथवा
दोदोपैसाभरिसवएकत्रकरिकैलोहेकीकराहीमेडारिकैघाममैआदेकेरससैघोटैवारतीनपाछैवेरकीगुठलीवरावरगोलीकरैप्रातः कौलती
नगोलीषाइमठाकेसाथ मधुरवस्तुनषाइ दूधनषाइ षोपरानषाइ अम्लपित्तपरिणामसूलदूरिहोइ इनदूनोपरवहुतचलतहै अग्निमांद्यअरो

सारसं० ६६

चकपांडुशोथउदरअर्शकासस्वासप्लीहयेव्कौफूलवैआमबातस्वरभेदएसवदूरिहोर ।। इतिसुधावतीवटी ।। अथाभ्रकलोहकिट्टरसगंधकानां
सुधावतीगुटिकावायवानांसुधिप्रकारः ।। अभ्रकधानाभ्रककरिकै नींबूकेरससेअरमाउमेएकदिनघोटै एकदिनरातिओहीमेरहनदेर अथ
वाअम्लभक्तोदकआरनालकहकहततहै धान्याम्ल चाउरकोमाउ अथवाकुदईकोमाउवहुतदिनएकवासनमेधरिराखेजवखाटोहोरसोधान्याम्ल
कहावेतिहिसेअभ्रककोचूर्णघोटेदिन१ अरुओहीमेएकदिनरहनदेर अथवादिनतीनराषेतववहअभ्रकमारनजोगयहोततहै तेहिअभ्रककह
एकदिनमानकंदकेरससेघोटे टिकरीकरिकेघाममेसुषावेपाच सेरकंडाकीआचदेर एहीभांतिहडजोरकेरससेघोटैआचदेर एहीभांतिहथके-
राकेरससेघोटै आंचदेर चौराई बावरकोधोवन कनजुप्पा वडीकटाई तजकोकाढो लक्ष्मणाकोकाढो धमराकोरस हरएकसेघोटैआचदेर तव
अभ्रकनिश्चंदभस्महोर ।।इतिअभ्रकशुद्धिः।। बारहपैसाभरि कांतीलोहकोचूर्णलेरतेहिमेपैसाभरिसोनामाषीडारे अरुपैसाभरिचाउरडारे
ग्वारिकेरससेघोटिवाररटिकरीवनावे कंडनमेआंचदेरजवटिकरीलालहोरतवत्रिफलाकेकाढेमेवुझावे एहीभांतिसातवेरवुझावेतवलोहशुद्ध
होरपाछेइनओषदनसेएकएकदिनघोटेअरुआंचदेरतवलोहमरे वेओषदएहै लोहकेकाढेसे हथिकनकेकाढासे त्रिफलाकेकाढेसे विधारेकेकाढे
-से अरुमानकंदकेकाढेसे हडजोरकेरससे आदेकेरससे दशमूलकेकाढेसे मुंडीकेकाढेसे मूसरीकेकाढेसे इनसेएकएकदिनघोटिआचदेरतवलोहमरे
।।इतिलोहसोधनमारणंच।। अथकिट्टस्यलालअकाफारो सुपेतफूलकीव रिआरी घुमेर सुपेतअकाफारो चौरई पथरसगा एकएकपाउपाउ
भरिलेरकूटिकेएकवासनकेभीतरआधोतरेधरेतेहिकेऊपरकीटटुकराकरिकैपाउएकधरेऔरओषदेउहकेऊपरधरेवासनकोमुहपारसेमूदेवासनमे
कपरोटीकरिकेगजपुटकीआंचदेरकिटीनिकासिकेएकवासनमेडारे अरुवीससेरगोमूत्रडारेवासनकोमूदिचूल्हेपरचढाइकेदिनदोरमंदअग्निकरेआ रा० ६६

दोसेर+१
चदेरजवगोमूत्रसवजरिजाइतवकिटीनिकासिकेऔरवासनमेधरैतेहिमैंगोमूत्रडारे दिनतीनभिजैराषेचौथेदिननिकासिकेकूटिकपरछानिकरे ।।इति
किट्टस्यशुद्धिः ।। ईगुरकोपारोपाउएकलेरतेहिअगेयकोरस अंडकेपानकोरस आदेकोरस मकुरयाकोरस एकएकसेतीनतीनदिनघोटैउमरूजंत्रमेडारि
क उठारलेरदोषहरआंचदेरकै ।।इतिरससुद्धिः।। नोनियागंधकआधपाउ लोहेकीकराहीमेइंगराकराकरिकैराषे उहमेपाउभरिघमराकोरसडारे अथवाआ
धपाउरसडारेतेजघाममेराषेजवरससूखिजाइतवआधपाउघमराकोरसऔरडारेजवएहूसूषेतवफेरिआधपाउरसडारेतिहिपाछेगंधकनिकासिलेर
चूर्णकरियेसाभरिघीउडारेएकवासनमेघमराकोरसडारेतेहवासनकेमुहपरकपराबांधेतेहपरगंधकविछावेतेहकेऊपरतवाराषेतेहितवापरआगराषे-
तेहिकीगरमीसेगंधकपिघिलेकेरसमेपरैतवनिकासिकेसुषेलेर ।।इतिगंधकशुद्धिः।। अथवाअभ्रकलोहकिट्टपारोगंधकइनसवनकहऔरप्रकार
घ सेसुद्धिकरिलेर ।। अरुअभ्रकसारऔरप्रकारसेमारिलेरतवपूर्वोक्तरससेघोटिकैसिद्धकरे ।।इतीसुधावतीवटी।। अथहिक्कायाश्चिकित्सा।। जेह
रससेकासस्वासदूरिहोततहै तेहीरससेहिचकीदूरिहोततहै तिहितेहिचकीकेऊपरस्वासकुठारदेर दसमूलकेकाढेसेचंद्रोदयदेरहिचकीदूरिहेरस्वास
दूरिहोइ स्वयमग्निभस्मदेरहिचकीपर ।।अथक्षयीरोगस्यचिकित्सा।। क्षयीरोगकीषासीमेस्वयमग्निभस्मवहुतगुनदेहैक्षयरोगकेज्वरअरुखा
सीमेमृगांकवहुतगुनदेहै क्षयरोगीकेसषतेकफजोवहुतगिरेषमेहजारअरुज्वरकेसउनाष्टहैतेहिपरकुम्भेश्वररसवहुतगुनदेहै अरुसेइवटीव
हुतगुनदेहै अरुजेक्षयरोगीकोषासीस्वासज्वरएतीनोहोरतेहपरजीर्णज्वरारिअरुइंद्रभूतहै तहारसेइवटीकीकियाआगेलिषिआएहै अरुजीर्णा
ज्वरारिजीर्णज्वरकेअधिकारमेलिषीहै स्वयमग्निभस्मअरुमृगांकअरुकुम्भेश्वरएपाछेनारीलिषेहैतेअवलिषतहै ।। अथक्षयकासस्वयम

सारसं॰ ६६ चकपांडुशोथउदरअर्शकासस्वासप्लीहपेटकोशूलवोआमबातस्वरभेदएसवदूरिहोर ॥इतिसुधावतीवटी॥ अथाभ्रकलोहकिट्टरसगंधकानां
सुधावतीगुटिकावाय्यवानांशुद्धिप्रकारः॥ अभ्रकधानाभ्रककरिकै नीबूकेरससेअरमाडमेएकदिन घोटे एकदिनराति ओहीमेरहनदेरअथ
वाअम्लभक्तोदकआरनालकहकहततहे धान्याम्ल चाउरकोमाड अथवाकुदईकोमाडबहुतदिनएकवासनमेधरिराषेजवषाटोहोरसोधान्याम्ल
कहावे तिहिसेअभ्रकको चूर्णघोटेदिन१ अरुओहीमे एकदिनरहनदेरअथवा दिनतीन राषेतववहअभ्रकमारनजोग्यहोततहे तेहिअभ्रककर
एकदिनमानकंदकेरससे घोटे टिकरीकरिकै घाममेसुषावेपाच[illegible]सेरकंडाकी आचदेर एहीभांतिहडजोरकेरससे घोटेआचदेर एहीभांतिहथके-
णाकेरससेघोटे आंचदेर चौराई बावरकोधोवन कनजुप्या वडीकटाई तजकेकाढो लक्ष्मणाकोकाढो धमराकोरस इरएकसेघोटेआचदेर नव
अभ्रकनिश्चंद्रभस्महोर ॥इतिअभ्रकशुद्धिः॥ वारहपैसाभरि कांती लोहकोचूर्णतेहतेहिमेपैसाभरिसोनामाषीडारे अरुपैसाभरिचाउरडारे
ढवारिकेरससेघोटि वारहटिकरीवनावे कंडनमेआंचदेरजवटिकरीलालहोरतवत्रिफलाकेकाढेमेबुझावे एहीभांतिसातवेरबुझावेतवलोहशुद्ध
होरपाछेइनओषदनसेएकएकदिनघोटे अरुआंचदेरतवलोहमरे वेओषदएहे लोहकेकाढेसे हथिकनकेकाढासे त्रिफलाकेकाढेसे विधारेकेकाढे
से अरलामकंदकेकाढासे हडजोरकेरससे आदेकेरससे दशमूलकेकाढेसे मुंडीकेकाढेसे मूसरीकेकाढेसे इनसेएकएकदिनघोटिआंचदेरतवलोहमरे
॥इतिलोहसोधनमारणंच॥ अथकिट्टस्यलाल अकाफारो सुपेतफूलकीव[illegible]रिआरी धुमेर सुपेतअकाफारो चौराई पथरसगा एकएकमाउपाउ
भरिलेरकूटिकेएकवासनकेभीतरआधोतरधरेतेहिकेऊपरकीट्टकराकरिकैपाउएकधरेओरओषदेउहकेऊपरधरेवासनकोमुहपारसेमूदेवासनमे रा॰ ६६
कपरौटीकरिकेगजपुटकीआंचदेरकिट्टीनिकासिकैएकवासनमेडारे अरुवीससेरगोमूत्रडारेवासनकोमूदिचूल्हेपरचढारकेदिनदारमेदअग्निकरेआ

दोसेर+१

चदेरजवगोमूत्रसवजरिजारतवकिट्टीनिकासिकेओरवासनमेधरैतिहिमैंगोमूत्रडारे दिनतीनभिजेराषेचौथेदिननिकासिकैकूटिकपरछानिकरे ॥इति
क किट्टस्यशुद्धिः ॥रंगुरकोपारोपाउएकलेरतेहअगथकोरस अंडकेपानकोरस आदेकोरस मकुरयाकोरस एकएकसेतीनतीनदिनघोटेडमरूजंत्रमेडारि
उठारलेरदोषहरआंचदेरके ॥इतिरससुद्धिः॥ नेनियागंधकआधपाउ लोहेकीकराहीमेइरीकराकरिकेराषे उहमेपाउभरिधमराकोरसडारेअथवाआ
धपाउरसडारेनेजघाममेराषेजवरससूखिजारतवआधपाउधमराकोरसओरडारेजवएहूसूषेतवफेरिआधपाउरसडारेतिहिपाछेगंधकनिकासिलेर
चूर्णकरियेसाभरिघीउडारेएकवासनमेधमराकोरसडारेतेहवासनकेमुहपरकपरावाधैतेहपरगंधकविछावैतेहकेऊपरतवाराषेतेहितवायरआगराषे-
तेहिकीगरमीसेगंधकपिघिलेकेरसमेपरैतवनिकासिकेसुषेलेर ॥इतिगंधकशुद्धिः॥ अथवाअभ्रकलोहकिट्टपारोगंधकइनसवनकह ओरप्रकार
घ सेसुद्धिकरिलेर॥ अरुअभ्रकसारओरप्रकारसेमारिलेरतवपूर्वोक्तरससेघोटिकेसिद्धकरे ॥इतीसुधावतीवटी॥ अथहिक्कायाश्चिकित्सा॥ जेह
रससेकासस्वासइरिहोततहे ते हीरससेहिचकीइरिहोततहे तिहितेहिचकीकेऊपरस्वासकुठारदेर इसमूलकेकाढेसेचंद्रोदयसेहिचकीइरिहोरस्वास
दूरिहोर स्वयमग्निभस्मदेरहिचकीपर ॥अथक्षयीरोगस्यचिकित्सा॥ क्षयीरोगकीषासीमेस्वयमग्निभस्मवहुतगुनदेहेक्षयरोगकेज्वरअरुस्वा
सीमेमृगांकवहुतगुनदेहे क्षयरोगीकेमुषतेकफजोवहुतगिरेपमेहजाहरअरुज्वरकेसउनछूटेतेहिपरकुमुदेस्वररसवहुतगुनदेहे अरुसेंद्रवीव
हुतगुनदेहे अरुजेक्षयरोगीकोषासीस्वासज्वरएतीनोहोरतेहपरजीर्णज्वरारिअरुसौनभूततहे नहारसेंद्रवटीकीक्रियाआगेलिषिआएहे अरुजीर्णा
ज्वरारिजीर्णज्वरकेअधिकारमेलिषेहे स्वयमग्निभस्मअरुमृगांकअरुकुमुदेस्वरएपाछेनारीलिषेहैतेअवलिषतहे ॥अथक्षयकासेस्वयम

सारसं० ६७
गिनरसः॥ जारूर लोग लाइचीगुजराती आवरे हरर बहेरे सोंठि पीपरि मरिच सबमिलाइकै नौ मासे भरि लेइ अरु नौ मासे स्वयमग्निभस्म लो
हसार लेइ घौरि कै तीन तीन रती भरे की पुरिया बांधे मधु सेषाइ क्षयी की षांसी दूरि होइ ॥ अथ मृगांकोरसः॥ पारो शुद्ध एक तोला सोने के तबक एक
तोला अनवेधे छोटे मोती दो तोला मोती कहूं पहिले मठा मे घरी चारि स्वेदन करे डोला जंत्र से गंधक तोला एक सुहागा मासे तीन पहिले पारो अरु सो
ने के तबक मिलाइकै घौटे पहर एक पाछे गंधक डारि कै कजरी करे तब सुहागा अरु मोती डारै फेरि ग्वारि के रस सै घौटे दिन तीन पाछे एक टिकिया बा
धै तीन आगुर परमान चौरी घाम मे सुषावे पहर चारि फेरि सराव संपुट मे राषि कै कपरौटी करै संपुट को सुषै कै एक हांडी मे राषै छै सेर सांभर नोन
त रे ऊपर राषि हांडी को मुह पर ढैसे मूंदि कपरौटी करि घाम मे सुषाइ कै चूल्हे पर एक दिन राति मंद आंच देइ आगरनय पर सीतल करै लकरी निकासि ले
इ जब अंगारा आपु से सीतल होइ तब उतारि लेइ टिकरी मृगांक की निकासि लेइ दो रती अथवा एक रती छष मरिच के चूर्ण से अथवा दो पीपरि के चूर्ण
से मधु सै षाइ प्रातःकाल ज्वर षांसी दूरि होइ भूष लगै जो पेट चलत होइ तो बंद होइ जो पेट न चलत होइ तो यह मृगांक पेट न चलावै ॥ अथ पावंत
र मृगांक रसः॥ सोने के तबक एक तोला पारो शुद्ध एक तोला गंधक शुद्ध एक तोला छोटे मोती छै तोला सुहागा एक टंक पहिले पारो अरु सोने के तब
क मिलाइ कै पहर एक घौटे पाछे गंधक डारि कै कजरी करै तब साधे मोती अरु सुहागा डारे चारि घरी घौटै पाछे कचनार के रस से दिन तीन घौटै तब
एक गोला करै नौ तोला अरु चारि मासे कौ तित कहू घाम मे सुषावे दिन २ सराव संपुट मे राषे कपरौटी करै सुषै कै एक हांडी मे राषे छै सेर नोन सादर तरे
ऊपर राषि कै हांडी को मुह पर ढैसि मूंदि कै परई की दर्ज मे माटी लगाइ कै कपरौटी करि कै चूल्हे पर आठ पहर नरम आंच देइ पाछे लकरी निकासि डारै रा० ६७

अंगारा रहन देइ जब अंगारा आपु से सीतल होइ तब गोला निकासि लेइ तीन रती भरे की मात्रा आठ मरिच के चूर्ण के साथ अथवा दो पीपरि के चूर्ण के सा
थ मधु सै षाइ क्षयी रोग जो ज्वर अरु षांसी अरु रक्तपित्त अरु मंदाग्नि इन संयुक्त होइ सो दूरि होइ जो पथ्य लोकनाथ रस मे है सो इहि मे है षटाई न षाइ
बेलन षाइ भटा न षाइ २ मिली न षाइ व्यायाम न करै मैथुन न करै मधु न पिवै ध्यान न न षाइ हींग की बघारी दार न षाइ सो ठ उरद मसूर कुम्हडा
राई कांजी न षाइ क्रोध न करै कुसमये सोवै न कांसे के पात्र मे हन षाइ पत्र शाक फूल शाक जो ककारादि कहे सो न षाइ ॥ अथ मृगांकपोटलीरसः॥
तोला भरि सोने के तबक तोला भरि शुद्ध पारो अरु कसायो हुनो कहूं पहिले सूषो घौटै दिन एक पाछे तीन दिन कचनार की छाल के काढे से घौटै ज्वारि भुपी के ला
रस सै तीन दिन घौटै फिर किचहाई के रस सै तीन दिन घौटै एक दिन घाम मे सुषावे तीन मासे सुहागा डारे अरु दो तोला छोटे अनवेधे मोती को चूर्ण डारे
सवा चार तोला सोधो गंधक डारे एक दिन सूषो घौटै पाछे तीन दिन कचनार के रस से घौटै जब गाढो होइ तब गोला करै दो दिन घाम मे सुषावै दिन २
तब एक नहक पर गोला के ऊपर लपेटै गोला के माफिक ते हि कपरा के ऊपर आध आंगुर कमाई माटी को लेप करै तेह पर एक कपरौटी करै लत्ता मे माटी को
लेप करि कै तीन कपरौटी करै फेरि सुषावे सूषि जाइ तब शराव संपुट मे राषि कै सराव संपुट के ऊपर आध आंगुर माटी को लेप करि कै तीन कपरौटी फेरि करै
आध आगुर माटी को लेप एक बेर करै तेह पर लत्ता भिजे के माटी लपेट करै कपरौटी करै तेह सराव संपुट कहूं घाम मे सुषावे एक हांडी मे अढाई सेर
सांभर नोन तरे राषै तेह पर संपुट राषै संपुट के ऊपर और अढाई सेर नोन राषै हांडी को मुह पर ढैसे मूंदे माटी लगाइ देइ हांडी के ऊपर अरु तरे माटी से
लेप करै एक आगुर मोटी माटी लगावे अरु एक कपरौटी करै हांडी कहूं एक दिन घाम मे सुषावे पाछे एक हाथ गहिरो अरु एक हाथ चौरो एक षदरा करै ते

हषदरामे आधहो यजंगलीकंडाकूटिकेभरै तिहियरहांडी राषेहांडीकेऊपर आधराथऊंचो अरु आधरांयचौरो जंगलीकंडाओरभरे कूटिकेजेहके
ऊपरआगधरैतीसरे दिनस्वांगसीतल हांडी निकासिलेरहांडीफोरिनोनहरिकरैसंपुटनिकासिलेरयुक्तिसेसंपुटकहखोलिकेगोलाकहनिकासिलेरगो
लाकेऊपरकीमाटी दूरिकरैअरुकपरादूरिकरैफेरिगोलाकहनिकासिकैतोलेगोलापहिलीउजनसाढेआठतोलाकोरहैतेहमेगंधकसवाचारतोला
हेजोगोलाआंचदयेउपरांतसाढेपाचतोलाहोइतोजानियेकेगंधकतीन तोलाजरोसवातोलागंधकवाकीरहीतोजानैकेपारोनहीउडोतवतोला
भरिकैगंधकओरडारैफूरिकचनारकेरससैदिनतीनघोटैगोलावाधैघाममेसुषावैपहिलीतरहसंपुटकरै अरुपहिलीतरहआंचदेइएहभांतिकीओ
चसेसवगंधकनाहीजरत तीनतोलाजरैअथवादोतोलाजरै अरुएहभांतिकीआंचसेपारोनाहीउडतगोलाभलीभांतिसेपरिपक्कहोतहै अरुभरभरो
नाहीहोतसिमिटतजातहैगोलाकररोहोतहैजैसेस्वयमग्निभस्महोइतहीरंगहोतहै एकरतीभरिअथवादोरतीभरि चारिमरिचकोचूर्णअथवाएकपी-
परिकोचूर्णमिलाइकैमधुसेचटावै कफसंग्रहणीषांसी स्वास अरुचि अग्निमांद्य शैत्य एसवहरिहोइ अरुज्वरैसजोकृशहोइ अरुनिर्वलहोइसो
नीकोहोइ अरुक्षयीरोगहरिहोइ अरुजेकहशरदीहोइवुहतनेकहपांचरतीदेइपीपरिअरुमधुकेसाथ अरुजोसंनिपातसैनवोलैअरुज्वरहोइ
तेजसोजौदोइरतीभरिषाइपीपरिअरुमधुसैदोउजोरतोमोहदूरिहोइज्वरदूरिहोइवोलनलगै ॥अथकुराजमृगांकरसः॥ चंद्रोदयनीततोला
सुवर्णमारेएकतोला जौसुवर्णनहोइतौसुवर्णमाक्षिकमारीएकतोला सुवर्णमाक्षिकमरीसोनैतेउत्तमहै तांमोमरोएकतोला मनसिलसु
कूटेतोला गंधकसोधौदोतोला हरतालसोधीदोतोला सवकहएकपहरसषौघोटैसवचूर्णकौडिनमेभरै छोरेकेदूधसेसुहागापीसेतेहसेकौडि
नकोछिद्रवंदकरैतिनसवकौडिनकहएकसंपुटमेराषेदोयरईगहिरीहोइअरुवडीहोइतेहकोसंपुटकरैसातकपरोटीकरैघाममेसुषैकेएकहा

से विलाईकंदकेकाढेसे एकएकदिनघोटै टंकटंककीगोलीवाधैमधुअरुसैतनसेषाइ तसल्लाइहरिहोइ दाहरोगदूरिहोइभ्रमकेहैशिरकोफिर
वो पित्तप्रकोपपित्तरोगमुखशोषजोरपित्तसे प्रमेहदूरिहोइ यहगोलीषाइऊपरसेएकतोलाचंदनकौपानीपिअैएकरतीकपूरसंयुक्त
यहरससेजोजाकहरिहोतहै ॥इतिक्षीरसागरोरसः॥ ॥अथमहलयसचिकित्सा॥ पहिलेपारेकहअमलतासकेरससे चित्तउरकेका
यहरससेजोजाकहरिहोतहै ढासेहेराकीजरकेवकलाकेरससेग्वारिकेरससे दोदोदिनघोटै डमरूजंत्रमेडारिकैदोयहरआंचदेइकेउढाइलेइ फेरिविजोरनीवूकेरस
सेएकदिनघोटै फेरिसंतोसातदिनआकदूधसेघोटैडमरूजंत्रमेडारिकेउढाइलेइ फेरियूहरकेदूधसे धतूरेकेरससे करिहारीकेरससे क
नेरकेपातकेरससे घुघचीपत्ररससे अफीमपाउभरिपानीमेघोरितेहसे एकएकसेसातसातदिनघोटै हरवेरडमरूजंत्रसेउढाइलेइपाछे
दिन५३विजोरनीवूरससेघोटैपानीसेधोइलेइफेरिआदतहलत्ताहलेरतेकहगजपीपरीरोइ हींग पैसाभरिसाभरितीनोविजोरनीवूरससे
पीसिकैलत्तामेचुपरैतेहलत्तामेपारोराषेपोटरीवाधैहांडीमेलटकावैतेहहांडीमेकांजीकोपानीभरैपोटरीवूडीरहैतीनदिनधीमीआचकरै
जोकांजीकोपानीजरिजाइतोओरकांजीकोपानीडारैएहिभांतितीनदिनस्वेदनकरै तवपारोषेहलइहरिहोइवलवंतहोइक्षुधितहोइसोपारो
सोरहपैसाभरितौलिलेइ चारपैसाभरसोधीसीसोलेइतेहिकहपिघलावैतेहिमेसवपारोडारिदेइफेरिशीतलकरै सोरहपैसाभरिसोधी
गंधकडारै इनौकोकजरीकरैतेकहविजोरनिवूरससैएकदिनघोटै गजपीपरिकेकाढेसेतीनदिनघोटै रोइकेपानीसेतीनदिनघोटै ही
गाकेपानीसेतीनदिनघोटै सुषैकेशिशीमेडारैतीनकपरोटीकरैवालुकाजंत्रमेराषिकेआठपहरतंहआंचदेइ पचेयहरसशिशीकोमुह

यचौरो एकहाथगहिरौ षद्दाकरैतेहिमै आधेकंडातरै आधेऊपरकूटिकैभरैवीचमैसंपुटधरै ऊपरसे आचकरिदेइजवशीतल होइतवनिकासिलेइय
हमृगांककीमात्राचारिरतीतोरहै दोपीपरिकौचूर्णमिलाइकैमधुसेदेइषांसीवातकफक्षयीदूरिहोइ ॥इतिराजमृगांकोरसः॥ अथकुमुदेश्वरोरसः॥
कुंडेरय सोधोगंधक अभ्रकमारो एकएकतोला रंगुरडेढतोला मनसिलनौमासे सबसवापाचतोलाभयो तेहकौ आधौ अढाईतोलाडेढमासे स्वय
मग्निभस्मसार सबमिलाइकै चोदहवेरगोली सतावरकेरससेदिनदोइघोटैतबसिद्धहोइ दोरतीअथवातीनरतीभरिप्रातःकालषाइचारिरतीमिश्री
अरुमरिचकौचूर्णमिलाइकै क्षयीज्वरकासकफश्वासप्रमेहदेहसर्वदूरिहोइ ॥अथसिद्धमृगांकःक्षयरोगे॥ डेढरतीसोनोमारो अरु डेढरतीचंद्रोद
य दूनौमिलाइकैमधुसेषाइक्षयीरोगदूरिहोइ जौसोनोमारोनमिलेतौसुवर्णमाक्षिकमारीडारै ॥अथउरःक्षतेविंध्यवासियोगः॥ सोंठि पीपरि
मरिच सतावरि आवरे हरर वहेरे वरियारीकीजर गंगेरनाकीजर पैसापैसाभरिलेइवादिष्यानिचूर्णकरै सवचूर्णकीवरावरमरौ लोहडारै एकमा
सोभरिमधुसेचाटिजाइ उरःक्षतकंठरोगराजजक्ष्मा अपवाहुक अर्दितएसवदूरिहोइ ॥अथअरोचकस्यचिकित्सा॥ एकरतीचंद्रोदय दोपीपरिकौ
चूर्णमधुसेषाइ छर्दिदूरिहोइ लौंगसेषाइअरुचिदूरिहोइ ॥अथमूर्छायाश्चिकित्सा॥ दोपीपरिकौचूर्णएकरतीचंद्रोदयमधुसेचाटिजाइ
य मूर्छादूरिहोइ ॥अथतृष्णाभ्रमदाहानांचिकित्सा॥ पारोटंक१ गंधकटंक१ कपूरटंक३ लाइचीटंक४ उदईटंक५ मरिचटंक६ मिश्रीटंक७ स
वमिलाइकैतीनरतीभरिषाइ ऊपरसेवासीपानीपिवैपियासदूरिहोइ अन्य चंद्रोदय अभ्रकमारो तांमोमारो षडीमरी गजवेलमरी सोना
माषीमारी लोधकौचूर्ण एसवएकएकतोला सवकरएकत्रकरिकैजोढेकेकाढेसेघोटैदिन१ रूसेकेकाढेसे [illegible] मुनकादाषकेकाढे

मूरे आढपहरउपरांतशीतलहोइतवउतारिलेइ दोरतीयहरससमासेभरि आवरेकौचूर्णमधुसेषाइ मद्यविकारदूरिहोइ भूषलगैवलहो
इअन्नपचे ॥अथउन्मादस्यचिकित्सा॥ पारोगंधक मनसिल धतूरेकेवीजा चारिउसोधिकैवरावरलेइ पारेगंधककीकजरीकरैतेहिमैमनसि
लधतूरेकेवीजा मिलावै षुरासानीवचकूटिकैचारिपैसाभरिलेइ डेढसेरपानीमैऔटावैजवपानीपैसाआठभरिरहैतवउतारिलेइ तेहपानीसेष
ल्लकरैपहिलैपैसाचारिभरिपानीडारै अरुषल्लकरैजवगाढोहोइतवफेरिपैसाचारिभरिपानीडारैषल्लकरैजवएहूगाढोहोइतवफेरिचारपै
साभरिवचकौपानीडारैषल्लकरै एहीभांतिसातवेरवचकौपानीचारचारपैसाभरिडारिकैषल्लकरै एहीभांतिब्राह्मीकेरससेसातदिनघोटै
तवउन्मादगजकेसरीसिद्धहोइ दोपैसाभरिगाइकौघीउगरमकरैतेहीघीउकेसाथयहरससमासोभरिषाइ पहिलैदोरतीभरिषाइदिन३ति
न्हिउपरांतएकरतीवढावै उन्माददूरिहोइ मिरगीदूरिहोइ भूतावेशदूरिहोइज्वरमेयहरसघीउकेसायनदेइ ॥अथअपस्मारस्यचिकि
त्सा॥ आवरे हरर वहेरे सोंठि पीपरि मरिच चित्ताउर वारविडंग एकएकतोला सिलाजतुकोसतपावतोला किटसुद्धपावतोला सुवर्णमा
भ क्षिकभस्मपावतोला स्वयमग्निभस्मसारपावतोला मिश्रीआठतोला सवएकत्रकरिकैलोहकेवासनमेंराषे अरुआधसेरमधुडारि
कैसानिराषे छदामभरिषाइ क्रमतेअधेलाभरितांईषाइ एकवर्षसेवनकरैमिरगीदूरिहोइ दही वासीरोटी वासीदार भातनषाइ शरवत
नपिवै मद्यभातनषाइ कलीदौनषाइ कवूतरकौमांसनषाइ मकुयाकीभाजीनषाइ कुरथीकीदारनषाइ अरुविसषवीप्रसंगनकरै
॥ इतियोगराजयोगः॥ रगुवाकेफूलकौचूर्णकरिनासदेइ मिरगीकौकीरागिरिपरै ॥अथवातव्याधौअपस्मारेचसमीरगजकेसरी

रसः॥ तोलाभरि अफीम तेकह आठ तोला आदेके रससे घोटै तव सुद्ध होइ तोलाभरि कुचिला तेकह दो सेर गाइके दूधमें डारिकै दोपहर आंच देइ तव नरम होइ अरु सुद्ध होइ दूधसे निकासिके मले पीसिकै अफीममें मिलावै तोलाभरि मरिचकौ चूर्ण मिलावै एकपहर घोटै रती रती की गोली करै घाममें सुषावै धरि राषै एक एक गोली षाइ वातव्याधि अरु अपस्मार दूरि होइ कुबवाइ लंगवाइ कटिसूल राघनि अपवाहुक लायपाउकौ सूषिवो अरु लायपाउकौ कंप अपतानक विसूचिका अरुचि सव दूरि होइ यह रस विसेषकै अपस्मार पर वहुत चलत है ॥अथ वातारि रस वात व्याधौ॥ पारो पैसा एकभरि गंधक सुद्ध पैसा दोभरि त्रिफलाकौ चूर्ण तीन पैसाभरि चितावरकौ चूर्ण चारि पैसाभरि गुग्गुल पांच पैसाभरि पहिले पारे गंधककी कजरी करै पाछे त्रिफला चितावर गुग्गुल इनकौ चूर्ण मिलावै सव कहे एक दिन अंडीके तेलसे घोटै अधेला अधेलाभरकी गोली वाधै एक गोली दो पैसाभरि अंडीके तेलसे षाइ तेलके ऊपर पैसाभरि सोंठि अरु दो पैसाभरि अंडकी जरकौ वकला दोऊ क्वाथ करिकै काढो करिकै पिवै अरु निर्वातस्थलमें रहै अरु अंडीकौ तेल गरम करिकै पीठमें मर्दन करै अव करार होवे कै तव गरम थिचरी वहुत घीउ डारिकै षाइ एही भांति एक महीना षाइ करै जहां तांई वातरोग सो सव दूरि होइ एक महीना स्त्री प्रसंग न करै ॥अथ आमवातस्य चिकित्सा॥ गंधक सोधो पैसा चारिभरि सोंठकौ चूर्ण पैसा दोभरि निसोतकौ चूर्ण पैसा दोभरि सव कहे पहिले स्सौ घोटै दो दिन त्रिफलाके काढेसे घोटै तव अधेला अधेलाभरकी गोली करै एक गोली षाइ रोज एक पाछे दो दिन आदेके रससे घोटै दो दिन त्रिकुटाके काढेसे घोटै दो दिन ... प्रतिदिन मूंगकी दार भात षाइ रोटी दूध मांस न षाइ ऊपर रै एक वेर भोजन करै षटाई भारी वस्तु न षाइ वेग दो वेग नित्य होइ जो वेग न होइ तो दो दो गोली षाइ ... जो मती ... षाइ अरु पथ्य करै तो आमवात कवहू न होइ अरु नए आमवात भै यह गंधककल्प न एह भांति जो महीना तीन पथ्य करै तौ आमवात दूरि होइ जो मती ... देइ ॥इति आमवात गंधककल्पः॥ ॥अथ कम्पवाध्यश्चिकित्सा॥ चंद्रोदय अथवा रससिंदूर रस एकतोला गंधक सोधो एकतोला तांमो मारो एकतो

ला पुलकरमूलकौ चूर्ण एकतोला हींग भूंजी एकतोला सेंधौ नोन एकतोला कुटकीकौ चूर्ण एकतोला सव कहे एकत्र करिकै चौराईके रससे घोटै सतवेर देवदालीके रससे करई तुरैयाके रससे पथरसगाके रससे स्याहफूल निर्गुंडीके रससे सात सात वेर घोटै तव सिद्ध होइ उरद वरावर गोली वाधै मधुसे षाइ सव कफरोग दूरि होइ रहिकै नामक एक जु अरु संथान भैरव जो कोउ यह रसकौ सेवन करै जो जवाकी रोटी षाइ तातौ पानी पिवै ॥अथ पित्तरोगस्य चिकित्सा॥ पित्तप्रकोपविषै अथवा पित्तरोगविषै दोरती मालिनीवसंत रस एक मासो गुरिचकौ सत मिलाइकै मधुसे षाइ अथवा ... क्षीररस मरस षाइ पित्तकौ रोग नीकौ होइ ॥अथ वातरक्तस्य चिकित्सा॥ गुरुचीके रससे आकके दूधसे सिद्ध जो है हरताल सो हरताल दोरती भरि षाइ वातरक्तजन्य शोथ वातरक्तजन्य व्रण जे हैं व्रणते अंग गलै सो दूरि होइ अंग गलिवेसे वचै वातरक्तसे भयो जो है विहिरी दद्रु रामंडल वैवर्ण्य देहकी ललाई एस व दूरि होइ चारि मासस्त्रो ... भांति तिनकौ होइ सो हरतालसे नीकौ होइ अरु जे वावचिनीकौ चूर्ण एक करतील हरताल मिलाइकै मधुसे चाटै वाउकै व्रण वेगि दै सूषि जाइ जो वाउकै व्रण कोन है सो हरतालके षाए से गाय व होइ जाइ ॥अथ मूत्रकृच्छ्रस्य चिकित्सा॥ दोरती भरि सार मधुसे चाटि जाइ हिको छातीमें पटमें घना व वहुत मोसंग्रथि भई होइ ... ॥अथ मूत्रकृच्छ्रास्मर्योश्चिकित्सा॥ जीर्णज्वरके अधिकारमें जो तीसरो मालिनीवसंत है जेहमें वे क्रोत पर तहे सो तीन रती मूत्रकृच्छ्र दूरि होइ दिन तीनमें ॥अथ मूत्राघातस्य चिकित्सा॥ राग मारो पैसा चारिभरि मूत्रकृच्छ्र अरु पथरी दूरि होइ ... तीषार आदेकौ रस विजौरेकौ रस अधेला अधेलाभरि मिलाइकै ... मिला सिलाजतुकौ सत चारि पैसाभरि गुरिचकौ सत चारि पैसाभरि मिश्री चारि पैसाभरि गजराती लाइचीकौ चूर्ण चारि पैसाभरि सव एकत्र मिला ... वहुत दिनकौ जो है सो जाकौ जेक हड्डक कहत है सो दूरि होइ और मूत्राघात सव दूरि होइ ॥अथ वालुकै चारि घरी मधुसे घोटै पाच मासे भी षाइ

का
घुशिवगुटिकाएककर्षप्रातःखातलषार॥ षट्टेअनारकेरससेअथवागारकेदूधसेतैमूत्रकृच्छ्रपथरीमूत्राघातइनसबकोदूरिकरैजोसयज्ञ
न्यथासीहोइअरुनामर्दहोइगयोहोइअरूपमेहहोइतौछेरीकेदूधसेषार।॥अथलघुशिवगुटिका॥ सिलाजतुकोसत्वसोरहपैसाभरितेहिके
हइडजोकेकाढेसैत्रिफलाकौकाढौ परवरकीडारपातकोकाढो नीमकोकाढो मोथाकोकाढो सोहिकोकाढो हरएककाढोसिलाजतुतेइनोव
नीसपैसाभरिहोइअथवासिलाजतुतैतिगुनोअरतालीसपैसाभरिहोइतेहिहरएककाढेसैसिलाजतुकूट घोटैतवशिलाजतुशुद्धहोइतेहि
मेसोरहपैसाभरि मिश्रीडारै वंशलोचना पीपरिकोचूर्ण आवरेकोचूर्ण काकरासिंगीकोचूर्ण भटकटैयाकेफलकोचूर्ण भटकटैयाकीजरकोचूर्ण
तजपत्रजलाइचीकोचूर्ण दोदोपैसाभरिमधुछैपैसाभरि दोपैसाभरिमारोकांतीलोह दोपैसाभरिअभ्रकमारो सबएकत्रकरिकेबीजेकेपानी
सेदिनतीनघोटिके अधेलाअधेलाभरकीगोलीकरै ।॥अथसिलाजतुसत्वनिःकासनप्रकारः॥ सिलाजतुकूटजलमेधोवै तववहशिला
जतुशुद्धहोइअरुनिर्दोषहोइतवसुषेकेपूर्वोक्तक्काथकरिके घोटै जलमेजेहभांतिधोइकेसुद्धकरतहै सोलिखतहै शरदरितुमेअथवाग्री
ष्मरितुमेजवघामतेजहोइजेहिसमयेचारसेरशिलाजतुलेइकूटिकेचारिभागकरै चारिकराहीमेधरिकेघाममेराषे अरुहरकराहीमेदोदोसेरपानी
अधावटकरिकरिकेगरमैगरमडारै जवघामकीगरमीसेपानीकेऊपरसाढीसोहोइतववहसाढीअनामतनिकारिके औरपात्रमेधरेएही
२ भांतिरहवेरगरमपानीडारै अरुहरवेरपहिलेपात्रसेनिकासिकेदूसरेपात्रमेराषैवहसिलाजतुत्वगरमपानीडारैअरुपाछिलोपानीजोस
तरहितहैकहनिकासिडारै दूसरेपात्रकेऊपरपानीकेघामकीगरमीसेजोशिलाजतुकीसाढीहोइसोफेरिनिकासिलेइपहिलेसाढीमेराषे

फेरिपानीदूरिकरिकेसिलाजतुतीसरेपात्रमेराषेफेरिदोसेरपानीगरमागरमडारैफेरिओहीभांतिघाममेराषेफेरिपानीकेऊपरजोसाढीहोइ
सोनिकासिलेइपहिलीसाढीमेराषेफेरिपानीदूरिकरैसिलाजतुचौथेपात्रमेराषेफेरिअधावटगरमपानीडारैवडीवेरतांईघाममेरहनदेइजव
सत्वऊपरआवेतवनिकासिकेपहिलेसत्वमेमिलाइदेइपानीदूरिकरै अरुपानीकेतरैजोसिलाजतुकोकीटरहैसोदूरिकरैघासेसै चारिवेरगरमपा
नीडारेसेसत्ववाकीनाहीरहत अथवाएकेकराहीमेचारसेरशिलाजतुकूटिकेडारे अरुआठसेरअधावटपानीगरमडारिकेघाममेराषेवडी
वेरतांईजोसत्वआवेसोनिकासिलेइएहीभांतिओरोतीनकराहीमेफेरे अरुहरवेरसत्वनिकासिलेइतवशिलाजतुशुद्धहोइजलसेजुदोहोइ
केनिकसे ॥इतिजलशुद्धप्रकारः॥ अरुवाजेवैधसिलाजतुकोत्यारकै अगरमुरहार अरहरकीपाती नीमकीपाती गुरिच पैसापैसा
भूकिकूरिके ओहेमघीउमिलावतहै अरुकूटिकैथोरिकजवामिलावतहैसिलाजतुकेआसपासअंगाराधरिकेइनओषधनकीधूनीदेतहैजेहि
तेकीरायफतिंगाअरुविषओषधीकरदोषएसवदूरिहोतहैतेहिउपरांतजलशुद्धिकरतहैतेहिउपरांतओषधनकेकाढेकीभावनादेतहै एकएकका
ढेसैदशदशदिनघोटतहै ॥इतिलघुशिवगुटिका॥ अथस्थौल्यस्यचिकित्सा॥ मूसरीपैसावीसभरि त्रिफलासेर रूसौ निसोत मुंडी घृ
हरकीजरकोवकला निर्गुंडी चित्ताउर एवीसवीसपैसाभरि कूटिकेपंद्रहसेरपानीमेओटावैजवपौनेचारिसेरपानीरहैतवमलिकेछानिलेइ
तेहिमेभैसागुग्गुलवीसपैसाभरिमिहीकूटिकेडारै धीमीआंचकरैजवगुग्गुलपिघिलजाइतवपानीछानिलेइतवचौवीसपैसाभरिओलमह
सारडारे सोरहपैसाभरिमिश्रीडारै तांमेकेवासनमेयागकरैजवयागपतरी रावकीनांईगाढोहोइहोइतवउतारिलेइजवशीतलहोइतव सोरहपैसा

भरिमधुडारै अरुचारपैसाभरिसिलाजतुकौसत्वडारै लाइची गुजराती तज वाइविरंग मरिच रसौत पैसाएकभरि वाइविडंगपैसाछैभरि
मरिच रसौत पीपरि आवरे हरर वहेरे एसवएकत्रवाटिछानिचूर्णकरिकै पैसाचारिभरिलेइ अरुपाछिलीओषदेवाटिछानिलेइ अरुकौसी
सपेसाचारिभरि सवएकैवेरपाभा[illegible] मेडारैकरछुलीसेघरीएकघोटैचीकनेवासनमैधरिराखे अधेलाभरिखाइ ऊपरतेपैसाचारिभरिगाइकौ
दूधपिवै अथवाजंगलीजनावरजेहै तित्तिरा वटेरा लवा तीतुरवटेरे इत्यादिकतिनकेमांसकेरससेखाइ वातअरुकफदूरिहोइ कोढप्रमेहजलं
धरकामलापांडुरोगसूजनभगंदरमूर्छामिरगिविषउन्मादअरुजेहातौरै विषहैतिनकहदूरिकरै मोटेआदमीकहदुर्वलकरै मेदस्वीकहउत्तमहैरहि
केषाएसेकूर्मपदवहुतपचकजानतहै वलकरैसुभकरैरसायनहैकामदेववढावेदेहसोभाकरै पुष्टकरै हरझुरीदूरिकरैवारकीसपेदीदूरिकरै केशकेद
शाक कांजी करोदाकरील करेला नखाइ ॥ इतितिलोत्तरसायन॥ अथउदररोगस्यचिकित्सा॥ तांबैमरो हरदी पीपरि अजेपालशुद्ध पैसापैसाभ
रि छूहरके दूधसेएकदिनघोटै दोदोमासेखाइदिनसात जलंधरदूरिहोइ ॥ इतिजलोदरारिः॥ अथकूष्मांडक्षारः॥ पांगानोन सेंधोनोन खारीनोन सोचरनो
न जवाखार सुहागभूंजो साजी छूहरकोखार छुटियानोन विडनोन साम्हरनोन एकएक चारिचारिपैसाभरिसवएकत्रकरिआकके दूधसेचोदहवे
रखौटै चोदहवेरछूहरकेदूधसेघोटै सवकीवरावरसीपभस्मकरिकै डारै सवएकत्रवारिकेरससेएकदिनघोटै अरुआंवलीमिचारिपैसाभरिखम
रा मिलावे अरुचारिपैसाभरिआककेपानपकेमिलावे जौघमराअरु आककेपानआधआधसेरमिलावेतौवहुतोभलीहै सवकुम्हडाके
भीतरभरेकुम्हडाकेमुहकेटुकुम्हडाकेटुकरासेहाये माटीलगाइकैतीनकपरौटीकैसुखैकेगजपुटआंचदेइजवशीतलहोइतवमाटीदूरिकरिदे

क्षारनिकासिलेइ याछैसमुद्रफल शंखभस्म वडीकटारकेचूर्ण करंजचूर्ण पीपरि पीपरामूर चव्य चितावर सोंठि हींगभूंजी अजवाइन
मेथी वाइविडंग अजमोद कलौजी एकएकदोदोपैसाभरिलेइचूर्णकरै तांबैमारोपैसाभरिलोहमारोपैसाभरि पारेगंधककीकजरीपैसाभरि
से समुद्रफललेइकैपारेगंधककीकजरीतांईसवओषधनकीउजनतेतालीसपैसाभरभई इहिमैछाछटपैसाभरिकुम्हडाकोखारमिलावे एक
एकटंकखाइरोज जलंधर सवउदररोगवायगोलाविद्रधि अष्ठीला याकृत प्लीह अग्निमांद्य सवशूल प्रत्याध्मान अजीर्ण शोथरोग एसवदू
रिहोइ विसेषकैविद्रधपरअरुजलंधरपरवहुतचलतहै ॥अथशोथरोगस्यचिकित्सा॥ सोंठि पीपरि मरिच आवरे वहेरे हरर मोथा वाइवि
डंग चितावर हरएकछदामछदामभरिलेइ सारमारोसवचूर्णकीवरावरलेइ षुराक अठारारत्तीकीहै पहिलैमासेएकखाइमधुसे दिनसात
तेहिउपरांतवलावे यतनवायसचूर्णपांडुरोगपांडुजन्यशोथतापरवहुतचलतहै पांडुरोगपांडुजन्यशोथतेपरचलतहै पांडुजन्यशोथजोलर
काकहहोइतोयहीचूर्णमधुसेदेइ पथ्यमन्नाकमकरिकैमहीनाएकखाइ सूजिदूरिहोइ यतनवायसचूर्णतिवडेकोपांडुरोगदूरिहोतहैपांडुजन्यशो
थदूरिहोतहै॥ अन्य॥ पथ्यरसगाकीजर दारुहरद हरर सोंठि हरर गुरिच चितावर भरंगी देवदारु सववरावरलेइ चूरिकै दोदोपैसाभरलेइतीनपाउपा
नीमैओटावे जवयानीचारिपैसाभरिरहैतवमीडिकैछानिलेइ छदामभरिखंडखाइखाइतेहकेऊपरकाढौपिवैओएकआधवेगहोइशोथदूरिहोइ
तीनरतीभरिसुधानिधिरसचारिमासाभरित्रिफलाकोचूर्णमिलाइकैखाइउपरसेपैसाभरिगोमूत्रपिवै शोथरोगमैदूरिहोइ ॥ अथसुधानिधिर
सः॥ पारोशुद्ध गंधकशुद्ध सोनामाषीभस्म लोहभस्म पैसापैसाभरिएकत्रकरि त्रिफलाकेकाढेसेघोटै दिनतीनटिकरीवधिकेगजपुटकीऔंचदे

सारसं० ७३ पाछैत्रिफलाकोकाढोलोलेकीकराहीमैडमैअाहीमैसखरिकरीडारैतरकैउनकीअांचकरैजवताईत्रिफलाकोकाढैचारिउसेरजरिजारअरअोषधअवि
जारतवएकऔत्रिफलाकेकाढेसेषार र रक्तपित्तशोथरोगदूरिहोइअरजेकरसोथरोगहोइतोयहअोषधलेररतीतीनअरुचारिमासेत्रिफलाकोचूर्ण
लेरदूनोकहमिलाइकैगाइकेमूत्रसेवारगोमूत्रपैसादोइभरि सोथरोगदूरिहोइ ॥अन्य॥ सर्वांगशोथविषेअरुगुल्मविषेउत्नीकोदूधपरम
अोषधलेसर्वांगशोथविषेअरुजलंधरविषेचालीसदिनताईअकेलेउत्नीकेदूधकौअहारकरैतौसोथअरुजलंधरएदूनोदूरिहोइ उत्नीको
दूधयाउभरसैसाधैसेभरितांईपरंतुगरमकछिकैपिअैशीतलनपिअै ॥अथअंडवृद्धिचिकित्सा॥ सोधोपारोपैसाभरि गंधकशोधोदोयै
साभरि कजरीकरैयापछैलोहमारो रांगमारो तांमोमारो कांसेमारो हरतालसोधो हरियाथूथोसोधो शंखसोधो कौडीसोधी सोंठि पीपरि मरिच
अावरे हरर वहेरो चवे वायविडंग विधारो कचूर पीपरामूर याठ हवुषा लाइची वच देवदारु सैधो सोचरसाम्हरि पांगा विडनोन एकएकपै
साभरिदिनतीनहररकेकाढेसेघोटै पाचरतीकीगोलीवाधे गोलीठंढेपानीसेषाइ असाध्योअंडवृद्धिरोगजाइमात्राअर्बुदश्लीपददूरि
होइ यहकेवलअंडवृद्धियरवहुतचलतहै भावप्रकासकेमत भेषज्यसमझइहिकेगुनअधिकलिषेहै ॥अथवरास्यचिकित्सा॥ अथ
रत्कारि॥ सोधोपारोपैसाभरि सोधोगंधकदोपैसाभरि दोउकीकजरीकरै इकरसवेरअादीकेरससेघोटै पाछैतीनपैसाभरेकीएकता
मैकीउवियावनावै तेलकेभीतरलेपकरै अरुमाटीकेपरामैलगाइकेतीनकपरौटीकैगजपुटकीअांचदेइजवशीतलहोइतवनिकासिले
इ रहिकेषाएसेदुष्टरक्तजन्यसवव्रणदूरिहोइ नाडीव्रणशस्त्रकेव्रणदूरिहोइ अरुजोलोहकोठकोकरेतेकतशुद्धकरै यकृतरोग प्लीह रा० ७३

+ अंगारेपरतेलमैदोपैसाभरनीमकेपातकीटिकरीडारिकेजलाइकैनिकासिडारैतवलीलाथोथादमरीभरि वारिकैडारैछनएकगरमकरै + २
रोग त्रिदोष एदूरिहोइ स्थौल्यरोगकार्श्यरोग एदूरिहोइ भूषवढै एकरतीभरिषाइमासेभरि सोदिमासैभरि मिश्रीमिलाइकैघीउसेचाटिजाइ घी
उपाउएकगरमकरैपाछैपांचमासेभरिहरदकेटूकरेपांचमासेदारुहरदकेटूकरेजलाइकेनिकासिडारैतवघीउछानिलेर फेरिअंगारेपरचलावैतवमुर
दासंष रारषैर कवीला जरीमुयारी पांचपांचमासेलेर पीसिकैडारैछनएकअांचपररहनदेइउतारिकैघोटै दोउजोरप्रहालगावैजोभीतरघालीहोइतौ
वत्तीचलावैघाउभरिअावै हथियारकेघाउकहदिनतीनकनिकहरदीपिअाजसेसेकै जवचिरकपरैतवयहमलहमलगावै ॥इतिमलहमकोनामअच्छ
मतीहै ॥अथभगंदरस्यचिकित्सा॥ सोधोपारोपैसाभरि सोधोगंधकदोपैसाभरि कजरीकरिकैग्वारिकेरससेएकदिनघोटैएकगोलाकरैवहगोल
तीनयेसाभेरकौतांमकोउवावनवावैतेहिमैगोलराखैएकहांडीमैराषभरैतेहिकेवीचडवाराषै हांडीकेतरचारिपहरअांचदेइजवशीतलहोइतवडवा त
निकासिलेइगोलाकुड्डाइवापीसै सातवेरजंभीरीकेरससेघोटै मधुघीउसेएकरतीभरिषाइ तेहिकेऊपर छदमरीभरिमूसरीकौचूरा[illegible] अरुछदाम
भरिलहसनकीपिठीदूनोमिलाइकैषाइ ऊपरसैकांजीकोरसपिअैपैसाचारिभरि त्रिफलाकेकाढेसैभगंदरकेव्रणकलनित्यधोवै अरुनित्यविलाई
कीडाडपानीसेरगरिकैभगंदरकेव्रणमैलगावै मीठीवस्तुषैवोकरैशीतलनषाइदिनकैनसोवैमैथुननकरैजोयहरससेभगंदरननीकोहोइतौएह
सेजवरहस्तएकरसलैतेतहकोसेवनकरै ॥इतिभगंदरहरोरसः॥ अथान्य॥ सोधोपारोपैसाचारिभरि सोधोगंधकपैसाअाठभरि दूनोकोए
कपहरसूषोघोटै पाछैदिनसातगंध[illegible]पसारिनकेरससेघोटै थोरोथोरोरसडारिकैएकदिनमैचौदहवेररसडारैजवसातदिनवीतिजाइतवया
मनमैसुषाइकेपीसिकैपतरीशीशीमैडारै एककसराममाटीराषिकैतिहिसिसीकेमुहमूंदैपाछैएकहाथचौरोएकहाथगहिरोषदराकरै ते

सारसं०
७४

हिमैदशसेर घोरेकीलीदभैरेतरै अरुदशसेरऊपरडारैवीचमैशिशीराषैमहीनातीनगाडीरहनदेरैपाछैनिकासिलेरचारिरतीयलरसतेरअरु
चारिमिचिलेरइनौकलपानमैधरिकैप्रातःकालषाएकवर्षसेवनकरैभगंदरदूरिहोइउरद दहीनषाइ यहरससैसेवनलसूरइरहोततेरअ
षकेभीतरकेोनलसूरमुखकेभीतरकेोनलसूरएसवदूरिहोतहै ॥अथउपदेशानोचिकित्सा॥ चारिपैसाभरिसुमलषारमिहीपीसिकेगाढेकपरा
मेधरिकैपोटरीकरैपोटरीकहडोरासैवांधेडोलाजंत्रकीभांतिहांडीमैलटकावैहांडीकीयेदीतैचारिअंगुरपोटरीउचीरहेहांडीमेकांजीक
रपानीभरेहांडीकेतरेधीमीआंचकरैचारपहरस्वेदनकरेएहीभांतिचारपहरदिनकागदीनिंबूकेरससेचारिपहरकुम्हडाकेपानीसेस्वेदन
करेपाछैकपरासैषोलिलैघोटैगुरिचकेरससैअदरखसेवेर गूमीकेरससे २१ पानकेरससैवेर २१ पाछैजोचारिपैसाभरिसुमलषावहोइ
तौपैसाभरिस्पारषेरडारै इतोकलइकरसवेरकरेलाकेपातकेरससैघोटैतवसरसोतेकछूवडीवुततएकगोलीवांधिराषैएकगोली
प्रातःकालषाइ कफज्वरवातज्वरक्षयीषांसीस्वासअतीसारएवेगिदहूरिहोइ रुधिरविकारवातरक्तएऊदूरिहोइ लडफूटनिशिरकीपी
वि ड़ोस्फोट वुराकाउएसवदूरिहोइ यहरसायनवटीधन्वंतरिकना रहैअरुवडेवडेराजनइहिकौआदरकरौहै अरुइहिकोसेवनकरा
रेयहअौषदषैवेलायकहै ॥इतिधन्वंतरिविरचितरसायनवटी॥ वाजेवैद्यइहरसायनवटीकलअौरभांतिवनावतहै चारिपैसाभरिसु
मिलतेहमैपैसाभरिगंधकडारतहैअरुपैसाभरिसुहागडारतहै पहिलेकांजीकेपानीसे निंबूरससैअरुम्हडाकेरससे इनसैसातसात रा० ७४
वेरघोटतहै एकगोलावनाइकैघाममैसुषैकेएकतहकपरासैगोलाकहलपेटैतेहिपरतीनकपरौटीकरैवडेसरावसंपुटमेराषिकेसंपुट

पा१

केऊपरतीनकपरौटीकरिकैसुषारकै एकहांडीमैराषिकैतरेऊपरचसेरवारूराषैहांडीकौमुखमूंदितीनकपरौटीकरिकैघाममैसुषारकैहा
घभरिषदरगहिरोलायभरिवोरेतेतिहिमैकंडाछूटिकेएकवीताभरिदेइतेहपरहांडीराषैतेहकेऊपरएकवीताअौरउपरीछूटिकैभरिदेइजवहा
ङीराषैतवएकअंगारातरेधरिदेइजवहांडीकहमूंदेकरसीसैतवएकअंगाराऊपरधरिदेइचौथेदिनहांडीनिकासतहैजवशीतलहोइतवगोलानि
कासिलेरतेहिगोलाकहगुरिचकेरससे गूमीकेरससेपानकेरससैअगरसअदरखसेवेरघोटतहैतवपैसाभरिस्याहषेरमिलाइकेकरेलाकेरससैरक
रसवेरघोटिकैसरसौसैकछुवडीगोलीवांधेएकएकगोलीषाइजोगरमीहोइतौशीतलउपचारनकरेअौसमैनसोवैअरुस्नानकरे ॥अथोपदंशस्य
चिकित्सांतरं॥ रेकौशुद्धकोपारोतोलाभरितेहकोतुलसीकेरससैपहरएकघोटैतवअठाइपैसाभरिपुरानोगुडमिलावैलोहेकेकराहीमैधरि
केलीवकीलकरीसैघोटै असगंध अजवाइन भिलमा जरीकौडी सुहजनेकेवीजा हरदी हरएकतीनतीनपैसाभरिएकत्रकूटिकैकपरछानिकरिअौ
हीमैमिलाइदेइपहरएकनीमकीलकरीसैफेरिघोटै अधेलाभरिचूर्णयहप्रातःकालषाइपैसाभरिसायंकालषाइदिनचौदहअरुचौदहौदिननिर्वात
स्थलमैरहैवीराषाइकरै दूधभातषाइ नोननषाइ फिरंगवाउदूरिहोइइसरीउत्तमहोइ ॥अन्य॥ चारिमासेग्वालरीगेरूचारिमासेरसकपूर चारिमासा
मिश्रीतीनउकहएकठावाटिकैपानकेरससैचौदहगोलीवांधेएकगोलीप्रातःकालएकसायंकालषाइगोहूंकीरोटीघीउचुपरिकैषाइसातदिनतौयह
अौषदसैमुहयोरोआवैवाउदूरिहोइ ॥अन्य॥भूसरी अकलकरा गजरातीलाइची षुरासानीअजवाइन दोदोपैसाभरितीनउकहएकत्रकूटिकैकप
रछानकैरेएकपहरघोटैपाछैमोहडीदूरिकरिकैदोयैसाभरिभिलमाडारै अौहीचूर्णमैभितमाकहकूटैछैघरीघोटैतेहिमैपैसाभरिपारोडारिकैप्र

सारसं० ७५ रिकै धौटै पहर भरि पाछै बारह पैसा भरि पुराने गुड़ उरिकै चारि घरी धौटै बयालीस गोली वाधै अधेला अधेला भरे की गोली वाधै एक गोली प्रातःकाल द
हीके साथ षाय चौदह दिन वाउ दूरि होइ कागदी निंबु न षाय और सब षाइ एह औषद वाजिन कह पारो सो मुह आवत है एह नौ औषद अनभूत है ॥ अन्य ॥
अजवाइन चूर्ण करि कै पैसा चार भरि षैर कंट आद गुग्गुल आद टंक ईगुर को पारो मासे पाच नो भिलमा अढाई पैसा भरि घीउ सब एकत्र करि कै चौदह गो
ली वाधै एक गोली प्रातःकाल एक सायंकाल षाइ वाउ दूरि होइ वाउ सेग रेमे अथ वंसराम मै गिलटी भर होइ अरु गलुवा वात जो साथ संयुक्त होइ लोह पीव पा
नी जो वाउ के घाउ से वहत होइ वाउ से पीड़ा होइ दीस होइ जलन होइ तपकना होइ वाउ सेजे हि की रेढी गलि गलि परत होइ रेढी के भीतर की राय रहे होइ सो सव
ब दूरि होइ परंतु यह औषध से मुह वहुत आवत है दिन सात गोह की दरिया षाइ यत औषधसे जो मुह वहुत आवे अरु पकि जाइ तौ चमेली के पात अरु
कचनार की छालि औ टिकैरू लाकरे अथवा वमूर की छालि औ टिकरू ला करे ए औषद दौलत वंधक हसिपाही कह अन चिन्हार कहना ही देइ वडे आ
दमी कह असी औषद देइ जे हि मे मुहन आवे जघपि रसायन वटी मुहना ही आवत परंतु वल गरम वहुत है व डौ आदमी और की गरमी न गही सम्हार सक
तहे ते हितै वडे आदमी को वाउ यहि भाँति नीको करे सो उपाय यत है चोवचिनी को चूर्ण छदाम भरि अधेला भरि मधु से सानि कै षाइ चौसठ दिन तोई षे
ह वो करै फिरंग वाउ दूरि होइ नोन से धौ षाइ सम्हार न षाइ अवस्य कै नीको होइ ॥ अखरा के हरि करि वेकह मलैम लगावे सो मलहम यत है ॥ ईगुर मा
सेतीन ईगुर को पारो मासे दोइ औरा सार गंधक तीन मासे छछिया गंधक दो मासे सूखौ विहरौजा दो मासे मुरदासंष दो मासे सेंदुर दो मासे रा राम
ल दो मासे षेरसार दो मासे गार कौ घीउ पैसा चौदह भरि पहिले पारे कह भू रा के रस से दो घरी धौटै या छे पानी से धोरत वपारो औ दोउ गंधक मिलाइ कै ७५

घीउ गरम करि कै वे ही घीउ मे सव डारे आठ पहर धौटे तव सिद्ध होइ कपरा के फोहा मे लगाइ के घाउ के ऊपर लगावै प्रातकाल अरु सायंकाल वौथे पाच ए दिन
सि हारू के कारा से धौवे नीको होइ ॥ अन्यान्य ॥ देरा कीजर कौ वकला को रस पैसा दो भर सुहमा पैसा एक भरि वल्लक रे पहर एक गोली वाधै चना प्रमान दोऊ जो
रषार दिन ७ पथ्य दूध भात नीको होइ ॥ अन्य ॥ ईगुर मासे पाच हरिया थूथा मासे पाच सुहमा मासे पाच माजूफर मासे पाच मरिच मासे पाच सुतमा फूले ले रतीन
पुरिया वाधे एक प्रात एक मध्यान्ह एक संध्या कै हुका मे पिवै भटा गोहू की रो [illegible] पथ्य भटा न मिले तौ सेम से रोटी षाइ फिरंग जाइ ॥ अन्य ॥ कूट पैसा
एक भरि मुरदासंष पैसा भरि षैर पैसा भरि षुरासानी जवाइन पैसा भरि सव चूर्ण करि जल से गोली वाधे चना प्रमान त्रिकाल षाइ पथ्य दूध भात दिन र
निर्वात अस्य लमे रहै तातेपानी से सपरे मुसलमान कै मुरगी पथ्य ब्राम्हण को परवर से धौ नोन मूग की षिचरी षाइ फिरंग वाउ नीको होइ ॥ अथ सूक
दोष स्य व्याख्यानं ॥ शूकः सविषो जलजंतुः तस्य धानो लिंग वृद्धि क्रियायः उपायः सोपि शूक संज्ञकः ॥ तादृशोपाय जन्यो यो रोगः स सूकजः तथा च सूकप्र
य धानोपाय जन्यः शूकज इत्यर्थः ॥ सूक प्रधान उपाय है ॥ भिलमा की गुठिली जल सूकके है सविष जो है पानी को कीरा कमल के पात इनतीनो कह ए
कत्र करि कै एक वासन मे डारे वासन कौ मुह मूदि कै [redacted] जरा देइ उन औषधन के साथ से धौ नोन डारे पाछै वडी कटारके पके फल के रस से घोटै
पहिले भैसि के गोवर से लिंग कह सुद्ध करै तव एह लेप लगावे न सै वचार के यह लेपन से लिंग मोमो टो होत है अरु लेवो होत है जव रहोत है सूक दोष
कहे सूक जन्य विकार यह लेपन शूक प्रधान रे रहिमे सूक परत है ते हते यह कौ नाम सूक भयो जैसे लेपन के लगाए से सूक दोष उत्पन्न होत है अरु जे हि
जो गौमे सविष जीवन परो होइ रते हि के लगाए ते लिंग विष सूक जन्य विकार नाही होत है काहे तै निर्विष लेप उचित है सविष लेप अनुचित है ॥ अथ सूक

सारसं० रहितो निर्विषो योगोयथा ॥ अश्वगंध वच कूट जटामांसी वडीभटकैयाकेफल पैसा पैसाभरी लेरवी सपैसाभरि दूधसोरहपैसाभरि तिलकौतेल
७६ औषधनको पीठीकरिके दूधमैघोरिकै तेलमैपचावे यहतेल स्तनमैलगाए ऐसे स्तनवढे लिंगमैलगाये तै लिंगवढै कानमैलगावै कानवढै सविषउपा
यसेजो शूकदोषकेते सूकविकारहोतहै सो अठारा भांतिकेहै एकसर्षपिका दूसरो अष्टीलिका ग्रथित कुंभीका अलजी मृदित अवमंथ पुष्करिका
स्पर्शहानि उत्तमा शतयोनक त्वकपाक शोणितार्बुद मांसपाक विद्रधि तिलकालक १८ जोपिडिका पिअरी सरिसौ सदृशहै अरु उपद्रयोनिसे उत्प
न्न होइ अरु प्रवातसे होइ सो सर्पिका कहावे शूकजो सविषउपायअरु दुर्भगाजो है दुष्टयोनि जेहयोनिमे सवीवकेनामायोनिरोगहै यहकरय
कहेहेतु जेहिविषे सर्षपिकानाम्नी पिडिकासूकै सेहोततै अरु दुर्भगासे होततै एही सार्षपीपिडका जो प्रमेहसे होइ तो ओर हकहसूकदोषन
निहाई कीनोई फरहिए जो सार्षपीपिडकादुष्टजोनिसे होइ सोई शूकदोषकहावो वे सूकविकारकहवावे ॥अथ अष्टीलिका॥ जोपिडिकाकरी होइ निहाई कीनोई
अरु विषमकहे कौनो छोटेकौ नो वडे अरु भुग्नकहे टेढे औसे जो है सूकके हे मांसांकुर तेहि करिकै व्याप्त होइ कोर्थः लिंग मेएकपिडकावडी होइ अरु
निहाई कीनोई फरही होइ तेहके ऊपर अरु आसपास कौनो छोटे कौनो वडे अरुटेढेमांसके अंकुर होइ तेहि कौ नाम अष्टीलिका शूकदोषविसेषयह
अष्टीलिकाकेवलवातसे होतहै एहविषजो है जलजंतु तेहके तेलके लगाएते होतहै ॥अथ ग्रथित॥ जो लिंगसर्वदा शूकजो हेमांसांकुर तिनकरि
स कैपूरितरहै कंटकित होइ तेहि कौ नाम ग्रथित सो कफके कोपते होततेहे ॥अथकुंभिका॥ जो पिडका लिंग मे जामुनकी गुठिली के सदृश वडी होइ
रू अरु अरुण कहे स्याह होइ सो कुंभिका कुंभिकायहनाम काहेसे परो कुंभी एक वौल होततै तेहके फल के सदृश होततहे यह कुंभीका रक्त अ रा० ७६

रपित्तके कोपतै होतहे ॥अथअलजी॥ प्रमेह पिडका जो है अलजी तेहके सदृश जो लिंगमैपिडकाहोइ तेहकहत अलजी कहतहै जैसे पं दितनप्रमेह
के पिडकाजो है अलजी तेहके लक्षण कहे है पाछे प्रमेहके अधिकारमे वहप्रमेहकौ पिडका अलजी केसौहै लाल है स्याह है स्फोटकरिकै
संयुक्त है अरु दारुणहै ए रक्तपित्तसे होततहे ॥अथमृदित॥ मांसांकुरके भएउपरांत जो शूकदोषयीडित होइ कहै रगरिगयो होइ अरु रग
रिगएते जो सोथभयो होइ तेहि कर नाम मृदित यह मृदित वातके कोपते होततहे अरु मांसांकुरके भए उपरांत इनौ हाथ सैं जो वहशूक संयु
क्त लिंग अत्यंत संमूढ होइ कोर्थः अत्यंत मलिगयो होइ तौ संमूढपिडका होइ कोर्थः वहशोथा पिडका भवति मृदितमहयो शोथहोततहे र
हि सेमूढपिडकामहशोथवढत होततहे शोथफैलिजाततहे जैसे मृदित वातके कोपतेहोततहै तैसे संमूढपिडका वातके कोपतेहोततहे ॥अथअ
टी वमंथ॥ लिंगविषे जो पिडिकादीर्घ अंकुर होइ अरु वहुत होइ अरु वीचमे ओलके दराइ होइ अरु पीडा करिकै रोमांचकरुहकरै सो अवमंथक
होवे यह अवमंथ कफ अरु लोहू से होतहे लिंगम जो है शूकविकार तेहिके दूरि करैसै कफ अरु लोहू कुपित होततहे ॥अथपुष्करिका॥ एकपि
डकावडी होइ अरु ओलके आसपास छोटी छोटी पिडका होइ जैसे कमलके फूलके वीच करिका होतहै अरु ओलके ऊपर छोटे छोटे रवा होतहे
उहकौ नाम पुष्करिका ॥अथस्पर्शहानि॥ लिंगविषे असी पिडका होइ जो छुई न जाइ ओह कहस्पर्शहानि कहततै यह स्पर्शहानि सविषउपा
यसे जो लोहू दुष्ट भयो है तेहितै होततहे स्पर्शहानि को यही लक्षण है केवल छुओ न जाइ ॥अथउत्तमा॥ मूगकी वरावर होइ अथवा उरदकी वराव
र होइ जो पिडका अरु लाल होइ तेहि कौ नाम उत्तमा यह उत्तमा रक्तपित्तके कोपते होतहे उत्तमा पिडका नामा जो है व्याधि सो सूकाजीर्णसैहो

१ २

सारसं० तहै पहिलै भयो जो है सूकविकार वहजो हरखेर खुजायो जाइ तेहकै नाम सूकाजीर्ण सो जो है निमित्त कहे कारणते उत्तमा उत्पन्न होतहै ।। अथ
७१ शतपोतन जेहिके लिंगके आसपास छोटे छोटे छेद बहुत होइ सो सतपोतन कहावे यह शतपोनतया धिवाइके अरु लोहके कोपतें होतहै सूककी षी
हर लकह जवहरवेर अगुरीसे दावि दावि निकासैते हितै वात शोणित कुपित होतहै एही भांति हरखेर सूकके षीलके निकासैते रक्तपित्त कुपित होतहै रक्तपि
त्तके कोपते उत्तमा होतहै जो पहिले कहि आए है अरु हरखेर सूकके षीलको निकास बौषधु लगाइकै सो सूकाजीर्ण कहावे शतपोनक बलनीक कहतहै
जैसे चलनी मे छेद बहुत होतहै तैसे एह व्याधि मे छेद बहुत हैं तेहिते इहिको नाम सतपोनक भयो ।। अथ त्वक्पाक ।। लिंगविषै जो पिडका ज्वर अरु दाह
कहकरै तेहको नाम त्वक्पाक यह वातपित्तसे होतहै ।। अथ शोणितार्बुद ।। जेहके लिंगविषै छोटे छोटे पिडका करिकै निपीडित होइ पिडिका लाल होइ अरु
स्याहलो इस्याह विस्फोट करिकै लिंगयुक्त होइ कहं वास्तुरुज पाढहै अरु कहूं वस्तिरुज पाढहै वास्तुरुजको अर्थ यह है वास्तु जो है विस्फोटको हिकानै
तलाती बपीडा होइ अरु वस्तुरुज पावहै वस्ति कहे पेडूतहाती बपीडा होइ जो पिडका ऐसे लें तेहको नाम शोणितार्बुद जेहको मांसदुष्ट भयो होइ
क तेहते जो अर्बुदाकार पिडका होइ तेहि मांसार्बुद कहतहै ।। अथ मांसपाक ।। लिंगविषे जव एरकयकिजाइ अरु ओहमे जो चोट लगै तेहिते मांसदुष्ट
होतहै तेहि मांसके दुष्ट भए ते जेकर मांस गलि गलि परे अरु सब दोषजन्य पीडा होइ तेको हमांसपाक कहतहै यह मांसपाक सब दोषते होतहै ।। अथ वि
दृधि तीनो दोषके कोपते लिंगविषे विद्रधि होतहै सो निपातक विद्रधि कर जो लक्षण है सो इहकर लक्षण है ।। अथ तिलकालक ।। जो शूकजन्य व्रणा रा०
कोर्थः सविषोपायजन्य व्रणा स्याह होइ अथवा नानावर्ण होइ अरु सविष होइ सविष जो है शूकाख्यजन्य जलजन्य जंतुते हते व्रणा भए है तेह वास्तवें ७१

व्रणो सविष भये वे व्रणा वेगि दै जो लिंग कहयकावे जेह पुरुषके लिंगको मांस ओह व्रणाके हेतुसे स्याह होइकै गलि परै तेकह तिलकालक कहतहै स्याह
जो है तिलतेलके सदृश इहिको रंग होतहै तेहते एकर नाउ तिलकालक मांसार्बुद मांसपाक विद्रधि तिलकालक ए चारिउ असाध्य है यह तिलकालक
तीनो दोषके कोपते होतहै सुद्र रोगमह जो तिलकालक कहो है सो वह तिलको नाउ है दो भांतिक रमृदित होतहै अरु दो भांतिकी सार्षपी पिडिका होतहै
एहो भेद इलेकै शूकदोष अठारह भांतिको है ए दोउ भेद कहे जो न गनै तो सोरह भांतिको होतहै सारंगधरमे सूकरोग चौवीस भांतिके कहे है लिंगार्श अ
व्पादिका निरुद्धमणी निरुद्धप्रकास परिवर्तिका निर्हत ए छहो अरु अठारा पाछिले के चौवीस सोरह पाछिले अरु एक मृदितको भेद संमूढपिड
का अरु सर्षपिकाको इसरो भेद सर्षपिका पाछे दो भांतिको कहि आए है एक सूकसे होतहै इसरो दुष्ट योनिसे होतहै लिंगार्श कह लिंगवर्ति कहतहै
लिंगार्शके इतने स्यान है अंडकोश अरु लिंगके छेदके संधिमे अरु लिंगको जो है मणी तेहके ऊपर पहिले अंकुरसे योरिकलवै होतहै मां
सांकुर पाछे मुरगाकी चोटीकी नाई होतहै यह लिंगार्श कहवाजे उपदंशको भेद कहतहै जेह स्त्रीके योनिको छेद छोटो होइ अरु ऐसेके पास जे पुरुष
जाइते हिते अथवा हस्ताभिघातते जेहके लिंगको चर्म ऊपरि चढि जाइ अरु आपु रसे फटि जाइ तेह कौनाउ अववपाटिका निरुद्धमणीमल अ
रु निरुद्धप्रकाश महरतने भेद है जव मूत्रको छिद्र चर्मसे मुद्दि जाइ तव मूत्र पीडासहित निकसे जव मूत्रको छेद चर्मसे न रुकै तव मूत्र पीडारहित मंद
धार निकसे इहि व्याधि कह निरुद्ध कहतहै अरु पकासो कहतहै जव वाउ यु लिंगके भीतर कुपित होइकै लिंगके भीतरको चर्म लेइकै लिंगके
छोट सोत कह मूंदतहै तेहको नाउ निरुद्ध अरु निरुद्धमणी अरु जव वार कुपित न भई चमरासे सोतक हन मूंदे तेहको नाउ प्रकाश यह व्याधि

सरकाएतेऊपरकहनाहीसरकत वारकेरहेतेवहचर्मकोषपिरातहै अरुजरतहै अरुपकतहै अरुमणिकेतरेवहचर्मकोष + २

+ सोबाहिउकेतछ्यवरिजाततै सरकाएतेऊपरकहनाहीसरकत वारकेरहेतेवहचर्मकोषपिरातहैअरुजरतहैअरुपकतहै अरुमणिकेतरेवहचर्मकोष + सोबाहिउकेतछ्यवरिजाततै

सारसं० ७८ निरुद्धप्रकाशात्मकभई अतिमर्दनतेअरुअतिपीडनतेअरुअभिघाततेवात्कुपितहोइकेजवलिंगकेचर्मकेपोलमेप्राप्तहोइतववहवातकरिकेसे

युक्त जोहैवहचर्मकोषगादिसोहोइकैलटकतहैतेहकहपरिवर्तिकाकहततै यद्यपियहपरिवर्तिकावातजन्यहै तथापिइहमेपित्तकोसंवंधहैका

हेतै एहमहदाहहोततैअरुपाकहोतहै जोइहमेकफकोसंवंधहोइतोषुजारअरुकररोहोइ निरुद्धकहविरताकहततै जेहकोमुहमूंदोहोइतेहकहवि

रतकहततैअरुसंवृतकहततै अरुजेहकोमुहखुलोहोइतेहकहविरतकहततै अरुनिरुद्धकहततै पकेऊमरकीनाईजोपिडकाहोइअरुवहपिडका

महजरनहोइअरुमहउहकोविरतकहेखुलोहोइ अरुवाहिउकेतसेशोथसंयुक्तहोइतेहकोनाउविरता यहपित्तवसेहोततै ॥अथरक्तदोष

स्यचिकित्सा॥ कोसीस हरद दारुहरद मोथा हरताल मनसिल कवीला गंधक वाइविडंग गुग्गुल मेनमरिच कूट हरियाथूथो पीरीसरसवा रसौ

त सेंदुर राल रक्तचंदन स्याहखेर नीमकेपान करंजकीवीजी कारीरीसर वचमजीठ जांठ जटामांसी सिरसकेवीजा लोध पदमाख हरर पवा

रकेवीजा अधेलाअधेलाभरिलेइ कुटेकुटेमिहीपीसै सवासेरघीउमेयह चूरन डारेतोमेकेवासनमेयरसवराखेएकदिननीमकीलकरीसेघोटे

फेरिसातदिनघाममेमरतनदेइ आठएदिनसेलगावै सवरक्तदोष दद्रुखाजु विमाई अपरस विसर्प विस्फोट वातरक्तजन्यशिरकेफोरा उपदंश नाडीवुरा और

वुरा सूजन भगंदर मकरीकेवुरा एसवदूरिहोइ यहघृतवुराकहशुद्धकरतहै अरुयहघृतसेघाउभरिआवतहै यहघृतजोसपेददागपरलगावैतोरंगवदलि सा० ७८

जाइ ॥इतिशक्रदोषादौकाशीसाद्यंघृतं॥ अरुसकदोषविषेविषहरीक्रियाकरैसोविषहरीक्रियाएकगौराद्यघृतहै हरद दारुहरद मरिवन मुरहारी

गुरीसर सुपेतचंदन रक्तचंदन मधुजांठ कमलकेजीरे पदमाख कुमलउरई मेदा आवरे हरर वहेरे वरकीछाल ऊमरिकीछाल पीपरकीछाल पारसपी

परकीछाल पाकरिकीछाल अधेलाअधेलाभरि जौयारसपीपरनमिलेतौसिरसकीछालडारे सववांटिकैएकदिनपानीमेभिजेराखे विहानेपीसिकेदेसेरपा

नीमेघोरिकेतीनपाउघीउमेडारिकेमंदआंचमेपचावै घीउछानिलेइलगावै शक्ररोग विसर्प मकरीकौविस्फोट विषकीकीराकेवुरा विषकेवुरा औरस

वविष दूरिहोइ ॥इतिगौराद्यंघृतं॥ शक्रदोषविषेदशांगलेपउत्तमहे॥ शिरसकीछाल जांठ तगर रक्तचंदन लाइची जटामांसी हरद दारुहरद कूट

वारो सववरावरलेइपानीसेसिलपरपीसे जोपिदीपेसायचभरिहोइतोएकपेसाभरिनेनू डारिकेलेपकरे शक्ररोग विसर्प विष विस्फोट शक्ररोगकोसोथ

२ दुष्टवुराएसवदूरिहोइ ॥अथगलन्मांसयोर्मांसपाकतिलकालकयोश्चिकित्सा॥ छदाम भरिचोवचिनीकोचूर्ण मधुसेचाटिजाइप्रातःकालसाढदि

नषाइ नोनषटाई उरद रीनषाइ मांसगलिवेतेवंदहोइ अरुसकदोषकेवुरानीकेहोइ अथवादोपेसाभरिचोवचिनीकूटिकेसोरटंकभरपानीमेऔटा

वैजवचारिपेसाभरिपानीरहेतवमीडकैछानिलेइयहकोप्रातःकालपिवै असादिदिनतोइ अरुनिर्वातस्थलमेरहे अरुकोईकीघोईरहैतेहकोसाऊकैउक

दोकरिकेपिवै मांसगलिवेतेवंदहोइ पारोगंधक राल गुग्गुल सूषेविलएजा दशदशमासेलेइ रूमामस्तगीमासेअठाई पहिलेपारेगंधककीकजरीक

रेतवसवऔषदेचूर्णकरिमिलावे फेरिसवघीउमेडारिकेपहरएकघोटै पाछेचूकसेपहरएकघोटैतवसिद्धहोइ यहमलहमपेसाभरिलेइ तहमेदमरी

रेतवसवऔषदेचूर्णकरिमिलावेफेरिसवघीउमेडारिकेपहरएकघोटै पाछेचूकसेपहरएकघोटैतवसिद्धहोइ यहमलहमपेसाभरिलेइ तहमेदमरी

भरिथुमुलीमडारे रोऊजोरफोहालगावेमांसनगले जौलिंगभीतरकीरापरेहोइतौवत्तीघलावेअरुमाटीसेलिंगकोछेदमूंदेकीरामरिजाइ ॥अथ

यलिगार्शःप्रभृतीनांशक्रदोषाणांचिकित्सा॥ कोसीस किरकिचलाई कूट मोद पीपरि सेंधोनोन मनसिल कनेरकीजर वाइविडंग चिताउर रूसो

वडीदतोनकीजर करईतुरैयाकेवीजा चोव हरताल अधेलाअधेलाभरि कूटिकेपानीमेभिजेराखेफेरिवांटिकेपिठीकरे तीनपाउतिलकेतेलमेडारेअरु

चारिपैसाभरिपूहरकोदूध डारै अरुचारिपैसाभरि आककोदूध डारै अरुतीनसेरगोमूत्र डारै चारघरीनित्य आंचदेइकैतीनदिनमेंसिद्धकरै यह
तेललिंगार्शमेंलगावैजवतांई लिंगार्शदूरिहोइ ॥इतिलिंगार्शसिकासीसाद्यंतैलं॥ अन्य॥ हरदीकोचूर्ण पैसाभरितेहकहसातवारथूहरकेदूध
मैंघोटैतेहिकोएकगोलीवनावै वहगोलीपानीसेरगरेतेहिमें एकडोरापकोभिजैकैलिंगार्शमें वोधे अर्शकटिपरै॥अन्य॥ सेहुडकेदूधसेहर
दीपीसैतिहिकोलेपअर्शपरकरै अर्शगिरिपरै॥अन्य॥ हरदी करंजरेथा दोउकोचूर्णकरिकैसरसोकेतेलमैंमथिकैअर्शपरलगावैअर्श
गिरिपरै ॥अन्य॥ अराऊरोकीजरकौकाढोकरैतिहिसेहरप्तालघोटैएकदिन लिंगार्शपरलगावैलिंगार्शदूरिहोइ ।अथअवपाटिकाचाचि
कित्सा॥ अवपाटिकामेतेललगावैअरसेककरैतेलकेलगाएसेअरुसेकेसेजोचमरउपरचढिगयोहैसोनीचेउतरिआवैअरुचमराकोघाउनीको
होइ॥अन्य॥ निरुध्मप्रकाशरकासमलजेम्मूत्रवंदहोइरंद्रीकेचमराकेरोकेसे अथवामूत्रवंदहोइसूक्ष्मधारआवैतोएकलोहकोनलवनावैपतरो
दोउतरफछेदहोइऊपरवहनलकेघीउचुपरैलिंगकेछेदमेपैठावैथोरोसो औरवाहिरकेछेदकीराहसूसकीचरवीअथवामुगरकीचरवीपिघला
ईकेचुवारदेइ चरवीकेपरेसेइंद्रीकेचमराकेभीतरखाइदूरिहोइ जेहितेवायुफेरिकेआहीचमरासेमूत्रमार्गकलनरोकेअरुचमराजोमूत्रमार्गक
हरोकेचुवाइ सोदूरिहोइजातवमूत्रभलीभांतिनिकसै॥अन्य॥ लिंगकोचमराजोचारिउकेतछपरिहोहैमरिाकहम्दिलईहैऊपरचढाएसेनाहीचढ
तनेहकलपहिलेघीउसेमलै मलिकैतीनदिनताईअथवापाचदिनतोईउपनाहस्वेदनकरै वातहरजेहैसाल्वणादिगणतेहसे कांजोसेअथवातकसे
अथवा औरखराईसेसाल्वणादिगणाकलपीसे अरुनोनडारैघीउडारै दूधडारैमांसरसडारैतवकपरामेवाधिकैथोरोगरमकरैसेके साल्वणगरा त्व

यहहै कुरथी उरद गोहूं असी तिल सरसो सोफ देवदारु नेगड जीरे अंडकीजर अंडी वारसुरही मूरा सहिजनो कासनी पीपरि स्याहपानकीवोवरी
नोन षराई पसारिन असगंध स्यामस सलदेई टिपारी गंगेरुवा दोउकटाई दोउवलारे गुरखरू वेलकीजर रस्नी सोनाकीजर पाडरकीजर षम्हेरकी
जर गुरिच करेद्धकेवीजा जेजूरेतेलेइ वराबरसव एकत्रकूटिकैपानीमेंपीसिगरमकैरैलत्तामेवाधैतवसेककरै पहिलेचमराघीउसेमलिलेतवसेककरैय
तयोगकोनाउसाल्वण अरुएहकोनाउउपनाहस्वेद औसेसेककैतवतेललगावैचमरामेघीउलगाईकेउपनाहस्वेदकरिकेफेरिघीउगरमकरिकैलिंगकेभी
तरडारै हरुवेहरुवेसलाकासेचलावैचौगिर्दमारीकहदाविकै यहभांतिघीउडारिकैतीनअथवापाचदिनसलाकापैरपाछेचर्मविषेप्रविष्टजोहेमरिा
तेकरफेरिसैकेपूर्वोक्तउपनाहद्रव्यसे तवइंद्रीमेहवस्तिकर्मकरैतवचमराउसासिआवैअरुपेवकै चिकनोदेइ वस्तिकेयकभांतिकीहै अनुवासनहै
निरूहहै उत्तरवस्तिहै रहाउत्तरवस्तिउचितहै औरवस्तिगुदाकीराहसेकरितहैस्त्रीकेयोनिकीराहवस्तिकरतहै यहउत्तरवस्तिलिंगकेछेदकीराह
हकरितहै वारहअंगुरकोनलवनावैपतरो औसोपतरोवनावैजोलिंगमेपैठिसकै अरुनलकोछेद औसोछोटोहोइजहमेंहोकेसरसोनिकसै
जोपुरुषपचीसवर्षकेहैतौतलकोतहोइतेकहपैसाभरिओषदनलमेडारिकैवस्तिकर्मकरै जोपुरुषपचीसवर्षतेऊपरहोइतोदोपैसाभरिमावोहै नले
अवचलवैन चपहिलनलकहघीउसेचुपरीलेइवस्तिकर्मकीविधिग्रंथांतरहै वातघ्नऔषदकोनतेहै स्नेहादिकमाषादितैलआदिदेकै ॥अथान्यउपा
य॥ वकरीकीषोपरीजरावैपहिलेचमराकेचौदिगितिल्केतेलडारैपाछेषोपरीपीसिकैचौगिर्दडारैअरुसराईचमराकेचौगिर्दफेरैयहभांतिमहीनाए
ककरैपाछेपैसाभरिरारअरुअधेलाभरिगेरूचारिपैसाभरिघीउमिलाइकैएकसेरपानीमेऔटावैजवआधसेररहैतवहाथसेमलैवहपानीदूरिकरै

सारसं॰
८०

सीतलपानीसेसातवेरधोवे यहमलहमचमरापरलगावैजेहतेचमरालरमलोरतवफेरिचमराकेबीगिरितिलडारेअरफेरिजरीबोपरीडारेअरफेरिसराईमे
रैचमरउसरसिआवे यहउपायसथियनकरैहे ॥अथविद्रतायाश्चिकित्सा॥ जेहभांतिपित्तविसर्पकरचिकित्साकरितैहेतेहीभांतिविद्रताकरचिकित्सा
करे जवतांईविद्रताकरशोथकच्चोहै जवविद्रताकरशोथपकिजा रक्तवमधुरऔषधसेवनायेजोहै घृततेलकोमलहमलगावेजहतेघाउभरिआ
वे शिरसकीछालजाठे तगर चंदन लारची जटामांसी हरद दारुहरद कूट वारो समलेइपानीसेवाटिपिठीकेरपाचएअंसघीउमिलाइकेलेपकरे
यहदशांगलेपपित्तविसर्पयरबहुतचलतहै अखवाइकेविसर्पकहदूरिकरतहैकफकेविसर्पकहदूरिकरतहैयहदशांगलेपकच्चेशोथपरलगावैयाछे
शोथकेपकाइवेनिमित्तअरफूटिजेवेनिमित्तऔरलेपकरै सोलेपयहहै रेनुचिनीपैसाएकभरि तेहीकीवरावरषैर हरर जीरे मुरदासंख रसोत
गेरू पैसादोइदोइभरि निरबसीमासेचारि लीलाथोथामासेएक सवकहपीसिकैदोमासप्रमानवरीबाधै एकवरीपानीसेरगरिकेलगावेप्रातःका
लेउपहर सांझके पाछिलीलेपधोइडारेतवदूसरोलेपकरैयहतवतोईलगावैजवतांईशोथपकिजाइअरफूटिजाइअरजवतोईयहकरचकतीकदि
जाइतेहपाछेजोजमेकेघाउवडोहैभरिनाहीआवत तवजात्यादिघृतलगावैजवतांहतेघाउभरिआवे चमेलीकेपात नीमकेपात परवरकेपात
हरद दारुहरद कुटकी मजीठ जाठे कंज गुरीसरजर्ई पैसापैसाभरिलेरकूटिकैपानीमेभिजैकेपैसेसेरभरिघीउतपैकैतेहमेडारेपहिलेसेर
भरिघीउतपैकेलीलाथोथापैसाभरिडारेघरीचारिआचदेइकैघीउछानिलेरतवपिठीसेरएकपानीमेघोरिकैडारिदेइआचदेइकेपरिपक्वक शा॰
८०
रैघीउछानिलेरपैसाभरिमेनडारिकेफेरिघरीआचआंचदेइकेराखिछोडे यहघीउलत्तामेचुपरिकेदोउजोरलगावैघाउभरिआवैजोय

हसैगुनततोइनोलालमलहमलगावे लालमलहमकेलगाएसेवेगिदेचमरादेआवे जरनदूरिहोइ दहेपरेअरवेगिदेघाउभरिआवैपानीपी
ववेदलोरसूजनदूरिहोइ घाउभरिघीउगरमकरैअंगारेपर लीलाथोथादमरीभरिपीसिकैडारजवलीलाथोथाजरिजारतवघीउछानिलेइनेहि
मैएकपैसाभरिमैनडारिजवमैनपघिलेतवपाचमासेरगुरडारपीसिकेअंगारेसेउतारिकैभलीभांतिघोरैफ्राहमेलगाइकेइनेजोरलगावैघाउभ
रिआवे ॥इतिविद्रतायाश्चिकित्सा॥ अथकुष्टरोगलक्षणं॥ कुष्टअठारहभांतिकेहै तेहिमेसातमहाकुष्टहै अरग्यारहक्षुद्रकुष्टहै ॥अथमहाकुष्ट॥
कपालकुष्ट औदुंवरकुष्ट मंडलकुष्ट सिध्म काकणा पुंडरीक ऋक्षजिव्ह ७ सिध्मदोभांतिकेहै एकत्वकमांसाश्रितहै तेकहक्षुद्रकुष्टमेसुश्रुतनेगनोहै
अरजोसिध्मसप्तधातुगतहोइतेकहचरकनेमहाकुष्टमेगनोहै ॥अथक्षुद्रकुष्टान्याह॥ इतनेक्षुद्रकुष्टहै पहिलक्षुद्रकुष्टएककुष्टहैजेहिकलचकाव
रकहतहै गजचर्म२ चर्मदल३ विचर्चिका४ अरविपादिका दोउमिलिकै४ वरीविचर्चिकाजवपांउमेहैसेविपादिकाकहावे जोसवदेहमेफैलेसोविच होर
घ
चिकाकहावे वाजेवैद्यकहतहैकेविचर्चिकाऔररोगहैअरविपादिकाऔररोगहै हथेरीमैहोइसोउविपादिकाअरहतरवनमैसोउविपादिकाअरविच
र्चिकावहकहावेजोहथेरीमैनहोइअरहतरवनमेहोइ औरसकलदेहमेहोइ उनवैद्यनकेहिसावक्षुद्रकुष्टवारह यामा ५ कच्छू ६ दद्रू ७ दद्रूदे
भांतिकरहै एकअवगाढमूल ॥ हैतेकहसुश्रुतमेमहाकुष्टमेगनोहै अरजोदद्रूअवगाढमूलनाहीतेकहचरकनेक्षुद्रकुष्टमेकहोहै ।विस्फोट८
किटिभ९ अलसक१० शताह११ सवकुष्टत्रिदोषजन्यहै वाजेवाजेकुष्टयहभांतिकेहै वातोल्वण पित्तोल्वण कफोल्वण वातपित्तोल्वण पित्तकफो
ल्वण सर्वदोषोल्वण ॥अथसप्तानामपिमहाकुष्टानांलक्षणान्याह॥ कपालकुष्टवाइसे औदुंवरकुष्टपित्तसे मंडलकुष्टकफसे विचर्चिका

सारसं० ८१

ऋक्षजिव्ह दोऊ वातपित्त सै गज चर्म एककुष्ट किटिभ सिध्म अलसक विपादिका एछ है वातकफसे दद्रू शतारू पुंडरीक विस्फोट पामा
चर्मदल एछ है पित्तकफसे के खूयमैं मत नाहीगनै है पामा गनी है पामाकू भेद कछु है ॥ अथ कपालकुष्ट ॥ जो कुष्ट कछु स्याह कछु लाल औ
सो जो है कपालके षपरा तैसे रंगहोर रूक्ष होर षरस्पर्श होर सूक्ष्म होरते है को नाउ कपालकुष्ट रहि मैं सुन्न भेकैसी पीडा होत होर यल कपाल
कुष्ट विषम कहे दुश्चिकित्स्य है ॥ अथ औदुंबर कुष्ट ॥ जो कुष्ट ऊमरके फलकी आकार होर सो औदुंबर कुष्ट कहावे रहि मैं पीडा होत तें दाह होत
है ललाई होत तें वकुरी होत तें अरु रोम कपिल रंग होत है ॥ अथ मंडल कुष्ट ॥ मंडल कुष्ट वह कहावे जो कछु सपेद कछु लाल स्थिर होर विन चिकित्सा न
दूरि होर आई होर स्निग्ध होर मंडलाकार उससि आवे कष्टसाध्य होर आपुसमे मिले होहि ॥ अथ सिध्मकुष्ट सिध्म वह कहावे जो सपेद होर लाल हो
रचमरा पतरी होर षुजाए ऐसे घोसीनिके से वुरधा छाती मै होत तें तुमरिया के फूलकी आकार ॥ अथ काकरा कुष्ट ॥ जो कुष्ट गुंगची के सदृश वर्ण होर वीच
मे करिया आस पास लाल अथ वावी चमेलाल आस पास करिया पके न पिराइ वहुत अरु ती नौ दोषके लक्षण मिले वह काकणा कहावे वह असाध्य
है ॥ अथ पुंडरीक ॥ जो कुष्ट पुंडरीकके पत्र सदृश सपेद होर अरु लाल होर जैसे सुपेत कमलको पत्र । वमे हो सुपेत होत तें आसपास ललाई थोरी
होत हे अरु ऊपर निकसि आवे सो पुंडरीक कहावे ॥ अथ ऋक्षजिव्ह ॥ जो कुष्ट कर्कश होर अरु अंत विषे लाल होर अरु स्याह होर मध्यमे धूम्र
वर्ण होर अरु पीडा करे अरु रीछकी जो है जीभ तदाकृति होर सो ऋक्षजिव्हक कहावे ॥ अथ एकादश विधानां क्षुद्रकुष्ठानां लक्षणानि ॥ अथ सा० ८१
एककुष्ट जो कुष्ट चारिउ तरफ फैले अरु मछरीकी जो है त्वचा तेहके सदृश होर गोलगोल जो है अभ्रकपत्र तेहके सदृश होर पीडा न होर सो

एककुष्ट कहावे ॥ अथ गजचर्म ॥ जो कुष्ट मोटे दलको होर अरु हाथीकी षालकी आकार रूक्ष होर स्याल होर सो गज चर्म कहावे ॥ अथ चर्म
दल ॥ जो कुष्ट लाल होर पिराइ षुजार वर मे फोरा परे चमरा कटवि दीर्ण करे छु औ न जार सो चर्मदल कहावे ॥ अथ विचर्चिका ॥ जो कुष्ट व
ऊ सी तलाकी भांति पिडका होर खुजार स्याह रंग होर वर मे से पानी पीव वहे सो विचर्चिका कहावे वाही सूर्ष वैद्य न कहवि चर्चिका विषे वाउ की से
का होत हे ॥ अथ विपादिका ॥ हथेरी अरु तरवा फटि जार वहुत पिरार ते कहत विपादिका कहत हे यह विपादिका वि सोई न कहावे विमार केवल
पाउ मै होत दे अरु पाउ फटि जात है अरु पीरा होत है विमार वहुत परे से होत ते पाउ के रूक्ष भए ते विमार कहावे पाददारी कहत हे विपादिका मल पिड
का हाथमे अरु पाउ मै स्याह रंग होत ते वहत तेरे षुजात ते फटि जात है पाददारी मे केवल फटवो है पिरैवो है और लक्षण नाही है तिहि ते पाददारी भिन्न पादि
का भिन्न ॥ अथ पामा ॥ जो पिडका छोटी होर वहुत होर अरु वहे षुजार जरै सो पामा कहावे वाही पामा जो हाथमे होर अरु रान मे होर अरु वडे
वडे फोरा परे जन फफोलन मे तीव्र जरन होर सो कच्छू कहावे ॥ अथ दद्रूमंडल ॥ जो पिडका षुजार लाल होर उससि आई होर मंडलाकार हो
र सो दद्रूमंडल दाद कहत हे ॥ अथ विस्फोट ॥ जो फफोला स्याह होर लाल होर उनकी षाल पतरी होर सो विस्फोटक कहावे ॥ अथ किटिभ ॥
जो पिडका स्याह रंग होर अरु किरा जो है व्रण को घट्ठा तेहकी नाई कर्कश होर रूक्ष होर सो किटिभ कहावे ॥ अथ अलसक ॥ जो कु
ष्ट महा पिडका करिके वेष्ठित होर पिडका वहुत होर षुजार लाल होर जैसे पित्तीकी पिडका मूर्ष वैद्य यह महापित्तीकी शंका करत हे ॥
अथ सतारू ॥ जो कुष्ट लाल होर स्याह होर जरै पिरार वहुत व्रण होर जैसे अन्हौरी होत है सो सतारू कहावे ॥ इति अष्टादश विधानि कुष्ठा

निलक्षणानि ॥ सप्तधातुगतजेहैकुष्टतिनकलक्षणकहेदेतै ॥ अथरसगतस्यकुष्टस्यलक्षणमाह ॥ रसधातुगतजोकुष्टहोरतौअंग
विषेरूक्षताहोरचमरीसूत्यजानैजाइदेहकीत्वचाऐसीजानीजाइजैसीवहिरीमैहोतहै रोमांचहोरपसीनावहुतचलै ॥ अथरुधिरग
तस्यकुष्टस्यलक्षणमाह ॥ रक्तधातुगतजोकुष्टहोरतौषजुरीहोरवहुतपीवनिकसै ॥ अथमांसगतस्यकुष्टस्यलक्षणमाह ॥ उनहीअठार
तस्यकुष्टस्यलक्षणमाह ॥ रक्तधातुगतजोकुष्टहोरतौषजुरीहोरवहुतपीवनिकसै
ता होकुष्टमांसगतहोरसोपुष्टहोरमुषशोषहोर कर्कशहोरछोटीछोटीपिडकाहोरतोदहोरविस्फोटहोरस्थिरताहोरपिडकामै ॥ अथमेदोगत
स्यकुष्टस्यलक्षणमाह ॥ जोकुष्टमेदगतहोरतौहाथगिरिपरै चलिनसकै हडफूटनहोर घाउफैलतजाइ अररसगतरक्तगतमांसगतजेकुष्ट
जेपहिलेकहेहैतिनहकेलक्षणमिलै ॥ अथ अस्थिमज्जगतस्यकुष्टस्यलक्षणमाह ॥ अस्थिमज्जगतजोहैकुष्टतेहमैनाककिरिपरतहै औष
लालहोरघाउमैकीरापरैस्वरकौनासहोरपीडाहोर ॥ अथसुक्रगतस्यकुष्टस्यलक्षणमाह ॥ दुष्टहैआर्तवअरसुक्रजिनकौऐसेजेहैस्त्रीपुरुष
आर्तवस्त्रीकौअरशुक्रपुरुषकोएदोऊकाहैतैविगरे स्त्रीअरपुरुषकेकुष्टवाउत्पत्ते ऐसेआर्तवअरशुक्रसैजोलरिकाभयोहोरसोऊको
ढीहोर लरिकाकौकोढीहवोस्त्रीपुरुषकेकोढकोलक्षणहै यहभांतिदोऊकोकुष्टकेनिदानहैविरोधीअन्नपानादिकवातादिककेको
पकेसोईनिदानश्वित्रकोकरहै जैसेवेअठारहोकुष्टवातादिककेकोपतैहोतहै सैसेश्वित्रवातादिकोपतैहोतहै वातादिकदोकरजोदृष्यअग्ग
रहोभरहै वेईदूष्यश्वित्रमैरहैहै रसरक्तमांसलसीका एचारिउदूष्यदूनौजागामैहैसोदोषअरदूष्य इनदुनौसैहोतहै अरकिलासश्वि
त्रकरभेदहै श्वित्रकेवलत्वगाश्रितहै कोर्यः रसाश्रितहै तकउदकहश्वित्रकहितहै जववही श्वित्ररसरक्तमांसाश्रितहो रतवकिलासक + ४ सा० ८२
+ सुक्रगतहैतातैलरकाकोढीभयो ॥ इतिसप्तधातुगतानांअष्टादशविधानांकुष्टानांलक्षणानि ॥ अथकुष्टभेदस्यश्वित्रस्यलक्षणमाह ॥ जोअष्टादशकुष्ट

हवे किलासलालहोतहै अरश्वित्रवहुतनाहीहै औरकुष्टवहुतहै तेहितै औरकुष्टतैश्वित्रभिन्नभयो श्वित्रकेवलरसगतहैतेहतै दृष्टभर
श्रावनाही स्रावरक्तादिकधातुकेदुष्टभएतैहोतहै रसदुष्टतैश्रावनाहीहोत अरश्वित्रतीनौदोषसैनाहीहोत केवलवाइसैहोतहै केवल
पित्तसैहोतहै केवलकफतैहोतहै अरकेअठारहोकुष्टतीनौदोषकेसमूहसेहोतहै तातैश्वित्रपृथककियातद्भवः रक्तमांसमेदएहैसंश्रय
कहैस्यानजेहकेऐसोजोश्वित्र अरवेअठारहोभांतिकेजेहैकुष्टतिनकौसंश्रयसवधातुहै तातैश्वित्रउनअठारहोतैभिन्नहैतीनहेतुतै ए
कहेतुरहिकीपरिश्रावीनाही दूसरोहेतुयहपृथकदोषसैउत्पन्नहोतहै तीसरोहेतुयहसवधातुगतनाही ॥ अथश्वित्रस्यवर्णनाह जोवाइरक्त
गतहोरतौवहश्वित्ररूक्षहोरअरयोरिकलालहोर जोपित्तमांसगतहोरतौवहश्वित्रवहुतलालहोरकमलकेपत्रकीनांई जोकफमेदगतहोरतौवह
श्वित्रसपेदहोरमोटोदलहोरअरभारीहोर दाहकरकरै रोमकलहूरिकिरैखुजाइदोपकारश्वित्रकिलासवर्णनकहैरंगकरिकैऐसैहै अरुसाहे
ताभ्रहै ॥ अथश्वित्रस्यसाध्यत्वादिकमाह ॥ जोश्वित्रऐसोहोर केरोमउसकेसुपेतनहोर अरअवरलहोर तचाउहकीपतरीहोर अरआपुस
मिलिनगएहोर अरआगिजरेसैनभएहोहि सोसाध्य औरभांतिकेअसाध्य जेहकेरोमसुपेतहोर जेहकोचमरामोटोहोरओमिलिगयोहोरपुरा
नोहोर आगिकेजरेसैभयोहोरसोअसाध्य अरजोकिलासश्वित्रलिंगमेअथवाभगमेहोर हथेरीमैहोरतरवामैहोर जदिपवहनयो हो
रतौअसाध्य वाजेरोगसंसर्गतैउत्पन्नहोतहै वेरोगएहै कोउज्वर शोष क्षयी रोगआषकोउठवो अरऔपसर्गिकरोगजेहै शीतलादिक
तेएकमनुष्यतैदूसरेमनुष्यकरप्राप्तहोतहै काहेतैवहुतसंगतसे अररोगीकीदेहकेछुयेसे अररोगीकीस्वासाकेलगेसे रोगीकेसायजैयेतै

८१

अरोगीकीषाटमैसोएते अरुरोगीकेविछौनामैवैठैते अरुरोगीकौवस्त्र अरु माला पहिरैते अरुरोगीसेमैथुनकरैते रतैनैरहतेरोगीकोरोग
औरकौलगतहै अरुकोढीजोमरेअरुफेरिउतपन्नहोइतौफेरिकोढीहोइरतेहतैकोढकीवरावर औरररोगनिंदतरनाहीहै ॥ अथकुष्टरो
गस्यचिकित्सातत्रादौकुष्टभेदस्यश्वित्रस्यचिकित्सा॥ अजमोदकौचूरणमासे४सीतलपानीसेपिअैमहीना छ श्वित्रजो हैसपेदसोदूरि
होइ ॥ अथकुष्टेश्वित्रकिलासारव्येलेपः॥ श्वित्रहरः किलासहरश्च सापकीकोचुरीपैसादोभरिजरावै जंगलीकवूतरकोविष्टाये
सादोभरि गेरूपाउभरि सुमलषारछटंट लीलाथोथाछटंक लोहकी साजी आधपाउ संगमरवरपायरकौचूनाविनवुझायोसेरएक
सवएकत्रपीसैमीठेकुवाकेपानीसेपचीसदिनधोटै फेरिऔरऔषधनकोचोवाडारिकैतेजावसेआठपहरघोटै तेजावकीक्रिया
कलमीसोरासेरएक नौसादर आधसेर फटकरीआधसेर जवाषारआधसेर सवएकत्रपीसिकै शंखद्रावकीभांतितेजावनिकासै सब
द्रावजोअजीर्णकेअधिकारमेलिषोहै अथवाऔरभांतिनिकसै एकहांडीमै सोरा नौसादर फटकरी जवाषार चारिउपीसिकैडारेदूसरी
हांडीछोटीलेरतेउकौमुहवडीहांडीमैपैठावेमाटीसेदरजवंदकरैघाममेसुषवे पहिलेछोटीहांडीकेपेटमैदोछेदकरैदोआगुरकेत
फाउतछेदमैमोटीसूजकीवरावरकरैदोऊछेदहैकेडेतएकडोरानिकासै दोउतरफकेडोरावाहिररहैअरुडोरासूजवरावरमोटोहोइअरु
लंवोअैसोहोइजोपिआलामेलगोरहैदोऊओर हांडीचूल्हेपरधैडोराषैछेदनीचैकोरहै तेहहांडीकेतरेआंचकरैअरुछोटीहांडीपर
पानीडारतरहेएकलत्तापेदीपरधरिदेहतेहिपरपानीछिवावतरहे दोउसूतकीराहतेजावनिकसिकैपिआलामेपरैचौदहपैसाभ रा० ८३
रिसोसवतेजावषल्लमेडारिकैआठपहरघोटैफेरिपानीसेनधोवै परंतुपहिलऔषधनकौचोवाडारिकैतवतेजावसेघोटै चोवाकीऔषदएते
पारोआधसेर सीसोसेरएक गंधकतीनपाउ पहिलसीसोपिघलावैतेहमहपारोडारिदेहजवपारोमिलिजाइतवधरतीमेफेलाइदेह जवाव
रावरहूकाकरैउहिमैगंधकपीसिकैमिलाइदेहदोदोपैसाभरिछोटीछोटीशिसीमैडारै सिसीकेमुहमहसलेमानीमुद्राकरै सलेमानीमुद्रायलहै
सिसीकीनारिषालीराषेविनाकपरौटीआगुर४अरुसिसीमैऔषदभरैजितनीसिसीविनकपरौटीहैसोवाहिरराषैऔरसवधरतीमैगाडैसिसीके
आसपासचारआगुर दूरिषेरकेअगराधरैविजनाकेधौकेजवसिसीकोमुहपिघलै तवसमेटिकैमुहवंदकरिदेहसांसनरहे अंगरादूरिकरैसी
तलकरिकैकपरौटीकरिदेहउसवसिसीमै तवधानकीभुसीसेरयाचकंडासेरपाचकूटिकैदोऊमिलाइकैएकनादमैभरतेहिमैसवसिसीगाडैमु
हवाहिररहैअरुएकएकअंगारा रहएकसिसीकेनजीकभुसीमैराषैतीसरेदिनसिसीनिकासिलेइसिसीकोमुहटोरिकैऊपरजोअतरलगोहोइआ
धरतीमाफिकसोलेइकैएककिषिपनीमैराषैसवअतरवेरीपिठीमेडारिकैतेजावसेघोटैपहरआठअरुजोअैरतेजाववनाइकैपहरसोरहघोटैतौ
वीसविस्वासपेददागजाइलगाएसेयोरेतेजावकेपरेगननाडीकरतजवसिद्धहोइतवछोटीसिसीमेधरिराषेऊपरसेपानीडारेपानीचारआगुर
पिठीसेऊंचोरहैजौसपेददागपरलगायोचाहेतौपानीसिसीसेउलेडिकैऔरवासनमेराषै पैसाडेढभरिपिठीनिकासिकैएकपरईमहधरे
जोपानीवैडडेडिधरोहैसोवहीसिसीमैफेरिडारिदेहपानीकेरहैतै औषदकोतेजनाहीजात परईमैजोराषीहैपिठीतेकहहाथसेनिका
सिकैसपेददागपरनलगावे एकसीकमैयोरीरूईलपेटैतेहिसींकसेथोरिकवह पिठीलेइसपेदडागपरलगावे लेपआधजोऊचोरहै

सारसं० ८४

५१

वहलेपऋांघरीलागोरहैजवसूषिवेपरआवैतवगीलिलत्तासेपोछिडारे इहिभांतिपचीसवारलगावे सपेददाग दूरिहोइसोरहवे
रकेलगाएसैतिलकीभांतिस्याहषालसपेददागपरपरिजैहे अरुदागसिमिटिजैहे ज्योंज्यो आगेआषदलगतजाइत्योत्योषा। लस्या
हअधिकहोइकैवरावरहोइजाइ यह ओषधवारसातनिर्वीजहोइजाततैतव ओरतजावडारिकेआठपहरघोटेफेरिओही तरा
शिसीमेराषिछोडे इहिआषदमैकरामाततेजावकीहे ओरकीनाहीहै जोतेजावबहुतडारिकैघोटैतोछुभिलषारएकेटकेडा
रे छेटकेनडारे कियामेएकेटकलिषतहे ॥अन्यलेपसारोगधरात॥ मकोइया पवार ईट पीपरि एकत्रवारिक्करके मूत्रसेपी
सिगोलीकरिराषेबकराकेमूत्रसेघोरिलेपकरैश्वित्र दूरिहोइ ॥अन्य॥ हरतालमासे४वकुचीमासे १६गोमूत्रसेपीसिलेपकरैश्वित्र
दूरिहोइ ॥अथक्षुद्रकुष्टानांमहाकुष्टानांचचिकित्सा॥ महामंजिष्ठादिककेकाढेसैजोउदियादित्यरसषाइतोक्षुद्रकुष्टजेहे एककुष्ट
गजचर्म चर्मदलविचर्चिकापामा कच्छू दद्रू विस्फोटकिटिभ अलसक शतारु इनसवनकोहद्दूरिकरे अरुकुष्टकुठारनामाजोहे रसगल
कुष्टको दूरिकर्त्तासोमहाकुष्टजेहे कपाल औदुंवर मंडल सिध्म काकरा पुंडरीक ऋक्षजिव्ह इनविषैहितहे ॥अथउदयादित्योरसः॥
शुद्धपारोपैसाभरि शुद्धगंधकदोपैसाभरि दोउमिलाइकैकजरीकरै एकदिनग्वारिकेरससैघोटैएकगोलाकरै तीनपैसाभरेकोएकतांमेकोपत्र
वनावे गोलाकहहांडीमेराषे तेकहतांमेकीकटोरीसैढांपे कटोरीकेआसपासराषभरे अरुकटोरी केऊपरगोवरदेइहांडीकहचूल्लेपरराषि
केदोपहरतेजआवदेइगोवरपरथोरो थोरोपानीहरघरीडारतजाइदोपहरउपरांतजवस्वांगशीतलहोइतवकटोरीकहपीसेपाछैघोटै सा० ८४

२१

एकएकदिन कठऊमरिकेकाढेसे चितावरकेकाढेसे त्रिफलाकेकाढेसे किरवाकेकाढेसे वायविडंगकेकाढेसे वकुचीकेकाढेसे तवसिद्ध
होइ इहरतीषाइ ऊपरतेमंजिष्टादिकाढोपिवै ग्यारहोभांतिकेक्षुद्रकुष्ट दूरिहोइ अरुश्वित्र अरुकिलासकुष्टएऊ दूरिहोइ ॥अथकुष्टकुठाररस
सः॥ पारदभस्म गंधकसोधौ सारभारो एसोरहसोरहटंक तांमेमेरौ चौसठिटंक ६४ गुग्गुल त्रिफला वकाइनकेवीजा चितावर सिला
जतुकोसत्व करंजकीविजी एकएकसोरहसोरहटंक करंजकीवीजोचौसठिटंक पहिलसवओषदेवांटि चूर्णकरैपाछैपारदभस्मगंधकसौ
रतोमेमिलावे तेहिउपरांतगुग्गुलकहघीउसेकूटिकैलपसीसोकरैसवचूर्णमिलाइदेइफेरिसिलाजतुकोसत्वमिलाइदेइतवमधुअरुघीउसैसा
निकैचीकनेवासनमेधरिराषै अधेलाअधेलाभरिषाइ छिरहटाकीजरअधेलाभरिलेइपानीसैपीसिकैऊपरसैपिवै अथवामुरवासैषाइ
अथवाधनासैषाइ अथवामिश्रीसैषाइ भोजनअकेलोभातषाइमिठाईसै अथवापानीसै सवरक्तविकारकहदूरिकरे अरुअठारहोकोढ
कहदूरिकरै श्विचकिलासगलकुष्टए दूरिहोइ महाकुष्टजवमेदस्थानमेजातहे तवगलतकुष्टहोतहे गलतकुष्टसैहाथपाउगिरिपरतहे ॥
अथएककुष्टस्यउपायांतरमाह॥ मरिचादितैलएकजोरलगावे इसरीजोरसिंदूरादितेललगावैतोएककुष्टजोहेचकावरसोदूरिहोइ ॥
अन्य ॥ अधेलाभरिचोवचिनीकोचूर्णमधुसैषाइप्रातःकालतीनमहीनमाई अरुवेदोऊतेललगावैतीनमहीनाताईनोनषटाइनषाइचका
वरदूरिहोइ तहांमरिचादितैलतेलनमेलिषोहैसिंदूरादिनाहीलिषोहेसोसिंदूरादितैलयहहे सिंदूरपैसाएकभरिजीरपैसादोभरि सरसोंको
तेलटकाआठभरेमेपचावे सिद्धहोइतवलगावे ॥अथगजचर्मारीविचर्चिकायांअलसकेचउपायांतरमाह॥ अकेलोमहामंजिष्टा

सारसं० दिक्काथयदेमहीनापियेतेगजचर्मविचर्चिकाअलसकएतीनोदूरिहोइ विचर्चिकावडीशीतलाकीभांतिहोतहै अलसकसीतपित्तकीभांति
८५ होतहै अरुमरिचादितैलइनतीनउभलगावे।।अथपामाविस्फोटस्यतारूपभ्रतीनोउपयांतरं।।लघुमंजिष्टादिकाढेविधिपूर्वकपिवैतो
वेलिदेपामाविस्फोटस्यतारू इनकहअवस्पदूरिकरै।।अथदद्रुरोगस्यपामादीनांचउपायांतरमाह।।पारोगंधकलीलाथोथापैसापैसाभरिलो
हेकीकराहीमेडारिकेलोहेकेदस्तासेएकदिनघोटैसूखोपाछेवामलपैसाभरिघीउडारिकेतीनदीनघोटै यहघीउदादखाजुपामाजोहैवडीखाज से
विस्फोटकिटिभकैच्छूचर्मदलएदूरिहोइ।।अथकपालकुष्टस्यउपायांतरं।।पाउभरिलालगुंजचीकीदारराततिकैपानीमेभिजैराखैप्रातःकाल
सिलमेमिलीपीसिसेरभरितिलकेतेलमेडारेअरुघमराकोरससेरएकवेलीमेडारेदिनदोइमेपकाइलेइ यहतेलकपालकुष्टपरहरुवैहरुवै
मलेतेलमलेतेसूजनपैदाहोइ कपालकुष्टदूरिहोइ अरुयहितेलसेदारुणारोगजोशिरमेहोतहैसोदूरिहोइ औदुंवर मंडल सिध्म का
करा अलसजिव्ह पुंडरीक इनविषैमरिचादितेलउत्तमहै रस धातुगतजवकुष्टहोइतववहिरीउत्पन्नहोइ अरुवाताधिकजोवातरक्तहोइ
तेवहिरीउत्पन्नहोइ अरुवातरक्तप्रायपैमलवहिरीउहोतहै अरुकफाधिकजोहैवातरक्ततेहमेवहिरीहोतहै वहिरीकहसुप्तिकहतहै
अरुत्वकस्वापकहतहै त्वकस्वापकहैस्पर्शज्ञत्व तेहकीचिकित्सा स्वर्णक्षीरीरसः वारहसेरगाइकोमठालेइ तेहिमेदशपैसाभरिथोथ
कीगाढेडारिदेइतवतोईआवेदेइजवतोईमठाआधपाउरहिजाइफेरिमठासेनिकासिकेवारहसेरगाइकेदूधमेपचावैजवदूधपचिजाइतववहूथसेनि सा०
कासिकेपानीसेधोवैघाममेसुखाइकेचारिपैसाभरिमिरिचडारिदेउकरवांटिकपरछानकैरैतवदोपैसाभरियारोईगरकोडारिकेदोदिनघोटैतव ८५

एकटंककमतेदेखहिरीकुष्टकरदूरिकरैजैसेसिंहपशुकहअरयराम्रिगजैहैवोदसअरुवनविलारइनकहमारै ऐसेयहरसवहिरीकोहरिकरै
।।इतिस्वर्णक्षीरीरसः।। रुधिरगततजोहैकुष्टतेमहकेडूपीवहोतहै मांसगतजोहैकुष्टतेहिमे विस्फोटकर्कशछोटीछोटीगिलटीहोतहै
इनदूनेकुष्टपरलघुमंजिष्टादिचलतहै रसगत रक्तगत मांसगत एतीनउकुष्टसाध्यहै मेदोगतकुष्टसाध्यहै मेदोगतमेतायकोनासहोतहै उहागल
कुष्टकोजोहैकुष्टकुठाररससोदेइ अस्थिमज्जगतजोहैकुष्टतहानाकगिरतहै गरोवैठजातहै अरुश्वासहकीरापरतहै यहअसाध्यहै यहके
वलहरतालेसेनीकोहोइअथवानीकोनहोइ अरुसुक्रगतजोहैकुष्टसोउअसाध्यहैइहिकीचिकित्सानाहीहै।।इतिकुष्टश्वित्रयोश्चिकित्सा।।
अथशीतपित्तस्यचिकित्सा।। शीतपित्तमहवाजेकहऔकोहोतहै ज्वरदाहहोतहै तहाशीतलउपचारनकरै शीतलउपचारसेसंनिपातहोतहैस्वा
सहोतहै औकोज्वरदूरिकरिवेनिमित्त दाहकेदूरिकरिवेनिमित्त चारिपीपरिकोचूर्णमधुसेचाटिजाइ अथवापीपरिकेचूर्णसेएकरतीचंद्रोदय
मिलाइकेमधुसेचाटै ।।अन्य।। सरसोहरद पमारकेवीजा तिल वरावरलेइ पानीसेपीसिकेरससोकेतेलमैमिलाइगरमकरिकेउपटनोकरै
यहउवटनेसेदेहकेऊपरकीसूजनखजूरीदूरिहोइ।।अन्य।। पैसाभरिआदेकोरस अधेलाभरिपुरानोगुडमिलाइकेपिवैदेहकोशोथखजु
रीदूरिहोइभूखलगै एहीशीतपित्तकहपित्तीकहतहै यहमलवारकरआधिकबहुतहोतहै तेहीतेशीतलउपचारनकरै।।अन्य।।अजवाइनमि
हीपीसिकेमर्दनकरैतेहितैसूजनखजुरीदूरिहोइ।।अथशीतपित्तेरसः।।अजवाइनगुड पारदभस्मएतीदोइएकत्रमिलाइकेखाइशीतपित्तदूरि
होइ अरुसरसोकोतेललगावै।।इतिशीतपित्तस्यचिकित्सा।।अथउदर्दस्यचिकित्सा शिशिरपवनमहजोदेहमंडलहोइमंडलवीचमैनिम्न

कि२

होइलाल होइ षुजाइ बुझाते कहु उदर्द कहतते हे यह कफ के आधिक्य से होत है छर्दाम भरि अजमोद छर्दाम भरि गुड मिलाइ के षारसात

दिन उदर्द दूरि होइ ॥ अथ कोठ कोठ्यो चिकित्सा ॥ कोठ अरु उत्कोठ एदूनौ पित्त कफ लोहू से होत है वमन भली भांति न होइ तौ पित्त
कफ लोहू कुपित होत है तेहि से सो घमंडलाकार होत है षुजात है लाल होत है तेहि को कोठ कहत है यही कोठ जो हरवेर होइ तौ वह रक्त को
ठ कहत है कोठ उत्कोठ महइ रा देइ अरु रक्त कढावे पाछे कुष्टोक्त चिकित्सा करे सो कुष्टोक्त चिकित्सा महामंजिष्ठादि काथ है कोठ
उत्कोठ अलसं के इन तीन उकर एकै चिकित्सा है विना सेवन महामंजिष्ठादिके ए नाही जात है जो महामंजिष्ठादिको सेवन न करे तौ
एतीन उवातरक्त कहे पैदा करै एतीन उ सिंहनादि तेल के मर्दन से दूरि होत है अरु वात रक्त के अधिकार मे जो हरताल लिषो है ते हू के से
वन से दूरि होत है महामंजिष्ठादि काथ अरु सिंहनादि तेल अरु मारो हरताल एतीन कुष्टोक्त चिकित्सा है ॥ इति शीतपित्त उदर्द कोठ उत्को
ठ अलसका नां चिकित्सा ॥ अथ विसर्पस्य चिकित्सा ॥ पारद भस्म दश मासे कांती लोह मारो मासे १० गजवेल मारौ मासे १० सोधो गंध
क मासे १० सोनामाषी मारी मासे १० सव कहरवंदाल के रस से दिन तीन घोटै वंदाल देवदाली को कहत है पाछे एक गोला करे घाम मे सुषावे
फेरि वंदाल की जर से र आध ले इ ते कल्क टिके गोला के ऊपर लेप करै तेह महु आधी करसीत करे आधी ऊपर ते लके ऊपर तीन कपरौटी करे
एक चपिया मे राषे तेल को मुह मूदै तेह पर फेरि कपरौटी करै सुषैके आध गज वदरा गति रो अरु आध गज चोरी तेह मह आधी करसीत रे आधी

ऊपर वीच मे हडिया धरि के ऊपर ते एक अंगरा राषे तीसरे दिन षोलै छै मासे सो धो विष डारि के दिन एक घोटे एक रतीषार मधु पीपरि से

दश दिन मे विसर्प दूरि होइ ॥ इति विसर्प कालाग्नि रुद्रो रसः ॥ अथ विस्फोटे रसः ॥ उपदंश की चिकित्सा मे रसायन वटी लिषी है सो विस्फो
ट वातरक्त कल दूरि करत है ॥ अथ विसर्प लेयः ॥ विसर्प विस्फोट मे दशांग लेप उत्तम है अरु सत धौत घृत को लेप उत्तम है ॥ अथ वात विसर्प
लेयः ॥ वार सुरही कमलगटा देवदारु चंदन जोठे वरियारी सव एकत्र वांटि घीउ दूध से लेप करै वात विसर्प जाइ ॥ अथ पित्त विसर्प लेपः ॥
कमल को नाल चंदन लोध उरई कमलगटा कारीगुरीसर आवरे हरर एकत्र पानी से वांटि लेप करै पित्त विसर्प जाइ ॥ अथ श्लेष्म विसर्प ॥ त्रिफ
ला पदमाष उरई मजीठ कनेर दूव कीजर जवासो एकत्र वांटि लेप करे श्लेष्म विसर्प जाइ ॥ अथ निंवादि काय विसर्पे ॥ चिराइतो रूसो कडुकी
परवर के पान त्रिफला चंदन नीम की छाल समले इ अष्टावसेष काथ करि देइ विसर्प दाह ज्वर मोह कंडू विस्फोट तृष्णा छर्दि दूरि होइ अथ वात रक्ते
लेयः ॥ जटामासी रार लोध जोठे रेनुका मूर्वा कमलगटा पदमाष शिरस के फूल सव वांटि सत धौत घीउ से लेप करै पित्त वात रक्त दूरि होइ ॥ अ
थ कंडु चिकित्सा पवरवर के वीजा वकुची के वीजा सरसौ तिल कूट हरद दारुहरद मोथा समले इ एकत्र तक मे वांटि लेप करै षाजु दाद विचर्चिका
जाइ ॥ अथ कंडु चिकित्सा ॥ अन्य लेपः ॥ चोष वा रविडंग ईगुर गंधक पवार के वीजा कूट सेडर समले इ एक त्रवांटि के धतूर के रस से नीम के पा
त के रस से नागवेल पान के रस से एक एक रस से घोटै तव लेप करै पामा दद्रु विचर्चिका कंडु रकसा एसव वेगि दे दूरि होइ ॥ अन्य ॥ दूव हरर से
धौ नोन पवार के वीजा वोवई सव एकत्र मठा मे वांटि लेप करै कंडु दद्रु दूरि होइ ॥ अन्य दूव हरद दारुहरद पानी मे वांटि लेप करे कंडु पामा जाइ
कृमि दद्रु शीत पित्त जाइ ॥ अन्य ॥ सरसौ हरद कूट पवार के वीजा तिल एकत्र वांटि सरसौ के तेल से लेप करै दाद षाजु दूरि होइ ॥ अथान्य ॥ हरद

सारसं॰ ८७

सिध्माजार

वकुचीकेवीजा निंबूपत्र अवरेटंकएकगोमूत्रसेपीसैकंडूजार ॥ अथपामा ॥ मरिच मनसिल सेंदुर भैसकेघीउसैलेपकरैपामकंडूजार ॥ अन्य
॥ दोउहरदजलसैलेपकरैकंडूजारपामाजार ॥ अथसिध्मसेहुवा ॥ दारुहरद मूराकेवीजा हरताल देवदारु नागवेलकेपान सवअधेलाअ
धेलाभरिलेर शंखकोचूरण छदाम भरिसवएकत्रपानीसे पीसिलेपकरै ॥ अन्यसेहुवा ॥ केराकीराष हरद जलसैलेपकरैसेहुवाजार ॥ अ
न्य ॥ मूराकेवीजा अवरवेल दहीसेवाटिलेपकरैसेहुवाजार ॥ अन्य ॥ चंदन हरताल कपूर सुहाग मूराकेवीजा निंबूरससैलेपकरैसेहुवा
जार ॥ अन्य ॥ गंधक चंदन निंबूरससैलेपकरैसेहुवाजार ॥ अन्यसिध्म ॥ आवरे रार जवाषार एकत्रकांजीसैलेपकरैसेहुवाजार ॥ अथ
व्रणसोधनरोपणोलेपः ॥ तिल सेंधोनोन जाठे नीमकेपात हरद दारुहरद निसोत सवएकत्रवांटिघीउसंयुक्तलेपकरैव्रणकोसोधनकरै
॥ अन्यव्रणशोधनेरोपणो ॥ नीमकेपात घीउ मधु दारुहरद जाठे तिल सवएकत्रलेपकरैव्रणसोधनरोपनहोर ॥ अथव्रणक्रिमिघ्न ॥ करंज
नीम निर्गुंडी एकत्रलेपकरैव्रणकेकीराहूरिहोर ॥ अन्य ॥ लहसनलेपकरैव्रणकेकीराहूरिहोर अथवारींग ॥ नीमकेरसमेलेपकरै
व्रणकेकीराहूरिहोर ॥ अथव्रणसोधनेलेपः ॥ निंबपत्र तिलवडीदंतौनकीजर निसोत सेंधोनोन मधुएकत्रलेपकरैदुष्टव्रणसोधनरोप
नहोर ॥ अथविद्रधि ॥ वातविद्रधिलेपः ॥ सुहजनेकीजर निर्गुंडी अंडकीजर जवा गोहू मूग सवएकत्रपानीमेपीसियोरोगरमकरिलेप
करैवातविद्रधिजार ॥ अन्यपित्तविद्रधौ ॥ घीउ लाजा जाठेवाउ धूद्रध एकत्रलेपकरैपित्तविद्रधिजार ॥ अन्यश्लेष्मविद्रधौ ॥ ईट वारू
लोहेकोकीट गोमूत्रमेवांटितातौकरिलेपकरैश्लेष्मविद्रधिजार ॥ अन्यरक्तविद्रधौ ॥ रक्तचंदन मंजीठ हरद जाठे गेरू दूधमेवांटि सा॰ ८७

लेपकरैरक्तविद्रधजार ॥ अथगलगंडेचिकित्सा ॥ सुहजनेकेवीजा दलमूल पानीमेवांटितातौकरिलेपकरैवातगलगंडजार ॥ अन्यक
फगलगंडे ॥ देवदारु ररदोरनकीजर पानीमेवांटिलेपकरैकफगलगंडजार ॥ अथअर्बुदे ॥ सरसो सुहजनेकेवीजा सनकेवीजा अरसी
जवा मूराकेवीजा सवमठामेवांटिलेपकरै गंडमाला अर्बुदगलगंडसर्वजार ॥ अथअपच्यां ॥ सरसो नीमकेपान भिलमावांटिकै छेरी
केमूत्रमेलेपकरैअपचीजार ॥ अथगृध्रस्यादिघ्न ॥ वाहुमेअंगमेजहांवातनेपीडाहोरतलाछरोसेपछनादेरकैगुगचीवांटिलेपकरै वाहुकी
पीडाविस्वाचीगृध्रसीसत्यवातजार ॥ अथश्लीपदे ॥ धतूरो अंडकीजर निर्गुंडी पथरसगा सुहजनो सरसो सवएकत्रलेपकरैश्लीप
दजार ॥ अथकुरंडे अंडसूजैसोकुरंडकहावे जीरे हपुषा कूट अंड वेरकीजर कांजीसेपीसिलेपकरैकुरंडजार ॥ अन्य ॥ सिंगियाविष
सोंठि समलेर पानीसेवांटिलेपकरैअरकेडासेसेकै अंडकीसूजनजार ॥ अथनाभिसरले ॥ मैनहर कहुकी कांजीसेपीसितातौकरिलेपक
रैनाभिमेसूलजाय ॥ अथफिरंगेलेपः ॥ कनेरकीजर पानीसे पीसिकै लेपकरैफिरंगकेषतासूजनजार ॥ अन्य ॥ त्रिफलाकराहीमेवारिकै
केउलाकरैमधुसैलेपकरैफिरंगकेषतानीकेहोर ॥ अन्यउपदंशे ॥ रसौत शिरसकीछाल हरर एकत्रवांटिमधुसेफिरंगकेव्रणमेलगावे
नीकोहोर ॥ अन्य ॥ रमिलीछालिवारिकै चूरणकरिकै उपदंशकेषतामेलगावेनीकोहोर ॥ अथअग्निदग्धे ॥ वंशलोचना पाकरिकीछालि
चंदन गेरू गुरिच एकत्रवांटिघीउसैलेपकरैअग्निदग्धनीकोहोर ॥ अन्य ॥ वोररकीजरकोकाठोघीउसेलेपकरैअग्निदग्धनीकोहोर
॥ अन्य ॥ जवाषारकैतेलमेलेपकरैअग्निदग्धव्रणहूरिहोर ॥ अथभल्लातकसोथे ॥ छेरीकेदूधमेतिलवांटिकैनेनूसंयुक्तलेपकरैभिला

सारसं० ८८ माकेषतानीकेहोइ ॥अथदाहेलेपः॥ वहेरेकीविजीपानीमैवाटिलेपकरैदाहजाइ ॥अथशोथरोगचिकित्सा वातसोथेलेपः॥ विजोरेकीजर,
तरसारकीजर देवदार सोठि वारसुरही गनियार एकत्रपानीमैवाटिलेपकरैवातसोथजाइ ॥अन्यपित्तशोथे॥ जौवे चंदन मूर्वा मोथा
पद्माष उसर वारो कमल एकत्रलेपकरैपित्तशोथजाइ ॥अन्यकफशोथे॥ पीपरि सुहजनेकीछाल हरर गोमूत्रमैपीसितातोकरिलेपकरैकफ
शोथजाइ ॥अन्यआगंतु॥ जेरक्तशोथे॥ हरद दारुहरद चंदन रक्तचंदन हरर मूर्वा पद्मरसगाकीजर उसर पद्माष लोध गेरू रसोत
सवएकत्रपानीमैवाटिलेपकरैरक्तशोथआगंतुशोथदूरिहोइ ॥अथस्वेतकुष्टे॥ गुंजा निंब कुटकी वच चिताउर कांजीसेलेपकरैसे
व तकुष्टजाइ॥अन्यस्वेतकुष्टे॥ मनसिल चिताउर कुची अफाफरेकीराष कांजीसेलेपकरैसेतकुष्टजाइ ॥अथशिरःकर्णाक्षिमुखरोगमुष
पक्कानांचिकित्सा॥ शिरोरोगवाइसैहोइ पित्तसेहोइ अथवाकफसेहोइ अथवाकफवाइसेहोइ अपस्मारजन्यजोहैशिरकीपीडासो
कफवाइसेहोतहै तिनिकौलक्षणकोहै जिव्हास्तंभलक्षणएककरै जीभततराईजाइ लक्षणएकजीभछेदिजाइ फेरिजीभसैछूटैकैकफअरु
वाइसिरमेजाइरहतहैतवजीभअछीहोइजातहै ॥जोशिरकीपीराबहुतअधिकारहोइतौकफअरुवाइसिरसैउतरिकैपहिलेदोऊहाथमे
आवतहैतवहाथपाउमैझुनझुनीहोतहै अरुहाथपाउनिःक्रियहोजातहै यहरोगकेदुइभांतिनाहीजात जवहाथपाउमैशिरसेकफवाइउत
रतहैतवछिनएकसिरकीपीडादूरिहोतहै जवहाथपाउसैफेरिशिरमेचढिजातहैतवफेरिशिरमेतीव्रपीडाहोतहै इहिभांतिकीशिरकीपी
डानसेकसेदूरिहोइ ना शिरोरोगकीचिकित्सासेदूरिहोइ हींगकेलेपसेदूरिहोतहै अरुविषगर्भतेलकेमर्दनसेदूरिहोतहै वि रा० ८८

षगर्भयहिभांतिवनावै छैपैसाभरिसिंगियाविषलेइ आठपैसाभरिसरसोकेतेलमेडारिकैजरावै तेलछानिकैगरमकरिकैमर्दनकरै य
हतेलकेमर्दनसे अपतंत्रक अपतानक धनुर्वात ब्रणायामएऊदूरिहोतहै इहिभांतिकीशिरकीपीडामे पिप्पल्यादिकाथवहुतगुनदहै अ
ऊ रुअधेलाभरिलहसनकोपिठीतिलकौतेलडारिकैबारतौनीकदाइ परंतुजैसोपिप्पल्यादिक्काथ अरुहींगकोलेपएइनेगुनकरतहैतैसो
औरऔषदगुननाहीकरत ॥पिप्पल्यादिक्काथकीऔषदेएते॥ पीपरि पिपरामूल चव्य चिताउर सोठि वच अतीस जीरे पाढि कुरैकी
छाल रेनुका चिराइतो मुरहारी सरसो मरिच कारफर पुहकरमूल भारंगी वाइविडंग काकराशृंगी आककीजर वडीकटाईकीजर
वारसुरही जवासो अजवाइन अजमोद सोना हींग एकएकपैसाभरिलेइ एकत्रकूटिकैदोपैसाभरिलेइ सोरहटकाभरिपानीमे
औटावै जवचारिपैसाभरियानीरहैतवछानिलेइ रतेदिमैदोइतौभूंजीहींगडारिकैपिवैदिनसात इहिभांतिकीअपस्मारजन्याशिरकीपीडादहीके
षाएसे दूधलेफकसे सरवतकेपिएसे कलीदेकेषाएसे वासीअन्नषाएसे वहुतशीतलपानीकेअन्हाएसेहोतहै अरुवाजेकहरनवस्तुनकेषा
एसैकांधेसैलेरसैअगुरीतांईमहापीडाहोतहै अरुअगुरीकीनसेहाथकीनसेफूलिजातहै तेहकतयहैहकाढोदेइ अरुविषगर्भतेलको
मर्दनकरै अरुहींगघोरिकेवाहमेलगावै अरुअपस्मारजन्यशिरकीपीडाकहअरुहाथकीपीडाकहदोपैसाभरीसोठि छैमेभरीहीं दा
ग छइमाभरिअफीम सवकहधतूरेकेरससैपीसिकैगरमकरिकैलेपकरै अरुजोशिरकीपीडाअपस्मारसैनहोइ केवलवा
इसेहोइ अथवाकेवलकफसेहोइ तेहपरएहउपायकरै अथपित्तजन्यशिरोरोगस्यचिकित्सा॥ जोपित्तसेतीशिरकीपीडाहो

र कनपटीकीपीडा गर्दनकीपीडा आंषकीपीडा शिरकी पीडासेदांतकीपीडा होइ पित्तजन्यआधाशीशी होइ तेहमलषडंग काय
देइ षडंगक्काथकी ओषदेएहै हररवेसाषी गुडिली हूरिकरिकेवकलीलेइ दोपैसाभरि वहेरेपैसा दोभरि आवरेपैसादोभरि चिराइ
तोपैसा दोभरि हरदीपैसादोभरि नीमकीछालिपैसादोभरि गुरिचेपैसा दोभरि सवकर कूटिकैसातभागकेरेएकभागतीनपाउपानीमेंऔ
टौ जवचारिपैसाभरियानीवाकीरहैतवमलिकैछानिलेइ पैसाभरि गुरधारिकैपिऔएहीभांतिसातदिनपिऔ अरुऊपरसे आधसेरदूध
कचौटोपैसाभरिचिनीडारिकैपिऔ अरुकेसरिवांटिकैनासलेइ सूर्यावर्त अरुसंषजन्यजोहैशिरकीपीडा सोइरिहोइ यहशिरकीपीडासेआं।
खलाल होततैहै अरुधुंधहोततैहै अरुदांतपिरातहै ससवदूरिहोइ ।अथशिरोरोगेलेपः सारंगधरात्॥ कूटअंडकीजर कांजीसेपीसि
कै सिरलेपकरै शिरकीपीडावाततैहोइ सोदूरिहोइ ॥अन्य॥ मचकुंदकेफूल लेपकरैवातजन्यशिरपीडाजाइ ॥अन्य॥ देवदार तगर कू
ट जटामांसी सोंठि कांजीसेपीसिकै घीउसंयुक्तलेपकरैवातजन्यशिरकीपीडाजाइ ॥अन्यरक्तपित्तशिरोरुजि॥ चंदन उरई जोठ वरियारी नष
कमलगटादूधमेंपीसिकै शिरमेंलेपकरैरक्तपित्तजन्यशिरकीपीडाजाइ॥अन्य॥ आवरे कसेरवा वारो कमल पदमाष चंदन दूव उरई कासकी
जर पानीमेंवांटिलेपकरै शिरमैपित्तजन्यशिरकीपीडाअथवारक्तपित्तजन्यदूरिहोइ ॥अन्य॥ रेणुका तगर छरीला मोथा लाइची औ
जर पानीमैवांटिउष्णकरिशिरलेपकरैकफजन्यशिरकीपीडादूरिहोइ ॥अन्य॥ सोंठि कूट पवा
गर देवदार जटामांसी वाइसुरही अंडजर पानीमैवांटिउष्णकरिशिरलेपकरैकफजन्यशिरपीडाजाइ ॥अथमायासूरऔषधीलेप॥ कारीगुरीसर
रकेवीजा देवदार रोहिस गोमूत्रमेपीसिकैताताकरिशिरलेपकरैकफजन्यशिरपीडाजाइ ॥अथमायासूरऔषधीलेप॥ कारीगुरीसर सा० ८९

कूट जाठे वच कमलगटा कांजीमैपीसिशिरलेपकरैसूर्यावर्तआधाशीशीजाइ ॥अन्य॥ त्रिफला कमलगटा दूव तिल पीपरि पथरसगा
पानीमेंपीसिलेपकरैसर्वशिरकीपीडाजाइ ॥अन्य॥ कूटपीपरि सरसो वच आवरे कांजीसेलेपकरै शिरकीपीडाजाइ ॥अन्य॥ पीपरि मरि
चि च हरर कांजीसेपीसिशिरलेपकरै शिरकीपीडाजाइ ॥ इतिशिरोरोगचिकित्सा अथकर्णरोगचिकित्सा कर्णस्रावकर्णशूलकर्णवाधिर्य कर्णना
दंकर्णकीट इत्यादिककर्णरोगहै ॥ चारिपैसाभरिघोघाकोंमासलेइपीसिकै सोरहपैसाभरिसरसोकेतेलमेडारिमंदअग्निसेपरिपक्ककरैछानिकै
धरिराषै चारिवूंदकानमेंडारवोकरैकांनकेवहिरैवोदहोइ॥ अन्य॥ समुद्रफेन कूट सेंधोनोन हींग वाइवंवरू घोघाकोमांस सोंठि छोटीवेल वच ल
हसन अधेलाअधेलाभरि घोघाकोमांसचारिपैसाभरिसवएकत्रकूटियानीमेंभिजेकैसिलमेंपीसे वीसपैसाभरिसरसोकेतेलमैचुरैतेल छानि
कैमासोभरिकानमेंडारै वाधिर्य कर्णशूल कृमि कानसेदुर्गंधपानी वहतहोइएसवदूरिहोइ ॥ इतिहिंग्वादितैलं॥अन्य॥ जेहिकेकानमेंवहत
शूलहोइतेहिकै सोंठि लहसन पैसापैसाभरिपानीसेपीसिकैएकटिकियाकरै आठपैसाभरिसरसोकेतेलमेंटिकरीजरावैतेलछानिकेकानमेंडारै
कर्णशूलदूरिहोइ ॥अथान्य॥ जेहिकेकर्णनादहोइअरुकानमेंपीडावहुतहोइतेहको पीपरि हींग वच लहसन पैसापैसाभरियानीसेपीसिकै
चारपैसाभरिसरसोकेतेलमेंचुरैलेइमासोभरियहगरमकरिकैकानमेंडारै कर्णनाद कर्णशूल एदूरिहोइ एइ नैतेलशिरःपीडाजन्यजोहैकर्ण
शूल अरुसंनिपातजन्यजोहैकर्णनादअरुकर्णशूलतेहूकहदूरिकरै अरुशिरःपीडाजन्यजोहैगर्दनकीपीडाअरुकनपटीपीडा सोमर्दनकरै
तेतेहूकहदूरिकै ॥अथग्रीवापीडायामुपायांतरमाह॥ मुरगीकेअंडाकेभीतरकोरसलेइपिऔ रौअरुसुपेततेहमलहअधेलाभरिघीउडारै इमरीभरि

सेंधौनोनवांटिकै उरिगरमकरिकै गर्दनमे मलै गर्दनकीपीडाअरग्रीवास्तंभदूरिहोइ ॥अन्य॥ आककेपातमैअथवाअंडकेपात
सारसं० ९०
सैंधौनोनवांटिकै डारेगरमकरिकै गर्दनमे मलैगर्दनकीपीडाअरग्रीवास्तंभदूरिहोइ
मैचोरिकैतेलचुपरे अथवा घीउचुपरे गरमकरिकै गर्दनपर राषै अरवालूकी पोटरी सेंसेककरै ग्रीवास्तंभ अरग्रीवापीडादूरि होइ
॥अन्य॥ दशमूलकैकाढैयेसञ्चारिभरिलेरतेहिसेपंचमूलकी औषदेपेसादोभरिपीसेएकलत्तामेपोटरीवाधैतेहिसेगर्दनसैकै ग्रीवास्तंभ
अरग्रीवापीडादूरिहोइ अथवालवंगादिचूर्णकौनासलेइ एकलौंग जवाकीगुरी२ तीनसरसौ चारिदानेधना एकजवाकेप्रमान
हींग दोपीपरि दामीच सवएकत्रमिहीपीसे दोपीपरिकीवरावरसेंधौनोनलेइवांटिकै चूरनमेमिलाइदेइएकघरीघोटै दोरत्तीनास
लेइ ।शिरकीपीडा कर्णशूल वाधिर्य गर्दनकीपीडा अपतंत्रक हनुस्तंभ अर्द्धविभेदका तिमिर काच रतौंधी पटल अर्बुद एसवदूरिहोइ
पैसापैसभरिलहसनादिछैमहीनाषारतैवाधिर्यदूरिहोइ अरविषगर्भतेलकानमेडारैतौवाधिर्यदूरिहोइ अरजोगराजगुग्गुलअधेला
अधेलाभरिषाइतौवाधिर्यदूरिहोइ ॥अथकर्णशूले॥ आककेपातपके घीउचुपरिकैआगमेतपैकै रसकानमेडारैकर्णशूलजाइ ॥अन्य॥
कर्णशूलेपाकेच ॥ वुकराकेमूत्र सेंधौनोन उष्णकरिकानमैडारैकर्णशूलकर्णपाकदूरिहोइ ॥अन्यकर्णशूले॥ आदो जादै मधु सेंधौ
नोन अवरे चंदन सुहागा निंवूरस तेलउष्णकरिकैकानमै डारैकर्णपीडाजाइ ॥अन्यकर्णशूले॥ कैथकौरस विजौरेकौरस आदेकौरस उ
ष्णकरिकानमेडारैकर्णशूलजाइ ॥अन्यकर्णशूले॥ आककेअंकुरनीवूरससेपीसे नोनसंयुक्तकरियूहरकेगडामेभरैआककेपातसेलपे
टैमोटीछालिकेपुटपाककरैतेहिकौरसयोरिकगरमकानमेडारैकर्णपीडादूरिहोइ ॥अन्यकर्णशूले॥ सोनापाढर वेलसुम्हेरि गनिआ रा० ९०

र सवकीजरलेइवांटिकै अंडकेनरुवामेभरै उपरकपरौटदैतिहिकपरायरेतेलचुवावैअरहदियाकीनांईवारजोतेलचुवैसोकुनकु
नौकानमेडारैकर्णपीडादूरिहोइ ॥अन्यकर्णशूले॥ सोनाकीजरवांटितेलमैपचावैमंदआंचमेतेलछानिकानमेडारैकर्णशूलजाइ॥
अथकर्णनादे॥ जादै काकोली धना उरद सुगरकेतेलमैपकावैतेलछानिकानमेडारैकर्णनाददूरिहोइ ॥अन्य॥ साजीमूरासों
हींग पीपरि सोंठ पैसापैसभरचौगुनैतेलमैपचावैछानिकैतेलकानमेडारैकर्णनादशूलवाधिर्यकर्णस्त्रावदूरिहोइ ॥अन्यकर्णवा
धिर्ये॥ अर्कझारेकौषार पानीमैघोरिराषैसापानीछनैतवतेहीपानीमेओरअरझारेकौषारवांटितेलमेपचावैतेलछानि
कानमेडारैकर्णवाधिर्यकर्णनादजाइ ॥अन्यकर्णनाडीषु॥ धौघाकोमांससरसौकेतेलमेपचावैकानमेडारैकर्णनाडीसराई
वेदहोइ ॥अन्यकर्णस्त्रावे॥ साजीविजौरेकौरस एकत्रकरिकानमेडारैकानकौवहिवोजाइदाहजाइ ॥अन्यकर्णस्त्रावे॥ तेदूकेवीजा
हरर लोध मजीठ आवरे वांटिचूर्णकरै कैथकौरसमधुसंयुक्तकानमेडारैकानकौवहिवोजाइ ॥अन्य॥ आमकेपात जामुनिके
पात मऊवाकेपात वटकेपात एकत्रवांटितेलमेपचावैतेलछानितेइकानमैडारैकानकौवहिवौमिटै ॥अन्य॥ हींग वाइतसरू सो
ठि सरसोंकेतेलमेपचावेतेलछानिकानमैडारैकर्णशूलकर्णनादवाधिर्यसवदूरिहोइ ॥अन्य॥ समुद्रफेनवांटिचूर्णकानमेडा
रैकानसेपीववहतहोइसोवंदहोइ ॥अन्यकर्णकीटे॥ धुरहरेकोस्वरसकानमैडारैकानकेकीराजाइ निर्गुंडीकौरसकानमे
डारैकीराजाइ किरकिचलाऊकीजरकौरसकानमैडारैकानके कीराजाइ सोंठि मरिच पीपरिकौचूर्णकानमैडारैकृमिदूरि

सारसं०
६१

॥अन्यबाधिर्ये॥ लहसन अंबेर हरताल समले र पानीमें वारिकै चौगुनै तेलमें पचावै जवपचिजा र तबतेलतें चौगुनौ दूधपचावै तेलछानि
ले र कांनमें डारे बाधिर्य दूरि होइ ॥अन्यवगई कौ उपाय॥ गुरवीकी बीजी लहन हींग कि रकिच हाऊ की जर एसब बांटि टिकरी कैरे तेल
मैजर बैतेल छानि कांनमें डारे वगई मरिजाइ ॥अन्यकर्णकीट॥ गोमूत्रमें हरताल घोरि कांनमें डारें कर्णकीट दूरि होइ अथवा सरसो
मैजर बैते हरताल डारे कर्णकीटजाइ ॥अन्यकर्णकीट॥ सुदर्शनकी जरकौ स्वरसकानमें डारे कर्णकीट जाइ सोंठि मरिच पीपरि
कौ चूर्ण करे वकी जरके रसमें घोरि कांनमें डारे कर्णकीट जाइ ॥अन्य॥ चौथी मदिराकांनमें डारे वगई औरकी राजो कानमें गयो
होइ सबदूरि होइ ॥अन्यकर्णशूले॥ आदेकौरस सूरनकौ रसकांनमें डारे पीडा जाइ बहिबो जाइ ॥अन्य॥ लहसनकौ रसकांनमें डा
रे पीडा जाइ ॥अन्य॥ थूहरके पातघीउ चुपरिकै आगमें ताते करि रस काढि कैकांनमें डारे पीडा जाइ ॥अन्य॥ कौडी भस्मकरि कैनि
बूरसमें घोरि कांनमें डारे पीडा जाइ ॥इतिकर्णरोगचिकित्सा अथकर्णमूलउपचार॥ कूट कलौंजी कायफर कुरथी समले र पा
नीमें वांटि कुनकुनो लेपकरे कर्णमूलनीको होइ ॥अन्य॥ हींग मासे १ अफीम मासे १ वचमासे २ सब वांटि घमरा के रसमें लगा
वै दिन ३ नीको होइ ॥अन्य॥ कुरथी कायफर घीउ कांजी सैपीसि लगावै कर्णमूल जाइ ॥अन्य॥ कुचिला कोरजी रे पानीमें वां
टि गरमकरि लगावै कर्णमूल नीको होइ ॥अन्य॥ कहीराके बीजा गोमूत्रमें वांटि अफीम संयुक्त लगावै कर्णमूल जाइ ॥अथनेत्र
रोगचिकित्सा अथवाताभिष्यंदे॥ हरद दारुहरद काढो करि सेकै॥ अंडके पात अंडकी जरको वकला काढो करि घीउ दूध डारिकै धो
वैकिगरम सैसेककरे वातते आंषआई होइ सो पीडा जाइ ॥अन्यसेकवाताभिष्यंदे॥ हरद दारुहरद काढो करि सेधोनोनसंयुक्त

रा०
६१

आंष सौंचे वाताभिष्यंद पीडा जाइ॥ अन्यसेक॥ लोध जोंढे समले र घीउमें भूंजे वांटि चूर्ण करे पोटरी कै दूधमें डारि सैककरे पित्तरक्त
ते आंषकी पीडा होइ सो दूरि होइ ॥अन्यरक्ताभिष्यंदे त्रिफला लोध जोंढे षांड मोथा शीतलजलमें पीसि कैसेककरे रक्तविकारते
आंषकी पीडा होइ सो दूरि होइ ॥अन्यरक्ताभिष्यंदे॥ लोध जोंढे मजीठ लोध कमल पानीमें वांटि सेककरे रक्ताभिष्यंद जाइ ॥अन्य
नेत्रशूले सेतलोध घीउमें भूंजे वांटि चूर्ण करे कपरामें पुटरिया बांधे एककटोरीमें पानी गरमकरे तिहिमें पुटरिया बोरि बोरि कै सेककर
े आई आंषकी पीडा दूरि होइ ॥अथआई आंषमें रसडारे॥ वेल धुमेरी सोना पाठर गनियार कटाई अंडकी जर सुदर्शनकी
जर सबको काढो करि थोरिक गरम आंषमें डारे वाततें आई आंषकी पीडा दूरि होइ ॥अन्य॥ निंबूपत्र लोध पानीमें पीसि के
आगमें तपैके रसतिचोरकै आंषमें डारे वाततें रक्तपित्तते आंष आई होइ सो नीकी होइ ॥अन्यअभिष्यंदे शूले॥ त्रिफला
कौ रस आंषमें डारे सर्वप्रकारकी आई आंषनीकी होइ ॥अन्य॥ स्त्रीको दूध आंषमें डारे रक्तपित्तते आई आंषकी पीडा दूरि हो
इ॥ अन्य॥ दूध घीउ आंषमें डारे वातरक्ततें पीडा दूरि होइ ॥अथआई आंषकी पीडा बांधे॥ अंडकी जर अंडके पात अंडको
वकला पानीमें वांटि उष्णकरि पींडि वांधे वाततें आई आंषनीकी होइ ॥अन्य॥ सुदर्शनके पान वांटि पींडि वांधे कफतें आई आं
षनीकी होइ ॥अन्य॥ आंवरे पानीमें वांटि पींडि वांधे पित्तते आई आंषनीकी होइ ॥अन्य॥ वकायनके पान पानीमें वांटि पींडि
वांधे पित्तते आई आंषनीकी होइ ॥अन्य॥ लोध घीउमें भूंजे कांजी के पानी सैपीसि पींडि वांधे रक्ततें आई आंषनीकी होइ॥ अ
न्य॥ सोंठि नींमके पान वांटि उष्णकरि पींडि वांधे सेंधोनोन डारिकै आई आंषकी पीडा षजुरी सूजन दूरि होइ ॥अथवर्तिलेपः॥

॥अन्यवाधिर्य॥ लहसन अंवेरे हरताल समलेर पानीमेवाटिके चोगुनेतेलमेपचावेजवपचिजारतवतेलतेचोगुनोदूधपचावेतेलछानि
लेरकानमेडारेवाधिर्यदूरिहोर ॥अन्यवगर्ईकोउपाय॥ गुगचीकीवीजी लहन हींग किरकिचलाउकीजर एसववाटितिकरीकेरतेल
मेजरावेतेलछानिकानमेडारेवगर्ईमरिजार ॥अन्यकर्णकीट॥ गोमूत्रमेहरतालघोरिकानमेडारे। कर्णकीटदूरिहोर अथवासरसो
केतेलमेहरतालडारेकर्णकीटजार ॥अन्यकर्णकीट॥ सुरजनेकीजरकोस्वरसकानमेडारेकर्णकीटजार सोठिमरिचपीपरि
कोचूर्णकेरवकीजरकेरसमेघोरिकानमेडारेकर्णकीटजार ॥अन्य॥ चोषोमदिराकानमेडारेवगर्ईओरकीराजोकानमेगयो
होरसवदूरिहोर ॥अन्यकर्णशूले॥ आदेकोरस सूरनकोरसकानमेडारेपीडाजारवहिवोजार ॥अन्य॥ लहसनकोरसकानमेडा
रेपीडाजार ॥अन्य॥ थूहरकेपातघीउचुपरिकेआगमेतातेकरिरसकाढिकेकानमेडारेपीडाजार ॥अन्य॥ कोडीभस्मकरिकेनिं
बूरसमेघोरिकानमेडारेपीडाजार ॥इतिकर्णरोगचिकित्सा अथकर्णमूलउपचार॥ कूट कलोजी कारफर कुरथी समलेरपा
नीमेवाटिकुनकुनोलेपकरेकर्णमूलनीकोहोर ॥अन्य॥ हींगमासे १ अफीममासे १ वचमासे २ सववांटिघमराकेरसमेलगा
वेदिनउनीकोहोर ॥अन्य॥ कुरथी कारफर घीउ कांजीसेपीसिलगावेकर्णमूलजार ॥अन्य॥ कुचिला कोरजीरे पानीमेवा
टिगरमकरिलगावेकर्णमूलनीकोहोर ॥अन्य॥ कहीराकेबीजा गोमूत्रमेवाटि अफीमसंयुक्तलगावेकर्णमूलजार ॥अथनेत्र
रोगचिकित्सा अथवाताभिष्यंदे॥ हरद दारुहरद कोठेकरिसेके॥ अंडकेपात अंडकीजरकोवकला काढोकरिघीउदूधडारिकेघो
रिकगरमसेसेककरेवाततेआंषआईहोरसोपीडाजार ॥अन्यसेकवाताभिष्यंदे॥ हरद दारुहरद कोठेकरिसेघोनोनसंयुक्त

आंषसीचे वाताभिष्यंदपीडाजार॥ अन्यसेक॥ लोध जोहे समलेरघीउमेभूजेवांटिचूर्णकेरषेरीकेदूधमेडारिसेककरेपित्तरक्त
तेआंषकीपीडाहोरसोदूरिहोर ॥अन्यरक्ताभिष्यंदे त्रिफला लोध जोहे षांड मोथा शीतलजलमेपीसिकेसेककरेरक्तविकारते
आंषकीपीडाहोरसोदूरिहोर ॥अन्यरक्ताभिष्यंदे॥ लाष जोहे मजीठ लोध कमल पानीमेवांटिसेककरेरक्ताभिष्यंदजार ॥अन्य
नेत्रशूले सेतलोध घीउमेभूजेवांटिचूर्णकेरकपराभेपुटरियावाधे एककटोरीमेपानीगरमकेरतिहिमेपुटरियावोरिवोरिकेसेककरे
रेआर्ईआंषकीपीडादूरिहोर ॥अथआर्ईआंषमेरसडारे॥ बेल धुमेहरि सोना पाउर गनियार कटार्ई अंडकीजर सुरजनेकी
जर सवकोकाढोकरियोरिकगरमआंषमेडारेवाततेआर्ईआंषकीपीडादूरिहोर ॥अन्य॥ निबूपत्र लोध पानीमेपीसिके
आगमेतपैकेरसनिचोरकेआंषमेडारे वाततेरक्तपित्ततेआंषआर्ई होरसोनीकोहोर ॥अन्यअभिष्यंदेशूले॥ त्रिफला
कोरसआंषमेडारेसर्वप्रकारकीआर्ईआंषनीकीहोर ॥अन्य॥ स्त्रीकोदूधआंजमेडारेरक्तपित्ततेआर्ईआंषकीपीडादूरिहो
र॥ अन्य॥ दूध घीउ आंषमेडारे वातरक्ततेपीडादूरिहोर ॥अथआर्ईआंषकोपीडावाधे॥ अंडकीजर अंडकेपात अंडको
वकला पानीमेवांटिउष्णकरिपींडिवांधेवाततेआर्ईआंषनीकीहोर ॥अन्य॥ सुरजनेकेपानवांटिपींडिवांधेकफतेआर्ईआं
षनीकीहोर ॥अन्य॥ आवरे पानीमेवांटिपींडिवांधेपित्ततेआर्ईआंषनीकीहोर ॥अन्य॥ वकाइनकेपानपानीमेवांटिपींडि
वांधेपित्ततेआर्ईआंषनीकीहोर ॥अन्य॥ लोधघीउमेभूजेकांजीकेपानीसेपीसिपींडिवांधेरक्ततेआर्ईआंषनीकीहोर॥ अ
न्य॥ सोठि नोमकेपान वांटिउष्णकरिपींडिवांधेसेंधोनोनडारिके आर्ईआंषकीपीडाषजुरीसूजन दूरिहोर ॥अथवहिर्लेपः॥

नेत्रवरोगे ॥ रसौतपानीमैंबांटिलेपकरैपल्लकनमैनेत्रपीडाजाइ ॥ अन्य ॥ हरर सोठि आंवरे पानीमैंवांटिपलकनपरलेपकरै
पीडाजाइ ॥ अन्य ॥ खारि चिताउरकेपानवांटिनेत्रकेवाहरपलकनमेलेपकरैपीडाजाइ ॥ अन्य ॥ दारिमांकेपान वांटिलेपकरै
पीडाजाइ ॥ अन्य ॥ वच हरद सोठि पानीमैंवांटिलेपकरैपलकनपरपीडाजाइ ॥ अन्य ॥ सोठि गेरू लेपकरैनेत्रपीडाजाइ
॥ अन्य ॥ लोध घीउमैंभूंजे सेंधोनोन मधु पानीमैंघीसिआंषकेऊपरलेपकरैनेत्रपीडाजाइ ॥ अन्य ॥ नीवूरस लोहेकेवासनमैंलोहे
केहस्तासेघोटिनेत्रकेवाहिरपलकनमेंलेपकरैनेत्रपीडाजाइ ॥ अन्य ॥ मरिचचूर्णकरिकैघमराकेस्वरससेघोटिनेत्रपरलेपकरै
पीडाजाइ ॥ अथनेत्रांजने ॥ हेमवंतऋतुमेशिशिरऋतुमैमध्यानमै अंजनकरै ग्रीषममैप्रातकालअंजनकरै सरदमैसायं
कालअंजनकरै वर्षाअरुवसंतमेजवचाहैतवअंजनकरै अंजनतीनप्रकारहै लेषन रोपन स्नेहन क्षारतीक्ष्णअम्ल
जो हैरसजिहिकोसोअंजनकहावै कषायतिक्तरसकरिकेयुक्तैतेलघृतसंयुक्तजोअंजनहैसोरोपनकहावे मधुरअंजनहैसोस्ने
हकहावे गुटिकारसचूर्णत्रिविधिअंजनहै ॥ अथअंजनविधि ॥ श्रमित होइ रोवतहोइ डरानो नवज्वरी अजीर्णी होइ
रोहोइ गिरोहोइ ऐसेकोअंजननकरिए ॥ अथांजनं शंखनाभि ॥ वहेरेकीवीजी हरर मदसिल पीपरि मरिच कूट वच
माचासमलेइ वांटि चूर्णकरैछेरीकेदूधसेघोटकेगोलीजवाकेप्रमानवांधिराषे पानीसेघसिकेअंजनकरै अंजनकीमा
त्रानेगइकेफलवरावरहै तिमिर मांसवृद्धि काच पटल अर्वुद रतौंध एकवर्षकीफूली एसवदूरिहोइ ॥ इतिचंद्रोदयवर्त्तिः ॥
अन्यलेषनीवर्त्तिः ॥ छेवलेकेफूलनकौस्वरसलेइ करंजकीविजी वांटिभावनावहुतदेइकै गोलीवांधिराषे अंजनकरैफूलीदू रा० ९२

रिहोइ ॥ रीठी समुद्रफेन सेंधोनोन शंख मुरगीकेअंडाकोछकला मुहजनेकेवीजा सवएकत्रवांटिगोलीवांधिराषेसलाकासेअं
जनकरैपानीमैंगारिकेफूलीमोतियाविंदुदूरिहोइ ॥ अन्यलेषनीदंतवर्त्तिः ॥ हाथीकोदांत वाराहकोदांत ऊंटकोदांत गाइकोदां
त घोडेकोदांत छेरीकोदांत गदहाकोदांत शंख मोती समुद्रफेन सवएकत्रवांटिचूर्णकरैवहुतवारीक अंजनकरैफूलीजाइफूलि
जाइ ॥ अन्यलेषनवर्त्तिः ॥ कमलगटा सुहजनेकेवीजा नागकेसर पानीमैंवांटिगोलीवांधिराषेपानीमैंगारिअंजनकरैतेद्राइदूरिहोइ
अथरोपनवर्त्तिः ॥ तिलकेफूल८० पीपरीकेवीजा६० चमेलीकेफूल५० मरिच एकत्रवारीकपीसिकेगोलीवांधिराषेजलसेगारिअंजन
करै तिमिर शुक्रमांसवृद्धि एसवदूरिहोइ ॥ अथनक्तांध्यहरीवर्त्तिः ॥ रसौत हरद दारुहरद चमेलीकेपात नीमकेपात सवएकत्रवांटिगोव
रकेरससेगोलीवांधे अंजनकरैरतौंधदूरिहोइ ॥ अथनेत्रस्रावे ॥ वमूरकेपानकोरस मधुउरिकेअंजनकरै आंषकोवहिवोजाइ ॥ अ
थप्रलेरनीवर्त्तिःनेत्रकौस्रावे ॥ आंवरेकीविजीभाग१ वहेरेकीवीजीभाग२ हररकीविजीभाग३ एकत्रपानीसेपीसिगोलीवांधिराषे पा
नीमैंगारिअंजनकरैदोउनकावरावर नेत्रस्राव दूरिहोइ वातरक्तते नेत्ररोगहोइसोजाइ ॥ अथगैरिकादिवर्त्तिः ॥ गेरू कपूर जोंढे
कमलगटा रसौत नागकेसरि सववांटिगोलीवांधिराषेपानीसेअंजनकरैतिमिरजाइ ॥ अथहरिद्रादिप्रभावतीवर्त्तिः ॥ हरद नीमके
पान पीपरि मरिच मोथा लील सोठि सेंधो वच पाठ चिताउर कंकुष्ठ सवएकत्रछेरीकेमूत्रमैवांटिचनाप्रमानगोलीवांधे छायामेसुषे
कधरिराषे पानीसेअंजनकरैतिमिरजाइ मधु घीउसेअंजनकरैपटलजाइ तिलकेतेलसेअंजनकरैआंषकोचिपरवोजाइ कांजी
से अंजनकरैकामलाजाइ घमराकेरससेअंजनकरैरतौंधजाइ स्त्रीकेदूधसेआंजेफूलीजाइ अजीर्णकोदेइगोली१ विसूची

को २ मूसेकाटेकौ ३ सांपकाटेको ७ विषखायके १४ इतिप्रभावतीवर्ती ॥ अथ अपूर्वरागादिवर्तिः ॥ सोंठ मरिच पीपरि हीरा नोन वच
कुटकी शिरसकेवीजा किरवारेकेवीजा सुपेतसरसो सवएकत्रगोमूत्रसेपीसिगोलीवांधिराषैनेत्रअंजनकरै चातुर्थिक अपस्मा
र उन्माद दूरिहोइ ॥ अथसुखावतीवर्तिः ॥ कतकफल शंख त्रिकुट सैंधो मनसिल समुद्रफेन रसोत मधु वायविडंग हरर सवस
मेदेर छेरीकेदूधसेपीसिगोलीकरै छेरीकेदूधसेअंजनकरै तिमिर पटल काच चर्मशुक्र कंडू अर्बुद एसवनेत्ररोगजाइ ॥ अथरस
क्रिया ॥ अथलेखनीरसक्रिया लीलाथोथा सोनामाषी सेंधोनोन मिश्री शंख मनसिल गेरू समुद्रफेन मरिच एसवएकत्रवांटिमधु
सेंघोटैदिन १ गोलीवांधिराषैमधुसेरगरिअंजनकरै वर्त्मरोग अर्मतिमिरकाचशुक्रसवनेत्ररोगजाइ ॥ अन्यपुष्पहरीरसक्रिया ॥ वडकौ
दूध कपूर पीपरि एकत्रघोटिगोलीवांधिराषैपानीसेरगरिअंजनकरैरोमहीनाकीफूली दूरिहोइ ॥ अन्यतंद्रायां ॥ मधु घोडेकी
लारमेमरिचघसिअंजनकरै अतिनिद्रातंद्रा दूरिहोइ ॥ अन्यतंद्रायां ॥ चमेलीकेफूल चमेलीकेपात मरिच कुटकी वच सेंधो
एकत्रवकराकेमूत्रसेपीसिअंजनकरैतंद्रा दूरिहोइ ॥ अथसंनिपातेअंजन ॥ शिरसकेवीजा मरिचपीपरि सोंठि एकत्रमूत्र
मेवांटिअंजनकरैसंनिपातजाइ ॥ अन्यपयस्मप्ररोहादौ ॥ रसौत दारु चमेलीकेफूल मनसिल समुद्रफेन सेंधोनोन गेरू मरिच
सवसमलेइएकत्रवांटिमधुसेघोटिगोलीवांधिराषैअंजनकरै क्लेदकंडूपक्ष्मसर्वजाइ ॥ अन्यतिमिरादौ ॥ गुरिचकौ स्वरस अ
धेलाभरि मधुमासो १ सेंधोनोन मासो १ सर्वएकत्रकरिअंजन करै पिल्ल अर्मतिमिरकाचकंडू लिंगनाशशुक्लकृष्णनेत्ररोग
दूरिहोइ ॥ अथपुनर्नवांजनं ॥ पथरसगाकीजरदूधसेअंजनकरैकंडूजाइ मधुसेआंजैनेत्रस्रावजाइ घीउसेआंजेफूली

जाइ तेलसेआंजेतिमिरजाइ कांजीसेरत्योंधजाइ ॥ अन्य ॥ कतकफल मधुसेरगरिकछूककपूरडारिकेअंजनकरैनेत्रभले
होइ ॥ अन्य ॥ शिरोत्पाते ॥ घीउ मधु अंजनकरैशिरोत्पातनेत्ररोगदूरिहोइ ॥ अथचूर्णांजनं ॥ पीपरि छेरीकेकरंजेमेंपकावैफेरितेहिरस
मेंवांटिअंजनकरैवहुतदिननकोरत्योंधदूरिहोइ ॥ अथमंडूरचूर्णांजनं ॥ षपरिआशिलमेपीसेवारीकवहुतफेरिपानीमेघोरैऊपरकोपानीले
इनीचेकोचूर्णदूरकरैसोपानीसुखवेपपडीकीभांतिहोइफेरिवाटिकैत्रिफलाकेरसकीभावना ३ तिहिमेदशेअंशकपूरडारैनेत्रअंजनकरैनेत्रके
सर्वरोगदूरिहोइ ॥ अन्य पारो सीसो समलेइ तिहिंतेदूनोसुरमाडारैकछुककपूरडारैअंजनकरैनेत्ररोगदूरिहोइ ॥ अथसर्पविषहरमंजनं ॥ जैपा
लकीवीजीनिंबूरसकीभावनादेइ २१ गोलीवांधिराषैमनुष्यकेथूकसेघसिअंजनकरैसर्पविषदूरिहोइ ॥ अथान्यप्रकार ॥ जेहकीआंषवहुतलालहोइ सो
थसंयुक्तहोइ अरुअसुवासर्वदावहतरहै अरुअसुवाकेवहैआंषछोटीहोइगईहोइ तहावासादिकायकोसेवनकरैदोमहीनाअथवातीनमहीनअ
रुसेवेकौमूंगकीदारभातअरुघीउदेइतीनमहीनातोईतवनीकोहोइ ॥ वासादिकायकी औषदेएहै ॥ रूसेकीजरकौवकला सोंठि गुरिच दारूहरद
रक्तचंदन चित्ताउर चिरायतो नीमकीछाल आवरे हरर वहेरे मोथा कुरेकीछाल इंद्रजौ चारिचारिपैसाभरिलेइ सवएकत्र कुटिकेवतीसभागक
रै एकभागतीनपाउपानीमेऔटावैजवचारिपैसाभरिरहै पानीवाकीतवमलिकैछानिलेइ पिवै ऐसेमहीनाएकपिवै जौआधीफूरसततोहोइतोमही
नाएकपैपिवै तरकावंदहोइ आंषकीसुरषी सूजनदूरिहोइ जोवर्षदिनसेवनकरैतौमोतियाविंददूरिहोइ ॥ अथनेत्ररोगेलेपः ॥ दारूहर
द रक्तचंदन गेरू जाठे सेंधोनोन हरर एकएकजुदीजुदी पानीसे रगरैकटोरीमेगरमकरैतरेकेपलकनमेअरुऊपरकेपलकनमेलगावे
सूजनसुरषीपीडादूरिहोइ ॥ अथान्य ॥ जेहकीआंषमेसीतलाकेसववसे अथवा औरसववसे फूलीपरीहोइ तेलकोउपाय विनौके

बीजाकीवीजीमासेचारि रगुवाकेफलकीवीजीमासे चारि शिरसकेवीजामासेडेढ जेतलीकोचमासेएक समुद्रफेनकीचीनीमासेएक एकएकमि
हीपीसिकेएकत्रकरिकेमधुसेएकदिनघोटै गोलीवांधिराषे मधुसेरगरिकेआंषमेआंजैपंद्रादिनमेफूलीकटिजाइ अरुनाखूनाकटिजाइ धुंध
दूरिहोइसवलेवाइदूरिहोइ ॥अन्य॥ अथवाधुंधअरुडरकाअरुनाखूनाइनकेदूरिकरिवेनिमित्तकएकरत्तीलघुमालिनीवसंतएकवुंदवा
सीपानीसैचीकैनेयाथरपररगरिकेआंषमेअंजनकरैषातःकालनीकोहोइ अरुजेकहवुउतेधुंधलोइकछूनसूझेतेकहसुवर्णमालिनीवसंतकर
अंजनकरावे ॥अन्यवभनीकोउपाउ॥ रसौतछदामभरि हर चमेलीकेफूल मनसिल समुद्रफेन सेंधोनोनगेरूमरिच एसवछदामछदामभरिस
वकहमिहीपीसिकेमधुसैघोटै पानीसैरगरिकेपलकमैलगावैवभनीदूरिहोइवारहोइआवे ॥अथतिमिरघ्नलांजनं॥ छोटीमैनी कपूर कांच
अगरमरिच पीपरि सेंधोनोन एलुवा सोंठि कंकोल कांसीमारो रांगमारो हरद मनसिल शंखनाभि अभ्रकमारो लीलायोथा मुरगीकेअंडा
कोवकला वहेरेकीविजी केसरि हरर जाठे लाजवर्द चमेलीकेफूल तुलसीकेफूल तुलसीकेवीजा करंजकेवीजा नीमकेवीजा सुरमा मोथा
तांमोमारो लोहमारो रसौत एसवमासेमासेभरिलेइसवकेहमिहीपीसिकेएकत्रकरिकेमधुसैएकपहरघोटिकेगोलीवांधिराषेपानीसैरगरि
अंजनकरै तिमिरओरनेत्ररोगसवदूरि होइ ॥अथद्वदशामतंनेत्ररोग॥ हरर चारिपैसाभरि वहेरे दोपैसाभरि आंवरे आठपैसाभरिसतावरिच्या
रिपैसाभरिजाठे चारिपैसाभरिवंशलोचनपैसाभरिसेंधोनोन पैसाभरि पीपरिपैसाभरि सवएकत्रवाटिचूर्णकरैलोहमारोदोपैसाभरि सवचूर्ण
कीवरावरमिश्रीडारैमधुअरुघीउसेसानिराषे अधेलाअधेला भरिषैवोकरै तिमिरादिकसवरोगदूरिहोइ ॥अन्य॥ वारिरतीमधुघीकैनयाथ
रपररांषे नेहिमेआधीरतीलोंगरगरेअरुआधीरतीनिर्मलीरगरे अरुआधीरतीसुपेतपथरसंगाकीजररगरे औहोइसराआंषमेअंजनकरै औरी थर१

या२

फरायदथ्रैतेजहोइअनुभूतहै ॥अन्य॥ निंबूकोरसमासे१नीमकोरसमासे१तुलसीकोरसमासे१जसदमासे१२समदफूल१ तांमेकेवासनमेषर
लेअथवाकांसेकेवासनमे गाइकेनतूसेघसिअंजनकरै आंषिकेवहिवोपटलजाइकीचरजाइ ॥अन्य॥ हरिंद्रायोटंक४ हररटंक२मरिचटंक१पानी
सैपीसिवटीवांधैचनाप्रमानमधुसैरगरिअंजनकरै तिमिरकांडवाइकीचरसर्वजाइ ॥इतिनेत्ररोगचिकित्सा॥ अथनासारोगचिकित्सा॥नासारोगमेएकपी द्
ति नसरोग दूसरोपूतनस्पाहे तीसरोक्षवथुहै चौथोप्रतिस्यायहे औरनासारोगवहुतहे परंतएप्रसिद्धहै वासाकूष्मांडावलेह सैपीनसअरुनाककीदुर्गंधदूरि
होतहे अरुपाठादितेलकेनाससेपीनसअरुकोनाककीदुर्गंधदूरिहोतहे अरुदोपैसाभरिखादोकूटिकैरसनिकासिलेइ अधेलाभरिमधुडारिकेपिवेआति
छिकादूरिहोइ ॥अथवासाकूष्मांडावलेह॥ पानीमेकुम्हडाउसेरकेचारिपैसाभरिऊपरदोसेरलेइ तेकहतीनपाउघीउमेतले वाउचारिसेरआठपै
साभरिऊपर तीनसेरसकेकाढेमेषांडघोरिकेपभाकैरावसोहोइतवघीउकोभूंजोकुम्हडाडारैवारिधरिधीमीआंचमेपकावैजववपागहोइघीउपागमेनदिषाइ
तवउतारिकेसवओषदडारै मोथाभारंगी वंशलोचन आवरे तजपत्रज लाइची अधेलाअधेलाभरिलेइ छरीला सोंठिधनामरिचदोदोपैसाभरिपीपरिपै
साआठभरि सवकूटिकपरछानकरिकेपागमेडारै सोरहपैसाभरिमधुडारैराषिछोडै दोपैसाभरिषाइ पीनस अरुनाककीदुर्गंधस्वासकासछईहिचकी
रक्तपित्तलीमकहृदरोग अम्लपित्तदूरिहोइ ॥अथपाठादितेल॥ पाठ हरद दारुहरद मरहरी पीपरिचमेलीकेपानवडीदंतीनकीजर अधेलाअधेलाभरि
सवकहकूटिकेपानीमेभिजैकेसिलमेपीसे आधसेरपानीमेघोरिके चोदहपैसाभरितिलकेतेलमेडारैचुरैलेइचारचारवूंदानासलेरपीनसअरुनाककी
दुर्गंधदूरिहोइ ॥अथओषदपीनसकी॥ केसरिटंक१मस्तगीटंक१नागकेसरिटंक१केउरेकोभरीपैर मुरदासंघ नीमकीगाद एसवएकत्रपीसिकेगाइ
केघीउसैनासलेइपीनसजाइ ॥अन्य॥ अमरवेलपानीमेवुरकेवफारोलेइ ॥अन्य॥ वाउचिनी गाइकोदूधनासदेइपीनसजाइ ॥अन्य॥

चीनियांकपूरकैनासदेरकीएगिरिपरे॥ अन्य॥ अकलकरा मरिच वांटिनासदेरपीनसजाइ॥ अन्य॥ पथरसगाकीजरको चूरणीकीसैना
सदेरपीनसजाइ॥ अन्य॥ षाउअरुरूसोपानीमेवांटिपिअेपीनसजाइ॥ अन्य॥ कपासकेफूलवांटिनासदेरमरीना।पीनसदूरिहोइ॥ अथप्र
तिश्याय चिकित्सा॥ सोप्रतिश्यायपांचभांतिकेहे एकवाइसेहे दूसरोपित्तसेहे तीसरोकफसेहे चोथोत्रिदोषसेहे पांचारक्तसेहे येहिप्रतिस्या
ह यकलेकीम्जुकामलककहतहे॥ असतजल्लाकहतहे कफसेहोइसोजुकामकहावेपित्ततेहोइसोनजल्लाकहावेगरोतरुवासुषेपीडाकांनकेत्ररेनगी
चउत्पन्नहोइसोवातकेप्रतिस्यायकोलक्षणहे नाकसेपानीपीरोवहे गरमीवहुतहोइ देहकोरंगपिअरोहोइ यहपित्तकेप्रतिश्यायकोलक्षणहे
सुपेतशीतलकफनाकसेनिकसे शिरभारीहोइमरोतालूशिरमेषजरीहोइ यहकफकेप्रतिस्यायकोलक्षणहे त्रिदोषजन्यप्रतिशायमेतीनोदोष
केलक्षणहोइ अरुकवहूप्रतिश्यायमालूमहोइकवहूमिटिजाइ इतिलोलपीरो कफलोककीराहनिकसेछातीमेपीराहोइनाकमेदुर्गंधिहोइदेह
गरमहोइज्वरकीभांति ओषसुखहोइ ओषधकीकोताईकरेजेकछुकदिनमेकीरापरे एहिवास्ते ओषधसितावीकरे यहरक्तप्रतिश्यायकोलक्ष
णहे ५ ओषधपांचोप्रकारकेप्रतिस्यायकोजुदीजुदीहे॥ अथ चिकित्सा॥ आदेकोरसएकपैसाभरि मधुअधेलाभरिडारिकेगरमकरे
पिअेवातजन्यकफजन्यप्रतिस्यायदूरिहोइ॥ अन्य॥ सोंठिमासे२मरिचमासे२पीपरिमासे२चिताउरमासे२तालीसमासे२किरवारोमा
सो२कलोजीमासे२तजमासे२पत्रजमासे२लाइचीमासे२सवएकत्रवांटिछानिचूर्णकरेमधुसेषाइरतीथ अथवाअधिकषाइअरुशिरपर
क रूईभरीटोपीयेदेपरोसेकनपटीसेकेपांचोप्रकारकेप्रतिस्यायदूरिहोइ॥ अन्य॥ एलुवापैसाभरि केसरियेसाभरि गुग्गुलपैसाभ
रूंजो रिसुहागपेसाभरि सवमिहीपीसिकेचनावराबरगोलीवांधे एकगोलीषाइकफाधिकप्रतिस्यायदूरिहोइवातजन्यप्रतिश्यायदूरिहोइ रा०
९५

त्रिदोषजन्यप्रतिस्यायदूरिहोइ अरुजोपित्तसेहोइअथवारक्तसेहोइतोयहओषधकरे रसोतषावसएकत्रदेइ॥ अन्य॥ पित्तको॥ पुत्ताकी
होहानसुद्धा१०० छेसेरपानीमेओटावेजवचौथाईपानीरहेतवमलिकेछानिलेइसेरभरिचिनीषांडडारिकेपागकरेजवअवलेहसोहोइतवउतारिलेइ
पांचमासेसेआरंभकेरएकतोलातोइषाइयेपित्तप्रतिस्यायदूरिहोइरक्तप्रतिस्यायदूरिहोइ॥ अन्य॥ पानीपेसाभरिगुलावपेसाभरि लोंगचारहोइ सव
वांटिपिअेपित्तजन्यप्रतिस्यायदूरिहोइ रक्तप्रतिस्यायदूरिहोइ॥ अन्य॥ जोपित्तप्रतिस्यायमेनाककीराहपानीवहेतोपानीकेवंदकरवेकोनाककेस्वरवंदकरि
केपानीपिअेनाककेहेउस्वरसेपानीचलताहोइ सोवंदहोइपित्तप्रतिस्यायदूरिहोइ अथवाएकरतीअफीमषाइअरुएकरतीअफीमदोऊनाककेसुरमेल
केपानीपिअेनाककोपानीवंदहोइप्रतिस्यायदूरिहोइजुडाईदूरिहोइ॥ अन्य॥ अ
गावेअरुऊपरतेएकमुहभरवनाकेमूटाषारमतवंदकरिकेचारिघरीपानीनपिअेनाककोपानीवंदहोइप्रतिस्यायदूरिहोइजुडाईदूरिहोइ॥ अन्य॥ अ
रुजोआदेकोरसमधुडारिकेपिअेतोआदेकेरससेस्वासकासगरकीसूजनअरुकफउन्मादमूर्छाअरुचिगलरोधअंडकीपीडाकफकोआधिक्य
एसवदूरिहोइ अरुसाकैअधेलाभरिसोंठिकूटिकेतीनपाउपानीमेओटेजवचारिपेसाभरिपानीरहेतवगरमागरमफूंकिफूंकिकेपिअेनरईजुडाई
दूरिहोइस्वासषांसीदूरिहोइजोगनसोंठिकेतउगुनआदेकेहैआदोविबंधकरस्वभेदकरषदेदशूलहदूजोगयटकोफूलवोपेटकीवार स्रकलदूरि
करतहे पित्तजन्यजोहेप्रतिस्यायसोजोपुरानोहोइतोइचिकित्साहे जवतांईजिअेतवतांईओटेपानीपिअेतोनजल्लादूरिहोइ अरुवातर
क्तसेअथवारक्तपित्तसेअथवारक्त प्रति स्यायसेनाकमेजोयपरीजमीहोइतेहिमेदोरतीमालिनीवसंतमधुसेचटावेपपरीदूरिहोइ अरुवातर
क्तजन्यजोहेनाककीपपरीसोगूगलआदितेलकेनाससेदूरिहोतहे अरुसीतलपानीजोनाककीराहपिअेतोनाककीपरीदूरिहोइ॥ इतिनासारोग
चिकित्सा॥ अथमुखरोगस्यचिकित्सा मुखपाक अरुगलरोहीनी इत्यादिकमुखरोगहे॥ नीमकेपात आमकेपात जामुनकेपात चमेलीकेपात परव

रकेपात येसायेसा भरिलेरसेरभरपानीमै औटावैजवपाउभरियपानीरहेतवछानिकै गरमगरम करूलाकरैमुखपाकदूरिहोर अरुजेरहिको कंठरोहिनीरो
गसैवेदहोर वरतपानी पीसकैन अन्नषारसकै तेहिका चिकित्सायलहै ॥ छपेसा भरिआदेको रसतेहिमे सोठि पीपरि मरिच सेधो नोन इनकोचूर्णमा
सो१एकडारिकैतीन वेर करूलाकरे एकदिनमे एहिभांति सातवेरकरूलाकरे गलरोहिनीदूरिहोइ गरोघुलिजाइ पानीपिओजाइ अरुजोआदेकेकरू
ज लासेदूरिनहोइतोजवाषार तेजबल पाढि रसोत दारुहरद पीपरि छदामछदामभरिलेइमिही पीसिकैमधुसेघोटेघरीएक छोटेवेरवरावरगोली
वांधे एकएकगोलीमुहमेनित्यराषे रसलीलतजाइ गलरोहिनीदूरिहोइ पानी अरुअन्नगरेसैउतरे ॥ अन्यमुषपाके ॥ पीपरि जीर कूट इंद्रजो एक
त्रमिही चूर्णकरिकैमुखकेभीतरघसिकै अरुमुखमेराषेमुषपाक अरुमुखकोदुर्गंधदूरिहोइ ॥ अन्यमुषपाके ॥ दारुहरद गुरिच त्रिफला दाषचमे
लीकेपात जवासो समलेइ काथकरे छटेअंसमधुडारिकै शीतलकरिकैमुषमेराषेमुषपाक दूरिहोइ ॥ अन्य ॥ तिलकमलगाय घीउ षाड दूध मधु
राषे एकत्रमुषमेडौरे दाहदूरिहोइ मुखको ॥ अथउपजिह्वाचिकित्सा ॥ सोठि मरिच पीपरि जवाषार हरर चितउर रेणुका एकत्रवांटिचूर्णकरिमधुसंयुक्त
उपजिह्वामेघसेनीकोहोइ ॥ अन्य ॥ कोसीस । लीलाथोथा जंगाल वरावरलेकैसिरकासेघोटिकैगोलीवांधेघाममेसुषाइकै धरिराषे दोरतीकप्र
मान गरमपानीसेरगरिकै उपजिह्वामैलगावैनीकोहोइ इहिकोरसपेटमेनजानपावैजोपेटमेजाइतो औकीवहुत आवैतेहितेवरवेर थूकिडारै
॥ अथदंतरोगचिकित्सा ॥ मोथा हरर सोंठि मरिच पीपरि वायविडंग नीमकेपात एकत्रवांटिगोमूत्रसे गोलीवांधे छायामेसुषावेमुषमेरा
षेदांतउगतहोइपीडाहोइ सोदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ चमेलीकेपान पथरसगाकीजर गजपीपरि अंडकीजर कूटवच सोठि अजवाइन हरर सम
लेइकोटिचूर्णकरिमुषमेराषे वात कृमि दंतपीडा दुर्गंधमुखकी सर्वजाइ दंतपीरजाइ ॥ अन्य ॥ मुजनेकेवकला जाडै षाइतोदंतपीजाइ

॥ अन्य ॥ इमिली वरनै सरफोका कनेर इनकीजरकीदतौनकरैतोदांतनकीपीराजाइ दंत दृढहोइ ॥ अन्य हरर चूर्णकरिमधुमेतामेकेवासनमेप
कावे छन एकगोलीवांधिमुखमेराषेदांतनकेकीराजाइ ॥ अन्य ॥ धूतरकीजरदांतकेतरेदावराषेकृमिदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ कोसी सघीउमे बुरेकेमु
षमेराषेदंतपीरजाइ ॥ अन्य ॥ इदोरनकीजरफलको चूर्णतिलेलोहेपरडारेतिहिको धुंवा दांतनकोलगेदांतनकेकीरागिरिपरे ॥ अन्य ॥
डा चमेलीकेपात अंडकेपातप्रातःकालचवाइचवाइकेथूकिरै अरुतेहिकीदतौनकरे दांतदृढहोइपीडाजाइ ॥ अन्य ॥ भोरसिरीकेवीजाचवा
इकेथूकेदांतदृढहोइपीडाजाइ ॥ अन्य ॥ भोरसिरीकेवीजा पानीमैवांटिमुषमेराषेदांतदृढहोइ ॥ अन्य ॥ जरई धूतर लील अकोवा इनकीज
रलेइपानीमैवांटपिठीकरे अथवापानीमेडारे तीतीलेइवांटिकल्ककरैमुखमेराषे दांतनकेनीचै दंतकृमिदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ रूसेकेपानको
रस कसेरुवा एकत्रवांटिगोलीकरैमुषमेराषेदंतकृमिदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ आककेपाततयेकैदांतनसैदावैमुराकैनतपैतयैकैदांतसोदावेदंतपीर
जाइ ॥ अन्य ॥ किरकिचहाईकीजरपानीमेवांटियाउनकैनषमैलेपकरैदंतकृमिजाइ ॥ अन्य ॥ कटाईकेफलगोवरतेयेटिकैमंदआंचमेभरता
करेगोवरदूरिकरिकैचवाइथूकिडारेदंतकृमिदूरिहोइ ॥ इतिदंतरोगचिकित्सा ॥ अथमुखदुर्गंधचिकित्सा ॥ विजोरेकीछाल ॥ जाइफल समले वि
इचूर्णकरिमुषमेराषेमुषदुर्गंधजाइ ॥ अन्य ॥ कूट जाइफल सुपारी एकत्रवांटिचूर्णकरेषाइ ऊपरतेपेसाभरिसीतलपानीपिअैमुषदुर्गंधजाइ
अन्य ॥ गोमूत्रमे कूटकोकाढोकरे हरर गोमूत्रकूटसर्ववांटिगोलीकरेमुषमेराषेमुषदुर्गंधजाइ ॥ अन्य ॥ कचूर कांजीसेवांटिपिअैमुखदु
र्गंधजाइ ॥ अन्य ॥ कूटचूर्णकरिमधुसेषाइमुखदुर्गंधजाइ ॥ अथमुखस्यपिडकास्वामिकायोश्चिकित्सा ॥ सेंधोनोन सरसो चंदन वेल

६ + पिडिकाव्यंग सर्वजाइ दिन ७ मै ॥ अन्य ॥ मनसिल लोध हरद दारुहरद सरसौ नीमकी छाल रक्तचंदन समले इ पानीमै वाटि लेप करै मुषकी छांरी ६

सारसं०
८७
की छाल पानीमै वांटि मुष ऊपर लेप करै यौवनपिडका कंइ जाइ ॥ अन्य ॥ मसूर चंदन वेलकी छाल एकत्र पानीमै वांटि मुष लेप करै दिन ५ मुषपि
डिका दूरि होइ ॥ अन्य ॥ सेमरके कांटे दूधमै पीसि मुषपर लेप करै दिन ८ यौवनपिडका दूरि होइ ॥ अन्य ॥ लोध धना वच समले इ पानीमै वांटि मु
षपर लेप करै यौवनपिडिका जाइ ॥ अन्य ॥ मरिच गोरोचन पानीमै वांटि मुष लेप करै तारुरायपिडका जाइ ॥ अन्य ॥ विजौरेकी जर घीउ मनसिल
गोवरके रसमै वांटि मुख लेप करै पिडका तिल दूरि होइ ॥ अन्य ॥ रक्तचंदन मजीठ कूट लोध प्रियंग वरके पात मसूर एकत्र पानीमै वांटि मुष लेप
करै व्यंग पिडका तिल छांरी दूरि होइ ॥ अन्य ॥ मजीठ जोठ लाष विजौरेकी जर अधेला अधेला भरि तेल टका चारि भर छेरीको दूध टका आठ भ
द्द रि सव औषदै धमै वांटि लै पचावै मंद आंचमै तेल छानि लै इ मुषपर लगावै मुषकी छांरी स्यामता जाइ ॥ अन्य ॥ भैसके दूधमै हरद
रक्तचंदन वांटि लेप करै मुषस्यामिका जाइ ॥ अन्य ॥ हरद दारुहरद मजीठ घीउ सेत सरसो गेरु समले इ छेरीके दूधमै वांटि लेप करै मुषस्यामिका छे
जाइ ॥ अन्य ॥ वच लोध उरई घीउ रार दूध वरके पात पीरे हरद एकत्र वांटि मुष लेप करै मुषस्यामिका जाइ ॥ अन्य ॥ मसूर मधु एकत्र पी
सि मुषमै लेप करै धोइ डारै मुषस्यामिका जाइ दिन ७ मै ॥ इति मुषरंजन ॥ अथ मुषरंजन तारुरायपिडकादि ॥ वच सरसो लोध सेंधोनोन
पानीमै लेप करै तारुरायपिडिका जाइ ॥ अन्य ॥ व्यंगे ॥ कोहाकी छाल मजीठ मधु नेत्र एकत्र लेप करै मुखव्यंग दूरि होइ ॥ अन्य मुषस्यामिका
यां ॥ आकको दूध हरद दारुहरद एकत्र लेप करै मुषस्यामिका जाइ छांरी वुहत दिनकी जाइ ॥ अन्य ॥ तारुरायपिडिकादो ॥ वरके पान पीरे चमे
लीके पान रक्तचंदन कूट कलंवक लोध एकत्र पानीमै वांटि लेप करै मुषमै तारुरायपिडिका व्यंग छांरी सव दूरि होइ ॥ अन्य ॥ ५ जारफल रा०
८७

चमेलीकी वकला पानीमै वांटि लेप करै मुखव्यंग पिडका जाइ ॥ अन्य ॥ जीरे तिल सुपेत सरसौ पानीमै वांटि लेप करै मुखमै व्यंग दूरि होइ मुषसुंदर
होइ ॥ अथ मुखनासारक्तप्रवृत्तिचिकित्सा ॥ चावर धना पानीमै वांटि पिवै मुखरक्त शांति होइ ॥ अन्य ॥ दूव हरिमा हरर धना वारौ वांटि चूर्ण
करै नास लेइ नासारक्तप्रवाल दूरि होइ अथवा पानीमै वाटि छानि नास लेइ ॥ अन्य ॥ दूवको रस हरिमाके फूलको रस एकत्र नास लेइ मुखनाकते
रक्तगिरत होइ सो वंद होइ ॥ अन्य ॥ त्रिफला दूव पानीमै वांटि नास देइ रक्त शांति होइ ॥ अन्य ॥ पुहकरमूल पके ऊमर गुड माष जौ समले इ एकत्र षाइ र
मुषनासारक्तप्रवाह जाइ ॥ अन्य ॥ हरिमाकी वोडी दूंधिया षैर चिनी षांड पानीमै वांटि पिवै रक्त रुके छर्दि रुके ॥ अन्य ॥ पथैसगाकी जर केरकी
जर कुरेकी जर मात्रा समगाइके दूध सेवा टिपिवै दिन ३ रक्त वंद होइ ॥ अथ स्वरभंगचिकित्सा ॥ वहेरेको फल पीपरि सेंधोनोन कांजीसे वां
टि पिवै स्वरभंग दूरि होइ ॥ अन्य ॥ आवरे दूधमै वांटि पिवै स्वरभंग जाइ ॥ अन्य ॥ अमलवेतस त्रिफला तंतरीक तालीस पीपरि चिताउर
जीरे चर्व पत्रज लौंग सव चूर्न करि वरावर गुडमै गोली वाधै १२ षाइ स्वरभंग जाइ ॥ इति स्वरभंगचिकित्सा ॥ अथ तृष्णा तालुशोषचिकित्सा
॥ सोंठि जीरे आदो सेंचर नोन पानीमै वांटि पिवै वाततृष्णा जाइ ॥ अन्य ॥ षुरेर पद्माष उरई दाष जाठै चंदन काढो करि षाउ उतारि पिवै पित्त
तृष्णा जाइ ॥ अथान्य ॥ काठके पात्रमै घीउ धरै शीतल पानी सै तजाइ वेर धोवै सो पानी पिवै तृष्णा जाइ तालुशोषको घीउ देइ तृष्णा दाह भ्रम
मूर्छा दिजाइ शोष मूर्छा दूरि होइ ॥ अन्य ॥ दारिम वेर इमिली अमलवेतस इनको रस देइ तृष्णा जाइ ॥ अन्य ॥ कमलको कंद शीतल पानीमै वांटि ता
लु लेप करै तालुशोष जाइ ॥ अन्य ॥ जामुनिके पात आमके पात पानीमै वांटि पिवै तृष्णा तालुशोष जाइ ॥ अन्य ॥ इमिली विजौरो वेर सो
लु लेप करै तालुशोष जाइ ॥ अन्य ॥ मधु षांड तालु लेप करै तृष्णा शोष दूरि होइ + २
―॥ विजौरेको रस चावरको धोवन मधु एकत्र तालु लेप करै अवलेह सो करै तृष्णा तालुशोष जाइ ॥ अन्य ॥

ठि एषाए तृष्णातालुशोषजाए ॥ अन्य ॥ लालधानकेचाउर दही षांड भोजनकरै नोननषाए छर्दितृष्णाशोषसर्वदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ कमल
गटा कूटजोदे लजनू वराकेपाए वांटिगुटिकाकरैमुखमेराषेतृष्णादूरिहोइ ॥ अथमूर्छाचिकित्सा ॥ मूर्छामेशीतलउपचारकरैविजना
केशीतलवैहरकरै वेरकीविजी मरिच उरई केशर शीतलपानीमेवांटिपिआवेमूर्छाजाए ॥ अन्य ॥ पीपरि मधुचटावेमूर्छाजाए ॥ अ
न्य ॥ मरिचकोनासदेइनाकमुखमूंदेमूर्छासिधरतीमेडरो होइसोचतन्यहोइ ॥ अथअरुचिचिकित्सा ॥ विजोरेकेफूलकेजीर सेधोनोन मरि
चएकत्रषाएअरुचिदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ इमिली गुड तज लाइची मरिच एकत्रपानीमेवांटिपिवेअरुचिदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ जीरे मरिच दाष अ
म्लवेत दरिमा सोचरगुड मधु एकत्रगोलीकरैवेरकीगुटिलीप्रमानमुषमेराषेअरुचिजाए ॥ अथछर्दिचिकित्सा ॥ करंजकेपत्रकोमल नोन
घटाइ सबएकत्रषाएछर्दिजाए ॥ अन्य ॥ लाइची लोग नागकेसर वेरकीवीजी धानकेफूल प्रियंग मोथा चंदन पीपरि समलेइवांटिचूर्णक
रैमधुमिश्रीसेदेइत्रिदोषछर्दिजाए ॥ अन्य ॥ दाष मरिचषाड शीतलजलसेवांटिपिआवेअथवाचूर्णकरिदेइछर्दिजाए ॥ अन्य ॥ लाइची
केवकलाइकामेपिवे छर्दिजाए ॥ जामुनिकेपत्र आमकेपत्र आवरीकेपत्र वांटिअडकेपानमेलपेटिकेमाटीछापिआगमेभरताकरै रसनि
कासिषाडघोरिपिआवे छर्दिजाए ॥ अन्य ॥ लोग २ लाइची २ तुलसीकेपत्र २ पानीमेवांटिपिआवेछर्दिजाए ॥ अन्य ॥ छुहारे कमलगटा लाइची
शीतलपानिसेपिआवेछर्दिजाए ॥ अन्य ॥ लाजा मिश्री लोग कमलगटा लाइची एकत्रवांटिचूर्णकरै मधुसेदेइछर्दिजाए ॥ अन्य ॥ दाष मरि
चमिश्री सीतलजलसे वांटिपिआवे छर्दिजाए ॥ अथहिक्काचिकित्सा ॥ वेरकीविजी चिताउर चिरायतो पीपरि आवरे सोठि क्वाथकरिषाड
घोरिपिआवेहिचकीजाए ॥ अन्य ॥ परवरकेफल अथवाषजूरकेफलमधुसेचाटेहिचकीजाए ॥ अन्य ॥ जोठे मधुसेचाटेहिचकीजाए ॥ अन्य ॥ राम ९८

सो ठि मिश्री मधुसेदेइहिचकीजाए ॥ अन्य ॥ पीपरिमिश्री मधुसेदेइहिचकीजाए ॥ अन्य ॥ पीपरि आवरे सोठि चूर्णकरिकै मिश्री
मधुसेदेइहिचकीजाए ॥ अन्य ॥ मरिच मिश्री लोग वेरकीविजी चूर्णकरिमधुसेचाटेहिचकीजाए ॥ अन्य ॥ केथकेपात मीडिकेनास
देइहिचकीजाए ॥ अन्य ॥ सोठि गुडपानीमेघोरिनासदेइहिचकीजाए ॥ अन्य ॥ नेगडेकेवीजा पीपरिसमलेइपानीमेऔटिपिआवे
हिचकीजाए ॥ अन्य ॥ पीपरिषाड वांटिनासदेइहिचकीजाए ॥ अन्य ॥ जाठेपानीसेपीसिनासदेइहिचकीजाए ॥ अथअम्लपित्तचि
व किस्सा ॥ हडुवा वरियारी आवरे कोडाकरिदेइअम्लपित्तजाए ॥ अन्य ॥ परवरकेपात पाडरकीजर धना सोठ काढो करिदेइअथवापा
नीमेवांटिदेइअम्लपित्तजाए ॥ अन्य ॥ परवरकेपान सोठ गुरिच कुटकी नीमकेपात रूसेकेपात क्वाथकरिदेइविसर्पअम्लपित्तदा
दूमंडलदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ हरर पीपरि दाष षाड धना रूसे वांटिचूर्णकरिमधुसेदेइअम्लपित्तजाए ॥ अन्य ॥ गुड कुम्हडाकोगूदोषा
इअम्लपित्तजाए ॥ अन्य ॥ षाडआवरेषाएअम्लपित्तजाए ॥ अथआधीकीऔषद ॥ सेधोनोन घीउ नासदेइआधीजाए ॥ अन्य ॥ आ
ककीलकरीकोनासदेइआधीजाए ॥ अन्य ॥ केसरिमिश्री गोघृतमेघसिनासदेइआधीजाए ॥ अन्य ॥ अजेपालकीवीजी सेधो
नोन पानकेरससेघसिनासदेइआधीजाए ॥ अन्य ॥ अजेपालकेविजी सेधोनोन नीमकेपात एकत्रवांटिकानमेडारेदिन ३ आ
धीजाए ॥ अथक्षीरचिकित्सा हीग कौडीएकभरि घीउयेसाभरिषाएदिन २१ वाउदजाए ॥ अन्य कंजीकेवीजा सुहागाफूलो एकत्रदेइवा
उदजाए ॥ अन्य ॥ ग्वारिकोपठा पुरानोगुडषाएदिन २ तो वाउदजाए ॥ अन्य ॥ साजीभाग २ सेधोभाग १ थूहरकेदूधमेडुवावेमाटीकेवा
सनमेभरमूंदिकपरौटीकरिकंडनमेवारिदेइवांटिकेषाएरती ४ दोउजोरदिन २१ वाउदजाए ॥ इंद्रायनकेफलमे सेधोनोन मरि
अन्य ॥

च सोचर हींग भरै चूल्हे मै गाडे दिन २। गाडो रहै तब निकासि कै वांटि के षाइ टंक २ गुल्म जाइ प्लीह जाइ।।अन्य।। इरनी के पान कौ रस मा

सारसं०
६६

से १ पिवै दिन ७ तौ वाइ जाइ।।अन्य।। कुरे के वकला वाटि चूर्ण करै ते हीकी वरावर नोन मिलाइ षाइ। ६ रोज २१ तौ वाउ टजाइ।।अन्य।। कूट व

डी हरैं तोनकीजर जवाषार याठ सैधौनोन सोचरनोन साम्हरनोन वच जीरे अजवाइन हींग साजी वरव चिताउर सौठि समले

इ वांटि चूर्ण करै तातेपानी सै पिवै ।१ वाततेउ दरव्याधि होइ सो दूरि होइ।।अन्य।। शरफोका कीजर तक्र मै वांटि पिवै प्लीह जाइ।।अन्य।। सो

चर जवाषार समुद्रनोन कांचनोन सैधो सुहागा साजी समलेइ वांटि चूर्ण करै आक के दूधकी यद हर के दूधकी भावना देइ घाम मै सुषे

सुषे कैतव आक के पान चूर्ण की वरावर एक वासन मै आधे तरे धरै वीच मै चूर्ण धरै फेरि आधे पान धरै वासन कौ मुह मूंदि कपरौटी करि

गजपुट आवदे इस्वांग शीतल हो रतब निकासि कै पीसे तिहि मै ओर आपदे चूर्ण करि कै मिलावे सौठि मरीच पीपरि वायविडंग रा

ई त्रिफला वरव हींग भूजी सब एकत्र करि षाइ जै सो वल होइ उदर व्याधि शोथ गुल्म सूल मंदाग्नि अरुचि प्लीह यकृत ए सव दूरि होइ

।।इति वज्रक्षारः।।अथ वाइ गोला सूल कौ उपाइ।। सौठा चार कीजर।१२ पानी मै वांटि ताता करि पिआवे सूल जाइ।।अन्य।। छोटमउवा

कीजर कौ वकला पानी मै वांटि ताता करि देइ सूल जाइ।।अन्य।। रगवाकी विजी।६ पानी मै वांटि देइ।।अन्य।। फटकरी दोचनाभरि गुड सै लये

टिषाइ सूल जाइ।।अन्य सूले।। करंज की वीजी सोचरनोन सौठि हींग समलेइ चूर्ण करि तातेपानी सै पिवै।१२ वात सूल दूरि होइ।।अ

न्य।। सोचरनोन हींग सौठि वांटि चूर्ण करि ताते पानी से पिवै कफ वात तै हरे देकी पसुरिया की पीठि की पेट की पीर जाइ विसूचिका विवंधस रा० ६६

वे जाइ।।अथ गुल्मचिकित्सा।। वच भाग २ हरर भाग ३ सोचरनोन भाग ६ सौठि भाग ४ हींग भाग १ पीपरि भाग २ चिताउर भाग ५ अजमोद

भाग ७ सब एकत्र चूर्ण करि ताते पानी सै मदिरा सै पिवै।१२ गुल्म सूल कास स्वास अर्श ग्रहणी जाइ अग्निदीपन होइ।।अन्य।। हींग सैधौ चूक राई

सौठि समलेइ वांटि चूर्ण करि षाइ गुल्म जाइ।।अथ हृद्रोग चिकित्सा।। कोह की छाल वांटि घी उसै दूधसै गुड सै पानी सै षाइ हृद्रोग जीर्णज्वर र

क्तपित्त दूरि होइ।।अन्य।। पुहकरमूल को चूर्ण मधु सै षाइ हल्ला स्वास कास हृद्रोग सर्व जाइ।।अथ मूत्रकृच्छ्र चिकित्सा।। गुड दूध ताता करि पिआवे मूत्र

कृच्छ्र जाइ।।अन्य।। गुरषरू के वीजा १। अष्टावसेष काथ करि मधु के जोग सै देइ मूत्रकृच्छ्र जाइ।।अन्य।। सैमर की जर किरवारे की जर अष्टावसेष काय क

रि देइ मूत्रकृच्छ्र जाइ।।अन्य।। लाइची हाथाजोरी सिलाजतु कौ सतु पीपरि समलेइ चूर्ण करि चावर के धोवन सै देइ।१२ मूत्रकृच्छ्र जाइ।।अन्य।।

गुरषरू कुसकी जर जवासौ हाथाजोरी समलेइ अष्टावसेष काथ करि देइ मधु के जोग सै मूत्रकृच्छ्र जाइ।।अन्य।। अंड की जर रूसौ लाइची ए

कत्र चूर्ण करी दही के साथ षाइ मूत्रकृच्छ्र जाइ।।अन्य।। गुरषरू के वीजा १। काथ करि जवाषार के जोग सै देइ मूत्रकृच्छ्र जाइ।।अन्य।। षाड जवाषा

र समलेइ सम मैले ईमिलाइ के षाइ।१२ मूत्रकृच्छ्र जाइ।।अथ पथरी चिकित्सा।। हाथाजोरी कौ काढो सिलाजतु षाड संयुक्त देइ पथरी दूरि होइ।।अ

न्य।। हाथाजोरी वरुण गोषरू अंड की जर दोउ कटाई की जर तालषुषारे की जर समलेइ काथ करि दही सै देइ मूत्रविवंध जाइ षाड सै दे

इ पथरी जाइ।।अन्य।। हरद गुड ताते पानी सै पिवै पथरी दूरि होइ।।अथ प्रमेह चिकित्सा।। त्रिफला को चूर्ण मधु सै षाइ।१२ प्रमेह जाइ।।

अन्य।। हरद कौ चूर्ण करै मधु आवरे के रस सै चाटि जाइ थोरे दिन मै प्रमेह दूरि होइ।।अन्य।। गुरचै को रस मधु सै चाटै प्रमेह वीस भांति के दू

रि होइ।।अन्य।। सेमर की छाल कौ रस मधु हरद कौ चूर्ण एकत्र पिवै प्रमेह दूरि होइ।।अन्य।। सैमर की छाल कौ रस मधु हरद चूर्ण वंग भ

स्म रती २ एकत्र देइ प्रमेह दूरि होइ।।अन्य।। अभ्रक।१ भस्म त्रिफला।१२ हरद चूर्ण।१२ एकत्र मधु सै षाइ प्रमेह जाइ।।अथान्य।। सरवा हूली

सा०सं०
१००

ली दरिमाकीवोडी सुपे तषेरषाउ १कलयानीमेवांटिपिजै प्रमेहजार ॥ अन्य ॥ वडीलाइचीषाउ एकत्र करिषाइप्रमेहजार ॥ अन्य ॥
लाइची संषाहूली सिलाजतुकौसनु षाउ समदैलेर सीतलजलसेवांटि पिजै प्रमेहजार ॥ अन्य ॥ गुरमैकोरस मधु मिश्री एकत्र
तातेकरिपिजैप्रमेहजार ॥ अन्य सेतधातुपरतहोइ ॥ नवीनसेमरकोमूल लेइ आगमैभरताकेचिनीषाउअरुदूधसैषारतोवंधे
जहोइप्रमेहजारविंदकुसादीजार ॥ अन्य ॥ कुसमीधातुपरतहोरतौ ॥ छरैटाकौचूर्णपैसापाचभरिषाउचिनीपैसापाचभरि एकत्र र
करिषाइपैसाएकभरितौनीकोहोर ॥ अन्य लाल धातुपर ॥ लाल अरसीयैसादसभरिभुंजिलेर कोराकीअतरछालकोचूर्णपैसा
पावभरि एकत्रकरिषाइमात्रा ॥ १२ तौनीकोहोर ॥ अन्य ॥ स्यामसकीजरलेर छाछमेसुषावेवांटिछानिचूर्णकरेवासेपानीसेपिजै
अथवादूधसेपिजैषाउसेचूर्णषाइप्रमेहजारपुष्टहोर ॥ अन्य ॥ ऊंटकटारेकीजर संषाहूली गोभी रतनजोत टियारीकीजर मात्रासम
चूर्णकरिकेचिनीषाउदूधसेपिजैप्रमेहजार ॥ अन्य चिनगियाप्रमेहपर ॥ लोंग जाइफर जाइपत्री धतूरेकेवीजा अफीम विषशुद्ध
ईगुरशुद्ध अकलकरा लोहवान केसर लाइची त्रिफला मात्रासमवांटिपानकेरससेषल्लेगोलीवांधेचनाप्रमानएकएकगोलीषाइतो
जेचिनगियाप्रमेहजार ॥ अन्य ॥ गुरमैपैसादोभरि चौगुनेपानीमेवांटितातोकरिमधुपैसादोभरिडारिपिआवेसर्वप्रमेहजार ॥ अन्य ॥ आ
वरेकोरसपैसादोभरि मधुपैसादोभरिपिजैसर्वप्रमेहजार ॥ पकेकेरा दूधषाउसेपिआवेमूत्रकृछ्रप्रमेहजारदिन २१ ॥ अथ विंदकु
सादोउपचार ॥ २ गुवाकीजरकोवकला ॥ १२ ॥ गाइकेदूधमेषाउडारिकेपिजैसर्वप्रमेहविंदकुसादी दूरिहोइ ॥ अन्य ॥ मधु अधेलाभ राम
त्रि आदेकौरसअधेलाभरि गाइकोघीउ ॥ १२ सेतपिआज ॥ १२ चारिउवस्तुसमषाइतोविंदकोसादीमिटे ॥ अन्य ॥ वकारनकेफलमा १००

ह्री १
सेपाचसातोकेचाउरपीसिपिजैतोविंदकुसादीजार ॥ अन्य मदनप्रकासचूर्ण ॥ तालमषाने मूसरीकंद सेमरि घमराकोचूर्णकरेछके
वीजा असगंध सेमरकेफूल स्यामसकीजर सतावर मोचरस गुरषुरू वेरवरैकेवीजा समलेर चूर्णकरिषाउदूधसेपिजैपुष्टहोइस्तंभन
होइ ॥ अन्य ॥ लरमगाजरलेइगतराकेर रुपैयासेगाइकेघीउमेसेकेमधुसेषाइदोउजोरतोवंधजहोइपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ ईंगुरपैसाभरि
अफीमपैसाभरि जाइफलपैसाभरि लौंगपैसाभरि षुरासानीवचपैसाभरि सवऔषदेदोरिसूषीषरलकैरपहर १ पुनिमुरगीकेअंडामेभरिदेइजवधुवा
क रिजाइतवतेहिआगमेअंडागाडिदेइजवसुजवसीतलहोइतवनिकासिलेरवांटिचूर्णकरे तवदेसयानदारिकेघरलेपहर ४ चनाप्रमानगो
लीवांधेसायंप्रातषाइदिन ३ स्त्रीकोदोइघाटोवाररैनषार ॥ अन्य ॥ नादनवनकेविनौरा सिरसकेवीजा स्यामसकीजर एकत्रवांटिचूर्ण
करैछदामभरिचूर्णलेइगाइकेदूधमैपिजै अरुऊपरतेऔरदूधपिजैविंदकुसादीजार ॥ अथ मूत्रनिरोधपर ॥ भूराकुम्हडाकोगूदेमिश्री
सेरे इमूत्रनिरोधनजाइ ॥ अन्य ॥ वालमषीराकेवीजापानीमैवांटिपिआवैतोमूत्र उतरे ॥ अन्य ॥ लेपावारिकेपानीमेवांटिनाभपरलगावेतोमूत्र
उतरे ॥ अन्य ॥ मूसेकीलेंडीसुतागतेरपैलेपकरैपानीमेवांटिकेअरुअंडकेपानतेरपैपरदेकैतातेभटासेसेकेतोपेसावउतरे ॥ अन्य ॥ मिहरिया
उडीसोगोधेतोपेसावउतरे ॥ अथ नमर्दपर औषद ॥ अकलकरापैसा १० दालचिनीपैसा १० नकछिकनीपैसा एकवाउीहाडीमेसेरदसपानी
मेचढावेजवसेरभरिपानीरहेतवउतारिलेरएकसीसामेधरिराषेमात्राछदामभरिषाइकचौरीकिसाथप्रातसंध्यादोऊजोरषाइदिन ३१ तौना
मर्दतैमर्दहोइ ॥ अन्य ॥ हिंगोटकीजरकोवकलालेइछाछमेसुषैकेचूरनकरेमधुसेषाइ ॥ २ ऊपरतेघीउगरकौषाइकेदूधभातषाइजव या
+ जौकछुआगमेअमारतवमूदिलेरपानसैलपेटिकेपुनिसतेसैलपेटिदेरतवधनाकीभुसीषदरामेभरेआगलगाइदेइ + ९

सारसं० ॐलौ औषदवारतवलौस्त्रीप्रसंगनकरैनीकोहोइ ।।अन्य।। पारोपैसाएकभरिशुद्धलेइगाइकोदूधसेर५।।पानीसेर५।। डारिकैऔटावैजवपानीज
१०१ रिजाइतवउतारैजवसीतलहोइतवदूधपिवैऔदिन २१दिनप्रतिदूधऔरलेइपारोवहीवनोरहैपारोकोलत्तामेवांधिकेऔटावैजेहैतेपारोइदूधमेनजाइसंज
वी मसोरहैषाटैवारेरोगमषाउनीकोहोइ।।अन्य।।लेप।। सेतकनेरकीजरकेवकलपैसापाचभरिसेतघुंगचीविजीपैसा[illegible] एकभरि।। दूधिया
विषअधेलाभरि गाइकौदूधसेरच्यारि औषदेचूरनकरिदूधमेडारिऔटावैजवदोसेरदूधरहैतवदूधजमावैदहीकरैभांइकैनैनूकाढिलेइनारियर
मेधरिराषैदिनप्रतिथोरोथोरोलेयकैरेलिंगमेअरुतरेटमेसंजमसोरहैतोसुसतईमिटैमर्दहोइ ।।अन्य।। पारोशुद्धपैसाएकभरि वीरवहोटीचाली
सनारियरकेभीतरकौषोपराकोलिकेपारोअरुवीरवहोटीभरिदिइपुनिकाढिकैटेढीनारियरमैलगाइदेइताकेऊपरचूनलपेटैफिरिएकहांडीमे
दूधभरैतिहिमैनारियरधरैऔटैजवदूधगाढोहोइतववाहीदूधमेषोपरापारोवीरवहोटीसवषरलैगोलीबांधै छोटेवेरवरावर जोमर्दवीर्जहोइ
ताकोषवावैतोवीर्जहोइपुष्टहोइनिपुंसकतामिटै पथ्यदूधभातषाइ।। अथलिंगस्थूलीकरणं।। स्यामसकीजर गंगेरवाकीजर कूट वच गजपीपरि अस
गंध कनेरकीजर समलेइवांटिचूर्णकरै नेनूसेलिंगलेपकरैलिंगस्थूलहोइ ।।अन्य।। चमेलीकोरस कूट मदसित चिरकुसुहागा समलेइवांटि।।ए तिलकेतेल
मेलिंगलेपकरैलिंगवृद्धिहोइ।।अन्य।।मरिच सेंधोनोन पीपरि तगर कटाईकेफल अकरकरा तिल कूट जवा उरद सरसो असगंध समलेइचूर्णकरि
मधुसेलेपकरैलिंगवृद्धिहोइ।।अन्य।।मदसित असगंधसेंधोनोन छेरीकेदूधमेपीसिकेघीउमेपचावै छानिलेइलिंगलेपकरैलिंगवृद्धिहोइ।।अन्य।।
लोध कोसीस असगंध गजपीपरिसमलेइतेलमेपचावै छानिलेपकरैलिंगस्थूलकरैहोइ।।अन्य।। पारो मरिच कूट सोंठि कटाईकेफल असगंधति
लमधु सेंधोनोन सेतसरसो अकरकरा जवा उरद पीपरिसमलेइपानीमेवांटिलिंगलेपकरैलिंगवृद्धिहोइदृढहोइ।।अन्य।।असगंध वचकूट बलो राम
सतावरि एकत्रपानीमेवांटिलेपकरै तिलकेतेलमे पचावैलिंगलेपकरैस्थूलहोइ।।अन्य।। सुहागा मरहदी जामुनकीछाल सुगरकौतेलमधु एकत्रलि १०१

गलेपकरैलिंगस्थूलहोइ।।अन्य।।मूसरीकोचूर्णभैंसकेनैनूसेसानिकेमाटीकेवासनमैधरिमुखमूंदिकेधानमैगाडिराषैसातदिनतवनि
कासिकेलिंगलेपकरैलिंगवढैमहीना१।।अन्य।।मूसरीकोचूर्ण कारेतिल एकत्रकरिषाइपुष्टहोइलिंगवृद्धिहोइ।।अन्य।।मधुहरदकटाईकेफल
कोरस एकत्रपीसिलिंगलेपकरैलिंगस्थूलहोइ।।अन्य।।पीपरिनोनदूधघीउ एकत्रलेपकरैलिंगदृढहोइ।।अन्य।।जटामासी वहेरेकेफल कूट
असगंध सतावरि सवपानीमेवांटितेलमेपचावैलिंगलेपकरैस्थूलहोइ।।अन्य।।पारो असगंध हरद गजपीपरिघाइ पानीमेपीसिलिंगलेपकरै
महीना१ लिंगवृद्धिहोइ।।अन्य।।करेछकीजर छेरीकेमूतमेवांटिलिंगलेपकरैरातिकरैलिंगस्थूलहोइ।।अन्य।।विष्णुकांताकीजर षेरकीलकरीसे
षोदिलेइकारेसूतसेकटिमेवांधैलिंगऊर्द्धहोइ।।अन्य।।मूराकेवीजाटंक८गाइकेघीउमेपचावैलिंगमेमर्दनकरैस्थूलहोइ।।अन्य।।मूराकेवीजाति
लकेतेलमेऔटैलगावैलिंगमेस्थूलहोइ।।अनारकेवीजवक्कलासरसोकेतेलमेवांटिलेपकरैलिंगस्थूलहोइ।।अन्य।।असगंध धतूरेकेरससेषल्ले
लिंगलेपकरैदृढहोइ।।अथसुक्रस्तंभनं।।रदोरतकीजरपुष्यनक्षत्रमेनग्नहोइकैलेइ सोंठि मरिच पीपरिसमलेइगाइकेदूधमेवांटिगोलीकरैछा
यामेसुषैकेमुषमेराषैवीर्यस्तंभहोइ।।अन्य।।मैनीकीजरमरघटाकीराषएकत्रकटिमेवांधैवीर्यस्तंभहोइ।।अन्य।।कारेधतूरेकीजरकौवक्कला
मधुसेपीसिलिंगलेपकरैसुक्रस्तंभहोइ।।अन्य।।लालअकरकराकीजरसोमवारकोनेउतआवैमंगलवारकोप्रातकाललेआवैकटिवांधैवी
र्यस्तंभहोइ।।अन्य।।सुदर्शनाकीजरपानमेषाइ पतरनिषाइसुक्रस्तंभहोइ।।अन्य।।सुपेतआककीजरुईकीवाती सुगरकेतेलकौदियावारे
जवलोतेलवरैतवलोवीर्यस्तंभहोइ।।असगंधकीजरछेरीकेदूधमेवांटिलिंगलेपकरैवीर्यस्तंभहोइ।।अन्य।।पुष्यनक्षत्रमेसेतकनेरकीजरलेइ
लालसूतकेडोरासेकटिमेवांधैवीर्यस्तंभहोइ।।अन्य।।सेतकनेरकीजरकोवक्कलावांटि अपनेमूत्रसेलिंगलेपकरैसुक्रस्तंभहोइ हींग कपूर घीउ

सोठिधतूरेकेपान एकत्रपीसिकैनाभिलेपकैरैकंठलेपकैरैविंदुस्थिरहोइ ॥ अन्य ॥ भेडी ईशरवंध जाइफर जाइपत्री अफीम भांग अजवाइन
सवऔषदेवांटिभागकेपानीमे गोलीबांधेमासे १षाइस्तंभनहोइ ॥ अन्य तालमषाने मूसरी सोठि घमरा करैरेष केवीजा असगंध सेवके फूल
स्यामसकीजर सतावरि मोचरस षाइ दूधसेपिअमात्रा ॥ १५तोस्तंभनहोइपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ अफीम जाइफर धतूरेकेवीजा घीउसेलिंगलेपक
रैलिंगदृढहोइ स्तंभहोइ ॥ अन्य ॥ माजूफललैपैसाभरि जाइफलपैसाभरि अफीममासेभरि वमूरकीछालकोचूर्णमासेदोभरि घमराकोरस अ
धेलाभरि धतूरेकेफूलकेरससेषरलैपहर २ तव गोलीबांधे चनाप्रमान एकगोलीनित्यषाइपहरभरेकोवंधेजहोइजवदे हमेपसीना आवे तव
षलासहोइ ॥ अन्य ॥ आकके दूधमे अफीम घोरि इंद्रीलेपकरैस्तंभहोइ ॥ अन्य ॥ आकवीजा धतूरेकेवीजा समद्रशोष समभागलेइघृत
सो मधुसेगोलीबांधे षाइ चनाप्रमानतोस्तंभहोइ ॥ अन्य ॥ वचकूट गजपीपरि असगंध समलेइ लिंगलेपकरै कनेरकेघीउसे ॥ अन्य
अजादूध थूहरदूध लजवंतीकीजर एकत्रहाथपाउनाभिलेपकरैस्तंभनहोइ ॥ अन्य ॥ त्रिफलाकीविजी ॥ १५ दूधमेपिवैस्तंभहोइ ॥ अन्य ॥
दालचीनी टंक २ उरद टंक ५ एकत्रवांटिइकठोकरिषाइमिश्रीटंक २ मिलैके साऊकेषाइवंधेजहोइ ॥ अन्य ॥ गाजरउसेरके घीउसेषाइ...
साऊकेतो वंधेजहोइ ॥ अन्य ॥ कुलंजनतुलसीपानटंक ८ अकलकरा टंक १ पुरानेगुडटंक १ सवएकत्रचाटिगोलीकरे चारिघरीदिनरहेत
वगोलीषाइऊपरतैसाऊकेदूधपिवैस्तंभनहोइ उतारनिंवू ॥ अन्य ॥ जाइफल जाइपत्री लोंग भांग कपूर मिश्री समलेइएकत्रवांटिगो
लीकरैछोटेवेरप्रमान उतारनिंवू ॥ अन्य ॥ सेतकनेरकीजर अफीम एकत्रवांटिलिंगलेपकरैस्तंभनहोइ ॥ अथवाजीकरण ॥ विलाईकंद
कोचूर्णकरिकैविलाईकंदकीरसकीभावनादेइसुषैसुषैके ७ मधुघीउमिलाइकेषाइपुष्टहोइदशइस्त्रीभोगकरे ॥ अन्य ॥ आवरेको

होइ१

चूर्णकरि आवरेकेस्वरसकीभावनादेइ मधुघीउसेसानिषाइरातिकैपुष्टकामिकहोइ ॥ अन्य ॥ तालवुषारेकेवीजा साठीधानकेचाउर वांटिचू
र्णकैरेमधुघीउसेसानिषाइरातिकैतोपुष्टहोइवाजीकरणहोइ ॥ अन्य ॥ गुरिचकोसत त्रिफला जोठ एकत्रचूर्णकरिमधुघीउमिलाइकेषाइ ॥ १५
साऊकेरोजषाइपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ अश्वनीनक्षत्रमेवटकोवांदेलेइ दूधमेवांटिपिवे ॥ १५पुष्टहोइकामोदीपनहोइ ॥ अन्य ॥ पुष्यनक्षत्रमेसेतआककी
जरलेइगाइके दूधमेपिवैदिन ७ तोकामिकहोइ ॥ अन्य ॥ पूर्वाभाद्रपदनक्षत्रमेवेलकीजरलेइ पानीमेवांटिपिवे ॥ १५जोपुष्टहोइ वलहोइकामिक
होइ ॥ अन्य ॥ जोठकोचूर्ण ॥ १५ मधुघीउमिलाइकेषाइऊपरतेदूधपिवैकामोदीपनहोइ ॥ अन्य ॥ सेमरकीजरकोरस षाडडारिकैपिवैदिन ७
कामिकहोइ ॥ अन्य ॥ विलाईकंदकोचूर्ण ॥ १ घीउमेसानिदूधमेपिवैपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ मधु सेमरकीजरकोचूर्ण मूसरीकोचूर्ण घीउ दूध
मेपिवै चिरकालभार्इरतिकरे उरदकीधोसकोचूर्णघीउमेसानि दूधमेपिवैपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ पीपरि सेधोनोन मिश्री घीउ दूधमेपिवै
ल पुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ मिश्री तिल दूधमे पिवैपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ गुरखरू तांवुषारेकेवीजा सतावरि करैरेषकेवीजा गंगेरुवाकीजर स्यामसकी
जर एकत्रवांटिचूर्णकरिदूधमेरातिकैपिवैपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ पीपरकेफूल जरकोवकला ॥ १५ दूधमे पिवैमधुषाडसंयुक्तपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥
सतावरिको चूर्णघीउमेसानिवोगुनेदूधमेपचावे षाइ पीपरि मधुसंयुक्तषाइपुष्टहोइ ॥ अन्य ॥ गुरखरू करैरेषकेवीजा गुरिचकोसत
गजपीपरि तालवुषारेकेवीजा केराकेफल सतावरी ककरीकेवीजाकीवीजी समलेइवांटिचूर्णकरे सवचूर्णकीवरावरमिश्रीमिलावे म
धुसेसानिथींडिकैरे चीकनेवासनमे धरिराषैएकपैसाभरिषाइऊपरतेगाइकोदूधथोरोपिवै रतिकामेश्वर ॥ अन्यकामनायक ॥
करैरेषकेवीजा तालवुषारेकेवीजा उरद तिल गुषरू रूसो समलेइवांटिचूर्णकरे सवचूर्णकीवरावरैअभ्रक मिलावे सवकीवरा
मारो१

वरचिनीषाउ डारिकैएकत्रकरै गारकेदूधमेपिवै।१ अरुभोजनकेपहिलैतेलकैसेकैवराषारिपिरिऔरभोजनकरैपुष्टहोइकामवढे ॥
अन्य॥ असगंध स्यामसकीजर सैमरकीजर सतावरि विलाईकंद केराकोकंद तालखुषारेकेवीजा करेंछकेवीजा समलेइवाटिचूर्णकरै चूर्ण
कीवरावरमारोअभ्रकमिलाइदेइ सवकीवरावरचिनीषाडमिलाइकेगाइकेगाइकेदूधमेपिवै।१ एकमहीनाभरषाइदूधकोसेवनभातषा
उषाइवलहोइवीर्यवढे ॥अन्यधात्रीलोहः॥ आवरेकेफलकोचूर्णत्रिफलाकेकाढेकीभावनासुषेसुषेदेइ२१ तवचूर्णकीचौथाईमारोलोह
मिलावैमधघीउसैसानिधरिराषैषाइ।१माशाढकाभरलोकहीहैपरंतुजेसोवलहोइतेसोषाइऊपरतेदूधषाडपिवैपुष्टहोइ ककरीकुम्ह
डाकरेलाकरौदाराईउरदनषाइ ॥अन्यकामेश्वरः॥ अभ्रकमारो कारफर कूट असगंध गुरिचकोसत मोथा मोचरस विलाईकंदमूसरी
गुरखुरू तालखुषारेकेवीजा केरकोकंद सतावरि धवईकेफूल उरद तिल धना जांठ गगेरवाकीजर कपूर जाइफल सेंधो भारंगी काकरा
सींगी त्रिकटु चित्राउर तज पत्रज लाइची नागकेसरि पथरसगाकीजर गजपीपरि दाष हरद रूसो करैछकेवीजा सैमरकीजर त्रिफला समले
इचूर्णकरि चूर्णकेवरावरभांगमिलाइकेएकत्रकरिसवकीवरावरषाडमिलाइकेमधघीउसैसानिकेछदामछदामभरेकीगोलीवाधिरा
षैनित्यसेवनकरै पुष्टहोइ क्षयीरोगजाइ कासस्वास महाअतीसारदूरिहोइमंदाग्निजाइसंग्रहणी अर्श प्रमेह श्लेष्मरक्तविकारदूरिहो
इएकवरषसेवनकरै ॥अथकामदेवचूर्ण॥ गुरखुरूकेवीजा१ करैछकेवीजा२ गगेरवाकीजर१ सतावरि१ विलाईकंदकोचूर्ण२ ककरी
केवीजा२ असगंध३ वंसलोचना।१ मूसरी।१ गुरिचकोसत।१ रक्तचंदन।१ लाइची।१ तज।१ पत्रज।१ पीपरि।१ आवरे।१ लो
ग।१ नागकेसरि।१ सवएकत्रचूर्णकरि छोटेसैमरकीजरकेरसकीभावना२१ कुसकासउरई इनकेजरकीरसकीभावनादेइतवचूर्ण

कीवरावरषाउ मिलाइकेषाइ।१ अथवा।२५ दुष्टसुक्रवीर्यग्लानिमूत्रकृच्छमूत्रघातमूत्रदोषजाइवीर्यवढैवाजीकरणहोइवलहोइ
कीवरावरषाउमिलाइकेषाइ।१ इसमेपथ्यचावलवगाहोहोइतव षैर लौग लोहमारो
॥अथगुरखुरूपाकः॥ गुरखुरूकेवीजाकोचूर्णटकासोराभरि दूधटकाचौसठिभरिमेपचावैजवगाढोहोइतव षैर लौग लोहमारो
मरिच कपूर अकलकरा समदशोष जीरे हरद दारुहरद आवरे पीपरि केसरि जाइफल जाइपत्री अजमोद जटामासी सोंठि तालमाषने
एसव अधेला अधेलाभरिलेइवाटिचूर्णकरै सवतेआधीभांग सवकीवरावरषाड घीउटका आठभरि एकत्रपागकरैमात्राषवेकीटकाएक
भरि पुष्टिहोइवीर्यस्तंभहोइवाजीकरणहोइ ॥अथकूष्मांडपाकः॥ कुम्हडाटका१००।उसेरलेइकतराकरिकै वोटिपिठीकरैतव
सोंठि मरिच पीपरि अकलकरा जीर लाइची तज पत्रज नागकेसरि हरर वहेरे आवरे स्यामसकीजर गगेरवाकीजर सहदेई सतावरि
तालीस मेथी निसोत वडीदंतीमकीजर गजपीपरि तालखुषारेकेवीजा तिल दाष गुरखुरू मोथा चव असगंध चिरोंजी करैछकेवीजा
कपूर जांठ वंसलोचना पीपरि कमलकीजर लौग सैमरकीजर भांग कंकोल मरिच जाइफल जाइपत्री विलाईकंद समदसोष मूसरी सि
घारे एसव अधेला अधेलाभरिवांटिचूर्णकरै घीउटकासोराभरि अभ्रकटकाएकभरषाउटकापचासभरि एकत्रपागकरैषाइ।१ पुष्टहोइकामोदीपन
होइमंदाग्निजाइ राजजक्ष्माअम्लपित्तपांडुस्वासरक्तपित्तप्रमेहवलीपलितदूरिहोइ ॥अथकरैछपाकः॥ करैछकेवीजा१६।चूर्णकरिकै दूध२०।
मारीकेवासनमेमेदइआचैमेपचावैजवगाढोहोइतव घीउ४ षाउ३२ जाइफल जाइपत्री कंकोल मरिच नागकेसरि लौग अजमोद अकलकरा समद
३ सोष सोंठि मरिच पीपरि लाइची तज पत्रज केसर प्रियंगु गजपीपरि अधेला अधेलाभरिवांटिचूर्णकरै सवएकत्रकरिपागकरैषाइ।१ प्रमेहजाइक्षी
णताजाइमूत्रकृच्छपथरीगुल्मसूलजाइस्त्रीपुष्टिहोइगर्भहोइरक्तविकारजाइ पुरुषवाजीकरनहोइवलहोइकामवढेनेत्ररोगजाइ ॥अथपिप्पलीपा

उ॰ पीपरि १६। दूध ६४। भरेमैपचावै घीउ३२गारकैषाउ चिनी टकाउ३२ लोहेकीकराहीमैऔटै जव पागसोहोइतवआसदे चूर्णकरिडारै लाइ
ची तज पत्रज लौंग जटामासी सोंठिपीपरि मोथा चंदन मरिच कपूर जाइपत्री केसरि जावि तिल वंग लोह अभ्रक तोमा सव टकाटकाभरिले
इ मधु४। एकत्रमिलाइदेइषाइ। अथवा षोरोजेसोवलहोइतेसोषाइ पुष्टिहोइ रुचिहोइ वलहोइ नेत्ररोगजाइ वीर्यवढै छर्दिमूर्छाभ्रमदाहत
ष्णाजाइ तेजहोइसुक्रहोइप्रमेहवीसभांतिकेजाइ वातजाइ अष्टज्वरजाइ अपाद शकुहजाइ वालकेकोस्त्रीकोंजोपचै ॥ अथरंजनं॥
तजादौदेहरंजनं ॥ हररलोध नीमकेपान सहपर्णी दरिमाकेवकला सवपानीमैवांटिदेहमैलेपकरैसरीरदुर्गंधजाइ ॥ अन्य॥ अन्यं॥
हरर चंदन मोथा नागकेसर उरई लोधकूट आंवरे समलेइ पानीमैवांटिदेहमैलेपकरैपसीनादुर्गंधदूरिहोइ ॥अन्य॥ हरर वेलकीजर द
मलीकेफल करंजकेवीज पानीमैवांटि गरमीकेदिननमै देहलेपकरैअंगदुर्गंधजाइ ॥अन्य॥ कदमकेपान लोधकोहाकेफूल एकत्रवांटि
देहलेपनकरैदेहकीदुर्गंधजाइ अन्य॥ चंदन उरई कदमकेपत्र वहेरेकीविजी वेरकीविजी अगर घीसिकेसरीरमैलेपकरै स्त्रीअथपुरुषदे
हकीदुर्गंधदूरिहोइ ॥अन्य॥ दरिमाकेवकला जावि मधु लोध कमल नीमकेपान पानीमैपीसिस्त्रीसरीरमैलेपकरैउष्णकालमै पसीनादुर्गंधदू
रिहोइ ॥अन्य॥ केसरि उरई सिरसकीछाल लोध एकत्रचूर्णकरिअंगमैलेपकरैग्रीषमरितुमैपसीनादेहकीदुर्गंधदूरिहोइ ॥अन्य॥ लाइची कपूर
पत्रक चंदन हररमोथा पानीमैवांटिअंगमैलेपकरैदुर्गंधजाइ ॥अथसौगंधकरणं॥ लाईची मोथा नष आमकेपत्र पत्रक एकत्रवांटिमू
डमैवारनमैलगाइकै स्नानकरैसुगंधहोइ ॥अन्य॥ केसर मोथा उरई हरर पानीमैवांटिकैमूडमैलगाइकै स्नानकरैसुगंधहोइ॥ अ
न्य॥ हरर आंवरे जामुनकेपान मोथा जटामासी पानीमैवांटिलेपकरैस्नानकरैसुगंधहोइ ॥अथकेसरंजनं॥ त्रिफला [illegible] लोहेकोरतन सा०
१०४

लील घमरा एकत्रचूर्णकरिछेरीकेमूतमैघोटैदिन १वारनमैलगावैवारस्यातहोइ ॥अन्य॥ गुगचीफलकोचूर्ण कूट लाइची देवदारु स
मलेइ घमराकेरससे एकदिनघोटै सवचूर्णतिलोंतेलमैमंद आंचसे पचावेतेलछानिकेवारनमैलगावैघनेहोइस्याहहोइ ॥अन्य॥ त्रि
ष फला लोहचूर्ण ऊंकोरस घमराकोरस कारीमाटी एकत्रवासनमैधरिकै एकमहीनाभरिगाडिराषै फेरिवारनमैलगावैचारिमहीनालोवारका
रेरहै ॥अन्य॥ लोहचूर्ण डुपहरियाकेफूल आंवरे एकत्रपानीमैपीसिवारनमैलेपकरैदिन ३ दोमहिनालोवारस्याहरहै ॥अन्य॥ घमराकै
रस १६। कारेतिलकोतेल १६ लीलकोरस १६। एकत्रएकपहरघोटैवारनमैलगावैवारस्याहहोइ ॥अन्य॥ त्रिफला लोहेकोचूर्ण पानीमैवांटि
कैदोउकीवरावरतेलमैपचावैमंदआंचसे तेलकीवरावरघमराकोरसपचावैचीकनेवासनमैधरिकैमुहमूदिकैधर्तीमैगाडिराषैमहीनाएकत
वनिकासिकैवारनमैलगावैऊपरकेरकेपानलपेटैकपरासेवांधिराषैवहरनलगैनिर्वातस्थलमैरहैदूध पियेत्रिफलाकेजलसैनित्यधोवैतवऔ
रलगावैसातदिनएहीप्रकारकरैअरुदूधपियेसातदिनमैकेसरंजनहोइवहुतदिनलोवारस्याहरहै ॥अन्य॥ भैंसकेसींगमैकारेजीरेभरिकैकी
चमैडारिराषैमहीना१फेरिअधेलाभरिजीरेनिकासिकैवांटिकैमूडमैवारनमैलगावैवारस्याहहोइ ॥अन्य॥ लील सेंधोनोन पीपरि घृत डुप
हरियाकेफूल एकत्रवारनमैलेपकरैमहीनाएककेसरंजनहोइ ॥अन्य॥ आमकेफूल छोटेफल पिंडारू लील तिलकेतेलमैपचावैवारस्याह
होइ ॥अन्य॥ हरदासनकेवीजातेलमैलगावैरोजवारस्याहहोइ ॥अन्य॥ आंवरेतीनभाग हरर दोभाग वहेरेएकभाग आमकीगोठीएकभाग
न लोहेकोचूर्णएकभाग एकत्रलोहेकेवासनमैपीसिकैपानीमैधरिराषैलोहेकेवासनमैरातिभरिधरैरहैतवलगावैवारस्याहहोइ ॥अन्य॥ त्रिफ
ला लीलकेपान लोह घमरा एकत्रछेरीकेमूतमैलेपकरैवारस्याहहोइ ॥अन्य॥ त्रिफला लोहचूर्ण दरिमाकेवकलापांचपांचटंकभरिलेइ

चूर्णकरि घमराकौरसरकार्ध्दीभरेमै घोरिकैलोहकेवासनमधरिकैधरिकैधरतीमैगाडिरापैमहीना१पाछेनिकासिकेछेरीके दूइ
धमैलगावैवारनमेंरातिकैअरुखंडकेपातलपेऊपरतेकपरोकेबांधेप्रातःखानकरेवारधोइडारेएहीप्रकारतीनदिनकरेवारस्याहहोइ ॥ अ
न्य॥ पूहरके
घकेपसुलीकरतो॥ हररे पूहरकेदूधमैभिजेराषैदिन ७तबवाटिचूरणकरितेलमैमिलावैवारनमैलावैसुपतवारहोइ॥अन्य॥ पूहरके
दूधमैसतैतीलीभिजेराखैवाटिलेपकरैवारसुपेतहोइ ॥अन्य॥ गोरोचन तिल चूर्णकरिथूहरकेदूधमैसातभावनादेरवाटिलेपकरैवारसेतहोइ
॥अथान्य॥ सतावरि तिल गोरोचन कोवाटोटी एकत्रबांटिपानीमैवारनमैलगावैवारसेतहोइ ॥अथकेसस्यजन्कादिनिवारण॥ गाइकेमूत्र
मैवचवांटिलेपकरैजुंवाइरिहोइ ॥अन्य॥ पारो कारधतूरकेरससैघोटिकपरामैलपकरेसोकपरामूडमैलपेटेतीनपहररहनदेजुंवातिरि
जाइ ॥अन्य॥ हरद दारुहरद एकत्रबाटिनिन्नूमैलपकरे ॥अन्य॥ कमलगटा तिल जाडे सरसो नागकेसरि हरद गंधक गोमूत्र विडंग स
रसोकोतेल आवरे एकत्रवाखिवारनमैलगावैजुंवाजाइ ॥अन्य॥ वेलकीजर गोमूत्रमैवाटिलेपकरेजुंवाजाइ ॥अथइंद्रलुप्तनिवारणांइंद्रलु
प्तमैवारगिरिजातहैं॥ गुगचीकेफूल मधुएकत्र लपकरेमूडमैवा रहोइ अरुवडेहोइगिरिवेतेवचे ॥अन्य॥ हाथीकोदांतवाटिकेरसोत
छेरीकेदूधमैवाटिलेपकरैवारहोइआवै ॥अन्य॥ चमेलीकेफूल पान जर गोमूत्रमैवाटिलेपकरैकेशहहलोइदिन७॥अन्य॥ सिंघार
त्रिफला घमरा कमलगटा लोहचूर्ण समलेइ वाटिचूर्णकरे चौगुनेतेलमैपचावैवारहल्लोइसरलहोइ ॥अन्य॥ भिलमा कटाई गुगची
कीजर मधुसैलेपकरैवायुइंद्रलुप्तजाइ ॥अन्य॥ भिलमा कोरतिल कटाईकेफूल समलेइ वाउरनकेधोवनसैपीसिलेपकरैइंद्रलुप्तजाइ
॥अन्य॥ डुपहरीकेफूलकारीगोकेमूत्रसैलेपकरै ॥अन्य॥ तिलकेफूल गुरषुरू गाइकेघीउमैपीसिसातदिनलेपकरैवारदीघहोइ सा०
१०५

अन्य॥ सेमरकीजर मसरी कमलकीजर दूधमैवाटिमूडमुडाइकैलेपकरैसातदिनमैरंजनहोइ ॥अन्य॥ केपेपरवरकेपानकोर
सलेपकरैदिन३इंद्रलुप्तजाइ ॥अन्य॥ कटाईकोरस मधुलेपकरेइंद्रलुप्तजाइ॥ अन्य॥ गुगचीकीजर अथवाफललेपकरे अथवा
भिलमाकोरसलेपकरेइंद्रलुप्तजाइ ॥अन्य॥ गुरषुरू॥ तिलकेफूल मधु घीउ समलेइसिरमैलेपकरैकेशवढै ॥अन्य॥ जाठे क
मल दाष तेल घीउ दूध एकत्रलेपकरैवार दृढहोइघनेहोइइंद्रलुप्तजाइ ॥अथदारुण॥ दारुणारोगशिरमैहोतहै॥ चिरौजी जाठे कूट
उद सैधो एकत्रमाथेमैलेपकरैमधुसंयुक्तदारुणजाइ ॥अन्य॥ षाषसदोने दूधमैवाटिलेपकरैदारुणजाइ ॥अन्य॥ आमकीगोही
हरर चूर्णकरि दूधमैपीसेसिरलेपकरै [illegible] दारुनजाइ॥ ॥अथस्त्रीरोगचिकित्सा॥ तत्रसूतिकारोगलक्षणचिकित्सा॥ जोस्त्री ल
रकाभयेउपरांतप्रवातादिकअहितसेवनकरैअरदोषकोपजनकअन्नषाइविषमभोजनकरैतेअजीर्णभोजनतेरतनेरोगहोतहैं ॥ अं
गमर्दज्वर कंप पिपासा देहगरूई शोथ शूल अतीसार रनमैजोपहिलेहोइसोरोगकहावै अरुरोगकेभयपाछैजोहोइसोउपद्रवकहावै
अरुहायपाउहृदयकंठविषैपसीनावहुतहोइ आक्षेपक अपतंत्रकएवातव्याधहोतहैताकीचिकित्सा ॥अथसुवर्णपर्पटीरस॥
सोनैमारोतोलाएक अथवासोनेकीजगासोनामाषीमारीतोलाएक सोनैतैसोनामाषीउत्तमहै हरतालकोमारोरूपोतोलाएक तांबोमा
रोतोलाएक अभ्रकमारोतोलाएक स्वयमग्निलोहभस्मतोलाएक चंद्रोदयउत्तमतोलाएक छोटेमोतीतोलाएक गंधकशुद्धतोलादोइ
सवएकत्रकरिकेपहरभरिसषोघोटै तेहिउपरांतकेराकीजरकेरससैदिनतीनघोटै सेमरकेमूसराकेकाढेसैदोदिनघोटै गुवारिकेरससै
दोदिनघोटै तवयहसुवर्णपर्पटीरससिद्धहोइ दोरतीस्वर्णपर्पटीरस दोपीपरिकोचूर्णमिलाइकेमधुसैषाइप्रातःकालप्रसूतिरोग

सार सं०
१०६

हूरिहोइ यह सुवर्णपर्पटीरससे प्रसूताको ज्वर प्रसूताको अंगमर्दनै प्रसूताको वातव्याध प्रसूताको पियास प्रसूताकी देहकी सिरकी गुरु
ता प्रसूताको वातकफ जे हैं व्याधि ते सब दूरि होइ प्रसूताके अतिस्वेदपर बहुत चलत है प्रसूताके शीतपर प्रसूताके थकधकीपर प्रसूताके
हाथ पाउ की ऐंठनिपर प्रसूताके हाथ पाउके स्वेदपर प्रसूताके उन्मादपर बहुत चलत है प्रसूताको कल्लाजो शीतसे जो वे हो जाइ तो तिहिपर बहुत
चलत है दो रत्ती भरि स्वर्णपर्पटीरस दो मासे रसोतको चूर्ण मिलाइकै मधुसे चाटि जाइ इह भांति मही ना दो सेवन करै रक्तप्रदर दूरि होइ औ रसो
तके साथ न पाइ तो चंदन लोध फूल प्रियंग दाख बराबर लेइ कूटि कपरछानि करै चारि मासे भरि चूर्ण ले इ दो रत्ती स्वर्णपर्पटीरस मिलाइकै घार
मधुसे रक्तप्रदर दूरि होइ अथवा मालनी वसंतरससे रक्तप्रदर जात है बोलबद्धरससे रक्तप्रदर जात है अथवा रक्तारि रससे रक्तप्रदर दूरि होइ
अथ सौभाग्य सुंठी सूतिकारोगे ॥ सोंठि टका आठ भरि घीउ टका बीस भरि दूध टका चौसठ भरि खांड चार टका भरि सौफ जीरे सोंठि मरिच पी
परि तज पत्रज लाइची अजवाइन अजमोद चर्व चितउर मोथा टका टका भरि अभ्रक लोहभस्म तीन टका भरि सौनो रूपो एक एक पाग करै
चीकने वासन मै धरि राखै जे सो बल होइ ते सो घार टका भरि अथवा पैसा भरि सूतिकारोग जाइ आमवात शूल मंदाग्नि सर्व जाइ ॥ अन्य ॥ धतूरे
के फल तीन ते पीसि कै चौगुनो सरसौंके तेलमै पचावै मंद आंचमै सो तेल लगावै सूतिकरोग जाइ अन्य ॥ कटीली चूहर की अंतर छाल चूर्ण कमि
घार मासे ४ तो प्रसूत वार जाइ घाइ दिन २१ ॥ अथान्य ॥ सिलगिलाय पंछी कौ मांस पैसा १ भरि घाइ दिन ७ मैं तो प्रसूति वार जाइ ॥ अथ जोनि
रोगलक्षणं ॥ योनिरोग बीस भांतिके है उदावर्त्ता वंध्या विप्लुता परिप्लुता वातला लोहिताक्षरा प्रस्रंसिनी वामिनी पुत्रघ्नी पित्तला अत्या
नंदा कर्णिनी अचरणा अतिचरणा श्लेष्मला षंढी अंडिनी विवृता अतिसंवृता त्रिदोषिनी २० ॥ अथ उदावर्त्ता फेनिल रज कहै यो जो

सा०
१०६

निकसै दुखसे उदावर्त्ता कहावै ॥ अथ वंध्या ॥ जे तिय योनिसे रज न निकसै सो वंध्या कहावै ॥ अथ विप्लुता ॥ नित्य ही योनिमै पीडा होइ जै
१ सै कोउ तीसै को चाकै सो विप्लुता ॥ अथ परिप्लुता ॥ जब मैथुन करै तब योनिमे पीडा बहुत होइ अरु कहूं यह कही है के जब मैथुन करै तब र
घा बहुत होइ सो परिप्लुता कहावै ॥ अथ वातला ॥ वातलामै वायुको प्रादुर्भाव बहुत होत है तेहि ते वातला योनि कर्कश होत है स्तब्ध होत है पीडाव
हुत होत है अरु यो चामार तह एपांच योनिरोग वातके कोपते होत है उदावर्त्ता वंध्या विप्लुता परिप्लुता इन चारउ विषे वारकी वेदना होत है वातला
मै इन चारिउसे वारकी पीडा अधिक होत है ५ पित्तके कोपते योनिरोग पांच प्रकार के है ॥ लोहिताक्षरा प्रस्रंसिनी वामिनी पुत्रघ्नी पित्तला ५
लो अथ लोहिताक्षरा ॥ जे तिय योनिते दाहपूर्वक रुहिर निकसै सो लोहिताक्षरा अरु कहूं लोहिताक्षया पाठ है दाहपूर्वक जे रक्त लोहू की क्षय होइ
सो लोहिताक्षया इहि मा मूर्ख वैद्य कहत प्रदरकी संज्ञा होत है ॥ काहेते पित्तके प्रदरमै दाह होत है अरु एहू मै दाह होत है परंतु पित्तके प्रदरमै लोहू पीत
वरन होत है नील वरण होत है स्याह वरण होत है लोहिताक्षरामै केवल लाल होत है इतनो भेद अरु पित्तके प्रदरमै लोहू वार वार निकसत है
इहि लोहिताक्षरामै लोहू एकैवार बहुत निकसत है लोहिताक्षरा प्रदरकी चिकित्सासै नीको ना होत इहिकी चिकित्सा औरहै ॥ अथ प्रस्रंसिनी ॥
जो योनि अपने ठिकानेसे निकसि परै दाबसे कदाचित गर्भ रहै तो बडे मुसकिलसे निकसै ॥ अथ वामिनी ॥ जे रमइसे रक्तसंयुक्त शुक्र निकसे वायुक
रिकै सो वामिनी ॥ अथ पुत्रघ्नी ॥ जब गर्भ रहै तब लोहूकी स्राव होइ रहै गर्भ लोहूके स्रावसे हरि होइ रजाइ जे तिय योनिरोगमै सो पुत्रघ्नी कहावै ॥
लोहिताक्षरा प्रस्रंसिनी वामिनी पुत्रघ्नी इन चारिउ विषै पित्तके लक्षनको आधिक्य होत है दाह पाक ज्वर नील पीत स्याह रक्त एलक्ष सा पित्त

के अरुपित्त लामैरनचारउत्तैवहुतपित्तके लक्षरा कौ आधिक्यहोतहै ॥ अथपित्तला ॥ जेहयोनिमैं अत्यंतदाह पाक ज्वर नीलपीतस्याह
औसोरक्त होइसोपित्तला कहावे ५ कफतैपाच योनिरोगहोतहै अत्यानंदा कर्णिरणी अचरणा अतिचरणा श्लेष्मला ५ अथअत्यानंदा ॥
जोमैथुनकरिकेसंतोषन पावैसो अत्यानंदाकहावे ॥ अथकर्णिनी ॥ जेहिके योनिविषैकफ अरु लोहूसेमांसग्रंथिहोइ कर्णिका कमल
के फूलकेभीतरजोफलसीहोतहैतेहकी आकारमांसकी वोटीहोइ जेहयोनिमैंसो कर्णिनीकहावे ॥ अथअचरणा ॥ पुरुषतैंमैथुनना
हीकरैविनमैथुनेअपनेवीर्यकहुगिराइदेइ अचरणामेजोविनमैथुनस्त्रीकोवीर्यगिरततेहतेहकोकारणयहहैकेकफसेयोनिमें
खजुरीवहुतहोतहै खजुआएसैवीर्य गिरिपरतहैविनमैथुन ॥ अथअतिचरणा ॥ जेहयोनिविषैवारंवारमैथुनकरैतो [illegible] नन्दहरे वीर्य
अरु अतिचरणामेवारंवारमैथुनवहुतप्रियहोतहै अचरणामैवीर्यविनमैथुनेगिरतहै अरुवारंवारमैथुनेसेगिरतहै अरुअतिचर
णामेविनमैथुनरजनाहीगिरतहै केवलमैथुनेसेगिरतहै परंतुखजुरी इनोमरहोतहै ॥ अथश्लेष्मला ॥ जोयोनिपिच्छिलहोइ अरु
खुजाइ अरु अतिशीतलहोइ अत्यानंदा कर्णिनी अचरणा अतिचरणा इनचारिउविषैकफकेलक्षणावहुतमिलैअरु श्लेष्मलायोनि
मैइनचारिउतैअधिकीकफकेलक्षणहोतहै पांचयोनिरोगऔरहै खंडी अंडिनी विवृता अतिसंवृता त्रिदोषनी ५ अथखंडी ॥ जेहयो
निसेरजनाहिनिकसे अरुवहस्त्रीकेस्तननिपटछोटेहोइ अरुमैथुनमैयोनिविषैस्पर्शहोइकोर्थःकरवरीहोइसो खंढीकहावे औसी योनिवाला
कीहोतहै ॥ अथअंडिनी ॥ जोयोनिदीर्घलिंगपुरुषकरिकेग्रहीतहोसोअंडिनीकहावे अंडकीनांईवाहिरनिकसीहोइदीर्घलिंग रा०
पुरुषकेसंवंधसेऔसीयोनिनवोढातरुणीकीहोतहै ॥ अथविवृता ॥ जेहयोनिकोछेदवहुतवडोहोइसोविवृताकहावे ॥ अथसं १०७

वृता ॥ सूज केछेदकीनांई जेहियोनिकोछेदसंकीर्णहोइ सोअतिसंवृताकहावे ॥ अथत्रिदोषिनी ॥ जेहिमैसवदोषकेलक्षणहोइसोत्रि
दोषिनी खंढी अंडिनी विवृता अतिसंवृता इनचारिउविषैतीनउदोषकेलक्षणहोतहै त्रिदोषिनीमैवहुतोतीनउदोषकेलक्षणमिलत
है एपाचौ त्रिदोषजनितजोनिरोगअसाध्यहै ॥ इतियोनिरोगः ॥ अथयोनिरोगाणांचिकित्सा ॥ तोलाभरिरूपोमारो तांमोमारोतोलायक
इनोकहएकपहरघोटे तोलाभरिसुहागंधकलेइ तेहकहरताएकितिलकेतेलमेलोहेकीकरछुलीमैपिघलावे तवरूपोअरुतांमोमिलावे
लकरीसेछनएकचलावेतवतैरगोवरतेहिकेउपरकेराकोपात्ततेहपातपरकरछुलीमैजोऔषदहैसोडारिकैफैलाइकेतेहकेउपरदूसरोकेरा
कोपातधरैतेहपरफेरिगोवरधरैछनएकरहनदेइपाछेनिकासिलेइलन्तासेतेलपोछिकेपीसिकेधरिराखैचारिरतीतोलकेमधघीउसेखाइव
इतदिनकेसेवनसवरोगयोनिदूरिहोइ ॥ अन्ययोनिरोगाणांचिकित्सा ॥ तेहिमैएकश्लेष्मलायोनिरोगहै ॥ श्लेष्मलायोनिमेयोनि
केभीतरखजुरीवहुतहोतहै तेहिकीचिकित्सा ॥ गुरिच आवरे हरर वहेरे वडोदंतीनकीजर आधआधपाउ सवएकत्रकूटिकेआठसेरपा
नीमेऔटावे जवसेरभरपानीरहैतवछानिकैकरवामैडारैकुनकुनोपानीकोतरराखैयोनिमेदेइकरवाकीटोटीहोइके योनिकीखजुरीदूरिहो
इ सातदिनएहीभांतिकरै अथवामुरगीकेअंडाकेभीतरकौपीरोपानीयोनिमैलगावैयोनिकीखजुरीदूरिहोइ ॥ अत्यानंदा ॥ कर्णिनी अचरणा
अतिचरणा एजेहैचारिउकफजन्ययोनिरोगतेहमहखजुरीहोतहैतेहीकोउपायएहीहै लोहिताक्षरा प्रस्रंसिनी वामिनी पुत्रघ्नी पित्तला
एहजेहैपाचौ पित्तजन्ययोनिरोगतेहमहदाहवहुतहोतहै ॥ तिन्हिकीचिकित्सा ॥ पित्तजन्यजेहैपाचौयोनिरोगतेहिकेहरिकरिवेनिमित्त शीत
लसेक शीतलअभ्यंग अरुशीतलफाहा एजेहैपित्तहरचिकित्सासोकरै अरुस्नेहनकेनिमित्तघीउलगावै अरुपित्तजन्ययोनिरोगमे

श्री१

सा०सं० १०८ एकप्रसंसियोनिरोगहैप्रस्रंसिनीमैयोनिमैयोनिअपनेठिकानेसेनिकसिपरतहैतेहकहयोउसेमर्दनकरेफेरिदूधकेवफारसेसेकेअरअगरीसे

दाविकैभीतरपैठारदेइतेहिकेऊपरवेसवारवांधेजेतितेफेरिननिकसे सोठि मरिचपीपरिधना जीरे अनारकेफूल पीपरामूर एसवकूटिकेपानीसे

पीसिकेएककलुगदीवनावे इहिकैनामवेसवार यहगरमागरमयोनिपरराषिकेउपरगदीदेरकेवांधेतोप्रस्रंसिनीनीकोहोइ अरदाहकेदूरिकरिवे

दोषे सूध रि निमित्त आवरेकोरसमिश्रीडारिकेपिआवेयोनिदाहदूरिहोइ अरत्रिफलाकेपानीसेसौवेसतधौतघृतकोलेपअभ्यंगकरे चंदनादितेलमेलत्तावो

रिकेवहफोहायोनिकेभीतरराषै अथवाचंदनकपूरपानीसेगरिकेलत्तामेलगाइकेतेहकोफोहायोनिकेभीतरराषेयोनिदाहसवदूरिहोइ वा

तजन्यजेहेपाचयोनिरोग उदावर्ता वंध्या विप्लुता परिप्लुता वातला इनविषेपीड़ावहुततहोतहै तेहिकीचिकित्सा॥ तगरकटाईकूठ सेधोनोन

देवदार दोदोपैसाभरिलेइकूटिकेएकदिनपानीमेभिजैराषैविहानेसिलमेपीसिकेपिठीकरेदोसेरपानीमेघोरिकेवहपिठीसेरभरितिलकेतेलमेडा

रे धीमीआंचसेदिनदोइमेतेलपचाइलेइतेलछानिकेतेलमेलत्तावोरिकेयोनिमेराषै वातजन्ययोनिकीपीड़ाइहिरिहोइ ॥इतियोनिरोगकेदूटाह

वेदनाकोचिकित्सा॥ अथअवसिष्टानांयोनिरोगानांचिकित्सा॥ तत्रप्रथमंवंध्यायाश्चिकित्सा॥ वंध्यावहकहावेजेतिकेऋतुनहोइ अ

रक्त रुहोइतोला पिकाहोइजोऋतुनहोइतोवाफकहावे वाफकेआर्तवनाहींनिकसततिहिकेनिकसिवेकेलानेदनऔषदनकोसेवनकरेम

छरीराधिकेनित्यषाइतोऋतुआवे अथवाकोजीकेनराषाइ अथवातिलषाइ उरदषाइ अथवाबहदहीषाइजेहिमे आधोपानीहोइ मा

लकागुनीकेपातअधेलाभरिराई अधेलाभरि वचअधेलाभरि वीजेकेसारअधेलाभरिमिरीकूटिकेतीनभागकरे ठंढे गारकेदूधसेपी

सिकेपिअैतीनदिनआर्तवजोवंदभयोहोइसोनिकसिपरे अथवाएकपरसुरगीको अरएकफलवंदालकोभिजैवे परकीनोकवंदालके रा० १०८

फलमेपहिरावे परकेवारदूरिकरे अरवंदालकेफलकेकांटेरगरिकेदूरिकरे पाचफेरीसूतसेवंदालकोफलसूंदे पहिलेएकफेरीसूतसेमूंदेएहीभां

तिचारिफेरीसूतोऔरलपेटे वंदालकोफल परकेफुनगासेनिकसिनपरेतेहीवासेसूतोवांधतहै ऊपरसेतीनआगुरताई तरेसुतवाकीषरीसेलपे

टेदोआगुरपरतेरेवांकीरहे वंदालकीतरफजोनिमेलगावे आठपहरलगेरहनदेइप्रातःकालदूरिकरे विहानेकीवत्तीसाफलोलगीरहनदेइ अ

रसाफकीवत्तीविहानेलोलगीरहनदेइ इहिभांतिआठपहरमेदोवत्तीदेइ जोदोवत्तीसेलोहूछूटेतो औरवत्तीनदेइ जोलोहूनछूटेतोदोवत्तीऔ

रचलावे चारवत्तीमेकामहोतहै जोवत्तीकेदीन्हेसेयोनिमेसूजनहोइकटियीड़ाहोइगरमीहोइतोकछूचिंतानकरे यहवत्तीयोनिदेहीहोइतोसूधी

करेसूलकहनलकीपीडाकहथकथकीकहदूरिकरे अरऋतुजोवंदभईहोइतेहकहषोलिदेइ अरयहवत्तीचारमहीनाकेगर्भकोगिरावेजह

लोहूछूटतहागर्भअवसकेसीरे ॥अन्य॥ करईतुमरियाकेवीज वडीदन्तीनिकीजरकोवकला पीपरिगुडमेनकर मूराकेवीजा जवाषारस

ववरावरलेइ थूहरकेदूधसेपीसिकेवात्तीकरेघाममेसुषाइकेघरीचारिवत्तीयोनिमेराषै आर्तवजोवंदहैसोनिकसे अरआर्तवकेनिकसेउपरा

क तजेहगर्भनरहेतेहको औरउपायहै पुष्यनक्षत्रमेलक्ष्मनाकीजरउषारेगाइकेदूधसेकन्यासेपिसावे अरुउपरांतचौथेदिनपिअैतोगर्भ

रहैवदाहोइयहवातझूठीनाही ॥अन्यप्रकार॥ पारसपीपरकोफूलएक जीरछदामभरि सुपेतफूलकोसरफोकाछदामभरि सवपानीमेपीसिके

पिअैतोगर्भरहैवेटाहोइसत्यहै ॥अथान्यवंध्याकरण॥ जोस्त्रीचाहेगर्भनरहैतोडुपहरियाकेफूल आरनालसेपीसिकेषाइअरुपुराने

गुड़कीभेलीरोटीसेषाइतेहिगर्भनरहे आरनालधान्याम्लकहकहतहै चाउरकोमांडअथवाकोदईकोमांडवहुतदिनएकवासनमेरा

षेजवषाटोहोइसोधान्याम्लकहावे ॥अथउदावर्तादीनांचतुर्णांचिकित्सा॥ उदावर्ता विप्लुता परिप्लुता वातला तिनविषेसनेहादिक

सारसं० १०९ करिकै चिकित्सा करै अरु उत्तरवस्तिदेइ अरवात घृत लेसैमर्दनकरै अरवात धूमकादेकै तरराई अरवात घृ लेपकरै अरवात धूमको
हादेइ इनआदिकरियोनिरोग विशेषदूरिले त्तिलन करै तिल चाउर डारिकै षिचरीवनावै वहषिचरीमैघीउ वहुतडारै कछुक गरमषार चा
टिपैसाभरिचाउरतैहिमैआठपैसाभरितिलडारिकैडारे वह तरपैसाभरिपानीमेरौधेयह षिचरीन वहुत गाढीहोइ न वहुत पतरी होइ सोषार
मू अरु मूंगकीदार अरु चाउर वरावर लेर तेहकी करै अथवा उरदकीदार अरु चाउर वरावर लेइतेहू।कीहोतहै छैगुनैपानीमेरांधैसे परंतु वात
जोन्य यो निरोगविषेलेलहैकर्मके निमित्त तिल अरु चाउरकी षीचरी उत्तमहै तिल चाउरकी षीचरी मैछैपैसा भरिघीउडारिकै गरमागरमषाइ
यह षिचरी लेलहनदेवारसेजो कोहारूक्ष होइ तेतलिकैरूक्षताकरइहरिकरै वाल दइ कृश तृस क्षीरा रक्त क्षीरा शुक्र वातार्त तिमिरार्त इनक
हरलेहनगुन करतहै ॥ इतियोनिरोग चिकित्सा ॥ अथ वंध्या प्रयोग ॥ तत्र प्रथम तो जन्म वंध्या चिकित्सा ॥ अैतवारकी सर्पाक्षीलेइ
जर पालेसमेत कुमारीगाइकेदूधमैकन्याकेहाथपिसावै ऋतुकेचौथेदिन पिअैपैसा एक भरि सात दिन एही भांतिपिअै अरु दूध भात मूंगकीदार षा
इलघुअहारकरै सात दिन एही भांतिपथ्य करै उद्वेग भयसोकन करैदिनके सोवैन नकछु कामकरैजाडेनसहै घामैन सहै पतिके प्रसंग सौगर्भ
रहैपुत्रहोइ ॥ अन्य ॥ रुद्राक्ष एक सर्पाक्षी अधेलाभरि एकवर्णीगाइकेदूधमैकन्यासेपिसावै ऋतुकेचौथेदिनपिअैदिन ७ लौ अरु पतिलप
थ्यकरि आएहैतेहीभांतिपथ्यकरैगर्भरहैपुत्रहोइ ॥ अन्य ॥ सरफौकाकीजर अधेलाभरिसीतलजलमैवांटिपिअै ऋतुकेचौथेदिनतेदिन ७
पथ्यसवओषदनकौयकैहैजैसोप्रथमकहोहैतैसोकरैगर्भरहै ॥ अन्य ॥ पुष्यनक्षत्र आदितवारहोइ तव सहदेईजरपालेसमेत लेइ
मौथा प्रियंगु वेरकीवीजी दाषमधुसम लेइ एकवर्नकी अधेलाभरि चाउरकेधोवनसेपिअै ऋतुकेउपरांत दिनसात अरुपथ्यकरैवं रा० १०९

मोर ध्यापुत्रवतीहोइ ॥ अन्य ॥ सहदेई पुष्यार्कसिद्धयोगमैलेइ अरु येड ध्यायामैसुषैकैचूर्णकरैएकवर्णीगाइकेदूधमैपिअै अधेलाभरि ऋतुकेउपरां
तदिनसात अरुपथ्यसोरहैवंध्यागर्भवतीहोइ ॥ अन्य ॥ सिवाकीजर लक्ष्मनाकीजर एकवर्णीगाइकेदूधमैपिअैदिन ३ अधेला अधेलाभ
र ऋतुकेउपरांत भारीवस्तुनषाइ पथ्यसोरहैपुत्रहोइ ॥ अन्य ॥ पीपरिकेसरसोठ मोथा मरिच समलेइगाइकेघीउमैपिअै ऋतुउपरांतवंध्यापुत्र
वतीहोइ ॥ अन्य ॥ असगंधकौ काढो करै दूध घीउडारिकैपियैजे हि दिन स्नानकरैतेहिदिनरातिकैपिअैपुरुषकेप्रसंगतेगर्भरहैपथ्यकरै ॥ अन्य ॥ पुष्या
र्कजोगमैलक्ष्मनाकीजरलेइ एकवर्नीगाइकेदूधमैपिअै ऋतुउपरांततौपुत्रहोइपथ्यकरै ॥ अन्य ॥ कुंदकीजर घीउसेपीसि ऋतुकेचौथेदिनषावै
ध्यागर्भवतीहोइ ९ ॥ अन्य ॥ पुष्यनक्षत्रमैलक्ष्मणालेइ चूर्णकरिपुरुषकेहाथपिसावैघीउसेपिअै अरु दूधभातषाइपुरुषसेप्रसंगकरै वंध्यागर्भ
वतीहोइसत्यहै ॥ अन्य ॥ विष्णुक्रांताकीजर वछातरेजोगाइहोतेहैकेदूधमैवांटिपिअैजेहिदिनस्नानकरैतेहिदिनपिअैगर्भवतीहोइ ॥ अन्य ॥
नागकेसकौ चूर्ण ।१२ नवीन गाइकेदूधमैपिअैदिन ७ दूधभात घीउभोजनकरैवंध्यागर्भवतीहोइ ॥ अन्य ॥ पतजिआकोपत्र एकदूधमैवांटिपि
अै ऋतुकेउपरांतवंध्यागर्भवतीहोइपुरुषप्रसंगतें ॥ अन्य ॥ पतजिआकीजर एकवर्णीगाइकेदूधमैपिअै स्नानकरैतववंध्यापुत्रवतीहोइ ॥ अ
न्य ॥ काकोली लक्ष्मणाकीजर साठीधानकेचाउर एकवर्णीगाइकेदूधमैपिअैवंध्या ऋतुकेउपरांतपुरुषप्रसंगकरैगर्भवतीहोइ ॥ अन्य ॥ अ
श्विनीनक्षत्रमैपीपरकोवांदौ लेइगाइकेदूधमैपिअैवंध्यापुत्रवतीहोइ १५ ॥ अन्य ॥ कदमकौपत्र सेतकदाईकीजर समलेइ छेरीकेदूधमैवांटिपिअै
तीनरातिअथवापांचरातिऋतुकेउपरांतपिअैगर्भरहैवंध्याकैपुत्रहोइसही ॥ अन्य ॥ गुरखुरूकेवीजा निर्गुंडीकेरसमैपिअैदिन ३ अथवा
वती दिन ७ वंध्यापुत्रहोइ ॥ अथान्य ॥ सिवलिंगीकोफ लएकमैएकवीजाहोइसो ऋतुकेअंतमैलीलजाइ वंध्याकैपुत्रहोइ सवओषदकोक्रमयहहै ऋतुस्नानकेदिनतेकरैअरुपथ्यभोजन
॥ अन्य ॥ विजोरेकएकफलमैजेवीजाकढतेसवलेइगाइकेदूधमैपीसिपिअैपुत्रहोइ

करै अरु पुरुष सो प्रसंग करै गर्भ रहै ॥ इति जन्मवंध्याधिकारः ॥ अथ काकवंध्या ॥ ॥ पहिले पुत्र तो ह्याय पीछे वा जो होइ जाइ सो काकवंध्या कहावै ॥ तस्य
चिकित्सा ॥ विष्णुक्रांता जर पाले समेत भैंस के दूध मैं वांटि भैंस के नैनू संयुक्त षाइ ऋतु के चौथे दिन ते सात दिन करै अरु जै सो पथ्य जन्मवंध्या को
कह्यो है ते सो पथ्य करै तो गर्भ रहै ॥ अन्य ॥ पुष्यार्कजोग मै असगंध की जर लेइ भैंस के दूध मै वांटै पैसा एक भरि षाइ दिन सात अरु पथ्य करै काकवंध्या
कै गर्भ रहै पुत्र होइ पुरुष सु संग करै पथ्य करै ॥ अथ मृतवत्सा ॥ जेहि स्त्री के लरका जन्मत ही मरै पंद्रह दिन मै महीना भरे मै वर्ष दिन मै दो वर्ष मै तीन
वर्ष मै मरै सो मृतवत्सा कहावै ॥ तस्योपचार ॥ कृत्तिका नक्षत्र मै पूर्वमुष करि कै वा रूप डोरि न की जर लेइ अधेला भरि पानी मै वांटि ऋतु के उपरांत पिवै
सात दिन तो दीर्घजीवी पुत्र होइ ॥ अन्य ॥ विजौरे की जर दूध मै वाटि चाउर की षीर करै सो पिवै ऋतु के उपरांत दिन सात तो दीर्घजीवी पुत्र होइ ॥ दा
॥ अन्य ॥ मजीठ जाठै कूट त्रिफला षाड स्यामस मेदा की जर काकोली की जर असगंध अजमोद हरद दारूहरद हींग कुटकी कमलगटा सौ
ष चंदन रक्तचंदन अधेला अधेला भरि घीउ सेर आठ का भरि सतावरि कौ रस चौसठ टका भरि दूध चौसठ टका भरि सब औषधै दूध मै वांटि घीउ
मै पचावै सतावरि कौ रस पचावै घीउ छानि लेइ सो घीउ पिवै टका भरि स्त्री पुष्प लेइ पुत्र होइ जाकै लरका मरि जात होइ सो न मरै जेहि कै कन्या होती
होइ तेहि स्त्री कै पुत्र होइ सर्वगुन हूरि होइ लक्ष्मणा की जर ॥ १२ घीउ मै डारै ॥ इति फलघृतं इति मृतवत्साचिकित्सा त्रिविधिवंध्या ॥ गर्भधारणा
धिकारः ॥ अथ गर्भस्रावरक्षा ॥ मजीठ धवरे के फूल लोध कमलगटा जाठै सम लेइ दूध मै वांटि पिवै गर्भ गिरो जात होइ सो न गिरै ॥ अन्य ॥ प्र
थममास गर्भपीडा होइ तो जाठै दाष चंदन रक्तचंदन गाइ के दूध मै वांटि पिवै प्रथममास गर्भपीडा जाइ गर्भ थिर होइ ॥ अन्य ॥ चंदन प
दमाष उरई वारो सीतल पानी मै वांटि दूध मै घोरि पिवै प्रथममास गर्भ [illegible] पीडा जाइ ॥ अथ द्वितीयमासे ॥ पदमाष सिंघारे कसेरुवा सीत रा०
ल पानी मै वांटि दूध मै घोरि पिवै गर्भपीडा जाइ ॥ अथ तृतीयेमासे ॥ तगर पदमाष उरई चंदन सम लेइ पानी से पीसि दूध मै घोरि पि ११०

वै गर्भपीडा जाइ गर्भ न गिरै ॥ अन्य ॥ उरई चंदन नागकेसर धवरे के फूल षाड घीउ दही मधु षाइ पीडा जाइ ॥ अथ चतुर्थेमासे ॥ पदमाष केरकी
जर कमल की जर पीसि दूध मै पिवै गर्भ अस्थिर होइ पीडा जाइ ॥ अथ पंचमेमासे ॥ हरिमा के पत्र चंदन दही मधु षाइ पीडा जाइ गर्भ थिर होइ
३ ॥ अन्य ॥ कमलगटा कमल की जर असगंध सीतल पानी मै वांटि दूध मै पिवै गर्भपीडा जाइ ॥ अथ षष्ठमेमासे ॥ चिरौंजी दाष कमलगटा कसेरुवा पानी
मै वांटि दूध मै पिवै पीडा जाइ गर्भ स्थिर होइ ॥ अन्य ॥ गाइ को दूध करी माटी कंडा की राष चंदन षाड शीतल जल मै पिवै गर्भ स्थिर होइ ॥ अथ सप्तमेमासे
॥ गरषुरू मजीठ पदमाष मोथा उरई नागकेसर दूध मै वांटि पिवै गर्भ रक्षा होइ ॥ अन्य ॥ गुरषुरू की जर धान के फूला षाड दूध मै वांटि पिवै ॥ अ
थ अष्टमेमासे ॥ पदमाष गजपीपरि कमलगटा धना सम लेइ पानी मै वांटि दूध मै पिवै गर्भस्रै पीडा जाइ ॥ अन्य ॥ लोध जाठै पीपरि चंदन रक्तचंदन गाइ
के दूध मै वांटि षाड डारि पिवै गर्भ स्थिर होइ ॥ अथ नवमेमासे ॥ जाठै पदमाष कमलगटा कमल की जर दूध मै वांटि पिवै गर्भपीडा जाइ ॥ अन्य ॥ सरिव
न स्यामस की जर गुरषुरू कराई दूध मै वांटि पिवै गर्भपीडा जाइ ॥ अथ दशमेमासे गर्भे चलिते स्त्रीरोगा प्रसूतिमुखं संपद्यते ॥ अथ गर्भोपद्रव चि
कित्सा ॥ शोष हल्लास छर्दि शोष ज्वर अरुचि अतीसार विवर्ता ए आठ गर्भ कै उपद्रव है ॥ तस्य चिकित्सा ॥ वरा के पाए पीपरि उरई मोथा षाड ए
कत्र वांटि गोली ॥ १२ मुष मै राषै शोष षाइ ॥ अन्य ॥ रंद्रजौ पीपरि सोठि आवरे कोमलवेल दही सैं पीसि षाड संयुक्त पिवै स्त्री के गर्भ कै उपद्रव कौ हि
तहै ॥ अन्य ॥ अरुचि चिराइतो षाड सम लेइ पानी मै वांटि पिवै अरुगास यानी मै मुष दोन जीभ धोवै कुरूला करै अरुचि जाइ ॥ अन्य ॥ रंद्रजौ
हरिमा पाठ धौरैवेल स्यामस जामुन के पान आम के पान षाड दही संयुक्त षाइ गर्भिनी स्त्री कौ अतीसार जाइ ॥ अन्य विवंधे ॥ हरर सोठि
गुड सैं षाइ आवरे का दौ करि षाड डारि पिवै गर्भिनी स्त्री कौ विवंध मूत्ररोध जाइ ॥ अन्य मूत्ररोधे ॥ ककरी कै बीजा पीपरि दायाजोरी चूर्ण

सा॰सं॰ करिखाउडारि चाउरकेधोवनसैपिवै गर्भिनीकोमूत्ररोधजाइ ॥ अथगर्भचलने ॥ जौठे कमलकीजर नागकेसर मोथा वेरकीवीजी पा
१११ नीमेवांटिपिवैआ डसंयुक्तगर्भगिरतहोइसोस्थिरहोइ ॥ अथपोके ॥ तातेपानीसैसपरैतौसोफजाइगर्भवतीकीसूजनकोरनदेइ ॥
॥ इतिगर्भोपद्रवचिकित्सा ॥ अथगर्भसुखके ॥ गाइकौदूधषाडपिवैगर्भसुखशांतहोइ ॥ अन्य ॥ जौठेकौचूर्णखुम्हरकेफलकोचूर्णसमलेइ
गाइकेदूधमेपिवैगर्भसुखशांतहोइ ॥ अथसूतिकाप्रसवनिरोधेसुखप्रसवजोगानाह ॥ सेतपथरसगाकीजरकौचूर्णयोनिमैप्रवेसकरैए
कछिनमहकष्टीस्त्रीकोसुखसोलरकाहोइ ॥ अन्य ॥ उत्तरमुखकरिकैसेतगुगचीकीजरलेइकटिमैवाधैकष्टीस्त्रीकेलरकाहोइ ॥ अन्य ॥ रू
सेकीजरउत्तरमुखकरिकैलेइसात्ततगासूतेसेकटिवांधैसुषसेलरकाहोइ ॥ अन्य ॥ सेतगुगचीवांटिपेटपरलगावैपानीमैसुषसेलरका
होइ अरूसेतगुगचीपानीमैवांटियोनिमैलेपकरै ॥ अन्य ॥ सलदेईकीजरकटिमैवांधैसुषसेप्रसूतिहोइ ॥ अन्य ॥ अफाफोरकीजरवार
आगुरलेइयोनिमैप्रवेसकरैसुखरामिलरकाहोइ ॥ अन्य ॥ किरकिचहाउकीजरपानीमैवांटियोनिलेपकरैअरुनाभिपरलेपकरैएकक्षरा
अन्य मैकष्टीस्त्रीकेलरकाहोइ ॥ पुगवीफलआधौ सोठमीरच पीपरि आरे पानीमैपीसिपिवैसुषसेलरकाहोइ ॥ अन्य ॥ विजौरेकीजर
जौठे चूर्णकरिमधुघीउसंयुक्तषाइसुषसेप्रसवहोइ अथवाविजौरेकीजरकोकाढोकरै ॥ अन्य ॥ दशमूलकोकाढोघीउसेधौनोनसंयुक्तपिवै
गर्भपीडाजाइसुषसेलरकाहोइ ॥ इतिसुखप्रसवविधि ॥ अथनष्टपुष्पायाः स्त्रियः पुष्पकरणं ॥ ब्रह्मदंडी तिल कायकरै त्रिकटुकोचूर्णडारिपि
वैतोस्त्रीकेऋतुआवै ॥ अन्य ॥ षधूरनकेपानआगमैभूंजैकेउपहरियाकेफूलपानीमैपीसिपिवैतोरजस्वलाहोइ ॥ अन्य ॥ दूवचोराई
कीजर देवदारू समलेइपानीमैवांटिपिवैपुष्पहोइ ॥ अन्य ॥ लोगलीकेद अथवाअफाफोरकीजर अथवाइद्रेरनकीजर जोनिमैरापैरजस्व रा॰ १११

ल्लाहोइ ॥ अन्य ॥ पेरवाकेविहामधुसैपिवैरजस्वलाहोइ ॥ अन्य ॥ तिलकौकाढोकैगुड ॥ त्रिकटुकौचूर्ण ॥ डारिपिवैतो ऋतुहोइ ॥ अथ
गर्भपातन ॥ अंडकेपानकौनरवा आठआगुरयोनिमैडोरैमहिनाचारिकौगर्भगिरिजाइ ॥ अन्य ॥ देवदालीकीजरअधेलाभरिपानीमैपी
सिकेपिवैगर्भवतीस्त्रीगर्भगिरिजाइ ॥ अन्य ॥ निर्गुंडीकेरसमैचितउरकीजरपीसै ॥ अधेलाभरि मधुडारि षाइगर्भगिरिजाय ॥ अ
न्य ॥ गाजरकेवीजा तिल आककीजर गुडसंयुक्तषाइगर्भगिरिजाइ ॥ अन्य ॥ गाजरकेवीजाटंकतीन हरिमाकीजरटंकतीन फटकरीटंकदोइ
सिंदूरदोटंक सव एकत्रपानीमैपीसिपिवैगर्भगिरिजाइ ॥ अन्य ॥ सुपेतफूलकेखुटिलाकीजरयोनिमैराषैगर्भगिरिजाय ॥ अन्य ॥ सुहाग मधु
पानीसंयुक्तपिवैएकमहीनाकोगर्भगिरिजाइपिवैदिनतीन ॥ अन्य ॥ सुहागपैसाभरितिलकेकाढेमैघोरिपिवैदोमहीनाकोगर्भगिरिजा
इ ॥ अन्य ॥ कनेरकीजर पानीमैओटावैजवचौथाईरहैतवसेधौनोनडारिकैताताेपिवैदिनतीन तीनमहीनाकोगर्भगिरिजाइ ॥ अथगर्भस्त्रीवंध्याकरणं
भनं ॥ कृष्णपक्षकीचौदशकोधतूरेकीजरलेइकटिमैवांधैस्त्रीसैप्रसंगकरैगर्भनरहै ॥ अन्य ॥ सरसोकीजरमूडमैवांधैस्त्रीसैगर्भनरहैछोरडारै
तवगर्भरहै ॥ अन्य ॥ तालीस गेरू एकत्रकरिअधेलाभरिसीतलपानीमैवांटिऋतुकेचौथेदिनपिवैवंध्याहोइस्त्रीगर्भनरहै ॥ अन्य ॥ पलासके
वीजा मधु घीउ एकत्रवांटिऋतुकेसमैयोनिमैभीतरलेपकरैगर्भनरहै अन्य चोरईकीजर चाउरनकेधोवनमैपीसिपिवैऋतुकेउपरांत
दिनतीनस्त्रीवंध्याहोइगर्भनरहै ॥ अन्य ॥ राईतिलकेतेलमैपीसिऋतुकेउपरांतपिवैदिनतीनतौगर्भनरहै ॥ अन्य ॥ धतूरेकीजरपुष्पनक्ष
त्रमैलेइकटिवांधैगर्भनरहै ॥ इतिवंध्याकरणं ॥ अथअतिरक्तनिवारणंप्रदरचिकित्सा ॥ आवरे हरर रसोत चूर्णकरिजलमैपिवैप्र
दरजाइ ॥ अन्य ॥ कुसकीजर केराकोफूल लुसरेकीछाल चाउर एकत्रपीसियोनिमैराषैअतिरक्तदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ सरफोकाकीजर

मा० ११२ चाउरकेधोवनमैवांटिपिवै अधेलाभरिरक्तप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ कुसकीजर केराकोफूल स्यामस सोफ वेरकेफूल गुरिचसमलेइ चाउर
केधोवनसैवांटिपिवैरक्तप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ कठसेरयाकीजर जाढे सेतचंदन एकत्रचाउरनकेधोवनसेपीसिपिवै ॥ १ ॥ अरुउरदकीदा
रकोपानीपिवैभोजन घीउसंयुक्तेरक्तप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ लालचंदन दूध घीउ षाडमधुसंयुक्तदेइरक्तप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ दारुहरद र
सतै अतीस चिरातै वेल भिलमा आककीजर एकत्रकाढोकरिमधुसंयुक्तदेइप्रदरसूलसहितपीरोकारो अरुरा लाल नीलो अनेकप्रका
रकोरक्तप्रदरदूरिहोइ ॥ अन्य॥ असोककेबकलाकोकाढोकरिजवाषारडारिपिवैरक्तप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ टिपारीकेपान उरदकोचूरा एकत्र
करकेपातमेलपेटै आगमेभरताकरैसोषाइरक्तप्रदरदूरिहोइ ॥ अन्य॥ टिपारीकीजर चाउर एकत्रपीसिकैषाइप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ टिपारी
केबकलाकोचूरा षाउभूंजेकोचूराएकत्रषाइरवाकोरक्तप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ वेउलसुपारी माजूफल रसौत आवरेकेफूल मोचरस चौराई
कीजर गेरू समलेइचूर्णकरि चाउरकेधोवनसेपिवैपैसाभरिप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ चोराईकीजर चाउरनधोवनमेपीसि रसोत मधुसंयुक्तपिवैप्रदर
जाइ ॥ अन्य॥ कुसकीजर चाउरनकेधोवनसे रसोतसंयुक्तपिवैदिनतीनप्रदरदूरिहोइ ॥ अन्य॥ जीरेटकासोराभरि दूधटका ४ घीउ १ मं
द आंचमेपचावैगाढोहोइतवषाउ १ धलारचौ तज पत्रज नागकेसर पीपरि सोठि जीरे मोथा वारे दरिमा रसोत धना हरद वंसलोचना लोधर
पैसापैसाभरीचूर्णकरिमिलाइदेइयागमेषाइ ॥ जुरजाइबलहोइरुचिहोइ स्वासलसौ दाहसपीप्रदरजाइरक्तप्रदरहोइ ॥ अन्य॥ भरवंविरीकीजर
चाउरकेधोवनसेपिवैदिनतीनप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ उरद चंदन लोधर चूर्णकरिचाउरकेधोवनसेपिवैयोनिरक्तआवजाइ ॥ अन्य॥ रसौत लोध ग० ११२
ि चोराईकीजर चाउरकेधोवनसेवांटिपिवैप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ लोधरी चंदन दूध घीउ एकत्रओटिमधुसंयुक्तदेइप्रदरदूरिहोइ ॥ अन्य॥

षजूरकोगाभौकेरांकोकंद सोठि दूधमेपचावैसोषाइरक्तप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ अकाकारेकोपानकोरसपिवै ॥ १ ॥ रक्तप्रदरजाइ ॥ अ
न्य॥ आवरेकेवीजा चाउरनकेधोवनसेपिवैरक्तप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ चौराईकीजर लाषकोरस रसौत दूधमैमधुसंयुक्तपिवैप्रदरदू
रिहोइ पिवैदिनसात ॥ अन्य॥ कठउमरिकेफूलकोरसमधुडारिकेपिवै अरुदूध भातषाउभोजनकरेप्रदरदूरिहोइ ॥ अन्य॥ कठउमरीके
फूलकोचूर्ण षाउसमलेइमधुसेसानि लडुवाबांधै ॥ षाइप्रदरदूरिहोइ ॥ आवरेकोरसषांडडारिपिवैयोनिदाहदूरिहोइ ॥ अन्य॥ लारची
मजीठ सेमरकीजर हरर पीपरि समलेइक्वाथकरिमधुमिश्री से देइयोनिरक्तप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ मुगदी वांटितेलमेपचावैफोहादेइयोनि
रवे मैप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ उरदकोचूर्णजाढे विलाईकंद मधुषाड दूधमेपिवैप्रातकालप्रदरजलस्तेसोदूरिहोइ ॥ केराकोफलपकौ आवरेकेफूल
कोरस मधु षाउ एकत्रपिवैसोमरोगजाइ सोम्ः शरीरजलेतस्यथावोयस्मिनस्सेसोमरोगः ॥ अन्य॥ स्वेतप्रदरे ॥ आवरेकेवीजा जलमेवां
टिमधुषाडसंयुक्तपिवैदित रस्वेतप्रदरजाइ ॥ अन्यपांडुप्रदरे ॥ धवईकेफूल षाडमधुसंयुक्त एकत्रषाइ ॥ १२ दिनप्रतिपांडुप्रदरजाइ ॥ अ
न्य॥ पमारकीजर चाउरनकेधोवनमेपीसिप्रातकालपिवैजलप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ कैथकेपान वांसकेपान वांटिसममधुसेषाइसातदिन
अतिरक्तदूरिहोइ ॥ अन्य॥ मजीठ धवईकेफूल लोध कमलगटा समलेइदूधमैवांटिपिवैप्रदरदूरिहोइ ॥ अन्य॥ असोककेबकलाक्वाथ
करिदूधडारिशीतलपिवैप्रातकालेप्रदरदूरिहोइ ॥ अन्य॥ रोहितकीजरवांटिपानीमैपिवैपांडुप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ दारुहरद वांटिमधुसैदेइस्वेत
प्रदरदूरिहोइ ॥ अन्य॥ नागकेसर तक्रमै वांटिपिवैदिनस्वेतप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ कुसकीजरचाउरनकेधोवनसे वांटिपिवैदिनप्रदरजाइ ॥ तीन
॥ अन्य॥ रसौत लाष छेरीकेदूधमैवांटिपिवैप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ दही मूसेकीलेडीषाइलालप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ दही हरुहरेकीजर जीरे
पीउ जाढे कमलगटा मधुसंयुक्तपिवैवातप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ जरकीजर कपासकीजर षाउ मधु संयुक्तषाइषांडपांडुप्रदरजाइ ॥ अन्य॥ सा

१ + गारकेदूधमैप्रदरजाइ॥ अन्य॥ दरीमाकेफूल टंक१ नागेरवाकीजर टंक१ बमूरकीगाद टंक१ मिश्री टंक१ एकत्रबांटिपिबैप्रदरजाइ॥ अन्य॥ उरद टंक१ मोद टंक१ वेलदे १ +

सा॰रसं॰ ठीकेधानकेचाउर गारकेदूधमैवांटिपिबैप्रदरजाइ॥ अन्य॥ सतदेईटंक खाडटंक धेरकीगादटंक एकत्रबांटिपिबैस्वेतप्रदरजा

११३ उ इ॥ अन्य॥ कुसमकोचूर्णगारकेदूधमैपिबैस्वेतप्रदरजाइ॥ ॥ अथयोनिर्गंधिनाशनविधिचिकित्सा॥ कैथकेपान पीपरिकेपान जंभीरीके

पान जामुनिकेपान आमकेपान वरकेपान चमेलीकेफूल जावे सवसमलेइ एकत्रबांटिपिठीकरे सबतै अठगनोगारकोघीउ एकत्रकरि

एकवासनमैघाममैधरिराषैजवघाममैपचैतवजोनिकेभीतरघीउलगावैयोनिदुर्गंधिजाइ॥ अन्य॥ नीमकीछालकोकाढोकरैतिहिसियोनि

धोवैदुर्गंधिजाइ॥ अन्य॥ नीमकीछाल आगपरडारैधुंवायोनिमैलगै धूपदेइयोनिदुर्गंधजाइ॥ अन्य॥ कस्तूरी अगर कपूर नघ चंदन लाष

एकत्रकरियोनिकोधूपदेइयोनिदुर्गंधजाइ॥ अन्य॥ मायाकोकाढोपिबैयोनिदुर्गंधजाइ॥ अन्य॥ चंदनकोकाढोपिबैयोनिदुर्गंधजाइ

॥ अथयोनिकंडूनिवारणचिकित्सा॥ गुरिच त्रिफला वडीदंतीनकीजर काढोकरिकेयोनिमैडारैयोनिधोवैषजुरीजाइ॥ अन्य॥ निसोतपा

नीमबांटियोनिमैडारैयोनिधोवैयोनिकंडूजाइ॥ अन्य॥ हरसाकीजर पानीमेबांटिगिरमकरियोनिमैलेपकरैयोनिकंडूजाइ॥ अथयो

निसंकोचनचिकित्सा॥ मृगकेफूल षैर हरर जाइफल चेउलसुपारी एकत्रचूर्णकरिकिपरछानकेरवारीक सोचूर्णयोनिमैडारैयोनिसंकी

र्णहोइ॥ अन्य॥ करेछकीजरकोकाढोकरियोनिमैडारैयोनिधोवैयोनिसंकीर्णहोइ॥ अन्य॥ आवरेकेवकलापानीमेऔटिधोवैयोनि

संकोचनहोइ॥ अन्य॥ मोचरस मिश्रीपीसिकेयोनिमैराषैपहरभर तौयोनिसंकीर्णहोइ॥ अन्य बमूरकेफूल लोध हरिसाकीजर

कोवकला चूर्णकरियोनिमैडारैयोनिसंकोचनहोइ॥ अन्य॥ कमलकीजरनाल दूधमैपीसिगोलीकरैएकछनयोनिमैराषैयोनिसंकोच

नहोइ॥ अन्य॥ महुवाकोसारमिश्रीचूर्णकरिकेमधुसेयोनिकेभीतरलगावैयोनिसंकोचनहोइ॥ अन्य॥ भांगमिश्रीबांटिकेमिलीकपरामपु रा॰

टरियावांधेयोनिमैराषैपहरएकयोनिसंकीर्णहोइ॥ अन्य॥ हरद दारुहरद कमलकेसरिदेवदारु समलेइपानीमैबांटियोनिमैलेपकरैयो ११३

निसंकोचनहोइ॥ अन्य॥ धवईकेफूल त्रिफला जामुनिकीछाल लोध समलेइपानीसेपीसिमिश्रीकरिमधुसंयुक्तलेपकरैयोनिसंकीर्णहो

इ॥ अन्य॥ तालखुवारेकेवीजापानीमैबांटियोनिलेपकरैयोनिसंकीर्णहोइ॥ अन्य॥ करईतुमरियाकेवीजा दूधमेपीसियोनिमैलेपकरैयो

निसंकीर्णहोइ॥ अन्य॥ कमलकीजर कूट वच मरिच असगंध हरद एकत्रपानीमैपीसियोनिमैलेपकरैयोनिसंकीर्णहोइ॥ अन्य॥ मैनफ

र कपूर मधुएकत्रयोनिमैलेपकरैयोनिसंकीर्णहोइ॥ अन्य॥ घोरीकोदूधयोनिमैलेपकरै तथाघोरीकेदूधफोहाबोरियोनिमैराषैयोनि

मोई गाढीहोइ॥ अन्य॥ कायफर धवईकेफूल माजूफल फटकरी सेतषैर भांगमोचरस पीरोकोसीस लोधसमलेइ चूर्णकरिकपरछानकेरे

अठगुनैपानीमैसवचूर्णघोरिकेधरिराषैजवपानीछानैतवऊपरकोछनोपानीदूसरेवासनमैलेइ तिहिपानीमैकपराबोरिकेछायामैसुषैकेतिहिउद ना

कीकोपीनकरैघरीदोमैसंकोचनहोइ अधिकराषैतौयोनिमुंदहोइ॥ अन्य॥ पलासकेफूल ऊमरकीछाल तिलकौतेल मधुएकत्रपीसियोनिमैले

पकरैयोनिगाढीहोइ॥ अन्य॥ केरकीजरमधुएकत्रबांटियोनिमैलेपकरैयोनिसंकोचनहोइ॥ अन्य॥ कोहाकीछालि षैरीकेदूधमैघोटियो

निमैलेपकरैयोनिसंकोचनहोइ॥ अन्य॥ अफारेकेपान छेरीकोघीउ गुडगुग्गुल एकत्रलेपकरैसंकोचनहोइदुर्गंधजाइरोगजाइ॥

अन्य॥ मोचरस सालेकोवकला गुरुची लांगली धूहरकीजर एकत्रलेपकरैसंकोचनहोइ॥ अन्य॥ कमलगट्टा कमलगट्टाकीजरदहीरनकी

जरदूधमैपीसिलेपकरैयोनिमैयोनिसंकोचनहोइ मूत्रदोषयोनिसूल योनिदुर्गंधजाइ॥ अन्य॥ पलासकेवीजा मधुकूट चंदन दोऊ

कटाई गुरुची असगंध एकत्रपीसियोनिमैलेपकरैयोनिगाढीहोइ॥ अन्य॥ कैथकीजरकौवकला जामुनकीछाल जंभीरीकीछाल सालेकी

छाल चूर्णकरियोनिमैडारैयोनिसोधनहोइ दुष्टदोषप्रमेहशूलपीडाजाइसंकोचनहोइ॥ अन्य॥ मुंडीकेरससेयोनिधोवैसंकोचनहो

इ॥ अन्य॥ माजूफरजाइफल चूर्णकरिकै रूईलपेटकेयोनिमैराषैयोनिसंकोचनहोइ॥ अन्य॥ पेरसुपारी वा हिंगोलीयोनिमैराषै

साऊ कैनि कासि डारै संकोचन होइ ॥ अन्य ॥ कमलपंचांग वांटि भगमें लेप करै एक घरी राषै पुनि धोय छि डारै संकोचन होइ ॥ अन्य ॥ तालवृषारेके
वीजा कमलके रससें वांटि योनिमें लेप करै संकोचन होइ ॥ अन्य ॥ हरद दारुहरद कमलकेसर देवदारु एकत्र कमलके रससें वांटि योनिमें ले
पकरै संकोचन होइ इति संकोचन जिहि स्त्रीके हाल लरिका भयो होइ के वृद्ध होइ तिहि को अंग सिथल होइ तिहि स्त्री कों संकोचन करत है
॥ अथ स्त्रीद्रावनं ॥ सिंदूर इमिलीके फल मधु समलेइ एकत्र योनिलेप करै पुरुषप्रसंगते द्रावन होइ स्त्रीको वीर्य गिरै सो द्रावन कहावे ॥ अन्य
सोंठि मरिच पीपरि चूर्ण करि मधु संयुक्त योनिके भीतर लेप करै प्रसंगसें द्रावन होइ ॥ अन्य ॥ पकी इमिली त्रिकुट मूरा गुड मधु समलेइ लिं
गलेप करै स्त्री द्रवै ॥ अन्य ॥ सुहाग मधु पारो कपूर समलेइ एकत्र घोटि लिंगलेप करै स्त्री प्रसंग करै द्रावन होइ ॥ अन्य ॥ कूट अंडको
रस अगारीको रस लिंगलेप करै प्रसंग करै स्त्रीद्रावन होइ ॥ अन्य ॥ पीपरि चंदन कटाई पकी इमिली एकत्र लिंगलेप करै स्त्री प्रसंगक
रै स्त्रीद्रावन होइ ॥ अन्य ॥ लोध धतूरेको रस पीपरि कटाई मरिच मधु एकत्र लिंगलेप करै स्त्रीद्रावे प्रसंग करते ॥ अन्य ॥ वेलके फूल क
पूर मुंडीके फूल एकत्र वांटि लिंगलेप करै रतिसंगमतें स्त्री द्रवै ॥ अन्य ॥ कटाईके फूल जर पीपरि मरिच मधु हरद एकत्र लिंगलेपक
रै रतिसमै स्त्रीद्रावन होइ ॥ अन्य ॥ मधु गंधक षाड लिंगलेप करै स्त्री द्रवै ॥ अन्य ॥ जंभीरीके फलमें पारो अरु विष्ठीको डंक भरै रन्
ध्रिकै स्त्रीके हाथ देइ सूंघेते द्रावन होइ वीर्य गिरि परे ॥ अन्य ॥ लांगलीको कंद जलमें पीसिकै अपने हाथमें पुरुष लेप करै तिहि हाथ
कै स्त्रीको हाथ गहै तो स्त्री द्रवै सर्वद्रावक जोग विषै मंत्र जपिये १०८ तव सिद्ध होइ ॐ नमो भगवते रुद्राय उड्डामरेश्वराय द्रा सा० ११५
वय द्रावय स्त्रीनां मदं पातय पातय स्वाहा ॥ इति मंत्र ॥ इंद्रायनके पातके रससें कनेर लालके रससें पारो घोटि लिंगलेप करै

भोग करै स्त्री द्रवै ॥ अन्य ॥ सोहागमासो एक पानमें षवावे स्त्री द्रवै ॥ अन्य ॥ पीपरि मरिच लोध धतूरेके वीजा एकत्र वांटि मधु
सें लेप करै लिंग स्त्री द्रवै रतिसमै ॥ अन्य ॥ चमेलीको रस मधु कपूर पारो एकत्र घोटि लिंगलेप करै स्त्रीद्रावन होइ वश्य होइ ॥ अ
न्य ॥ मधु सेंधोनोन परेवाको विष्ठा एकत्र लिंगलेप करै स्त्रीके द्राव होइ स्त्री वश्य होइ ॥ अन्य ॥ गंधक कपूर पारो केसर धतूरे
केवीजा मधु एकत्र लिंगलेप करै रतिसमै स्त्री द्रवै वश्य होइ ॥ इति स्त्रीद्रावनं ॥ अथ योनि [illegible] लोमीकरणं रोमशातनं ॥ हरताल
मासे आठ सेष भस्म मासे चोवीस पलासके षार आठ मासे एकत्र करि केरके रससें घोटै दिन १ आकके पानके रससें घोटै दिन १ सा
ना तवेर लगावे वार गिरिजाय ॥ अन्य ॥ संषको चूर्ण भाग २ हरताल एक भाग मनसिल आधो भाग साजी एक भाग पानीमें पीसि
वारनमें लगावे वारकी जरमें सातवारके लगाएसें सब वार गिरिजाय ॥ अन्य ॥ कपूर भिलमा शंषचूर्ण जवाषार मरिच हरद हर
तार एकत्र तेलमें पकावे तेल लगावे रोम गिरिजाय ॥ अथ स्तनवेदनाचिकित्सा ॥ इंद्रायनकी जर पानीमें पीसि स्तनमें लेप करै स्त
नपीडा इरी होइ ॥ अन्य ॥ गुवारिको कंद हरद चूर्ण एकत्र पीसि कुचमें लगावे कुचपीडा इरी होइ ॥ अथ स्तनकठिनोत्थापनं च ॥ गज
पीपरि असगंध वच षाड एकत्र कनेरके नेनूसें लेप करै कुचमें लगावे दोउमें कुच कठोर होइ ॥ अन्य ॥ घुमरेको रस अथवा कल्के
तिलके तेलमें पचावे तेल छानिकै कुचमें लगावे कुच वढे कठोर होइ ॥ अन्य ॥ मुंडीको चूर्ण १ चौगुने पानीमें औटै आधो पानी रहै तव
छानि लेइ काढैते आधो तिलकौ तेल लेइ तेलमें पचावे तेल छानि लेइ नास लेइ पिचुअमर्दना एकमें कुच कठोर होइ ॥ अन्य ॥ पी
परि हरद स्यामस लज्जालू नोन धानके फूला समलेइ सव औषधते चौगुनो पानीमें क्वाथ करि चतुर्थांस रहै तव छानि लेइ काढैते पी

सा०स० ११५ थाई तिलकौ तिलसे पचावै तेलतै आधो भैसकौ घीउ पचावै छानि लेइ नासलेइ महीनाएक स्तन कठोर होइ ॥ अन्य ॥ अनारके वकला
कौ चूर्ण कडुतेलमै औटि लगावै स्तनमै मीडि मीडि कै स्तन कठोर होइ ॥ अन्य ॥ असगंध गजपीपरि चूर्ण करि भैसके नैनूमै कुच लेप करै
कुच वढै कठोर होइ ॥ अन्य ॥ कढाई कीजर भिलमा हरिमा के वकला सरसौ के तेलमै पचावै तेल छानि स्तनमै लगावै स्तन वढै ॥ अन्य ॥
अस्गंध क्वाथ करि तेलमै पचावै तेल छानि नास लेइ कुच वढै ॥ अन्य ॥ तगार मरिच उरद असगंध दोउ कढाई तिल जवा सोफ पी
परि सैधोनोन सरसौ सव एकत्र पानीमै पीसि स्तन लेप करै स्तन वृद्धि होइ ॥ अन्य ॥ धानके चाउर रसौत पानीमै पीसि स्तनमै लगावै
स्तन वृद्धि होइ ॥ अथ स्तन दुग्ध प्रवृत्ति चिकित्सा ॥ गाइके दूधमै चाउर षीर करै घीउ षांड संयुक्त षाइ दूध होइ ॥ अन्य ॥ केसर षाड दा
की ष षजूर केरा कौ फल एकत्र षाइ स्त्रीकै दूध होइ ॥ अन्य ॥ सतावरि दूधमै पीसि पिवै स्त्रीकै दूध होइ ॥ अन्य ॥ विलाईकंद कौ सरस पिवै स्त्रीके
दूध होइ ॥ अथ पति वसीकरणं ॥ कोडीला कौ मांस मधु सै पीसिये योनि लेप करै पति वश्य होइ ॥ अन्य ॥ हरिमा कौ पंचांग फल फूल पत्र
वकुला जर एपंचांग कहावे सेत सरसौ संयुक्त वांटि स्त्री योनिमै लेप करै पति वश्य होइ यो निगादी होइ ॥ अन्य ॥ कपूर देवदारु मधु
एकै पीसि स्त्री योनि लेप करै पति वश्य होइ ॐ काममालिनी पति मे वस मानाय ठः ठः उक्त योगानां सप्ताभिमंत्रितं सिद्धिः ॥ अन्य ॥ गोरो
चना मछरी कौ पीतो पीसि वा अपने हाथ की छिंगुरी कै स्त्री अपने तिलक करै पति वश्य होइ ॥ अन्य ॥ गोरोचन अपने रक्त से स्त्री तिलक
करै पति वश्य होइ ॥ अन्य ॥ चित्रउर के फूल मधु एकत्र करि स्त्री अपने हाथ पति को षवावै भोजनमै अथवा पानीमै पिआवै औरव ११५

स्त्री

स्त्रमै षवावै पति वश्य होइ ॥ अन्य ॥ भोजपत्र मधु एकत्र पीसिये योनि लेप करै पति वश्य होइ ॥ अन्य ॥ गोरोचन जटामासी केसर एक
त्र वांटि तिलक देइ पति वश्य होइ ॥ अन्य ॥ मैथुनके अंतमै पति को लिंग अपने वाये पाउ के छुवै तो पति वश्य होइ ॥ अन्य ॥ लाष
तगर कपूर वारो देवदारु समले पानीमै पीसि भग लेप करै रति काल पति वश्य होइ ॥ अन्य ॥ चमेली के फूल सरसौ के तेलमै प
चावै सो तेल योनिमै लगावै प्रसंग से पति वश्य होइ ॥ अन्य ॥ रजस्वला के समै योनिमै गोरोचन राषै फेरि तेही रक्त की भावना देइ
तिहि गोरोचन कौ तिलक करै पति वश्य होइ देवै से ॥ अन्य ॥ सेत कढाई कीजर सेत फूल कौ घुटिला कीजर पानमै स्त्री पति कौ ष
वावै पति वश्य होइ ॥ अन्य ॥ भुइ अवरी जर पेड समेत लेइ चूर्ण करि कपरामै पुटरिया वाधै ऋतु के समै पुटरिया योनिमै राषै
दिन तीन फेरि निकासि कै चूर्ण छोरि लेइ नैनू मै डारि कै चुरै लेइ जव नैनू कौ घीउ होइ जाइ सो घीउ छानि कै पति कौ भोजनमै देइ पति
वश्य होइ ॥ इति पति वश्य करणं ॥ अथ वालक रोग चिकित्सा ॥ वालक की कूष फूले स्वास वहुत चले सो उलकुल्लिका रोग कहा
वै पेटमै गोच लगावै अरूस काकराशृंगी अतीस सोठि मोथा पुहकरमूल दूधमै वांटि देइ वालक कौ उलकुल्लिका दोष सिर दोष
दूरि होइ ॥ अन्य ज्वरे ॥ वेलकीजर मोथा पाढ सोठि मरिच पीपरि दोउ कढाई कीजर इ उ एकत्र क्वाथ दिपिवै स्त्री तो वालक कौ ज्वर
जाइ ॥ अन्य ॥ पित्तपापरो क्वाथ करि षाड मधु संयुक्त वालक कौ देइ वालक कौ ज्वर जाइ ॥ अन्य ॥ चिरइतो वो स्मि धुसे चटावै वालक
कौ ज्वर जाइ ॥ अन्य ॥ कासस्वासे ॥ भारंगी वारसुरही काकराशृंगी चूर्ण करि मधु से चटावै वालक कौ कासस्वास जाइ ॥ अन्य ॥ द

हरर वच काकराशृंगी मोथा सोठि चूर्णकरिगुडमैदेरवालककीषांसीजाइ ॥ अन्यमूत्ररोधे ॥ हायजोरी त्रिफला ककरीकेबीजा गजपी
परि चाउरकेधोवनमेपीसिषाउजरि पिआवे वालककोमूत्ररोधदूरिहोइ ॥ अन्यविबंधे ॥ सोठि हरर दातोनकीजर चूर्णकरिगु
डसैदेरवालककोविबंधदूरिहोइ ॥ अन्यअतीसारे ॥ पाढ वेल इंद्रजौ सेमरकीछाल दूधमेवांटिदेरवालककोअतीसारजाइरक्त
स छर्दिज्वरजाइ ॥ अन्यछर्दि ॥ त्योषरीमधुसेदेरवालककी छर्दिजाइ ॥ अन्यवातसूले ॥ सोठि लाइची सेधोनोन हींग पीपरि चूर्ण
कूथियानीमेपीसिदेरवालककोवातसूलजाइ ॥ अन्यदंतरोगे ॥ मजीठ धवईकेफूल लोध सोना स्यामस सतदेई टिपारी मूरा वेल
एकत्रवाटिदूधमेवांटि घीउमेपचावेपाछेदूधपचावेदहीकोपानीपचावेघीउसानिवालककोदेरदांतउठतेकोपीडारसोसवदूरिहोइ ॥ अ
न्यवातज्वरे ॥ देवदारु तगरजोठे मजीठ मिश्री एकत्रदेरवालककोवातज्वरजाइ ॥ अन्य ॥ धानकेफूल रसोत जोठे चूर्णकरिमधुसेचटावे
सर्वज्वरजाइ ॥ अन्यपित्तज्वरे ॥ धानकेफूल कमलगटा पीपरि जोठे रसवत षाउ एकत्रचूर्णकरिमधुसेदेरवालकोज्वरअतीसारदूरिहो पित्त
इ ॥ अन्य ॥ धानकेफूला पीपरि गजपीपरि क्राथकरिमधुषाडसंयुक्तवालककोदेरज्वरअतीसारतृस्नाछर्दिदूरिहोइ ॥ अन्यज्वराती
सारे ॥ हरर हारूहरर जोठे कराई इंद्रजौ क्राथकरिवालककोदेरवालककोज्वरअतीसारजाइ ॥ अन्य ॥ मोथा पीपरि अतीस काक
राशृंगी चूर्णकरिमधुसेचटावेवालककोज्वरअतीसारकासस्वासछर्दिजाइ ॥ अन्य ॥ धवईकेफूल वेल धना लोध इंद्रजौ वारो चूर्ण
करिमधुसेदेरवालककोज्वरअतीसारछर्दिजाइ ॥ अन्यअतीसारे ॥ वेल धवईकेफूल वारो लोध गजपीपर क्राथकरिमधुसेदेरअथ
ल वाचूर्णकरिमधुसेचटावेवालककोअतीसारजाइ ॥ अन्य ॥ मजीठ धवईकेफूल लोध सारिवा काढोकरिमधुसेदेरवालककोअतीसार रा०
११६

जाइ ॥ अन्य ॥ तेल मिश्री मधु तिल जोठे एकत्रचटावेवालकेरक्तश्रावप्रवाहिकाजाइ ॥ अन्यसर्वातीसारे ॥ सोठि अतीस मोथा वारो इंद्र
जौ क्राथकरिप्रातःकालवालककोदेरसर्वअतीसारदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ धानकेफूला जोठे षाड मधु चाउरकेधोवनसेदेरअतीसारप्रवाहि
प्रा काजाइ ॥ अन्य ॥ कैथकेपान नोनिया वेरीकेपान मकुइयाकेपान एकत्रवांटिमूडमेलगावेवालकके सिरकेरोगछर्दिअतीसारजाइ
अन्य ॥ आमकीगोही लाजा सेधोनोन मधुसेचटावेवालककी छर्दिजाइ ॥ अन्य ॥ मोथा रसोत प्रियंगु चूर्णकरिचाउरकेधोवन
सेदेरवालककोतृस्नाअतीसारछर्दिजाइमधुसंयुक्तदेर ॥ अन्य ॥ परवरकेपान नीम कुरो सतावरिअजमोद देवदारु विडंग लाइची प
मधु घीउ एकत्रचाटेज्वरअतीसारकासपांडुछर्दिसर्वजाइ ॥ अन्य ॥ छोटीवेल वरुणा धवईकेफूल लोध वारो मधुसेदेरअतीसार
जाइ ॥ अन्य ॥ वाततैनाभिफूलीहोइपाकलोइ हरर लोध षियं जोठे काढोकरिदेर अरुनाभिमेतेललगावे ॥ अन्य ॥ काकराशृंगी
पीपरि अतीस चूर्णकरिमधुसेचटावेवालकेज्वरकासछर्दिजाइ ॥ अन्य ॥ अतीस मधुसेदेर ॥ अन्य ॥ मोचरस मजीठ धवईकेफूल
पद्मकेसर एकत्रपीसिपानीमेखिचरीचाउरदारकीरांधेरक्तअतीसारवालककोदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ पीपरि मरिच षाड मधु लाइची से
स्त्र धोनोन एकत्रकरिचटावेवालककोमूत्ररोगजाइयह अवलेहवालककोउत्तमहे ॥ अन्य ॥ सेधो सोठ लाइची हींग भारंगी चूर्णकरिघी
उसेचटावे अनाहवातसूलजाइ ॥ अन्य ॥ हरर वच कूठ कल्ककरिमधुसंयुक्तदेरवालककोदूधनपिअतहोइसोपिवै ॥ अन्य ॥ घरकोधो
सो हरर कूट राई इंद्रजौ तक्रमेवांटिलेपकरेवालककोसिध्मपामाविचर्चिकाजाइ ॥ अन्य ॥ अतीसपानीमेवांटिस्त्रीकेस्तनमेलेपकरेवालककेो
ज्वरकासछर्दिजाइ ॥ अन्य ॥ जेहि वालककोदेहमेफोरायरतहोइतो सरकोकायचांगपानीमेवांटिपिआवेदिन ७ तोफोरानीकेहोइ ॥ अन्य ॥

जो लरका स्तनमुखमैं न दावै ताको सेंधौ आवरे मधु घृत दरर वांटि वालककी जीभमैं लगावै ॥ अन्य ॥ जो वालक दूध पिवै अरु डारि देइ वमन करि कै
ताको मधु घीउ देउ कटाई के फूल कौ रस पीपरि पीपरामूर चव्य चितावर सोंठ एकत्र वांटि चटावै ॥ अन्य ॥ कडुकी षाड मधु चटावै वालकको ज्वर
जाइ ॥ अथ वालकौ औषधविचारः ॥ तुरत के भए लरकके मात्रा औषदकी वाइविडंगकी वरावर देइ जे महीनाको होइ तेवाइविडंग वरावर
दे औषध देइ दूध ॥ अन्य ॥ अधेला भर देइ वर्ष तै उपरांत मासे भरि देइ जे वरसकौ होइ तै मासे औषद देइ सोरा वर्ष तै सत्तर वर्ष लौ अधेला भर फिरि मात्रा क
म करि कै वालककी नांई देइ सोरा वर्ष लौ फारन देइ वीस वर्ष लौ मैथुन न करै तौ जव लौ गिजै तव लौ हाथि वनी रहै धातु वनी रहै ॥ इति वालकौषधवि
चार अन्य ॥ वालकको गूहा रोग होत है डवा वा उता को कुसेरको कीरा रती १ मधु सै देइ वालककी सीक छेउ जाइ ॥ अन्य ॥ जो वालक वंदे सेज
करै होइ कास होइ स्वास होइ अरु रोग रोषराइ पेट फूलो होइ ज्वर होइ ताको मुसवर मूंगसे टूका करि दोपानके रस सै घोरि कै देइ आठ महीनाके ल
रका की मात्रा यह है अरु मासे भरि मुसवर पानी मैं घोटि कै पेट मैं लगावै गरम करि कै डाई दूरि होइ षांसी दूरि होइ स्वास दूरि होइ पेट कौ फूलवौ दूरि होइ पे
ट की पीडा दूरि होइ लेयकी न्हे सै को षरवद दूरि होइ कफ पचिजाइ अथवा आठ दिने अजवाइन कै लौंग एक एक राई वरावर हींग एकत्र पानी सै पीसि गरम
करि कै पिआहेइ गरे को षरषरैवो दूरि होइ षांसी स्वास दूरि होइ ॥ अन्य डवाको ॥ भारंगी सोंठि हींग भूंजी सुहागा भूंजो सैंधौ नोन वरावर लेइ मात्रा रती चारि
यह चूर्ण आठ महिनाके लरकाको देइ गरम पानी सै पेट कौ फूलवौ दूरि होइ डवा दूरि होइ स्वास दूरि होइ डवा जे सै फार सै दूरि होइ तैरतै सो और औषध सै
नाही दूरि होत ॥ अन्य ॥ वर्ष दिन के लरका कौ एक रती मुसवर देइ फार होइ डवा वेगि दूरि होइ ॥ अन्य ॥ मुरगा के पथरी के भीतर की झिल्ली एक जोंक के
उनमान चौरी अरु लंवी लेइ पानी सै पीसि कै देइ दिन तीन रोज फार होइ डवा दूरि होइ ॥ इति वालक चिकित्सा ॥ अथ विषनिवारणं ॥ स्थावर जंगम

द्वै है विष तिन मैं स्थावर विष पचीस है तिन मैं पांच महाविष है संकोचे कालकूट जं भृंगी मुस्त वत्सनाभं ए जौ देह मैं प्रविष्ट होइ तौ ए लक्षण होइ वांति मूर्छा
अतीसार भ्रांति स्थूल कंप कास स्वास नीवदाह गद्गद स्वर होइ तस्योपचार ॥ पतजिआ के फलकी विजी सीतल पानी सै वांटि नरमूत्र सै पिऔ विष दूरि हो
इ ॥ अन्य ॥ सर्पाक्षी जरपेड पानी मैं वांटि नरमूत्र सै पिऔ विष उतरि जाइ ॥ अन्य ॥ देवदाली की जर मनुष्य के मूत्र सै वांटि पिऔ विष दूरि होइ ॥ अन्य ॥ विष्णुक्रां
ता की जर पानी मैं वांटि नरमूत्र सै पिऔ विष दूरि होइ ॥ अन्य ॥ सोंठि मरिच पीपरि देवदाली एकत्र वांटि नासले र सर्व विष दूरि होइ ॥ अन्य ॥ नीले साप की पूं
छ गिरदौना की पूंछ जो मैं भैम ठाइ कै मुंदरी करै सो मुंदरी धोइ पिऔ स्थावर जंगम विष दूरि होइ ॥ अन्य ॥ सिरस कौ वांदो रेवती नक्षत्र मैं लेइ सो वांदो अरु चंद
न पानी सै गारि देह मैं मरदन करै विष दूरि होइ ॥ अन्य ॥ वाराह गोह नोरा षरा मुरगा इनको पित्ते लेइ अरु स्वेत फूलकौ घुंटिला के फल जर एकत्र सुवपानी मैं
वांटि पिऔ विष दूरि होइ ए कष्ट या मैं मरी होइ सो जिऔ ॥ सेत विष्णुक्रांता की जर दूध मैं पिऔ स्थावर विष पेट मैं षायो होइ सो नीको होइ ॥ अन्य ॥ सैंधौ नोन कांजी
पिऔ स्थावर विष दूरि होइ ॐ नमो भगवते उड्डामरेस्वराय कुं चित थिजट सट २ ठः स्वाहा अनेन मंत्रेणास वैषधाभिमंत्रयेत ॥ अन्य ॥ गुरिच पाउ सेर पानी
मैं वांटि पिआवै वमन करै विष दूरि होइ ॥ अन्य ॥ दूध षांड गुड लाष पानी एकत्र पीऔ वमन करै विष दूरि होइ अरु घीउ के लेप अंग मैं करै ॥ अन्य ॥ गुरीसा सन
आवरे हरद सम लेइ टंक अढाई मधु सै देइ वांटि पानी मैं देइ सींगिया विष दूरि होइ ॥ अन्य ॥ वडी कटाई की जर कसौदिन के वीजा टंक दस एकत्र पानी मैं वांटि
पिऔ वमन करै फिरि पिऔ सींगी विष उतरि जाइ ॥ अन्य ॥ सिरस कौ पंचांग वांटि वेरसी गोली करै दो वेर दो गोली देइ सींगी विष उतरि जाइ ॥ अन्य ॥
विषषाये कौ माटी पानी मैं घोरि पिआवै अरु घीउ को मर्दन करै ॥ अन्य ॥ सांभर नोन पाउ सेर पानी मैं घोरि पिआवै वमन करै विष दूरि होइ ॥
॥ अन्य ॥ कसौदिन के पान पानी मैं वांटि पिआवै विष उतरि जाइ ॥ अन्य ॥ षिरहटी की जर पानी मैं वांटि पिआवै विष उतरि जाइ ॥ अथ दिनाई वि

कित्सा ॥ जाकेपेटमैदिनाईहोइताकीमूत्रपरीक्षाकरै माटिकेवासनमैअंडकेपानधरैतिहिमैपातकालेपसा ॥ वकैरपहरभरेमैदेषै जौवाघकेवारपेटमै
होइतौवहवासनहूकहूकहोइजाइ जौविलाईकेवारपेटमैहोइतौपातकौरंगपीरोहोइजाइ जौसूकरवारपेटमैहोइतौपातकीनसैलीलीहोइजाइ जौ
पेटमैमकरीहोइतौपातमैफुटकासेहोइ जौसापकीसुपारीचावरपेटमैहोइतौपातकुकरिकैगडहरियासोहोइजाइ ॥ इति अन्य ॥ जौमेदरेपेटमैहोइ तौपट
मैरवारवासेहोइ विसम्हरा बालसी चौगोजा जौपेटमैहोइतौ सरीरसूषजाइपेटवढै ॥ अन्य ॥ किल्लो अरुवडो किल्लोजौआंतमैलागहोइतौसल
होइ ॥ अथसरीरपरीक्षा ॥ जौनाहरकेवारपेटमैहोइतौरातिदिनकलनपैरैसरीरदुषै आंतकुकरिजाइरक्तजमै नलफैवकै जमुलाइ देहपीरीहोइजाइ
मांसपरमननरहै होवरषैमैमरै तस्योपचार ॥ सेतकसौदिनकीजर तथाएहीकसौदिनकीजर पानीमैवांटिपिआवै दिनपाचवाघकेवारदूरिहोइ ॥ अन्य ॥
भेडीकेमांसकीउरिया कसौदिनकीजरकेपानीमै उरिपिअै दोघरीनिरधरनैराषै फेरिवनमककैरेसलहोइ वाघकेवारदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ भैसकेगो
वरजुरतकेकरीतातौ छानिकैपिआवैदिनसातवाघकेवारदूरिहोइ ॥ अथसूकरवारचिकित्सा ॥ सुगरकेवारपेटमैहोइतौनीचोचितवै देहदुर्व
लहोइ भूषथोरीहोइ सीतलपरइच्छा षांसी कफ आलस क्रोध आठमहीनामैमरै हरियाथूथो वच गुड षारीनोन एकतरंकसात पानीसे
व वांटिपिआवै तेहिपरलकचाअरुदूधषाइतेहियरफिरिऔषददेदेइँमनहोइ सुगरकेवारगिरिजाइनीकोहोइ ॥ अन्य ॥ जेहिकेपेटमैमक
रीहोइतौदेतफूलैजरनपरे अरुआवैजरै मूतमैरवारवासेपरै औषद चिरैयाकीविष्ठा पानीमैपिसैअरुलेपकरैमकरीकीदिनाईदूरिहोइ
अन्य ॥ मूगाकीदारभातषार अरनिंवूकेफूलपानीमैवांटिपिअैमकरीकीदिनाईदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ सेतइव हरद पानीमैवाटिलेपकरै
मकरीकीपीडा दूरिहोइ मुंडीपागषवावै ॥ अन्य ॥ लगो विषभिलमाकरै छमकरी जेऊपरलगजातहैताको हरद दारुहरद गजकेस सा० ११८

र मजीद प्रियंग समलेइ सीतलपानीसैपीसिलेपकरै लूताविषदूरिहोइ ॥ अथमेदरेकीचिकित्सा ॥ जौमेदरोपेटमैहोइतौदाहहोइ ताकै
चाउरनकौमाउ पिअै वीसदिनलौ पेटभरिकै पिअै औरअन्नतनषाइ औरकछूनषाइ तौनीकोहोइ ॥ अन्य ॥ जाकेपेटमिंदिरियाहोइतौ पे
टवढैसरीरसूषैताको षारेवराषवावैपानीनपिअै पानीकेकिनारेजाइवैठै जववहुतौप्यासोहोइ तव मिंदरियाउछरै जवसवमिंदरियाकढिजा
इतवकांजी पिअैनीकोहोइ ॥ अन्य ॥ किल्लो अरुवडो किल्लोजेहकेआंतमैलगोहोइ काटतहोइ ताकौकुंजाकोकोनतनकैकाटिकैषाइ
अरुवच लकचाइ दूध नोन पिआवै छोटीकिल्लीअरुवडोकिल्लोमनकैरतेदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ विसम्हरा बालसी चौगोडापेटमैदिनाईहोइ
व ताकीचिकित्सा सरीसूषै पेटवढै वज्रषार कांजीसैपिआवै वमनकरै अरुफिरिपिअै जवलौजहरजाइ तवलौएहीजतनकरै वज्रषारदेकर
र स कांजीदोगाघर तीनदिनलौपिअैनीकोहोइ ॥ अन्यसर्पचावरसुपारीकीदिनाई ॥ चाउर अरुसुपारी आंतमैगांसीसी गडुजातहै भूषघटै व
लहानिहोइ सरीरपिअरोहोइ पेटकेऊपरगुमरियाहोइ भूराकुम्हडाकेपंचांगफूलसमेतलेइ सुषैकेकूटिचूरनकरै सेरभर सावुन गुडसेरदोइ लोह
सारपाउसेर जीरेचिताउर पाउर सवएकत्रएकगाघरमैभरै कपरौटीकरिगजपुट आंचदेइ निकासिकैपीसिचूरनकरैतव रूसेकोयानीपापरकेषा
रकौपानीतिहिमैनोनवाटिकै अरुत्रिफला एकत्रकरिपुटदेइ सुषषकै वहुतपेरिचूरनपावटंक भरषवावै अरुपानीपिआवै संगाती सर्पकीसुपारी
अरुचाउरगलिजाइ ॥ अथदरियरिकीदिनाई ॥ देहकटिकैमांसगिरपरैदेर सूषैभूषघटिजाइ थोरैसरै आवैसूजिजाइ ताकै निवुआकीजर
पानीमैवांटिपिआवै जवलौनीकोहोइ ॥ अथजरविषषायोहोइताकीचिकित्सा ॥ गुगचीकीजरषाईहोइतौकुटईमठापिअै नेनूदेहमैलगावैनी
कोहोइ ॥ अन्य ॥ जुनरीकीजरषाईहोइतौ मूगपानीमैवांटिपिआवै केमूगकोचूनापानीमैघोरिपिआवैनीकोहोइ ॥ अन्य ॥ आककीजर पडोर
कीजर कलीराकीजर जौएषाईहोइतौ गुडघीउपानीमैघोरिपिअै अरुभूंजेचनाचवाइ विषउतरिजाइ ॥ अन्यकनेरकीजरषाईहोइतौ ॥ दहिमन

सारसं० ११९ पातीसैवांटिपिऔनीकौहोर ॥ अन्य ॥ धतूरेकेवीजाअथवाजरखाईहोरतौदूधमिश्रीएकत्रपिऔधतूरेकेविषदूरिहोर ॥ अन्य ॥ मारूकरहरी किरकिचहाई
पउोरजर ताकोरतसवनपर भोरमारकीजरपानीमैदेरवार आठवमनकरेस्थावरजंगमविषदूरिहोर ॥ अन्य ॥ आककोदूधअथवाजरखाईहोरतौव
मूरकीफलीवांटिपिऔवेलेपकरे ॥ अन्यसर्पविषकै ॥ अकोलाकीजरपानीमैवांटिपिऔवेअथवांमांहीदूधदेर अथवासमदफलदूधपिऔवेतौका
दूविषकौलहरनआवे ॥ अथअफीन ॥ अफीमखाएकौतुरतपानीपिऔवेअरपानीमैभिजेकेकपराउपरडारे अरहरियाथूथोअरलखारीको
मारीवीविकैपानीमैघोरिपिऔवेपानीसेरभरतुरतवमनहोरनीकौहोर ॥ अन्य ॥ हरियाथूथोवचखारीनोन करईतुमरिया दूधसेपिऔतुरतवमनहो
रनीकेहोर ॥ अन्य ॥ जितनी अफीमखाईहोरतितिहिङ्गनीवुलदंडीपानीमैवांटिपिऔवेअफीमउतरिजार ॥ अन्य ॥ रीठापानीमैघोरिपिऔ अथवाम
ठापिऔ निंवूरसपिऔ मेहेरोखाइ अफीमकोषाधोनीकौहोर जितनेजहरखेहै तिनकौपुरतामांटीघीउमर्दनकरेवारंवारविषदेहमनचहे ॥ अथक
पूरखाएकोइलाज ॥ केराकोकपूरखायोहोइतौ वज्रकेदरकदशभरिदेर अरमिरचेचवाइके मरिचवांटिनिंवूरससेपिऔ कस्तूरीखवावेकदलियाकपूर
कोविषनचढे ॥ अन्य ॥ जितनेकपूरखायोहोइतेतितेदूनीखाडअरपीपरिवांटिपिऔवेअरवुतवीराखवावेअरकमलवांटिपिऔवेकपूरविषजाइ ॥
अथदतालः ॥ वटकीछाल पीपरिछाल घीउ एकत्रवांटिदेरहरतालउतरे ॥ अन्य ॥ काचीलाखघीउपानीमैवांटिपिऔवेहरतारविषउतरजार ॥ अन्य ॥
वटकीपीपरिकीलाखलेर दोभरकेवलाछोलिडारिफांकेकरे नौनअरलाखवांटिकेभराकीफाकनमैचुयेरपाचसातफकेखाइकरे जोवचेदसपेसाभरनेतू
ननमिलैतौदशपेसाभरिघीउखाइहरतारविषदूरिहोर ॥ अथसुमिलखारखाएकीचिकित्सा ॥ सुमिलखारखाएतैआंखिनकौनासहोर आंतकटिपरेताकौ
तुरतहीनोनपानीमैघोरिकैपिऔवे अरुपहरदोपहरभएहोरतौदूधभातमिश्रीखवावे अरु आमकीगोहीमांटीपानीमैवांटिपिऔवेसुमिलकूद रा० ११९

ये१ जा२
करीयूंकोविषजाइ ॥ अथान्य ॥ मरसिलखायौहोरतौछेरीकेदूधमैदागुडघोरिकैपिऔवेमरसिलकौविषदूरिहोर ॥ अथान्य ॥ फस्करीहरि
याथूथोखायौहोरतौ दूधमिश्रीघीउपिऔवे अथवातकपिऔवे जीरेनौनमिलेखाइ अथवाजीरेनौनमठामिलाइकेखाइ अथवामधुखाइतौको
होर ॥ अथज्वालाजलरपायरको ॥ हाथपाउकेनखगिरिजार दोषदरमैमरे तिहिकीनसेखुलादेदेरतौजिऔ ॥ अथवाघकीडाढकोइलाज ॥ वडेगोगे
रवाकीजरछातमैसुखैकेचूर्णकरेवाघकेकाटेकेघाउपरडारे अरुतिलीकौतेललगावेपीडानहोरघाउवेगदैसूखिजाइ ॥ अथकुत्ताकाटेताकोइलाज ॥
मूसेकीलेडीहथ्येपेछीमाटीकुम्हारकीजलांकाटेहोरतहांलगावे अरधतूरेकेवीजा दूधमैपिऔवे योरीगुडडारिकैकुत्ताकोविषजाइ धतूरेकेवीजा
होर दूधघीउसंयुक्तपिऔ योरोगुडडारिकैकुत्ताकोविषदूरिहोर विजौरेकीजरपानीमैवांटिपिऔवेकुत्ताकैविषजाइ ॥ अन्य ॥ जेकुत्ताकौविषवडोजो
रकेरेहोरतौ धतूरेकेवीजाएकतेरकसलोरोजएकएकवढेफिरिएकरसतेएकएकरोजघटावेएकलोतौनीकौहोर ॥ अन्य ॥ सालेकौरस विजौरे
एकत्रपिऔवैहाकुत्ताकोविषजाइ ॥ अन्य ॥ सुरजनेकीजर मरिचपानीमैवांटिपिऔस्वानविषजाइ ॥ अन्य ॥ विजौरेकीजरपिऔवेविजौरेखवा
वैस्वानविषजाइ ॥ अन्यवैहाकुत्ताको ॥ करईतुमरीयाकोगूदोअधेलाभरिपानीमैवांटिदेरतौविषमूतडारे अन्यवैहाकुत्ताको ॥ अधलेडेकेलेडा मरि अेतवारकौ
चसमएकत्रवांटिगोलीकरैवेरवरावरएकएकगोलीनित्यखाइसातदिनमैवैहाकुत्ताकोविषदूरिहोर ॥ अन्य ॥ अधलैडोमारोहोरताकीजीभकाटि
लेरसुखेकेधीरांखेनागवेलकेपानकेसाथचाउरभरिवाजीभखवावैजोलोभौकनलगोहोरतौलोनीकौहोर ॥ अथसांपखंकारेकौइलाज ॥ गनियारकी
जरलगावे छेवलकौवकलापिऔवे नागदौनपानीमैघोरिपिऔवे आककेफूलवाटकेसुखेकोचूरनकरेसीतलपानीमैघोरिपिऔवेविषदूरिहोर
इतिदियरिफुंकारेपर अथवैहाकुत्तालैडेयाकाटेताको ॥ आककौदूधडाढकीजरोलगावेपुनिआककीवोडीएकतेरकरसलोवढे रकरसतेएकलो

उत्तरै तौ विष दूरि होइ नीकौ होइ ॥ अन्य ॥ गुग्माके पोन कौ रस पैसा भरि वो टि छानि दे इ तौ विष उतरै अफीम उतरै रेवे ताकु न्नाल डेया कांटे सो नीकौ होइ
॥ अथ गुहेरे काटे पर ॥ छिरहटा की जर पानी मै वाटि पि आवै गुहेरे कौ विष जाइ ॥ अन्य ॥ कहीरा को गदा । १२ पानी मै वाटि पि आवै तौ गुहेरे कौ विष जाइ
सर्प विष जाइ ॥ अथ सर्व विष निवारणं ॥ दश प्रकार सापकाटतें रे भीतो उन्मत्तः भूषो आक्रांते विषदर्पित आरेक्षु: सुतार्थ स्वस्थान की रक्षा
के अर्थ वेर करिकै दसये काल करिकै १० उद्याने जीर्ण कुवा मै वट मै सूखे वृक्ष मै मरघट मै पारस पीपर मै लसोरै मै सुरजने मै पुराने गिरि मै दिरै मै
आम्र मै इतनी जागा मै कौ साप काटे तौ जिहि कौ काटे सो न जिवै ॥ अन्य ॥ भ्रुकुटी मै मूडमै कंठ मै नेत्र मै भौंह मै धीच मै डाढ़ी मै ताथ मै ललेरी मै तरवा मै
स्तन मै कंधा मै लिंग मै अंड मै नाभि मै मर्म स्थान मै सर्व त्र साप कौ काटौ न जिवै ॥ अन्य ॥ अष्टमी कौ पंचमी पूर्णमासी अमावसा चतुर्दशी इन तिथन मे
साप कौ काटौ न जिवै ॥ अन्य ॥ पूर्वा ३ कृत्तिका श्रवण मूल विसाषा भरणी चित्रा श्लेषा इन नक्षत्रन मै जो सर्प काटै ता कौ सो न जिवै ॥ अन्य ॥ म
ध्यान्ह संध्या अर्धराति प्रातःकाल इ दिवस मै जा कौं सर्प काटै सो न जिवै ॥ अन्य ॥ सर्प केतन रसै दांत होत है जवा के अंकुर का चीना ऐसो दांत के काटे तौ का
लहोइ ॥ अन्य ॥ चक्र की आकर काटे षजूर के फूल की आकार काटे जामुन के फूल की आकार काटे जहा काटे तहा लीलौ होइ जाइ सेत होजाइ तौ जौ लो देव
ता होइ तौ न जिवै मूत्र कौं थोडे मल छूटि जाइ हृदय मै सूल होइ छर्दि होइ दाह होइ तृष्णा होइ नाकी सेवाते के लसंधि भेद होइ अषेत मूवर न होइ जाइ अथवा
कांच की भांति होजाइ अथवा लीली होजाइ तौ काल होइ न जिवै ॥ अन्य परीक्षा ॥ सीतल पानी देह परसी चै जो रोमांच होइ तौ जानै के काल करिकै काटौ है
॥ अन्य ॥ जहा काटौ होइ तहा पीडा होइ अथवा तीव्र दाह होइ तौ काल करिकै काटौ जानै ॥ अन्य ॥ जेहि कौं चंद्रमा सूर्य तारागण एदीप्त न दिषाइ अरुद रा० १२०
र्पन मै जल मै घृत मै तेल मै मुख न दिषाइ सो काल करिकै काटौ जानिये जिवै नमरै विसेष काल अकाल जानि के तब पाछै औषध करै सर्प काटे कौ

विष दूरि होइ काल कौ काटौ न जिवै ॥ अथ चिकित्सा ॥ एसे दिव्य औषध जे है तिन कौ प्रभाव काल कौं जीतत है ॥ अथ काल सैला
स्तिनिर्मिस्सः ॥ पारो शुद्ध गंधक सुद्ध हरियाथू थो शुद्ध सुहागभूंजो हरद समले इ पारे गंधक की कजरी करै सब एकत्र करि देव दाली
के रस सै घोटै दिन एक सिद्ध होइ नर मूत्र से चार मासे षाइ काल कौ काटौ जिवै ॥ अन्य ॥ सेत फूल कौ कुटिला की जर देवदाली की जर पानी मै
पीसि नास देइ काल कौ काटौ जिवै ॥ अन्य ॥ दही मधु नेनू पीपरि आदो मरिच कूट सैंधौ एकत्र वांटि देइ तत्काल के ने जो काटौ होइ अरु जमलो
क कौ गयो होइ तौ एक क्षण मै वह फिरि आवै विष दूरि होइ ॥ अन्य ॥ सोंठि मरिच पीपरि मूसरी पानी मै वांटि पि आवै सर्प विष दूरि होइ ॥ अन्य ॥ अ
जा श्रृंगी दुधी की जर स्याम स की जर पानी मै वांटि लेप करै सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ सुहाग पानी मे पि आवै सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ आक की ज
र पानी मै वांटि पि आवै सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ सैंधो नोन मनुष्य के मूत्र मै पि आवै विष सर्प कौ दूरि होइ ॥ अन्य ॥ इंदोरन की जर चाउर के धोवन
सै वांटि पिवै सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ सुपेत पथर सगा की जर चाउर के धोवन सै देइ सर्प विष दूरि होइ ॥ अन्य ॥ वां रुपडोरिन की जर चाउर के धोव
न सै वांटि पिवै सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ मूसरी मोर सिषा की जर चाउर के धोवन से पिवै सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ घमराज रपेड पानी मै वांटि पि
वै सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ सिव लिंगी की जर पानी मै वांटि पिवै सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ चौराई की जर पानी मै वांटि पिवै सर्प विष जाइ ॥ अ
न्य ॥ वकुची के वीजा चूर्ण व गोमूत्र मै पिवै सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ करुई तुमरिया की जर गोमूत्र से पीसि गोली करै छाया मै सुषै के धरि
वे गोमूत्र मै एक गोली पिवै एक गोली गोमूत्र से लेप करै सर्प विष दूरि होइ ॥ अन्य ॥ गोमूत्र मै अथवा नर मूत्र मै पुरानो घीउ पिवै सर्प वि
ष जाइ सर्व विष जाइ दस वर्ष तेउ परांत घीउ पुरानो होत है ॥ अन्य ॥ हरद नर मूत्र मै पिवै स्थावर जंगम विष दूरि होइ ॥ अन्य ॥ जौ सर्प कौ वि
ष सर्व स्थान मै प्राप्ति होइ गयो होइ तौ गोद ग्ध मे हरद कौ काथ करि देइ सर्प विष जाइ ॥ अन्य ॥ हरद कूट गाइ के दूध मे कौ थ करि पिवै सर्प विष

जार ॥ अन्य ॥ हरद कूट मधु घीउ एकत्रघारइसर्वविषहरिहोर ॥ अन्य ॥ सेतगुरगचीकीजरमुखमैराषैविषहरिहोर ॥ अन्य ॥ पुष्यनक्षत्रमेसेत
गुरगचीकीजरलेइराषैवांटिनास्देरसर्पविषजार ॥ अन्य ॥ सेतगुरगचीकीजरपाडकेरससैवाटिपिअैकालरूटविषहरिहोर ॥ अन्य ॥
आककीजरकौलेपकरेडांसकौविषजारअथवाजलासर्पकाडोलोरजलाकालेयरलगावेविषजार ॥ अन्य ॥ करईतुरियाकोक्वाथमधुघीउ
संयुक्तपिअैवमनहोरविषहरिहोर ॥ अन्य ॥ कुटकीजामुनकीजर मठामेवांटिघीउसंयुक्तपिअैवमनहोरविषजोगइरिहोर ॥ अन्य ॥ किरवारेकी
त्वचाकारीअरुसुपेत कृष्णपक्षमेकारीत्वचालेर शुक्लपक्षमेसुपेतत्वचालेर कृष्णपक्षमेकारीत्वचादेर शुक्लपक्षमेसुपेतत्वचादेरचोवीस
मरिचसंयुक्तवाटिपिआवैविषहरिहोर ॥ अन्य ॥ केसर लाष लोध मनसिल हरद एकत्रवांटिगुटिकाकरिराषेलेपकरेतेस्थावरजंगमविषहरि
होर ॥ अन्य ॥ हरद दारुहरद मनसिल हरताल केसरि मोथा समलेरएकत्रपानीमेवांटिगुटिका करिराषे पानीमे घोरिलेपकरैमलाअकृतविष
हरिहोर ॥ अन्य ॥ कंजीगरकीविजी करेलाकीविजीयानीमेवांटिपिअैसर्पविषएकक्षणमेइरिहोर ॥ अन्य ॥ पीपरि मरिच कूट घरकोधो
सो मनसिल हरताल सेतसरसो एकत्रवांटिगाइकेपितेकीभावनादेर गोलीवांधिराषे अंजनकरेतेनासदएते लेपककरेतेतसककेकाटे
कोविषहरिहोरएकक्षणमेओरसर्पनिकेविषकीकोनवातहै ॥ अन्य ॥ हरर मधु मरिच ही ग मनसिल व च समलेर एकत्रपानीसेवांटि
गुटिकाकरिराषैनासदेइकालकोकाटोजिअै ॥ अन्य ॥ असगंध चौराईकीजर भैसागुग्गल घरकोधोसो गोमूत्रसेपीसिकंठमेसिरमेलेप
करेसर्पविषहरिहोर ॥ असगंधकोपंचांगलेरकेरीकेमूत्रमेवांटिलेपकरे नासदेइ पिआवेसर्पविषजार ॥ अन्य ॥ पतजिआकेफलकी
विजीगाइकेदूधमेवांटिलेपकरे अंजनकरेनासदेइकालकोकाटोनीकोहोरअथवापिआवे ॥ अन्य ॥ कारेधतूरेकीजरकोचूर्णपि सी०रा०
१२१

सोभरीकरंजकोतेलअधेलाभरिमैवटिकाकरैजंवीरेकेरससैपिअैउग्रविषहरिहोर ॥ अन्य ॥ लजरूकीजर अपवालीलकीजर पानीमैवांटि
पिअैवाडीसर्पकोविषहरिहोरगुरगचीकीजरलेपकरै ॥ अन्य ॥ घरकोधोसो हरद दारुहरद चौराईकीजर एकत्रवांटिदहीसेघीउसंयुक्तपि
अैसर्पविषहरिहोर ॥ अन्य ॥ चौराईकीजरचाउरनकेधोवनमैपिअैतत्क्षककोविषहरिहोर ॥ अन्य ॥ परवरकीजरकोनासदेरसर्पकोविषहरिहो
इ ॐ आदित्यचक्षुषाहरहोहंहरविषंस्वाहा ॥ अनेनमंत्रेणोक्तजोगाभिमंत्रयेत ॥ अन्य ॥ विष्णुकांताकीजरघीउसैपिअैरसगतविषहरि
होर दूधसैपिअैरक्तगतिविषजार कूटकेचूर्णसैषारमांसगतिविषजार हरदसैपिअैअस्थिगतविषजार लांगलीसंयुक्तदेरमेदगतविषजार
पीपरिसंयुक्तदेरमज्जागतविषजार कनेरकीजरसंयुक्तदेरसुक्रगतविषजार विष्णुकांतासेसर्वविषकीदआदिदेहरिहोतहै ॥ अन्य ॥ जवसर्प
काटेतववेगिदेकानकोकनोरलेरकेडेरनकुवामेलेपकरे अरुमनुष्यकेमूत्रसेदेहसीचेतोधातुगतविषनहोरयभिरहैसप्तधातुमेनहोरे ॥ अन्य ॥
असगंधकीजरहाथमेवाधेविषजार ॥ अन्य ॥ कुटकीजामुनकीजर मठामेवांटिपिअैअथवापानीमेवांटिपिअैतेतिक्षणवमनहोरविषहरिहोर
अन्य ॥ मनसिल हींग वच सोंठि मरिच पीपरि हरर आदो एकत्रवांटिनासदेरसर्पविषजार ॥ अन्य ॥ सुर जनेकेवीजा सिरसकेफूल के
रसकीभावनादेरदिनसाततवअंजनकरे नासदेरपिआवे सर्पविषहरिहोर ॥ अन्य ॥ जैपालकीवीजो निंबूकेरसकीभावनादेर२१
गोलीवाधिराषेमनुष्यकेलारमेघसिअंजनकरेसर्पविषहरिहोर ॥ अन्य ॥ पलासकीअंतरछालवांटिछानिछुहीमाटीघोरिपिआवेसर्पवि
षजार ॥ अन्य ॥ करियातेइकीजरपानीमेवांटिपिआवेसर्पविषजार अन्य ॥ करियासापकाटेतोमाटीगेरूपिआवेआमकीगोठीकोनास
देर अरु आमकोगोठीवांटिपिआवेविषहरिहोर ॥ अन्य ॥ रक्तवेस अस्यावरी गडेता एकाटेतो स्यार अकोलाकीजर मरिचमाटी पा

नीमे पिआवे ॥ अन्य ॥ नीमकेपात मरिच पानीमेवांटि पिआवैमेरन आवे ॥ अन्य ॥ नीमकेपात नोन मरिच पानीमेवांटिपिआवै विष

नीमे पिआवे ॥ अन्य ॥ नीमकेपात मरिच पानीमेवांटि पिआवेमेरन आवे ॥ अन्य ॥ नीमकेपात नोन मरिच पानीमेवांटिपिआवैविष
दूरिहोइ ॥ अन्य ॥ चौरइकीजर पीपरि चाउरकेधोवनमेवांटिपिआवेसर्पविषदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ चौगोडाकाटेतो पीपरिघीउ एकत्रपिआवेऊ
दूरिहोइ ॥ अन्य ॥ चौरइकीजर पीपरि चाउरकेधोवनमेवांटिपिआवे ॥ अन्य ॥ गोडेतासापकाटेतो कारीगुरीसर कररपाठ पानीमेवांटिपिआवे अरपानकोरस आधसेर घीउमिलाइके
चरनेमरिचेचवाइ विषदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ लहसन आधसेर षाइतापीछेघीउमरिचपिवै मरिचर्चूर्णरससेघसिअंजनकरेनीकोहोइ ॥ अन्य ॥ थोरीकदाई
सरीरमेलेपकरेविषदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ लहसन आधसेर षाइतापीछेघीउमरिचपिवै अरुहींगकोनासदेइ ॥ अन्य ॥ कसौदिनकेवीजापानीमेवांटिपिआवेसर्पविषदूरिहोइ ॥ अन्य
२ कीजैपरतीमेवांटिपिवे अरुकाटेहोइतहालगावे अरुकाकडाइडारे अरुकागदकोनासलेरविषदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ सिरसकोपंचांगसीतलपानीमेघोरिपि वांटि
॥ जैहासर्पकाटेहोइतहापछनादेकेसिंगीलगावेरक्तकढाइडारे अरुकागदकोनासलेरविषदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ फुफुरीसापकाटेतहागनियारकीजरलगावे छवलेकोवकलावांटिलगावे
आवेविषजाइमनुष्यकोमूत्रपाउसेरपिआवेसर्पकाटेकोविषजाइ ॥ अन्य ॥ डिडकासापपानीमेरहतहेजोकाटेतोमरिचवांटिपिआवेवि
नागदोनपानीमेघोरिपिआवे पथरसभाकीजरसीतलपानीमेवांटिपिआवेविषदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ डिडकासापपानीमेरहतहेजोकाटेतोमरिचवांटिपिआवेवि
घउतजाइथोरोविषहोतहे ॥ अन्य ॥ दियरफुकारेतोघीउमरिचपिआवे अरुनीमभरिचवांटिऊपरलेपकरेनीकोहोइ ॥ अन्य ॥ धमना उडना विछुका
एकाटेतो लील चनाकीदार हरी हरद एकत्रवांटिदेहमेलेपकरेनीकोहोइ ॥ अन्यविछीपर ॥ चमगोदरकीदोऊ आषे यासराषेविछीनाकाटे
॥ अथ विछीकोउपर ॥ लाल अफ्रमकेपत्रषाइविछीकोविषउतरिजाइ ॥ अन्य ॥ अजैपालकीविजीपानीमेवांटिलेपकरेडंकलगोहोइतहातो
विछीकेविषदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ कठसेरवाकीजरपानीमेघोरिलगावेविषविछीकोउतरजाइ ॥ अन्य ॥ जमरासीकीजरपानीमेघसिलगावे रा० १२२
विछीकोविषदूरिहोइ ॥ अन्य ॥ आलकीजरपानीमेघोरिलगावेविछीकोविषउतरिजाइ साम्हरनोनलगावे ॥ अन्य ॥ गाइकोघीउगरमकरिसेधो

नोनउारिपिवै विछीकाटेकीपीडाजाइ ॥ अन्य ॥ जहाविछीकाटेहोइतहाभिलमाकीधूपदेइ ॥ अन्य ॥ चूना अरुतेलडंकपरलगावेउत
रिजाइ ॥ अन्य ॥ सोदिवांटिनासदेइतोविछीउतरे ॥ अन्य ॥ नाइनवनकोपानघीउमेलगावेडंकपर ॥ अन्य ॥ सिरसकेवीजा केसर मरसिल
कनेरकेवीजा एकत्रवांटिगोलीवांधिराषेघसिकेडंकपरलगावेविछीउतरजाइ ॥ अन्य ॥ सोरापानीमेघोरिलगावे ॥ अथवररोदंश ॥
मरिच सोठि सेंधोनोन सोचरनोन नागवेलकेरससेलेपकरेवररीविषदूरिहोइ ॥ अथसतपदीदंश ॥ षजूरकीजपवांटितेलमेले
पकरेविषजाइ ॥ अन्य ॥ हरद दारुहरद गेरू मरसिल पानीमेवांटिलेपकरेविषदूरिहोइ ॥ अथलूताविषदूरिकरण ॥ हरद दारुहर मजीठ
पतंग नागकेसर सीतलपानीसेपीसिलेपकरेजोविषलगजातहेसोलूताकहावेजैसेकेरछभिलमालगजातहेसोदूरिहोइ ॥ अथभिलावेकेरो
पते ॥ छेरीकेदूधसेवांटिनेनूमिलाइकेलेपकरेभिलमाफूलोहोइसोनीकोहोइ ॥ अन्य ॥ कारीमाटी तिल एकपानीमेवांटिलेपकरेभिलमाफूलो ६ अजीर्ण
नीकोहोइ तथाचिरोंजीवांटिलेयकरे ॥ इतिविषनिवारणंकमरलालग्रंथोतरात ॥ अथअजीर्णमंजरी ॥ कदुइरषाएकीहोइतोकेराषाइ केराको
अजीर्णहोइतो पकीजभीरीकोरसपिवै जभीरीकेरसकोअजीर्णहोइतोनोनषाइ नोनकोअजीर्णहोइतोचउरनकोधोवनपिआवे सेवसिमेयांकी
अजीर्णहोइतोवेसवारषवावे सोठमरिचपीपरिधनाजीरे हरिमा पीपरामूर एकत्रकेसोवेसवारकहावे फेनीकीअजीर्णहोइतोलोगेषाइ
पापरकोअजीर्णहोइतोमुलजेनेकेवीजापानीमेवांटिपिवै पुवामाडेलडुवा सुहारी गूझा आदिदेसबकेपचिवेकोपीपरामूलदेइ नारियरताल
फल इनकोअजीर्णहोइतोचाउरकोधोवनपिआवे आमकोअजीर्णहोइतोदूधपिआवे चिरोंजीकोअजीर्णहोइजोहरसेपचे मुरवावेलफल चा
र अवरत षजूरकेथ इनकोअजीर्णहोइतोनीमकीनिवोरीवांटिपिआवे पीपर वर ऊमरिपाकर इनकेफलषाएकीअजीर्णहोइतोवासीपानीपि

आवैपचिजार दरिमा आवरे तालफल नेह बिजौर वडहर केफल इनकौ अजीर्णहोइतौ भौरसिरीकीजरप्यावे वेरषाएकी अजीर्णहोइतौ चाअहेर चा
उ र कीअजीर्णहोइतौ राईवांटिपिआवैपचिजार पिंपारेकीअजीर्णहोइ सीतलपानीपिवै चावरचिरवाबुहतचवाएहोइतौअजमोदा पीपरिषार सा(चो)
कीअजीर्णहोइतौ दहीकोपानीपिवै मांसकीअजीर्णहोइतौकांजीपिवै नारंगीकीअजीर्णहोइतौगुडषाइ गोहूंकीअजीर्णहोइतौकरुरीषाइ उरदकीअ
जीर्णहोइतौ मठासेपचे चनाकीअजीर्णतौमूराषाइ मूगकीअजीर्णआवरेसेपचतहे जुनरीकीअजीर्णअजमोदसेपचतहे उरदषाडसेपचतहे कुरथी
तेलसेपचतहे सेव अनन्नस वदाम पिस्ता दाष इनकौ अजीर्णहोइतौ लौगषाइ कमल षजूर कैथ अनन्नस हरर इनकौविकारहोइतौ दूधपिवै सौठि वेल
कौजरसेपचै समा पसई कांगुनी कोदौ मोठ इनकौ अजीर्णहोइतौमंथसेपचे सतुवा घीउ अथवा भातषाउपानीमे सानिकेनबुहतपतरोनगाढो सो
मंथकहावे अरहरकीअजीर्णहोइतौकांजीसोचरपिवै मिठाइकोअजीर्णसीतलपानीसेपचे षिचरीकीअजीर्णसेंधोनोनसेपचे कोष्ठ मुगोरा
नीमकीजरसेपचे षीरकीअजीर्णमूगकेमांडसेपचे मासकीअजीर्णमठापिवैपचिजार मछरीकीअजीर्णओरमासेसेपचे सवसालुनतिलके
षारसेपचे सरसो वथुवा चेंचकीभाजीकीअजीर्णहोइतौषैरकोसारओटिकायपिआवे पचिजार मछरीकीअजीर्णआमकेफलषारपचिजा
र कछुवाकेमांसकीअजीर्णहोइतौजवाषारसेपचे लील कपिंजल कषाय कपोत इनकेमांसकीअजीर्णहोइतौकुसकीजरवांटिपिआवे
परवर वांसकेअंकुर करेला इनकौ अजीर्णहोइतौपलासकोकाथपिवै सूरनकीअजीर्णहोइतौगुडषाइ अरुवाउरकोधोवनपिवै पि
डारूसकलकंदकीअजीर्णकोदौसेपचे कसेरुवाकीअजीर्णसोठसेपचे गाइकेदूधकीअजीर्णमाउमेमठापिवैपचिजार भैसकेदूधसेधौनो
नसेपचे दहीसंषपुर्णासेपचे सिषरिनचिकडुसेपचे षांडसोठसेपचे गुडसोठमोथासेपचे वराहीकीअजीर्णआदेसेपचे मदकीअजीर्ण

सिषरनसेपचे सिषरिनचनासेपचे सर्वफलषाएकौअजीर्णजवाषारसेपचतहे तातेसोसियरेपचे सियरेतेतातेपचे नोनमूत्रसेपचे षराईनोन
सेपचे चिकनईरुषेसेपचे रुषेचिकनईसेपचे पानीकीअजीर्णहोइतौ सोनेगनातिकरिकेपानीमेवुझावेवारसातसोपानीपिवैपानीकीअजीर्ण
पचिजार सोनेकेपानीकीअजीर्णहोइतौमोथाममधुषाइ ॥ इतिअजीर्णमंजरी ॥ अथनहरुवापर ॥ बबूरकेवी [redacted]
जा गोमूत्रसेपीसिलेपकरैनहरुवाजार ॥ अन्य ॥ गाइकोघीउपिवै दिनतीननहरुवाजार ॥ अन्य ॥ निर्गुंडीकोस्वरसपिवैदिन ३ नहरुवाजार ॥ अन्य ॥
हरसारकीजरवांटिलेपकैरनहरुवाजार ॥ अन्य ॥ परेवाकेविष्टामधुएकत्रवांटिगोलीकैरएकगोलीलीलजारनहरुवानीकौहोइ ॥ अन्य ॥ वटकेपाएगाइके
मुठामेवांटिपिवैनहरुवाजार ॥ अन्य ॥ छिपनीकोचूनावारिकेदहीमेपिवैनहरुवाजार ॥ अथडौरुवापर ॥ वडीदनोनकीछकनीसेरएकसातदिनवांधैतो
नीकोहोइ ॥ अथधिनहीपरअगुरियामेहोतहे ॥ किरवारेकीअंतरछाल परेवाकीलेडी एकत्रवांटिवांधेपीडाजार ॥ अन्य ॥ मानसकोराउपानी
मेवांटिलगावेनीकोहोइ ॥ अन्य ॥ सूरनकेकंदकोलिकेतिहिमेअगुरीराषे थूहरकेगोजामेराषेपीडाजार ॥ अथछाजनपर ॥ आककीजरगाइकेमठामे
घोरिनोनडारिलगावेछाजनजाइ ॥ अन्य ॥ धोयावारिकैगाइकेनैनूमेमथिकैलगावेछाजनजाइ ॥ अन्य ॥ कराईकीजरपानीमेघोरिलगावेछाजनजा
इ ॥ अथनिनवापेरवालककेमूडमेहोतहे ॥ अंडी निंवौरीकीविजी नीमकेपान हरद साबुन इमिलीकोभौर सवपानीमेवांटिलेपकैरमूडमेनिनवानीकौ
जा होइ ॥ अन्य ॥ रंगुवाकीविजीअरसीकेतेलमेवांटिगरम्करिलगावेनिनवौरे ॥ अथवालसरीरोगआषमेहोइतौ ॥ वबूरकीफलीटंकपाच रेगुर
मासेअगाई सुलंभामासेअगाई मरिचमासेअगाई सेदुरमासेअगाई अफीममासेअगाई एकत्रवांटिनिवूसेगोलीवांधिराषे निंवूरससेलगावे

सारसं० १२४

बाम्ररागीजाइ ॥ अथअंडूठपर ॥ नीमकेपानवांटिलगावे दिनसाततो अंडूठनी कोहोइ ॥ अथकंडूषाजचिकित्सा ॥ हरद दारुहरद गंधकतेलमेवां
टिलेपकरेषाजजाइ ॥ अन्य ॥ हरद गोमूत्रमेपीसिकेउवटनोकरेषाजजाइ ॥ अन्य ॥ कनेरकेपान दूधमेवांटिनेनूसेलेपकरे कंडूजाइ ॥ अन्य ॥
पीपरिसेंधो पमारकेवीजा गोमूत्रमेवांटि आरनालसेलेपकरे पामाकंडूजाइ चाउरकेमांडवुहतदिनधरिराखेषाघोहोइसो आरनालकहावे ॥ अ
न्य ॥ तमतियाकू दूधमेवांटिनेनूसेलेपकरेकंडूजाइ ॥ अथसेतकुष्टपर ॥ कठऊमरीकीजरकोवकला अंजीरकीजरकोवकला छेवलके दमरा गाइकेम
टा मैं लगावे ऊपरतिलकोतेललगावे ॥ अथमिरगीको ॥ केसरिचंदनको नासदेइ ॥ अन्य ॥ जवमिरगीआवेतवमरिचुकोनासदेइकीराशिरियरे ॥ अ
न्य ॥ धतूदनकेवीजा गाइकेमठामेवांटिलेपकरे हाथपाउमेदाहजाइ ॥ अन्य ॥ वेरीकेपान आवरे वउरनकेधावनसेलेपकरेदाहजाइ
हाथपाउजरेताको ॥ धतूदनकेवीजा गाइकेमठामेवांटिलेपकरे हाथपाउमेदाहजाइ ॥ अथतिजारीको ॥ तिपनीकीजर हस्तनक्षत्रमेलेरहाथसेबांधेतिजारीजाइ ॥ अन्य ॥ गुरचीकीजर
अन्य ॥ कपूरचंदन पानीसेलेपकरेदाहजाइ ॥ अथतिजारीको ॥ तिपनीकीजर हस्तनक्षत्रमेलेरहाथसेबांधे तिजारीजाइ ॥ अन्य ॥ गुरचीकीजर
अन्य ॥ कपूरचंदन पानीसेलेपकरे ॥ अन्य ॥ ब्रह्मदंडी तज लारची वासेपानीसेवांटिपिवे तिजारीजाइ ॥ अन्य ॥ जाइफल एक सोठिपैसा
रविवारकोलेरकानसेबांधेतिजारीजाइ ॥ अन्य ॥ ब्रह्मदंडी तज लारची वासेपानीसेवांटिपिवे तिजारीजाइ ॥ अन्य ॥ जाइफल एक सोठिपैसा
पाचभर मरिचैपैसाडेढभरि गुडपुरानोपैसापंद्राभरि भांगपैसादोभरि दूधगाइकोसेरआध लोंग ईरुईस गुडदूध औटिगाढोकरेसव औ
षदेवांटिमिलाइकैगोलीवांधेपैसाभरिषाइदिनरकरसनेतिजारीजाइपथ्यदूधभात ॥ अन्य ॥ मोथ्या चंदन उसई मरिच कायफरदेइतिजारीजाइ
॥ अन्य ॥ तुरतकेभएवछाकीलेंडी ३ मरिचै ३ तीनदिनदेइतिजारीजाइ ॥ अन्य ॥ तुलसीकेपानकोरसटंक ३ मिश्रीटंक ३ एकत्रदेइतिजारीजाइदिन ३
देइ ॥ अथराधनपर ॥ सेतगुरचीकीजरऐतवारकेदिनलेरवांटिलगावे रांघनजाइ ॥ अथगठुवावातपर ॥ गदहरनकीकोपे सेंधोनोन अ रा० १२४

श्री
जवाइन एकत्रचूर्णकरिषाइ २ गठुवावातजाइ ॥ अन्य ॥ नेगड कीजरषाइ अधेलाभरिदिन ७ षावे वाइरोगनषाइ ॥ अन्य ॥ कारेजीरे अजवाइन
मोसमलेर चूर्णकरिषाइ २ ॥ गठुवावातजाइ ॥ अन्य ॥ मोतियाके तेलमेचुरे कैतेललगावेगठुवावातजाइ ॥ अथकावरवावकी औषदे ॥ गूमा
केफूलकोरसअंजनकरेकावरजाइ ॥ अन्य ॥ त्रिफला गरिद दारुहरद हरद नीमकीछाल कायफरिमधुटंक २ डारिपिआवेकावरवाउजाइ ॥ अन्य ॥ कु
टकीटंकषाउंटकोचूर्णकरिषाइनित्यदिन ७ ॥ अन्य ॥ हींग चोषीआखेअंजेदिन ३ ॥ अन्य ॥ विसषपरीकीजरवासेपानीमेपिवै दिन ७ ॥ अन्य ॥
आरकेफूलवोटि ६ जलमेपिवेरोज ३ तोनीकोहोइ ॥ अथभगंदर ॥ वटकेपान सोठि गुरिच पथरसगा पानीमेवांटिलेपकरेभगंदरजाइ ॥ अन्य ॥ तिल नि
पोत नागदंत मजीठ घीउ सेंधोनोन मधुएकत्रवांटिलेपकरेभगंदरजाइ ॥ अन्य ॥ कनेर हरद वडीदंतोनकीजर लांगली नोन चितावर विजोरेकीजर आककी
जर कुरो एकत्रवांटितेलमेपकावेतेललगावेभगंदरजाइ ॥ अन्य ॥ वडीदंतोनकीजर हरद आवरे एकत्रजलसेपीसिलेपकरेभगंदरजाइ ॥ अथगुदालेप ॥
वरकेपान सोठि गुरमे सेंधोनोन पथरसगा मठामेवांटिलेपकरेगुदाकीपीडाजाइ ॥ अन्य ॥ तिलछंडी जाठे दूधसेवांटिलेपकरेगुदाकीपीडाजाइ ॥ अन्य ॥
वाइविडंगवाइसेसकेघीउसेपिवे ॥ अन्य ॥ तिलकोतेल गरमथिलेपकरे ॥ अंगीकोविजीयानीमेवांटिलेपकरे ॥ अथरक्ततस्रतहोइतो वटकेपाएपा
नीमेवांटिषांड डारिपिवे ॥ अथभोरीपर ॥ ५ अजवाइनवांटिनासदेइभोरीमिटै ॥ अथमसूरिकामाता ॥ वेत वेल पानीमे चूर्णभिजेराखे रातिकेपा
तत्काल छानिपिआवे अथवा कायकरिपिआवे ॥ अन्य ॥ रमिलीकेफूल हरद सीतलपानीमेवांटिपिआवे जवमाता कढिवेकोहोइतवतोमातानकेढे अ
स्कवेतोपीडानहेइ ॥ अथहिचकीपर ॥ नागकेसर तज वेलकोगूदो कुरो गाजरकेवीजा एकत्रवांटिमधुसेदेइहिचकीजाइ ॥ विषमज्वरपर ॥ पीप
रिमरिच आवरे चिताउर सेंधोनोन मात्रासमवांटिचूर्णकरितातेपानीसेदेइ १ विषमज्वरजाइ ॥ अथशीतज्वरपर ॥ सोठि मिरच पीपरि लोंगस

काइफर भारंगी धना पीपरि जादे मात्रासमलेर चूर्णकरिमधुसेदेइ कासस्वा
मलेरचूर्णकरिशीतलजलसेदेइ। १२शीतज्वरजाइ ॥ अथ अवलेही॥ काइफर भारंगी धना पीपरि जादे मात्रासमलेर चूर्णकरिमधुसेदेइ कासस्वा
सवातरोगमुषरोगजीभफोलाश्लेष्मसर्वजाइ ॥ अथमरदन॥ सोंठि पीपरि असगंध कूट कारफर वच अजवाइन मात्रासमवांटिमर्दनकरेसी
तज्वैरेजाइ ॥ अथविरेचन॥ हरर अजवाइन निसोतसेंधोनोन पीपरि मात्रासमचूर्णकरितातपानीसेदेइटंक१ जारलगे॥ अथवंधनपर॥ अं
उकीजर सोंठि कुरो वेलकुचला मात्रासमकायकरि अफीमरती१ घोरिपिआवे सरसवेगरुके॥ अथपीनसपर॥ निर्गुंडी समंदफर छेरीकेदूधमे
घोरिनासदेइएकनकुवघ्रातएकसेंधादिनसाततोनीकोहोइ घीउषाडसेभोजनकरेनोननषाइ अरुजोमाथेमेकीरा होइतो घीउषाडकीवातीवनाइके
नाकमेदेइ कीरागिरपरे॥ अथकंठमेकफलोहताको॥ आदेकोरस विजोरेकोरसवचकाइफर कुंदरदान सतजनेकोरस एकत्रउष्णकरिपिआवेकंठकफ
दूरिहोइ ॥ अथपटेरिनकोइलाज॥ छेवलेको दमरास्टंक१४ वाइविडंगटंक२८ विजोरेकोवकलाटंक१४ एकत्रकरिचूर्णपानीसेदेइटंक२ पटेरेगिरे
जाइ॥ अन्य॥ वनघजूरकीजरटंकरषाउ५ एकत्रपानीसेदेइपटेरेजाइ॥ अथविमाइपर॥ तिल नोन हरद एकत्रलेपकरेविमाईनीकीहोइ॥ अ
घथातुपरतहोइज्वरहोइ॥ संषाहूली गुरिच मरिच पानीमेवांटिषाइडारिपिअेनीकोहोइ ॥ अथतिमिरपर॥ आवरेकेपातकोरसटंक१ मधुटंक
१एकत्रकरिपिअेतिमिरजाइ ॥ अथदादपर॥ साजी साबुन कवूला गारकेमठामे लगावैदादषाजअपरसदूरिहोइ॥ अन्य॥ साजीसावुन लहसन
चूनासमलेरसव नेंदूनेनिंबूरसलेरएकत्रकराहीमे घोटैलोहेकेघोटासेतवलगावैदादजाइ ॥अन्य॥ आफीमहरदपवारकेवीजा आवरेथूहरको थू
रस गारकेमठासेघोरिधरिराषेदिन३ फेरिलगावैदादजाइ॥ अन्य॥ कछदादको॥ अफारकेवीजा साजीदारुहरद चूरनकरिगारकेमठामे रा०
घोरिकेधरीराषेदिन७ तवमथिकेलेपकरैदादजाइ ॥ अथसियरोहोइभमहोइमेदाग्निहोइरसुंनवारहोइतापर॥ कोरफर२ वच२ ५मरिच १२५

कुचला षुरासानीजीरे कारेजीरे पीपरि अजवाइन२५ अजमोद आमी हरद जावलीहरद कसोदिनकेवीजा रेंडजो वेरकीवीजी गुठाकीविजी तामेसुरमा
से२ वंगमासे२ जाइफर गुडपुरानोसेरपाउ मधुसेरआध सवएकत्रचूर्णकरिकेगुडमधुकराहीमे ओटेजवगाढोहोइतवउतारिकेचूर्णमिलाइदेइगुटि
कावाधे१२ सारूसवारेषाइ तौनीकोहोइ॥ अथअंजननेत्ररोगपर॥ लोंग२५ निंबूवामेकोलकोलकेभरिदेइ पुनिनीमकीजरकोलिकेनिबुवाधरेतीनरोजरहन
देइपीछेअेचिलेइपुनिलोगेअेचिकेवारिलेइनिबुवाकेरससोकांसकेवासनमेलालपैसोसोगारेघरी४जवसिद्धहोइतवधरे आंधयेपानीकोफो हरेइदिन८ ज
सीतलपरेतव अंजन आंजैतोकेतन औरीकरे फूलीजाइदरकाधुंधवाइजाइजेतिनिरमलहोइ॥ अथपियरारोगपर॥ लारवी१२ कवावचीनी१४रेवंचिनी१२
कलमीसोरा१२ एकत्रवांटिचूर्णकरिकेतीनभागकरेएकभागदूधमेपिअे अरुऊपरतेदूधसेर ८ १ ॥ पानीसेर१मिलेकेसवदिनपिअतरहेपेसावकीराहसवपिअराइ
उतजाइएहीप्रकारतीनदिनकरेचोथेदिन जाइफर१ मिश्रीपाउसेर एकत्रवांटिकेषाइ२५तोसवपिअराईजाइजुरजाइभूषलगेपथ्यदूधभात॥ अथअपरसपर॥ सा
वुन१२ मरिच१७ कमलगटाकीविजी१८ गारकोनेनू१ सर्ववांटिचूर्णकरिनेनूमेमथिकेलगावेअपरसजाइ ॥ अथअतीसारपर॥ सोंठि धवईकेफूल मोचरस अजमो १८
दमात्रसमतातेपानीसेपीसिपिअे१८ अथवामठासेपिअेअतीसारदूरिहोइ॥ अन्य॥ लोध रेंडजो मोचरस मोथा वेल धवईकेफूल समलेइगुडसे गुटिकावाधे
षाइअतीसारजाइ॥ अन्य॥ जाइफर लहसन अतीस वेलकोगूदो सोंठि मात्रासमअष्टावसेषकायकरिदेइ अतीसारजाइ ॥ अन्य॥ लोध रेंडजो मोचरस
मोथा वेलकोगूदो अतीस अफीम जाइफर सोंठि पोस्ता उमरकोदूध२५भाग१२ कुरो मरिच धवईकेफूल पुवकला दरिमकीवोडी सवएकत्रवांटिचू
अतरछालके र्णकरे तिनसकेरसकीपुट१ जामुनकेरसकीपुट१ आवरीकेपातकेरसकीपुट१ आमकीअतरछालकेरसकीपुट१ कचनारकीअतरछालकेरसकीपुट१ अं
उकेजरकीरसकीपुट१ सुषैकेचूर्णषाइउजन१ ईताकेतन आवरुनोसरसवेगरुकेवंधनहोइ ॥ अन्य॥ अतीस अफीम रार सेमरकीमादवरकेवीजा स
मलेरएकत्रवांटिउमरकेदूधसेसानि गोलोचनाप्रमानवांधेषाइवंधनहोइ ॥ अथकासस्वासघासीपर॥ काइफर काकरासींगी धना पीपरि पीपरामूर हरर

मरंगी अकलकरा मात्रासम चूर्णकरि मधु सें देइ । १ षासी जाइ ॥ अन्य ॥ वडी कटाई के फल लोंग मात्रासम चूर्णकरि सांज सवेरे षाइनीके होइ ॥ अथ
वासादि गुटिका ॥ रूसो सेर २५ कटाई सेर १ वमूरकी अंतरछाल सेर १ एकत्र कूटिया नी २० मे बुरैवे जव सातसेर पानी रहै तव छानि लेइ तिहि पानी मे अजवाइन सेर १
एक बुरैवे जव अजवाइन सव पानी सोषजाइ तव सुषे कै चूरण करे अरु औरह औषदै मिलावे सोठि पीपरि मरिच हरर आवरे वहेरे काकराश्रृंगी भारंगी पीपरामूर
चरव चिताउर सौचरनोन टोर कटाई मात्रासम टंक पाच पाच लेइ चूर्णकरि अजवाइन मो मिलाइ एकत्रकरि गुड सेर १ पागकरि सव चूर्ण मिलाइ गोली वाधै पैसा
एक भर २।५ दिन प्रति षाइ कफ षासी जाइ अपच मिटै ॥ अन्य ॥ आककी वोडी सुषे कै चूरन करै टंक ४ मरिच टंक ४ एकत्र करि सारूस सवेरे षाइ षासी जाइ ॥ अन्य ॥
एक भर २।५ दिन प्रति षाइ कफ षासी जाइ ॥ ...
आक की लकरी पानी सै घसि लेग मरिच वांटि गोली वाधै चना प्रमान षाइ षासी जाइ ॥ अन्य ॥ वमूर की अंतरछाल ऽ। षैर की लकरी ऽ। धौ की छालि ऽ। अमरवेल ऽ।
सेके पान ऽ। हरिमा के वकला ऽ। दोई कटाई की जर ऽ। सव एकत्र कूटिकै गाघर भरे पानी मे चढावे जव सेर भर पानी रहै तव छानि ले रफेरि कराही मे औटे जव रावसो
होइ जाइ जव ए औषदे चूर्णकरि डारे लोंग। १२ मरिच। १२ अकलकरा। १२ करदान। १२ काकराश्रृंगी। १२ पीपरि। १२ हरर। १२ सव मिलाइ कै गोली वाधै
चना प्रमान सांझ सवेरे षाइ षासी जाइ ॥ अन्य ॥ सोठि मरिच पीपरि हरर वहेरे आवरे जीरे कारजीरे वच धना लोंग सेधोनोन सौचरनोन साम्हरनो
न षारी छुटिया नोन एसव पाच पाच टंक लेइ जवाको चूरन सेर आध ऽ ॥ एसव औषदे वांटि जवाके चूरन मे मिलाइ एक रियहर के दूध से आक के दूध से
सानि रोटी कैरे फेरि वहरी घैरी की लेडी वदरा षोद कै लेडी भरै ता के वीरो टी धरै आग लगाइ देइ जव जरि कै राष होइ तव काढि लेइ फेरि वांटि कै षेवे
कै देइ मासो १ रोज षाइ दिन २१ राजयक्ष्मा जाइ कास स्वास सूल जाइ भूष लगै षासी जाइ कफ जाइ वाइ जाइ ॥ अन्य ॥ लोंग टंक १ अकलकरा टंक १
अजवाइन टंक १ त्रिफला टंक ३ त्रिकटु टंक ३ धतूरे के वीजा टंक १ दोइ कटाई की जर टंक २ एसव चूरन करि फेरि रूसे के रससे षरलै दिन १ गोमूत्र से षरलै दिन १ ग्वारि

के रससे षरलै दिन १ आदे के रससे षरलै दिन १ पान के रससे षरलै दिन १ फेरि चना प्रमान गोली वाधै षाइ दिन प्रति षासी जाइ ॥ अन्य ॥ अकलक
रा टंक १ अफीम टंक १ जाइफर टंक १ अजमोद टंक १ धतूरे की वीजा टंक १ जवाषार टंक १ सव एकत्र वांटि धतूरे के फल मे भरे सो फल कनिक छापि के आग मे
५ डारि देइ फेरि वांटि के ठुकनी करै पान से षाइ रती चारि दिन प्रति षासी जाइ ॥ अन्य ॥ थूहर को गडा लेइ ऊपर को वकला छोलि डारे भीतर को गूदो लेइ तिहि
के गतरा करै तव सेधौ नोन पैसा पाच रलेइ एक वासन मे नोन विछाइ देइ तव गतरा धरि देइ तव ऊपर ते नोन धरि देइ पारे कहा किंदे रकपरौटी करि कै सुषे कै आ
ग मे षदरा मे आवदे र दिन सात लो आग न वुझान पावे आठये दिन काढि लेइ वांटि कै षाइ रती एक १ दूसरे दिन रती २ तीसरे दिन रती ३ चौथे दिन रती ४ पाचये
दिन रती ५ छटये दिन रती ६ सातये दिन रती ७ आठये दिन रती ८ प्रमान तव दोऊ जो रषाइ दांत सो न लगै षासी जाइ ॥ अन्य ॥ वहेरे के फल के वकला पुराने
टंक २ रूसकी जर धतूरे के वीजा मात्रासम पीपरि पीपरामूर सव वांटि चूर्णकरि षाइ टंक १ षासी जाइ ॥ अन्य ॥ अगस्तिया के पान पिस्त्ररे लेइ छाह मे सु
षे कै वांटे तव पीपरि मरिच मात्रासम चूरन करि षाइ मात्रा टंक १ षासी जाइ ॥ अन्यक्व षार ॥ सुमिल सं षिया टंक १ नोन पाव टंक ५ साजी टंक १
सुहागा टंक १ जवाषार टंक १ सोठि टं० १ पीपरि टंक १ मरिच टं० १ हरर टं० १ वहेरे टं० १ आवरे टं० १ नोसादर टं० १ पीपरामूर टं० १ सव एकत्र वांटि निवू की
फाके करै वीजा काढि डारै तिन फाकन मे सव चूर्ण भरि देइ तव एक हांडी लेइ ताके भीतर अजवाइन पैसा पाच भरि विछाइ देइ ताके ऊपर निवुवा की फा
के सुधी धरि देइ तव हांडी को मुह मूंदि कै तीन दिन धरी रहन देइ चौथे दिन चूल्हे पर आचदे इपहर २ जव लौ सव औषद जरि जाइ तव सीतल करि कै उ
ता रले रसन औषदनि काढि कै एकत्र वांटि चूर्णकरै मात्रा रती २ नीवूरससे षाइ षासी जाइ ॥ अन्य ॥ मोथा सोठि हरर गुड सम लेइ दूने गुड से

गोलीवांधे ।९। कुष मैं राषै तीन दिनमै षासी दूरि होइ ॥ अन्य ॥ छेरीकौ मूत्र टका १०० वहेरेके फल १०० छेरीके मूत्रमै पकावे जव मूत्र सूष जाइ तव
वहेरेके फल निकासि लेइ सुषैके चूर्ण करि मधुसै षाइ ।१०। कास स्वास जाइ ॥ अन्य ॥ २ आदौ ५० ३ ५० धना ।२५ अजमोदा ।२५ जीरे ।२५ तज ।२५
पत्रज ।२५ लाइची ।२५ मौथा ।२५ सव एकत्र पाग करै अवलेह सो राषै षाइ ।१। कास अर्श ज्वर पीनस सूजन गुल्म क्षयी रोग जाइ ॥ अन्य ॥ वाइसुरही
गुरमै पद्माष देवदारु त्रिफला त्रिकुटु वाइविडंग समलेइ चूरन करि मधुसै षाइ ।१२। कास स्वास जाइ ॥ अन्य ॥ रूसौ हरद धना गुरिच भार्गी पी
परि सोठि कटाई समलेइ अष्टावसेष काथ करि मरिचके चूर्ण संयुक्त देइ कास स्वास जाइ ॥ अन्य ॥ लवंगादि वटिका ॥ लौग मरिच वहेरेके फ
लके वकला समलेइ वांटि चूर्ण करि ववूरकी अंतरछालकौ काठौ करि तिहिमै घोटि वटिका वाधै षाइ षासी जाइ ॥ अन्य ॥ सोठि अष्टावसेष का
यकरि देइ वात कफ दूरि होइ दृष्टि निर्मल होइ हृद्रोग उदररोग आम अतीसार सूल मंदाग्नि कास स्वास सर्व दूरि होइ ॥ अन्य ॥ सरसौकौ तेल
गुड षाइ स्वास दूरि होइ ॥ अन्य ॥ मधु षाड मरिचकौ चूर्ण एकत्र षाइ कास स्वास दूरि होइ ॥ अन्य ॥ कटाईकौ अष्टावसेष काथ करि पीपरिकौ चू
रन डारि पिवै षासी दूरि होइ ॥ अन्य ॥ पीपरि पीपरामूर वहेरे सौठि समलेइ वांटि चूर्ण करि मधुसै षाइ ।१। षासी दूरि होइ ॥ अन्य ॥ वहेरेकै
फल मुषमै राषै षासी दूरि होइ ॥ अन्य ॥ सौठि भारंगी अष्टावसेष काथ करि दे स्वास दूरि होइ ॥ अन्य ॥ सोठि मरिच पीपरि चूर्ण करि देइ गुडघी
उसै षाइ ।१। षासी दूरि होइ ॥ अन्य ॥ आदेकौ रस मधु एकत्र करि षाइ कास स्वास दूरि होइ ॥ अन्य ॥ रूसै अष्टावसेष काथ करि देइ षांसी दूरि
होइ ॥ अन्य ॥ रूसौकौ रस मधु एकत्र करि पिवै षांसी दूरि होइ ॥ अन्य ॥ त्रिफला गुरिच चित्राउर वाइसुरही वाइविडंग सोठि मरिच पीपरि सम
लेइ वांटि चूर्ण करि वरावर षाड मिलाइकै षाइ ।१। षासी दूरि होइ ॥ अन्य ॥ पीपरि हरर सैधौनोन चित्राउर मात्रासमलेइ वांटि चूर्णक

रि षाइ ।१। षांसी जाइ भूष लगै ज्वर जाइ ॥ अन्य कफ ॥ रूसौकौ वकला वांटिकै रस काढि लेइ तिहिमै पुहकरमूल तज वांटिकै रूसेके रससै पिवै कफ षांसी दू
रि होइ ॥ अन्य कफकौ ॥ कटाई जर पेड समेत लेइ वांटिकै गोला वांधिकै अंडके पानमै लपेटकै माटी छाविकै आगिमै पकावै सनि चोइ लेइ आदेके रससंयुक्त देइ
कफ दूरि होइ ॥ अन्य ॥ लेषावारिकै मधुसै देइ कफ दूरि होइ ॥ अन्य ॥ रूसौ कटाई गुरिच काथ करि मधुसंयुक्त देइ कास स्वास जुर दूरि होइ ॥ अथ आमवातपर ॥ छे
वलौषार तिलकौषार अपामार्गकौषार आककौ वाकौषार भूराकुम्हडाकौषार एकत्र टंक १ पीपरि टंक १० पुरानौ गुड टंक २० मिलेकै षाइ टंक ३ आमवात
जाइ ॥ अन्य ॥ साजी फटकरी कोरतिल पुरानौ गुड छेवलकौषार एकत्र करि गुडसे गोली करै ।२५। षाइ आमवात जाइ ॥ अन्य ॥ सुरतनैकी छालिकौ चूरन
पैसा दसभर ।५। सरसौ पैसा दसभर ।५। साम्हरनोन पैसा दशभर ।५। लहसन पैसा वीसभर २० सरसौकौ तेल पैस पंद्रहभर ।१५ स व एकत्र पीसिकै धरि राषै षाइ
पैसा ।१। भर आमवात जाइ ॥ अथ धातुवृद्धिपर ॥ सौठि असगंध देवदारु चंदन षांड मात्रासम दूधमै पिवै ।२५ धातु पुष्ट होइ ॥ अन्य ॥ पथरसगाकी जर करे
छुकेवीजा गुंषुरू षांड मात्रासम वांटि दूधमै पिवै ।१। पुष्टि होइ ॥ अन्य मकरध्वज गुटिका ॥ गुरषुरू ।१। जौरफल ।१। जावित्री ।१। करेछुकेवीजा ।२ गोगे
रुवा ।१। सतावरि ।२। विलाईकंद ।२। असगंध ।३। पत्रज ।१। तज ।१। आवरे ।१। नागकेसर ।१। गुरमैकौसत ।१। तालषषारेवीजा ।१। वंशलोचना ।१। रातौचंदन ।१। जाइफ
र ।१। जारपत्री ।६ सव औषदे वांटि षाड समलेइ पाकै रि ३ गुटिका करै षाइ ।१। प्रमेह धातु मूत्रकृच्छ मूत्रघात जाइ कामवर्धै पुष्ट होइ ॥ अन्य गोषुरादि कामे
ष्वर चूर्ण ॥ गुरषुरूके वीजा ।१। करैछुके वीजा ।२। गोगेरूवाकी जरकौ चूर्ण ।१। सतावर ।१। विलाईकंदकौ चूर्ण ।२। स्यामसकी जरकौ चूर्ण ।२। ककरीके वीजाकी
विजी ।२। असगंध ।३। तज ।१२। पत्रज ।१२। लाइची ।१२। पीपरि ।१२। आवरे ।१२। लौग ।१२। नागकेसर ।१२। वंशलोचना ।१२। मूसरी ।१२। गुरिचकौ चूर्ण ।१२। लालचं
दना ।१२। एकत्र वांटि चूर्ण करि छोटे सैमरके रसकी पुटे २१ कुसके रसकी पुट २१ कांसकी जरके रसकी पुट २१ उंषकी जरकी पुट २१ तव षांड सवकी वरावं
र मिलाइकै षाइ ।१२। नष्टवीर्य मूत्रकृच्छ क्षयी प्रमेह धातुदोष सव दूरि होइ पुष्ट होइ कामोद्दीपन होइ ॥ अथ सौभाग्य सुंठी ॥ सोठि सेर ।१। दूधगा

सारसं०
१२८

रकौ सेर ८ ५ तिहिमैं सोठिप चावैजव षोवा होइ तव और औषदै मिलावै सो फट कउ धना२ लौंग १ पत्रज १ षोपरा १ तज १ लाइची १ नागकेसर १
त्योषर १ कामराज १ तेजराज १ सिघारे १ अकलकरा १ असगंध १ तालीस १ मूसरी १ सतावरि १ जाइफर १ गादि १ सव औषदै चूर्णकरि सोठिमैंमिलाइ
६ टेरसवते हूनी थाउ पागकरिकै षाइ १ प्रदर ह्वी रितोइ स्त्रीपुष्पहोइ वंध्यास्त्री कै गर्भरहै पुत्र होइ देहकी पियराई जाइ आमवातका स स्वास रक्तपित्त
मंदाग्नि पांडुरोग कामल ए सर्व जाइ पुरुष षाइ तो कंदर्प होइ पुष्ट होइ ॥ अथ नामर्दपर ॥ कमोदकी जर टंक ३ ईश्वरलिंगी टंक ३ करैछ देवीजा टंक ३
षांड टंक ३ दूधगाइकौ सेर १ सव एकत्र दूधमैं औटि पीवा करै षाइ १ दिनप्रति संजम सैर है नीकौ होइ ॥ अथ महेंद्र सोठि ॥ सोठि सत्वै गाइकै मठामैं राषे दि ८॥
न तेरं मठा सेर ८॥ माटीके वासनमैं चढावै अफीम चोषो १५ सोठि ॥ औटै वेलकी लकरी वारे वेलकी लकरीसै चलावै जव गाढो होइ तव करहियामैं चला
वै जव कसार सौ होइ जाइ तव उतारिकै और औषदै मिलावै जाइफर १५ लौंग १५ लाइची १५ सैंधौनोन १५ सौचरनोन १५ वडागरो १५ एकत्र पीसि सोठिमैं
मिलाइकै षाइ १५ मरूर जाइ पाचन होइ रुच होइ भूष लगै संग्रहनी अतीसार जाइ वंधन होइ ॥ अथ करेरीपर ॥ आदै भरतकै हींग अजवाइन पीपरि
वच सोठि सैंधौनोन सव वांटि वेरकी गुटिलीकी वरावर गोली वांधै षाइ पेटकी मरूर जाय गुल्म निरोध जाइ ॥ अथ विसूचिका ॥ लहसन जीरे हींग सैंधौ
सौचरनोन त्रिकटु अजवाइन मात्रासम चूर्णकरि निंवूरसकी पुटै ३ देइ सुवै कै षाइ १२ अजीर्ण जाइ विसूचिका जाइ ॥ अथ वृहदग्निमुष चूर्ण ॥ साजी
षार जवाषार चिताउर पाठ करंजकेवीजा गटारनकेवीजा सैंधौनोन सौचरनोन साम्हरनोन षारी घुटियानोन लाइची मोथा भारंगी वाइविडंग हींग
पुहकरमूल कचूर दारुहरद निसोत मोथा वच इंद्रजौ आवरे अम्लवेतस गजपीपरि जीरे इमिली दरिमा सोठि पीपरि मरिच भिलमाशुद्ध अजमोद अ
जवाइन देवदारु हरर अतीस स्यामनिसोत हपुषा किरवारो मुल्हजनो तालवुषारेकेवीजा छै वलेके दमरा आककौ षार तिलकौ षार अकाजरकौ
षार थूहरकौ षार लोहेकौ कीट वनायो गोमूत्रकौ वुझायो समलेवांटि चूर्णकरै विजौरेके रसकी पुटै दिन ३ भंगकी पुटै दिन ३ आदेके रसकी पुटै रा०
१२८

दिन ३ सुषै सुषै कै देइ भोजनके उपरांत षाइ १४ अग्नि होइ अनाह गुल्म श्री ह और जे पेटके रोग है उदरव्याधि अंत्रवृद्धि अष्ठीलीवात रक्तमंदाग्नि अजीर्ण कृमि दुरि हो
इ भोजन भात दार सव विंजन षाइ जव लौं गाइ दुहै तितनी वेरमैं पचि जाइ महा पाचक है ॥ अथ अपच होत तौ रआफर होइ तापर ॥ सोठ ३ नौनयाचरई १ १२ गोमूत्रमैं ३
रितावै दिन ७ जव सोषि जाइ तव वांटि चूरन करि षाइ १५ नीकौ होइ ॥ अथ याम्य सोठि ॥ सोठि सतुवा ॥ जाइफर पैसा १५ सैंधौनोन १ सौचरनोन १ मठा गाइकौ सेर ८ ५
एकत्र माटीके वासनमैं चढावै जव पचि जाइ तव सुषैकै सान सवारै षाइ १५ आउ मरूर निठाई जाइ भूष लगै विषमज्वर जाइ रुचि होइ वल होइ सूल जाइ ॥ अ
थ आमवात सूजनको लेप ॥ सोठि हींग १ कूट १ वरकै पाये ॥ धतूरेके रगमैं ततपैकै लेप करै दिन ३ तौ सूजन जाइ ॥ अथ कम्पलापर ॥ कूटकी मरिच निसोत हरर
मात्रासम षाइ सैषार दिन ७ तौ नीकौ होइ ॥ अथ मर्दन त्रिदोषपर ॥ सुहागफूलेकै हींग सोठि असगंध एकत्र वांटि मर्दन करै सव देहमैं ॥ अथ कंडूलेप ॥ दूव हरद
सैंधौनोन पमारकेवीजा सव एकत्र वांटि मठामैं घोरि लगावै षाजु जाइ ॥ औषद छाजनपर ॥ तार १ वच १ सुहागा हरियर थूथो १ षैर १ दसे दुर १ घीउ ८।
डारि करतियामैं वै औषदै डारि देइ जव सुर जाइ तव उतारि ले ३ पहिल पानी लगाइकै तव उतारि लेइ पहिल पानी लगाइकै तव औषद लगावै छाजन जाइ
॥ अथ जाकी जीभमैं फोरा परत होइ ताकौ ॥ मालेकी अतरछाल वेलकी अतरछाल नीमकी अतरछाल थवरईकी नुर हंसकीजर अंउकीजर मजीठ रांतै
चंदन मात्रासम जौट पानी सेर ८ मैं वफारो लेइ कुरैकै षवारकै दिन ३ तौ नीकौ होइ ॥ अन्य ॥ आमकी गोदी तज लाइची जायफर हररतै इकेवीजा
चिरौंजी वादामकीवीजी सव एकत्र वांटि जरियाके जरकेरग सो लेय करै रक्तविकार मुषपाक जाइ ॥ अथ वालकके मुषरोगपर ॥ कस्तूरी चेवल
सुपारी षैर कंकोल मरिच लाइची एकत्र वांटि चमेलीके पात वा तुलसीके पातनमैं लगावै मुषपाक नीकौ होइ ॥ अथ मूड पीरपर ॥ तज पानीमैं पीसि दे
ई गुलगुला वात रुवामैं लेप करै मूड पीर जाइ ॥ अथ मुष रक्तप्रवाह ॥ आवरे घीउ कांजी वांटि माथेमैं लगावै पहर २ चार दिन करै नीकौ होइ ॥ अ
न्य ॥ मोथा उरई कमलगटा चंदन दूव कमोदिन कोनोस भलेय वांटि दूध वा पानीमैं लेप करै लिलारमैं रक्तपित्ततैं नाककी राह रक्त गिरत होइ सो नीकौ होइ ॥

ल

अथ बालककेफलेपर ॥ धतूरेकेपत्र नीमकेपत्र नागवेलकेपान रनकौरसानिचोरउसमकरियेटमैलगावैवालककौऊरनोमिटै ॥ अथपीलसीको ॥
कीरबी ४ गुरतीं ४ हींगरतीं ८ गोमूत्रमैवांटिकेतेपैकैलगावै अंडकेपातकैसैकैरनीकोहोइ ॥ अथ अडूपर ॥ पारो ॥ मुरदासेष ॥ एकत्र घीउडारि
केषरलकरैदिन १ तवलगावैनीकोहोइ ॥ अथस्त्रीकेफूलनहोइताकोओषद ॥ वडीटियारीकीजरटंक ३ करनाकेफूलटंक ४ एकत्रपानीमेऔटैजव
अधावरहोइतवपिवैतौफूललहोइ ॥ अथलारवीचूर्ण ॥ पारोसुद्धगंधकसुद्ध अधेला अधेलाभरिएकत्रकजरीकरैघोटैपहर ४ तव ओर ओष
देमिलावै सोठिमरिचपीपरि अतीस काकरासिंगी मोथा जाइफर लोंग जाइपत्री जीरे लजन्न कारफर भारंगी धवईकेफूल मोचरस वेलकी
गूदो मात्रासम अधेला अधेलाभरिभूजकेडारे एकत्रषरलकरेपहर २ तकसेधोरिपिवै टंक १ वालककोमासे २ गुरतरी अती सारपांडुरोगकास
स्वास मंदाग्नि सूलववेसीविषमज्वरगुदारोगसर्वजाइ ॥ अथसंग्रहनीकौ ॥ चिरायतो १ कुटकी १ सोठि १ पीपरि १ मिरिच १ मोथा १ कुरी ४ चितावर ४
गुरसेरएक १ सव औटै वांटि चूर्णकरिगुडसैसानिगोलीवांधै ॥ षाइ गृहणी ज्वर अती सारगुल्म पांडुरोगजाइ ॥ अन्य ॥ सोठिपैसा २ सैधोनो
नपैसा १ हींगफूलईसा से ८ सुहागफुलेकेपैसा २ सुहजनेकी अतरछलकेरससैषरलेगोलीवांधैवेरप्रमानएकगोलीषाइपावभरिमठापिवै
संग्रहनीजाइ ॥ अन्य ॥ कारेजीरे १ खुवारे षाउ १ चूर्णकरिएकत्रषाइ ॥ संग्रहीजाइ ॥ अथविषगर्भतेलवातरोगपर ॥ धतूरो निर्गुंडी वारतूस
री पथरसंगी अंडजर असगंध पवांरजर चितावर सुहजनेकीछाल मकोस्या केरकिवहाई नीमकीछाल वकाइनकीछाल सोनाकीजर पाड
रकीजर वेलकीजर कुम्हेरकीजर गनियारकीजर दोऊवलारेकीजर गुरषरूकीजर दोऊकटाईकीजर सतावरि कठऊमरि करिगुरीसर
कारफर विलाईकंद यूहथरकीजर मेढासिंगी सेतकनेरकीजर लालकनेरकीजर जरई अजाझारो पसाग्नि हरर वहेरे आवरे मात्रास
मटकाटकाभरितिलकोतेलो ६ अंडीकौतेल १६ सरसौकौतेल १६ सव औषदपानीमेवांटितेलमैपचावेमंद आचमेजवसवपचिजाइतवते

लछानिलेइतव कारफर ॥ भारंगी ॥ पाढा ॥ नौ सादर गंधक पुहकरमूल महसिल कचूर सव अधेला अधेलाभरवांटिचूर्णकरिकैवहतवारीकेतेलमै
मिलाइदेइ विषसिंगियाविनसोधोटका २ वारीकचूरनकरिकेतेलमैमिलाइदेइ फिरनछुरेवैध रिराषैलगावे सर्ववातहरिहोइ कूषिपीर भौहकीपीर पीठकी
पीर सर्वसंधिविषैसोय पधुसी सिरमैवातहोइसोसवहरिहोइ सर्वांगिफाटनहोइसोजाइ दंडापतानक अपेला करानाद सन्यता कंपवात अर्द्धवात वा
धिर्यगंडमाला अपची गंथि सिरकंप अपतंत्रक अनेकसर्ववात हरिहोइ तेरासनिपातजाइ जेसैवनमैसिंहआवै अरूरनाभजिजाइ ऐसेविषगर्भतेलके
लगाएसैसर्ववातरोगजाइ ॥ अथसिंदूरादितेल ॥ सिंदूरपैसा १ जीरे २ पानीमै पीसिकैतेलमैपचावैतेलटका ५ तवपचिजाइतवछानिकैलगावैपामादू
रिहोइ ॥ अथजीरकादिचूर्ण ॥ जीरे हरर सोठि पीपरि दरिमाकेफल लोंग गुरिच जाढा रो हिसरचारेकीजर उरई चंदन अजमोद आवरे चिरायतो करे
छकेवीजा दोऊवलारेकीजर गुरुषरूकीजर दोऊकटाईकीजर दाष पिपरामूर चितावर पित्तपापरो कचूर मोथा मूसरी परवरकेपान तेज पत्रज लाइची
देवदारु घमरा आदो मात्रासमचूर्णकरिछैरीकेपुट ३ गुडकीपुट भोजनकरिकैषाइ ॥ वातज्वरपित्तज्वरत्रिदोषज्वरकफज्वर द्वंदजप्रमेहज्वर रक्तज्वरम
लज्वर सर्वज्वरहरिहोइविषमज्वरहरिहोइ ॥ ओषदवंधनकी ॥ औरासारगंधकघीउमैसोधिकेलेइ हींग सोठि पीपरि मरिच लहसन सेंधोनोन जा
इफर एकत्रचूर्णकरिनिंवूरसकीपुट ३ देइकैचनाप्रमानगोलीवांधैसाझसवारैषारसैपनीजाइ ॥ अन्यवंधन ॥ आमकीअतरछल आवरे चूना
गारकेदूधमैघोरिकैतुरतहीपिवैवंधेजहोइदारस्के ॥ अथअसगंधपाक ॥ असगंधसेर १ दूधगाइकोसेर ५ असगंधुरैवैजवषोवाहो
इजाइतव ओर औषदेमिलावै सोठि मरिच पीपरि हरर वहेरे आवरे कामराज उरई वंशलोचना कमलगटा मूसरीकंद सतावर चितावर
र कूटजीरे स्याहजीरे मोथा कपूर जाइफर जाइपत्री पर्वत्रष गुरखरूकेवीजा चिरौंजी मोचरस नागकेसर लालचंदन दाष पीपू
रामूर करैछकेवीजा धना देवदारचंदन ककरीकेवीजा अजवाइनषुरासानी दालचिनी पुहकरमूल मेथी अजवाइन लाइची सि

सारसं० १२०

घारे जामुनकीछाल काकरासिंगी षाखचरव केसरि तज वंग मूसरी कींसार सवसमलेर माता १। टकारकाभर सवऔषदैतेइनीयाउ मैपाककैषार १। प्रमेह प्रदरजाइ पुष्टहोइविषमज्वरजाइकासस्वासपांडुरोगआमवातधातुछीनपुष्टहोइसर्वरोगजाइ ॥ अथरसिंदोतमर्दनसे निपातपर ११ सरसो असगंध ववकूट पीपरि सोंठि काइफर सोफ धना विरविडंग हरद हरर नेगउकेबीजा मोथा कुटकी तज पत्रज कटाईदो ई इंद्रजौ दारुहरद काकरासिंगी जवासो पित्तपापरो हींग माचासमचूर्णकरिकपरछानकरैफिरिसिलपैवतुतवारीकघोटैतवमरदनकरैतेरासे निपातजाइ ॥ अथवमनामृतमात्रा ॥ गंधकं कमलाक्ष्यं यष्टीमधु शिलाजितु रुद्राक्षोटंकण श्चैव सांवरश्रृंग भस्मकं ॥१॥ चंदनंच तवाक्षीरं गोरोचन मिदंसमं विल्वमूलक कषायेण मर्दयेत्याममात्रकं ॥२॥ वमनामृत योगोयं कमलाकर भाषितं ॥ टीका ॥

अथवा ७ गंधकआंवरासारसुद्ध मगजकमलगटा जेठीमधु कपूर शिलाजितु रुद्राक्ष सुहागाभूजा भस्मवारासिंहाकीसींगकी चंदनसुफेद तवाशीर गोरोचन वेलकीजडकाकाथते एकप्रहर मर्दनकरै सवदवासमलेई मात्रादुइरतीदेइ सहदेकेअनोपानते अथवाअरू तेदषिवेसातदिनदेइ सवप्रकारकावमनदूरहोई ॥ सांवरकेसींगकीभस्मक्रिया ॥ प्रथमसंवरसंवुकरिकै तीनदिनलौंकूकेरसमाहि जावे फिरिसरावसंपुटकरिकै गजपुटआंचदेई फिरिदहीकीभावनादेकै गजपुटआंचदेई जवलगुसुफेदनाहोइतवलग दहीकीभावनादेतंजाए गजपुटआंचदेतजाए सिद्धहोए ॥१॥ कूष्मांडपाकः ॥ कूष्मांडरवण्डानि१००॥ गोदुग्ध२००॥ शर्करा ५०। गोघृत१६। मादि ८। गरी ४। चिरौंजी २। षीराकामगज २। सौफ१। सामजीरा१। जवाइनि १। गुरवुरूपंडी १। मषानेकेबीजा १। हर्र केवाच २। तज २। धनिया मासे ३ पीपरि मो था० अस्वगंधा० दालचीनि० मूसरी० वरियारी० रवस० कचूर० तेजपत्र० जायफल० लवंग० ६ लाची० सिंघारा० चिनपापरा० मासे ३ चंदनसपेद ५ सुठी० अवरा० कसेरू ५। मषानेकेलावा २। मिर्च २। वंशलोचन० कपूर० कांती० सीताराम १२०

॥ रसं संजमरसः प्रमेहे ॥ पत्र ३८
॥ कामिनीमदर्भजनोरसः ॥ ४७
॥ प्राणेश्वरो रसः सर्वज्वरे ५४

॥ अथ लेहिकावालकनकीक्षुधाकरै ॥
मोथा कुटकी इंद्रजौ मगज
देवदारु इंद्रजव लौंग
लेहिकापावै ॥ सवसमभागलेवा ॥

स्त्रीरोगेपथरीकीदवा पत्र ३७
पंक्तिचौथीमा

नपुंसकचिकित्सा ६६

॥ मंजनदांतकीपीरका
१ रूमीमस्तगी
१ कीलाथोथाभूजा
१ फटकरीकालावा
१ सीसीकीमेदा
१ सीरसाकेबीजा
१ छोटीआसुपारीजारी
१ वाईवीडंग
२ माजूफर
१ पकीहरकीवकली
१ कालीमिरच
१ तमाखू सव औषधोसमानलेनाताकोपीसीकैइनौव र दांतनमामंजनकरै तो पीरजाई

५८ पत्र ॥ नामीकेऊपरलगाएतेविरेचनहोलैते

॥श्रूर्णपितशमनपाचनक्षुधाकर॥ इलाएची नागकेशर तजपत्रज तालीसवंशलोचन धनियादाडिम जीरा पीपरि अजवाइन॥

॥लवणशाहु लवणलाल सोफ अंबरा सबओषधिसमभागलेई सबओषधिकेसमान कपित्थका जिलेई गूदा अनारकेरसकी भावना

॥देई गुटिका बाँधी मासे ६ की ॥दोहा॥ रसविष गंधक औरहरताल त्रिकुटत्रिफला टंकनखार अजैपाल भंगरा

॥जरस बाँधै गोली चौशठ रोग हरै घोडाचोली॥ दवाधातुक्षीणमारक तिदादामिया॥ सुखातेंदूके मेदा तोले ४

॥दरियाईसीपी सोधी तोले २ शालमीमिश्री तोले २॥ तालमखानेके बीज तोले २॥ सपेद मुशली तोले २॥ पिस्तेके

॥मगज तोले २॥ बेनवरका मगज तोले २॥ बनारसी शकर तोले ४॥ सबचूरणकरिके खुरा

॥क पाँच मासे ते पल जाय नौमासे लगे॥ जाइके कच्चे दूधकेसाथ॥ खट्टा बादी नाखाना॥ चूरणदूस

॥रा॥ गुर्चेका शतमासे ६॥ कचलज हुकामगज मासे ६॥ छोटीइलाचीमासे ३॥ वंशलोचनमासे ३॥ कबा

॥बचीनी मासे ३॥ छरीला तीमनिमासे ३॥ तुलसदके फल मासे ३॥ सबका चूरणकरिकै खुराक दुइमा

॥सेकी तेहिका अनुपान गावजोबाँका लवावतीनिमासे॥ पोस्तबेरोनी पिस्ता दोमासे २॥ इलाची

॥दोमासे २ इनकेसीराके साथ चूरणखाइ॥

गुर्चेकाशतमासे ६

कचलजहकामगज मासे ६

इलाचीमा ३

वंशलोचनमासे ३

कवावचीनीमासे ३

छरीलातीमा २

खरजुरदमासे २

सालिममिश्री

मुंगोकेकुमेमासे ४

गजपानमासे ४

तर्मजाकामगज मासे

तलमखाना मासे

जहमोहरामासे

नरमनेसुरतसके

सबकाचूरणकरि

कैखुराक मासे

तेहिकाअनुपा

नकैसेनीपिस्ता

मिथिमासे ३

बजौवामासे ६

इलाची

सबकाशीरा

निकालिकै

साथलेते

मरवानेमिश्री

इनकेसके

पीलेना

उसबकाके

राख्हैइस

काखाए

सेपावलौ

१५/२८

95/28

विषभागंक्षयेदग्धाः कपर्दाः पंचभागकाः मरिचंनवभागंचचूर्णंखल्वेनसोधयेत् अर्द्रकस्यरसेनास्यकुर्या मुद्गनिभांवटीं सायंप्रातःप्रसंयोज्या श्वासेकासेकफे तथा अजीर्णेहिक्काशूलेषु ज्वरेदुर्जलपानयोः कस्तूरिवटी ॥ विसमशीतज्वरे ॥ सोनपाठाफूल निंबकीछाल इंद्रजवमीठे नागरमोथा मुनक्का। त्रिफला गुडूची एहिक्वाथकीदवाई पांचपांचमासेलेना एकाहिकज्वरे उसीर चंदनलाल नागरमोथा गुडूची धनियां नागर क्वाथकरि मधुमिश्रीकायोगकरिदे ३ अथावलेहः ॥ मिर्च १ पीपरि १ यवाक्षार ॥ दाडिमवल्कल १ मिश्री ४ वासाक्वाथे ८ नवलेहः ॥ • दवाकैदस्तकी ॥ सोफ जीरा इलाची स्याहजीरा दो

वेरुनीपि
ला

दोमासा कपूरकचरी समारवे पपीताका चंदनसफेद औरसववराबर चार-चार मासे लेइ आधसेर पानीमाकाठा करै आधपाव पानी बाकी रहैतबछानि लेइ पिवै दवाके दोर चारि घरि के अंतरमा ॥ हजमेकी दवा मारफत तीसादामिया ॥ शंखभस्म १ अदेसलीम १ घोंघी कौडी १ कुराफएक मासे दुनौ बखत ॥ पुरमा ॥ घरियासोनारकी मासे ६ मभीरी है तौलेपात अम्मा हरदी ३ हरवत तीया ६

इति

(वैद्यक) सारसंग्रहः

95/28

१५/२८